

# कर्मविपाक सूत्र



श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर  
भट्टारकश्री सकलकीर्ति  
श्रुतभण्डार ईडर (गुजरात)

१२२.

कर्म विपाक सूत्र

अपूर्ण

श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर, भट्टारकश्री सकलकीर्ति  
श्रुत भंडार ईडर-३८३४३० गुजरात(S.K.)

### ग्रन्थ परिचय-पत्र

मन्दिर/ग्रन्थ भण्डार का नाम		
क्रम संख्या	१२४२	वेष्टन संख्या २३
ग्रन्थ का नाम	कम्की निपाक सूत्र	आकार से.मी. २५ x ११
ग्रन्थकार का नाम		पत्र (पृष्ठ) संख्या १० x २०
टीकाकार		पंक्ति अक्षर
प्रतिलिपिकार		रचनाकाल
कागज/ताड़पत्र	कागज	प्रतिलिपिकाल सिद्धीदा
लिपि व भाषा	देवनागरी लिपि	पूर्ण/अपूर्ण ३१६
गद्य/पद्य	पद्य	स्थिति : जीर्ण/अति जीर्ण/सामान्य
विषय	अध्यात्म	
विशेष विवरण		

मपुंहुंवात। कंयानरगिं कंणपङ्कविंजात। असनिपुहचिपिहिलिठाय उरप्रशब्जिजेन  
रगिंजाय। ५०। पंषीत्रिजेजाएवही। नुजपरिपणचोथेसहा। चित्। सिंहपुंचिपांठ  
मिं। स्त्रीयतकेछठालगेजमे। ५१। मगरमच्छत्रिजेनरा। नरा। म्हातमेपुंह चिंधरा  
एउतकष्टीकहीविचार। तेथीउपरनहिलगार। ५२। हंसाजंनकरिंभरनार। का  
मक्रोधलोचननहिंपार। अजघतणोजेकरेआहार। परिग्रहताणोनहीतसघार। ५३।  
पंचेदिनाहत्याकरे। आरंभकरतोभव। ५४। एतांकरतव्यजेनरकरे। तेनिहचं  
नरगिंपरवरे। ५५। धूअरील? दवअतिघणो। माटीथाकसुधीरतेहतणो। रातदी  
वसजेरेदवुंतिहां। दुरकभोयारनआवेतिहां। ५६। मंगरफोलेधूकेंधरा। चंदसूर  
जतेजाएपरा। म्हाणे। श्रीरदुहादेइ। सुगतांहईभाफाटेमोइ। ५७। एसुगतांन  
यआंएजके। जथायोगपालसिंहकिं। तेहनांबंधनसीधलथाय। अमुकमेअ

कर्मविपाक

५

मरापुरीजाये। **५३** निद्राअलसचोमोदीर। एकमनाथईसुणज्योधीर। एदुःख  
 भिसयांकेइवार। तोपणअजीयनआओपार। **५४** कोरुपरवलगोकहेकेवली  
 नविकजीवसुणउरोमनरली। तोपणतेहोनआवेछेह। सुंणवातकरीनवन  
 वटेह। **५५** कस्यांकर्मनोनआवेपार। जोनअनेकनभ्यावणसार। वेलुकणछं  
 टांरुमान। एकनमप्रवरतेनगवांन। **५६** जीवसूरतपणतेनवलहे। कोडजी  
 नकराजिनवरकहै। सरपतसुणतांनआवेछेह। तोकेंसवरणुआणानेह  
 दे। दूहा। पगउहेआकासमें। किंमेनपुंहेचेपार। तेनएकर्मविपाकनो। अर  
 थहीछेअपार। **५७** कलुमेंकरमविपाकबड्ड। पेटपंसाराकाज। मुगतपंध्र  
 समजेनहं। सुंणतांनआवेकाज। **५८** एहग्रंथअति। रेष्टहै। सुंणसेंधरीवेरा  
 ग। मनसुधेजेपालसै। तेलहसिसुधभाग। **५९** अलकडंसवजोफके। कित्ती

श्री  
५

कर्मविषाक

६

यघणेरो। कीडइ संघातदरुपडुचिं। वचदोहिलोफेरो। ७३। टाठीजीनिजेअवतरीयो रहि  
बलवंतीचूमि। ७४। पगमुकंतांदुमि। ७५। कोहांगंधकलेवरपासें। रे  
हुवुंकचरासाहिं। ७६। रजाणें। उत्रेंअधुकादाह। ७७। घोरभरनवारनलाग  
भारकरिनवकोईपरभाभंसाआशपिठिं तिंसरदुषेरोए। ७८। वेतरणावाहिपरवाहि  
करीकतुहलकाडा। तातांतरुयांतीरकनेले। सहेंनारकापीडा। ७९। धगधगतीलोडानी  
वेडी। घेडिआविषासें। तेहनादादाचितचिंतवे। टाठेगएहधामे। ८०। गामेरापरजली  
पासे। वेलुनाठगामोटा। ताताभांहेपिठा। सरसगलेसेघोटा। ८१। नामिपरवतगुफा  
साहिपेसें। वज्रसीलासीरसाहिं। अगनवरणदेखातेहणे। ८२। कंधानकाभोहे। ८३।  
धोरीधोरेंतातेषेके। नारेअंगरावअतीवकरंतोदेषी। पिलनेसजहं। ८४। चारेजागोजोन  
वितांणे लेइघालेघांणे। पीलीरनेरसकाठे। ऊंणकहेतेजांण। ८५। उजोरषीदुरमुषनाषी

आ  
६

कराउफंड। एणे मारगन वचालसै। तेनिहचेधामे नं०। १५। (हं) गासाहई मुं उलसे  
उपजे बुधविशेष। नजनकरेजेना वसुं। दरसण येअसे प्र०। १६। करमविषाकह  
पिठीका। अल्पकही मतिमंद। आगोकहिसुं जावनि। नाचोनवर चंद। १७। ठाल  
वेलिनी। रागआसाउरी। दिवदयालुं परमजीरंजण। आपाजोयोविचारो। विष  
यकषायथको मनवारो। आपणपोसंजारो। १८। किहांशेआवो किहांतुंजा एम  
था एम किहांतुं प्राणी। एमंसारपरानवपेयो। जोयोनेचेंतनआणी। १९। ममतामा  
यासुंमनवासे। करीकषायधरो। संयमसीलधस्वाविचारी। मांघोबडदंदोल  
२०। जाषचोएहीजोननसंतं। मांणमनोनवलाक्षे। एकसदाजिनवांणीविचा  
रो। काजआपणुंसारो। २१। करतकठोरकरतां होमी। नरकतणुं दुषनाई परमा  
धामी क्षेत्रवेदना किंमसहसोनाई। २२। माहोमाहिं वठिंतिहां वैरि। करिकषा

करवतदेईकेपाल। कावतणीपेरिचेदीपामे। करिंजुजुटाफाल। ८३। १। ईनथीजेकरतां  
वारं ऊंनामांहिंपचाविं। वलिबिसामेसूलीउपर परवसपणेनशरिं १४। कौडकेहनी  
सारनपुछे। वलिपचारुंयायी। जीवसरीरसवादेंधाती। ऊंजांकोलांकापी। १५। अयाथांय  
णतुंशीलवती। वलतोकराबोल। परपीडाएहरषधरंतो। निवरनहिनिवोर। १६। पर  
नारिसुंरंगीरमाने। अगनफूतलीअंणो। परधनधाधंपुर। क्रोधमानमायासदलोने। कीक्ष  
कर्मकरु। १७। कस्युंआपणुंनोगतनाई। कैसोदीसहसारी। पापतणुंलेतरुवरवायुं  
सफलफलोछेधाहरो। १८। दहा। एरिग्रहमेवोकारमो। आरंभकस्योअपार। करुणा  
नवहइहेवपी। तिणेंकेइतपदेयार। १९। सुगुरुसंगततुजतवराणे। चालोऊगुरु  
साथ। कल्पतरुतने। २०। पीबाउलवाथ। २१। नंधाकीधियारकी। धनउपजतुंदे  
षहंसाकरतांसुप्रलह। लइवणासोत्रेष। २२। चालीकीधिवीतर। लोकांकार्योसंताप

कर्मविषा  
क

७

अहनि सधुं तोर हो। एमकी धां बड्ड वध पाप। ए३ वी पई। नोजन करी वधी मुं अन। पुमी नयो  
 बड्ड मली धन। दीया सरा पधी धान लथई। अगन समांत आंध मुफ नई। ए३। सुध कंधी  
 ती धूजे देह। केई वर सती श्री कें मै ह। सुधी नयो करती वडवा ड। रेषा त्रण पहिने ला। म। ए३  
 को बोला वेबर का करे। हंसा कर तोन विथर हरे। कोपें दी से कोप कराल। तन धन घो वें  
 ते तत काल। ए३। कोपिं धर सते हनुं जाय। दान पुन्य ते निर्फल था ए। केई वर सती त आ  
 लेग मै। अगत मां हे ते बड्ड नर नमै। ए३। ते कारण मत कर जोरी स। कसुं नोग व जो वी  
 सवा विस। माय बा पत्र र बेटी बड्ड। धरणी बेहती सा जन सड्ड। ए३। स्वार ६। जगें सने ह  
 सड्ड करे अंत समे ले इवन मां हि धरे। ता कारण सड्ड को कारण। ए३। सड्ड जां गो सी ह  
 एण स मुं। ए३। वृहा। लीज व सै मधू वेडी यां। दाह दया मन धंत। पुंजां बड्ड पर जाली यां  
 कर म कसां बड्ड जांत। ए३। पुर पाटण पर जाली यां। दइ मन ध ह एण पर काज। दे

श्री  
७

वदेषी दोषणदाया। हविंनचोमुंआज। १०७। नल। एधुंनलातेवलीउदेरे। करेविदनागाठी  
छेदी २ धारषपवे मांसमाहेलुंकाठी। १०८। जोयलापांचुंमिउंवीउमे दुषितवरेजीव। काग  
थईनेउपरकरमे। करेनारकीरीव। १०९। वाघसिंघरुपिथईश्वे। पकतादेईथाए। तांएने  
संगलीनसश्रीमे। परनवनुंएपाप। ११०। नासिनेवनमांहिपैमे। दसेदुप्रायेदाए। पाऊं  
मलगलीगाठेरु। दसेदुर्वलषीए। १११। नृषअनंतीतरसअनंती। आहारकरेअंगार  
अतिदुरगंधअनेवलाषासं। करकसकवराअपार। ११२। सीसकमूलअनेज्वरघीडा। ग  
डगुबडअपार। रांधरावायअनेवायुषल कोईनहितिहांसार। ११३। सनिपातमलषी  
सरगतपत रोगघराउपडा। इतिआकंदकरतोदेषी। तोपरपाकनआवे। ११४। पी  
डाकरितेपछेवबूटे। नहाराविरु। कोह्युसदासरिनीगंध। नोगवेदुषअपार। ११५।  
दूहा। सर्वरोगउदेहूया। अमुचीतलोतहिंपार। अंधकरेवापीरह्यो। कोईनपुछिसार। ११६।

कर्मविषाक

८

प

दुगंभाबडुकरा। संकाकरीअपार। बोषरहितसंगलेतिहां। नोगवसहीगभार  
 ११०। जयंकारखचननरा। दोम्याबडुदासमूर। पमूषाडाइहरषती। घातोअमि  
 षपुर। १११। भात। हाकाहाकहोईअदकेरो। सुणतांहेहुंफाटे। पारानीपेरेमलेवे  
 गमुं। निंमालेईनिवाटि। ११२। तरसनणीत्वांतरुयुंयांये। नरकेघरटासांहिंताप  
 कितिहांबडुअनेरो। हविंवेसांमुंछांहे। ११३। तरुथरडुंतीपांनपरुंती। षडगधई  
 नेवाजिं। हाथअनेपगछेदीमुंकिं। संधसवेथोत्ताजिं। ११४। शीवकरीनेजोतेनासे। पा  
 सिपरमाधांमी। मोमोमोहरासाहनबुटिं। पायतणुंफलपांमी। ११५। अगनप्रजाले  
 उधेमाथे। उपरवांधिपाय। दुषअनंतोकेहनेकइए। तेजांणेजिनराय। ११६। पराति  
 जोजनकसासंजारी। कामीएमुषनरीए। सिविहोठअनेमुखबुरो। गालेंतोंद  
 करिए। ११७। परनारीमुंपापकरीने। अगनफूतलीआंणे। आलेंगणआणीदेवरा

श्री  
८

विंअसुंकरितेजांणे ॥१७॥ गीतसुरगसुहातातुफनें ॥ कानेंजरिंकशीर ॥ नयणनेंहालाना  
राहरषो ॥ अंधितातुंनार ॥१८॥ अगारकहरअनेकसूरी ॥ मेवालागगांध ॥ अंधेजासलताके  
घाले ॥ काल्योघालीबंध ॥१९॥ घाटांघारांकेरायअथाले ॥ मुलागाजरसकरकंर ॥ रंतालुनेपु  
ईवाथलो ॥ मोरतणावड्डवंद ॥२०॥ वंशकरणेकमलवनफल ॥ नुराण ॥ लसाक ॥ त्रौमी  
जीवकरोसतधंड ॥ बड्डविधकीधंयाप ॥२१॥ अतिसकोमालहंसरुनरीयां ॥ कोमलकरीत  
लाई ॥ व्रजशालासंघलैकंठाली ॥ तिहांपछाह्योसाही ॥२२॥ आहेमीआगीसरसकीधी ॥ लीधी  
बंधीयास ॥ घालिजालघणोविहावे ॥ मारेंमनउलास ॥२३॥ सेजेबेमीबाणवचोमं ॥ मोडामर  
डीकाय ॥ दुखसही ॥ इंद्यजनागो ॥ आविलागोपाय ॥२४॥ दसआंगुलादांतेदेतो ॥ मांमारीहे  
स्वामी ॥ कृपाकरोअतिगरुयानायक ॥ पीडामिंअतिपांमी ॥२५॥ वनिवारड्डइछेंबंधव ॥ दे  
याकरोदातार ॥ वरसतणीकोडनजाजुं ॥ किमसहीएएमार ॥२६॥ दीनदयामणीपाथेला

कर्मविपाक  
९

गो। मारोमोतुमांत। लोइतेहनेचंतननेजे। काभंकष्टअजान। १२७। दोहा। पुरवसाभ्यांघांतसुं  
अकरनवावइलीध। लोचवसेकोईनदगणो। ब्रह्महत्यातेकोध। १२८। कूडकपुडधनमेल  
यो। नकसोहेकोइविचार। पापकुटंबपोमीकरी। आव्यानरकमकार। २६। माल। कराकर  
गलीयापाषल। करीया। धरियानरकनिवास। मंडीषंडेघालवडोमं। जीलालेईवासा। १३०  
उपरवूनापुराचूरी। बलिपरीईमूली। उछालीआकासफरंतो। परुतांधरिंत्रिशूली। १३१। अ  
णावांसडासाहेधसोले। बालितातेतेल। घरातेघाटघराएरेऊटे। करिंतीवारदुगेल  
१३२। एसुंकराकोईजागीजाइ। तोथांइबीजेरा। पनरेनेदेपर। कांमी। योजाघुणाअने  
रा। १३३। त्रीजानरगलगइएजाए। आघोमाहोमाहे। विरिवटंतातिहांपोहता। दीवातेन  
सोहाइ। १३४। देषास्थानअनेराउठे। क्रोधतरणाबलकाल। १३५। येरिंशुभिंधुंधुंता। भारक  
रिविकराल। १३५। वैरसंजारेवजाविशेषे। धरीनवांसधीय। कांत। सीगणवांराक

श्री  
९

टारी। जालामो गरमार। १३६। फरसी पटा घणां संभाव्य। फूफ करे कूज। बलवंता विजामि  
पोहवे। राजन हे आक्षर। १३७। करमि करमि ने उजरमि। सुको। तात प्रपार। सुं। लमार करत  
क्षइ। कोई नही आक्षर। १३८। नराक्षर ते नरक व संतां। करिकं धूय रहर। बीजा जालन मां  
हिपेसै। वासुदुख मरूप। १३९। एक एक उपर अतिक्रीधी। मदा विरी मिर। र। विं। जापां दु त्रि च  
पेटा। छूटा नां चिंतीर। १४०। नरका वासा लाष चोरा सी। सुं। एतां दहि संतां। य। नोग वतां नार  
दुख होसि। तो पर हरी एयाप। १४१। च प्रमाणे नरका वासी। नरक सात ते जां ए। अत्र वेदता टाठ  
अनंती। दुख अनंतां षां ए। १४२। उठको रुसू इ सुं विधिं। उन्न वज्र समान रोग तणी बडु को  
उवगी इ। पोठी काय प्रमां ए। १४३। तां दुल मस तणे नवयां सी पोछे पेले ठां मे। छास ठसा ग  
र काल पडुचे। टाठ चठे तसनां मे। १४४। मिथ्या मती अज्ञान प्रभा विं। कर्म करि बडु भंग  
पर पाडा सुं आदर आंणी। इंद्रिणी मिरंग। १४५। इंधरा अण सो ध्यां वेया सां। आरत रुद्र अपार

चपेट। लाधिलांचवड्डपरलोने। नोगवतुंमहीनेव। ह्येपांणीतगाघाटतिरुंध्य। काधोजीव  
 संघार। आरंत्तानेआरतध्मंती। नहापरिग्रहपार। ह्ये। क्रूरपरणामकस्यागेडेग। रुडध्मंन  
 सुरंग। नयणमिंपरलोकनदीठो। धाधुपीधुसंग। ६७। व्रतलेईनेजांज्याजाई। नाध्याव  
 लिऊसूत्र। लेस्याकालीबंधअंतती। एहवुंजीवचरित्र। ह्ये। एहवांक्रमकरानेआपण।  
 आव्यातरकमर्जर। दुष्टआपणुंकेहनैकहिए। मसीपुंहचीपार। ह्ये। उपसमआंणीनेआ  
 मो। समकितलेहसुजांण। सुजध्मानबड्डक्रमध्याने। पांसोसमरसप्रांण। ७०। मांन  
 वचवअष्टरवधामा। वहेजिनेस्वरआंण। संयमयालतछेप्रआत्रे। तेषामेवांवीण। ७१  
 जेमिध्यातमहोदधिहास्या। सरियांक्रमप्रणांम। बंधकरेतेवीहलाप्रांणी। दुर्वअनंतति  
 लेवांस। ७२। अशुचकरमअधिकांउपराजि। आव्यातरियमकार। शपकरीनेणछापमी  
 या। २३वडीयासंसार। ७३। वड्डनीगोदिअनंतापुदमल। जेविह्वारवड्डणां। सतरवार

उस्मासमाहिं। मरणकरदुखदीणा। ७४। सर्वनामकीयहेअनंता। कष्टसहेअज्ञान। कायास  
द्वमकर्मतणोवस। वेदतिहांवरासांन। ७५। पुंनपाषेयिद्वहाशायि। नमत्तंजोअनेक।  
प्रथवीकायतणोत्तवपांमी। कायकरीअनेक। ७६। माटीषमीनेअरयोद्यो। लुरिअअंजन  
उंच। धारासिंधुलुंगकसीसा। कस्यांसरीरहहंस। ७७। वांनीपालेयोमुक्ताफल। सुमसिला  
हरिआल। हीरापांचअनेपरवालां। मांणकसुंनीलाल। ७८। सुनंरुपांतरुयांसीसांयांमु  
मरजहांन। परवतप्रथवीमांहिंनसंतां। तिहांनमोवरासांन। ७९। सांनविह्णणोसातेला  
षे। पुरीजोनप्रपंच। सूक्ष्मवाटरमांहिंनसंतां। दुखअनेकअसंख। ८०। छेदननेदनचुर  
णपुरण। षोदेषणोअजाण। फोडेयोहैगालेवाले। माहितेपेछांण। ८१। दूहा। इंपुंजापतव  
सपमो। वलीकरचमीयोनार। परवसदुखबडलांसह्यां। केनेकरणेकार। ८२। मैतव  
जाणुंजेहसे। एहवांकष्टअपार। करजीडीप्रचुवेनवेयोमानवअव। नअने। ढाल



वद्या। तापोकाइंअजांन। एणोताप्येंदुरव्यांसो। एणसुमकरोग। ३। तालीत्रीक  
 मसुंधरो। तिणोउतरसेटाठ। एविठाल। वायुएवोआवेअवसर। साइअमीउंकलतां  
 म। मंडलगुंजअनेघनवाय। पांमोनाअलवांम। एधिधमएविंजणोतालीकूंकै। पांमो  
 वायुविणाम। पुरीकालअसंधएणीपैरे। सातलाधवणनाम। एधिदहा। खरगमतु  
 पातालमव। वायुतणामंडाण। चतुरविचारीचंतसुं। कांइकरेधेहांण। एधिचौदे  
 पडपरीरहो। चौदेणआधार। जतनकरोसइतेहजणी। तवउतरसोणार। एधि। वन  
 सपतीवेजिनकहा। प्रत्येकएकअनूप। बिजीसाधारणकहा। केहसुंतेहसरूप। एधि  
 ठाल। एकीदेहीजीवअनंता। तेसाधारणअपार। आदुंसुरणगाजरमूला। कंटकुली  
 कंधार। एधि। हलइकचुरागलोवीआली। आंबलीअनेअंकुर। सीलागीरसन  
 वलुंणुं। चलीतरलीयांपुर। २००। रोटीपोलीअनेलापसा। वासिआसनअंन। थोय

कर्मविपा  
१३

रणीनुपत्रवगहीया। धैरगभोधवडुनील। २०। सोरोपीवषीरमाजीयो। लूचरलूचीजां  
रा। कांजीवहांनेचूरसुंपुडा। असाधेवडुहांण। २। चोपरीठोकलनीकूअनेपलेवे। क  
रमीराबराइतुसेव। नाजासैथीअनेमसूर। कांजासासलीयांमेंघर। ३। पांणीसास  
तणोहोएसंग। रातिनोजनथाएअजंग। मनसांतेतेकरजीवही। कीदुंतोनवजासेस  
ही। ४। चोमासेपापहयापही सुकनडीनेघारावडी। तरकारीपरदीधुलूण। कसुंआ  
एणुंशोनेऊंण। ५। वासादालदहीवावसां। अथांणांपांणीमेंकसां। तेपरसंडोअवे  
वलि। नसुंपेटमेंपापेंकरी। ६। वासीअमरीवासीगार। मुडोगोबरअपरवार। तेसरा  
वरजईकादवलीथा। लुंणीवगारराषीआ। ७। डाल। वंसकरेलाकोसलवलफल।  
चौदलाषनीजोननमंतां। नक्षणाकाधंघर। ८। जेहमेंजीवअनंतजीला। तेक  
मकसांअतिपुर। एहवुंजांणीअजीनउवो। आयकाजइइसर। ९। वसा। अनंतका

श्री  
१३

यमेङ्गुल्यो । सहांतेदुखनीषाणा । करजोमीकसुविंनता । अतुदरोतु । असार । १५ । बाल  
एकादेहेजीवअनंतह । तिवनस्पतिरूप । तेमैजीवकहा । जेजिनवर । तिहनु । कडंसरूप  
१ । आंवाजांबुआकधतुरा । षेजडखेरपलास । असोकसाललीसावाहवन । राईशापि  
पलवास । २ । वांषाकरणीबीरमडुमं । वलिविविधपरधान । बिरजेदधनस्पतिबडुली  
तिहारल्योवणासांन । ३ । दूहा । मूलडालफलफलसुं । पत्रचालाउरवेल । वेदेनेदेसां  
तसुं । अहनिमएहसुंगेल । ४ । छौलेखुंदीलुंगादे । उपरधरेअंगार । विस्तुंसुंगोमुकवे  
करे । नति । परवसेपोकार । ५ । बाल । आंधीवहिरोनाकविह्णो । वलिनम्पावणाजाष ।  
परतकतेहतणादुखदेशुं । कांवाणसांमुंकाज । ६ । श्रीजिनवांणावधिवाश्री । कु  
सूत्रमनषंत । दुखअकांसअनंतांसहतां । वेइंड्राबलवंत । ७ । जीवलाघरलंतीबां  
धस । करमअनेकअपार । इयलवालासीपगंतीला । केणंनकाधिसार । ८ । अलमी

कर्मविषा.

१४

सरसीमेघाकीडा। पुंरासंघजलोय। मात्रवहादीचक्रसीपोती। दुखनजांणोकोई। १९  
तेरेंडाकीडीमौकीडा। मांकणनेगधहाया। सवाकंथुजुगौगा। धानधनेराजुया। २०  
गयालीइलीनेवेहर। केहनीनहिंसाह। टलवलतांतटकेदुषदाकां। मर्दनमाणस  
पाए। २१। अगनवलतांदुधगमांहे। वलीघणापेरेंघाए। चांप्योमसल्योअनेयागथी म  
छगलागलषाए। २२। जोदुजोनबेलाषरासीपर। त्यांकीधोअवतार। सर्गोसराजीको  
नहिंसाथे। एकलकोनिरक्षर। २३। चौरेंडोलताकंधारी। माधीकुंताडांस। नमरावेची  
टीफतंगा। सपरनहिंबडुमांस। २४। पक्षाजक्रगादावीधका। बडुपेरलेपतां।  
कष्टअनेकसह्यांणणीपेर। जोनबेलाषरलंतां। २५। अवतरीमिथ्यातिमेली। कछ  
महुपरकार। हस्तिघोकागाथकलोका। महिषीतुंडअजाय। २६। रिचंसिंदमृगसूय  
रसांमर। रोजसीयालसणाए। नेरंडकोरंडचडीसुकवायस। धारसहेसमउर। २७।

श्री  
१४

लावातेतरवगवापीडा। परडाविंदुरसांप। कोयलघुंरामुर्करहनागत। नागहणी  
कस्यांपाप। २८। गोहधरोलीबांनणनीली। सांडासररुसंगेड। पचप्रकारहीरीयसं  
ख्या। पाडासहीप्रचंड। २९। धीवरआहेनीवसआव्यो। वेदनसहीअसंपंड। चारलाष  
नाजोननसंतां। माणसमाहेंप्रचंड। ३०। गरतबालापणबडलो। वेदनसही। अपार। को हो  
डापांगुनपुंसककाली। गीहलीगुणविकाकार। ३१। अंतसमासीमलेछकंसाइ। धां  
चामीचामेणो। दालद्रीनेदासकंमारो। मारोजनमथोहेणो। ३२। दूहा। मुंकनथीवा  
मणनथी। कुबडकोडअपार। सामअनेदुरगंधता। कोइतपुछेमार। ३३। कंणपा  
पेंतेअवतरें। कहीमुफपुरीआस। साषपुछेगुरुनेवली। उतरदेयुंउछास। ३४। ची  
पई। कोएनरामीमनउदास। गुणनवजाणणेनंदीतास। परवकोधूतेसंनार। अम  
नेदीसमदेउलगार। ३५। तिंओडानाकस्यावेणार। षोदीषामेधस्याअपार। त्यांमुफने

नविआवाटेया। एहांतुफनेअंगकरसेमया। ३६। आव्युपरवदीवालीतणं। लिप्युंघरथा  
 प्युआंगणं। घणांजीवनीश्रीहीआस। तेणोंकाधोतमेंतरकनिवास। ३७। कपटकरीधन  
 मेलुंरली। पापकटंबतेयोष्युंवली। एमघणापेरथयोरैवणा। आसापुरीसडुमनतणी।  
 ३८। तेंपगरणामांम्योमनरली। घरणीघाटघनाव्यावली। घरसांधंतघाजांधंडाण। रंगीघ  
 रसांम्यांमंडाण। ३९। सजनमेल्याव्योमेल्योवडु। नांनोमोटीआव्योसडु। मलीयाब्राह्म  
 णआव्याजाट। राष्यापंथीजातावाट। ४०। तैम्योसडुकीलोकनीसंक। अमारीकोमत  
 काठोवंक। घायतणातिहारेकारेड। एहनीकोईनआवेसेड। ४१। लुटेधनसडुआणाने  
 ह। पुन्यकाजबहांकोमीदेह। एमकरतांबडुदीननेंगमे। केहडवांधधनकारणानमे  
 ४२। जराराक्षसीआवामली। बेटीबोलनमानेवली। वउतणोबोलेंअतिबले। अंतपां  
 नअसुक्युंमले। ४३। एमदाजेवडुहैमामांहि। मरीएतीहविंदारुथाय। फाटुंगोद

डवूटीघाट। त्यां एहनोऊं एथासेघाट। ४४। करधुंजंनत्तुकेलेर। अंगारप्राते  
घयोवदेस। नाबाजा एहाधुंटीतमें। वतुंकांमधुकांछांअमे। ४५। अंतसमेलेईचा  
ल्लासड्ड। याचेति हांतेलेपेवड्ड। साजुंवस्तरपाळुंकरे। नागीठीवरआगींकरे। ४६।  
ह करोधोधरपालोवतकरे। तेपगाघोदेपाषलफरी। हाडराघपांणीसांहिंधहां। पापपुंन्य  
तेसाधेधयां। ४७। काठीचोतपघालेअंग। कामकाजकरेसनरंग। चोमेमीहनवआवे  
काल। नहेंतोपटकोपरिकपाल। ४८। जोपाचलतुंकारणएहां। धीरोअवतुंजाएस  
केहां। कसुंआपणुंनोगवसहा। सगुंकोइइहांदीसेनहीं। ४९। वैषधरीनोलवीथा  
लोक। मनवांकुंमुषलवेसलोक। उदरनरणाकोउपाकरे। देसवदेसवड्डपरवसो  
५०। जलजातरात्यांडुंसेकरे। दइतपवामाचंतमेधरी। त्यांकरुणानवकरीलगार  
घणांजीवनोकस्योसंधार। ५१। वस्त्रधनवड्डलामेलायां। गामश्यांपणामेलायां। जं

कर्मविषा

१६

त्रमंत्रफोरव्याअणार देयाकाधीनहांतिहांलगार ॥ ५२ ॥ नरनारीनरमाव्याधरुं सुधेमार  
 गदीयुंठांकरुं ॥ वइदघेरेजइवासेलीया ॥ करमअकरम घणातिहांकाया ॥ ५३ ॥ जमी  
 अनेमूलतरुयरतणी ॥ पांतचालपाफीमेंघणी ॥ आधीहरमेगाव्याधार ॥ कस्यांमलम  
 तेवइपरकार ॥ ५४ ॥ चुरगामोलीअनेकोयाथ ॥ भंनतणी इजांरुंवात ॥ जोइनारुथयी  
 परवाया ॥ धनमेलोथइलेलीण ॥ ५५ ॥ कोडीतणोनआलेमाल ॥ कांवेपांचेकरेअपाल ॥  
 अंनसेरनेकारगाजांण ॥ घणाजीवनीकोदीहांण ॥ ५६ ॥ हविजोतकधरवासोकरो ॥ रा  
 तदिवसजुगामेफरो ॥ दीयालगनसुरततथीवार ॥ दीपगाकरजालुंमिसार ॥ ५७ ॥ कू  
 डाकारटाकूडाजोस ॥ कूडादेवदीयामेंदोस ॥ सतादांनधोलेथीलीया ॥ अंतसमानुं  
 पणकालीयो ॥ ५८ ॥ सबहस्तनीनोजनकाथो ॥ आलाचर्मजपरथीलीयो ॥ महिषी  
 गौगजअनेरेवंत ॥ तेसिंदांनलीयामनघंत ॥ ५९ ॥ ग्रहणकअनेताराचंद्र ॥ तेपरादोष

श्री  
१६

दायामतिमंद। पोथीचो नथयोपः । ग। षोटी कृदुत्तमं वीर्य । ६१ । धनलेवानी  
कस्योउपाय । अमकं करोसोतोसुषथाय । एहवांकरमकस्युनेधुं । जीनएकडं  
केतुंनगुं । ६२ । दूहा । एमधनमेलुंअतिघणुं । वोरषेतधरगंम । बदगरकारणतीरध  
नम्यो । चोमीलाजनेगंम । ६३ । लोचनवसेकोएलीपवा । तारेकीउउपाय । तवतनघोइ  
आपणो । मुफउनांकेमजाय । ६४ । धनकारणपासीदेये । धनकारविषवाड । रणव ए  
टमेंबडुनरपमं । केइकवदेसजाय । ६५ । अगनसएतेपणाबले । करेकंयाणत पा  
पकरतीनरहरे । गुणोनजातऊजात । ६६ । धनकारणउलगाचठे । त्रोमंनेहवटक  
रातदीवसधषतोरहे । नकरेकेतिहटक । ६७ । धनकारणचोरीकरे । संगकरेमतघं  
त । पणतेहनुंणसुंकरे । करमकरेबडुनांत । ६८ । एतणंतगोतरनही । एहथीही  
एविकार । न्यपतयांपणादलकरे । धननेपमीधीकार । ६९ । चोइ । उंचऊलली ।

यो अवतार। घत्री जात कह्यो ते हवार। कर मोटे डो मान अणार। सुरथ ई कालां हथा या  
 र। १६। गाडर महिषी ने बो क मो। र। कर ता ते बा प मो। देव अ ने दे वी आ गे ल। प ग नुं  
 जी ने फ स्यो पा षे ल। १७। बाल स ना वी म लिय लो क। न र ना री ना जो ये थो क। आ र  
 ड ता अ ब लाने ह रों। प र पी ड ता ते तो म न न व ग। १८। दुर ब ल ने पो ह चे स ड्ड लो क  
 ए सु रा त न क चु न ही हो य। अ ब जा न प र था ए भू र। स ब ला था जा ये ते दू र। १९। ते ह नी  
 आ मा त्री मा ष री जो। नौ ला तुं पा चुं फ री सी ह सिं ध ह य ग ज चा त री। ते ह रों तो मां  
 दा ष री। २०। ए ह रों ते ब ड्ड पा त की। दुर ब ल ने द ड्ड घा त की। सुरे थ ड्ड का य र ने ह रों  
 ए पा त क कां ड म न न व ग रों। २१। दो इ ला दुर व मां हि ल ड फ डे। चं ड स्त र ल गे ति हां र के  
 ते का र णा हं सा म त क रों। आ प स रि षा स ड्ड को ध रों। २२। दू र। दो ष द ड्ड ध न खी न ल ई  
 उ द र न र न र पुर। ज न म द ला डि न र ह से। ते थो शी द न दू र। २३। के को डी के पां ग लो।

गलेनेगुणहीण। केबरेकोबोवडो। केदुखीयोदीण। ७७ के। हविंधापरनीसुंहाज्योवात। को  
केहनीमतकरजोतात। आगेपत्रीएहवीरित। अन्नाकरेनल्येअनीत। ७८ परस्त्रीतेमाताप  
री। सुंणाबाहरनजोऐंफरी। सोनेरुपेनवआबडे। एकमनाथईरणमेंनडे। ७९ अतनकरे  
परजानांघरां। दोपगधरहोएवधामरां। परदुखतेदुरेहरे। वंकाभडतेसुधकरे। ८०  
एरातधापरनीजांण। कोएजीवनीतकरेहांण। देवांगनातेआवावरे। सुषामरातेआ  
गोधरे। ८१ परजानातेपीहरहता। कामरागमेवोजावता। एहसुषनोनआवेपार। नू  
षदुखतेहें। लगार। ८२ एहवुंजांणीसमताकरो। क्रोधलोभदूरेपरहरो। एहसुंणातां  
नरकंपेजके। परनवसुषीथाथासेंतके। ८३ दूहा। कंथरिंकरयहीकोकमी। रावकरिं  
सडुलोक। रामचंद्रमुखएनकह्यो। कणदेसबडुथोक। ८४ सेववचनश्रवणिसुं  
णी। दोकोकमीततकाल। रामराजमुषउचरे। कहेवालगीयात। ८५ अहनिमसडु

कर्मविष  
१६

स्मरणकरे। नामथकोनिश्चार। तेहनरनिलयस्त्रितघटे। पावेनवनीपार ८६ दोषार्थ  
वोविचतिर्थकरजांग। नवनाशयणअतिहवघाणा। प्रतिनाशयणनेबलदेव। ए  
नवनवजांगोहेव ८७ वक्राबारविचारीजीय। कत्रीकुलवगाएहनवहोय। ताका  
रगामोटुंकलसहा। हंसाकरतांजाएवही ८८ उन्नमनरहंसातवकरे। परदुखदेधी  
तनथरहरे। मोदकमिसरीनेलापसा। घेवरघोरघांडमनवसा ८९ नातजातमिवा  
इजोए। तेहथीआमिषनलुंतवहोए। एहथीसमरणसुधनकोए। स्नानदानतेनिर  
फलहोए ९० एहथीवाकरजाएदूर। आमोवेदनलहेअपूर। कोलधराकोलेकेकरी  
त्यांनवजोथुंपाचुंफरी ९१ तेहनाबालकवडुटलवलें। अंनघांततेत्यांनवमलें  
मावणबालकहोएनिरास। तेहनेकेहनोनहिविमास ९२ मंजलमांहेइइनांघी  
जाल। तिहांजावतणोनहिपारोपार। तेहपापयोकेमोगवे। दुखान्तमेंदुखतेजोग

श्री  
१६

वे। ए३। एहवांकरमकस्यानिघात। जांणोपमीपटेलो। ज्ञात। तेनावालककस्यानिरा  
स। मडुकोनेसाराषीअस। ए४। हाथीनापेरंमार्थंधूल। मसलापेटंथा. सूल। परने  
सुखतोआपणसुधी। परदुखदेतांधासुंदुखी। ए५। उमरवावुंनवनीपजे। जेहवुंबी  
जतेहवुंफलहसे। अमउपरमतकरजोरीस। कस्युंनोगवोविखाविस। ए६। पोता  
नुवणसामेकाज। हजिजीवतुकनेनहोलाज। केणोलेइतुंहडसेलीयो। केणोंतुक  
नेनरकसेलीयो। ए७। समीसांजनाचूलावाट। नटकामारंसारगत। दीनउग्याव  
णकीदीसास। पांणीगलीरुंसतउलास। ए८। एतेपणरांधंरांधणां। अणगलयं  
णीतांधंघणां। कालघणोतुंएणमेरहेस। नोगवतोलाकेनेकहेस। ए९। दूहा।  
कोहामेधेइकरी। ऊशलजवंचैकीइ। कालऊटविषवावरे। वरणजीवीकोहो  
इ। उ१०। आनाकरीचाहमी। ऊंजरकेरीकांत। डाबअणीजलवंदायुं। जेसमप्या

कर्मविप

१७

नोवांन ३०१॥ जिंमक <sup>साधन</sup> अथिरछे। आकासें जें मवांन। जिंमकाथरनी बांहजे। तिं  
मजिदतएंगुजांण। २। सुंगोसिंयांणेचंतसुं। मनसुंकरोविचार। नागीतावअथाग  
जल। केमउतरसोपार। ३। वोपई। अगादीवुंनेअणमानलुं। प्राणोंकोसाचानेमलुं  
परनंधामुखमोमीकरे। छलछीडजताकतोफरे। ४। विंधीबीलपरोइमाल रातदी  
वसकंषेजंजाल। मांकणजुतडकेनांषीयां। अंगुवासुंलेइचांणयां। ५। जीयोरां  
फोमांकेइवार। चाचडनांष्याचुलाबार। जुगोंगोमासननारली। तैयणनाष्यांत  
डकेवली। ६। किडाकिंणानीआवीगाल। केरगतपीतऊइविशाल। केछोफनव  
होएसही। जोहोएतेजीवेनहां। ७। तैधाराबाल्यावाहरां। एवांजलउगासंभस्यां  
संगशेपणकीदोकेइवार। तैपातकनोनआविपार। ८। सिंवहादिनर। का। लोट  
पापतणीतेबांधीमोट। देवउग्रावणघाष्युंछांण। ९। धणांइवनाकीदोहांण। १०।

श्री  
१८

पांगोरीवणापुंजेवरी ॥ गलतांकटोरीनवधरी ॥ नांड ॥ अथाणांलिंबुमे  
कसां ॥ १० ॥ चर्मतराकीदावेपार ॥ वीडगलीनेटंकणाधार ॥ वहीरां वधवेधाहरायालर  
सतयांनहिपारीपार ॥ ११ ॥ वारतराकीदाव्यापार ॥ मितरुथरकांप्यांकेश्वार ॥ अनरथ  
करीउपाथोरली ॥ तेपराव्याजेअल्योवली ॥ १२ ॥ डोडांबमणांत्रगाणांसौए ॥ तोलाकुसल  
किहांथीहीए ॥ साधपुछेमनआणातेह ॥ कैतुंसुषपावेनरतेह ॥ १३ ॥ बलतुंगुरुबोल्या  
बडुनांत ॥ सांनलवचतेकडुहघांत ॥ तुटाघाटकाटीगलडी ॥ नागुंधरनरसुतोपमी  
१४ ॥ सपनांतरतेपांम्योराज ॥ सेवकजगतेसारेकाज ॥ सिंधासणाछत्रउध्वास ॥ वाम  
रगालेवेडुपाम ॥ १५ ॥ वाजेवाजांगमंतिसांण ॥ हेसाहेसकरेकेकांण ॥ वकराणीना  
मलीयाथोक ॥ षमाषमाबोलेसडुलोक ॥ १६ ॥ थाकूंवेआगेमली ॥ बंदाजणवी  
लिंमनरली ॥ मूरशुनटजोडियाबडुपाम ॥ सेवाअतिसारेषवास ॥ १७ ॥ आगेसेउ



कर्मवि०

२०

करे अरदास जिठा पण कंबे उलास । कडा के डमे डते करे । कायर नां हरै यां थर हरै । १८ ।  
 एम कर तां जाणी जेतले । नागुं घर ही वुंते तले हाहा सुष बोले ते ए सुं । गायुं राज ह विक  
 र सुं क सुं । १९ । सां नल व छ तु फ ते क डं वात । माघी जे म ते म म स ले हा थ । दया दान व  
 ण जे न र हो ए । दिया प छे प स्ता से को ए । २० । पुत्र क ल त्र थो व न कार सुं । ते स डु जां णो सो  
 आणा स सुं । समता व ण । समता व ण न व सी ल ल गार । त प ज प सं थ म ध सुं वि चार  
 २१ । सम कित व ण नु दर ने न जे । व ण यां णी क ण के म नी प जे । कं ड नी र व ली तां जी  
 हो ये क णी । ते सम कित व ण करी या प णी । २२ । मो ह म ग न मे द न जी ग वे । दुर ग त न  
 दु ख ते जी ग वे । चा ष बो ले ते अ म त वां ण । सु फ सां सो न म दां न । २३ । दू रा । दे व म  
 न ध ने तार की । बो धी ग त ती र यं च । कं ण क र मे उ प जे । के म ए कं डी हं स । २४ । पु रु ग  
 रु या म न ग ह ग ही । बो ल्या अ म त वां ण । सा द सं न थ र्मां न जी । के ह सुं ते ह व षां ण

म

नां जी

२०

चोपई संयमउपरश्रांणोंशग ॥ उदासीमनअतोहवेराग ॥ संयमोअसंयममले ॥ जांणोका  
चरतनमेंचले ॥ २६ ॥ बालतपस्वीतपसीजके ॥ महाअभियारितके ॥ नरुतरसत्तवडअ  
तिघणो ॥ दुंछमचकशीयालातणो ॥ २७ ॥ नगनकरेंअणवोल्पोरहे ॥ तपअपसंयमसधरां  
वहे ॥ सूत्रअरथवांचेपरवाण ॥ डाहोपणविवहारेलाण ॥ २८ ॥ आतमरसनवजांणोरती ॥  
कोपूछेतोकहेहमजती ॥ भगरमछनेचोपगजेह ॥ कोनरकषधणोसहेतेह ॥ २९ ॥ सुनकर  
मेंदेवांमेवसे ॥ अणंनेउतरतोहसे ॥ हविंमनषनोकह्लंविचार ॥ सहकोजांणोरदेमका  
र ॥ ३० ॥ जावतणानितजयणाकरे ॥ साधननदेषामनवरे ॥ काजअकाजविचारिकरे व  
डुआरंमतकेपरहरे ॥ ३१ ॥ परकतीनोलाजेहने ॥ उत्पमनरनविचूकेदिने ॥ अहंतणोन  
विकरेंआहार ॥ मानमखरमननहंनगार ॥ ३२ ॥ न्यायेनातेवहोरंसही ॥ सूधमारगजांयेव  
ही ॥ तेनरमनषलहेअवतार ॥ ३३ ॥ धनतन ॥ शृणसुंनार ॥ ३३ ॥ हविंपस्तणीगतक

कर्मवि.  
२१

हं ॥ रातदिवसजूठा मेंलहं ॥ माया मगनरहे दिन रात ॥ दयातणी नवजांणों वात ॥ ३४ ॥ लेये  
लां छने मेले छाट ॥ अधकंलेडे ने आये घाट ॥ मुखमें ठो मन माया करे ॥ छल छद्म ताकतो फ  
रे ॥ ३५ ॥ ते नर आवे तारीय मकार ॥ जेहने हरी उपर अताप्यार ॥ रुड्क भारगघ गट करे ॥ मार  
गलोपी मूठ मन धरे ॥ ३६ ॥ सिधला चारिणी लरहीत ॥ विगलेदी मेवा सोलेत ॥ नरकतयो  
हदिकहं अधिकार ॥ आपणहि मन करो विचार ॥ ३७ ॥ दोहरा ॥ सिध्या मत मातो फरे ॥ आ  
रं न करे अपार ॥ संयमशील व्रत को नहे ॥ क्रोधी जो न असार ॥ ३८ ॥ कामराग मन अति  
घणो ॥ बले ते दिन ते रात ॥ इतणा अवा मजिम ॥ अंतरतये अघात ॥ ३९ ॥ घोटा देवध  
रम गुरु ॥ ते परंग अपार ॥ ते हकारा हांसा करे ॥ एहथकी निस्तार ॥ ४० ॥ एहवूं मनडे  
नितवसे ॥ वलायुद गल उपर घात ॥ पुत्रकल वधन कारणो ॥ अहनि स करे अनेत ॥ ४१  
मूरघमांन घणं करे ॥ मूक उपर नहे कोट ॥ करडो ज्यो लाकडु जसो ॥ घर विणा सेतो

२१

४२ राते पण नो जन करे ॥ पर नारा मूरंग ॥ अन्न पत्र धां एो आदरे ॥ करे वरत नो भंग ॥  
४३ ॥ ते नर केंदुख बड्ड सहे ॥ रहे अनंतो काल ॥ एह वृं जां एो पर हरो ॥ पापत एो जं जाल  
४४ ॥ क्रोध लो न माया मनी ॥ रागो द्वेष ऊं फार ॥ छल अरतरत सेवतां ॥ जाये नो गोद म फार  
४५ ॥ हवे नो गोद एकें डी ॥ तेहत एो क हं वात ॥ करण त्रण मे ली करी ॥ मद वसण जय  
४६ ॥ ए छत्रा मे थो डां करे ॥ एकें डी अवतार ॥ ए नारे जे नर करे ॥ नित इतर निर  
४७ ॥ फरी वल त्रं सिप एं म कहे ॥ श्री गुरु करे पसाय ॥ को एक पुरुष एह वृं कहे  
४८ ॥ स्त्री ये स्त्री अवतरे ॥ पुरुषे पुरुष जथाये ॥ मऊ मन सां सोऊ  
४९ ॥ ते नां जो गुरु राम ॥ धरु ॥ नो लाशी षकां नर मीयो ॥ हइ ए विचारि जो ए ॥ बस ए  
५० ॥ काया नवर हो ए ॥ नां म गोत न ही जीव को ॥ न ही पुद गल को पिंड  
५१ ॥ जात नात पण को न हे ॥ प्रगट ज म को मंड ॥ गोत कुल ए एो कै कीया ॥ हजी नत्रा

कर्मवि  
२२

व्योपार ॥ उंचतीके नीचाथया ॥ नीच उंच नीरधार ॥ ५२ ॥ चोरीसी लघजोनमें ॥ जाबेंकी  
धावास ॥ सेवकतेरा जाथया ॥ राजाते पणदास ॥ ५३ ॥ स्त्रीफीटी नरके हूया ॥ नरथी  
नारा होथ ॥ एणे दृष्टांते जांता जो ॥ विकलमकर ज्योको ए ॥ ५४ ॥ योनरमे नटकीथो ॥  
केहतन आवे पार ॥ त्यां पणदूषके तां सहां ॥ कइं सृण ज्यो नरनार ॥ ५५ ॥ धीवर आ  
हेमी घरे ॥ ताहां लीथो अचतार ॥ जालया सब इविध करी ॥ कर जाल्यां हधीयार ॥ ५६ ॥  
बेलेंतो बड्ज जालीया ॥ या अपरत अवाट ॥ निसजरना कां पुरायां ॥ रोका जलनाघा  
ट ॥ ५७ ॥ दृष्टान्ति पसू आ वियां ॥ वमकत चूं घेदार ॥ क्रिया वत पात्रों पमो ॥ के अणी  
के धार ॥ ५८ ॥ तडकत तरत जे ईमल्या ॥ लेइलें अमिष घर ॥ हरघणो मनसां हेंधरी  
अबलाउ परसूर ॥ ५९ ॥ गोवकरा मनगहगहो ॥ हइके कइने बूझ ॥ ६० ॥ सासइ कटंबमो  
माथे पडसी तफ ॥ ६१ ॥ मडकड वारा हमें ॥ हरिलीथो अचतार ॥ एही जे जहाण करे

२२

तेहनेंबडसंसार ॥ ६१ ॥ रामकृष्णअहनिमकहे ॥ ज्ञानदांने ॥ ६२ ॥ सुखदशयूतेव्या  
तथात्रिकमदूर ॥ ६३ ॥ चौपई ॥ इमकरतांतबोलीहे ॥ धणांजीवधर ॥ ६४ ॥ तेलतणी  
तरोपीडाल ॥ कोधीवामीकाकफमाल ॥ ६५ ॥ घलकोहव्यानेरंगातेल ॥ अणगलजलनी  
वलाठेल ॥ पोइकंदरीनेतकमरी ॥ तपणाकीधंधावलकरी ॥ ६६ ॥ लोचनवसेइंथपार  
वणा ॥ रातदिवसघपकीधायणी ॥ ननसुंपेटनइस्तरमल्युं ॥ रामभांमतेनविभांनल्युं  
६७ ॥ डवकरचभारांघरगयो ॥ आजावरमभांहेनितरह्यो ॥ माथभांहेअहनिमपरवस्यो  
कसणीकूटोनांनोकस्यो ॥ ६८ ॥ सनेघातजिमवकोअपार ॥ नगणोबेटीवेहनजगार  
धरमतणोनविजांणोमूल ॥ ६९ ॥ इंगरथनेषादीधूल ॥ ७० ॥ बूटीकंपलनेधवमी ॥ कुंड  
भांहेतेबडपरसडी ॥ वकलीगरलोहारांजांण ॥ धणांजीवनीकीधीहांण ॥ ७१ ॥ अणी  
धरमेसूधीकरी ॥ परपीडाचंतनवधरी ॥ अगारांलोहसंवेपार ॥ धणांजीवनीकस्योसंघा

र ॥ ६९ ॥ दया तण्णमेलोपाकार ॥ तेली धर लीक्षो अवतार ॥ दंशां जावत यो न हं पार ॥ पी  
 ल्या न कामे कै ई वार ॥ ७० ॥ वणा एक नार मायीये ॥ सहस्र एक का काथा पीये ॥ एह नं पी  
 लें हूं से धां ए ॥ पर न व दूषाया ते न रथां ये ॥ ७१ ॥ ते ह्यी श्री कम द रें जां ये ॥ कीटक की डा फे  
 ला धां ये ॥ नील फूल धने रं सरा ॥ नां नी ई य ल जां रों ऊं रा ॥ ७२ ॥ दोहरा ॥ धो बी रं गा रं घरे ॥  
 तं हां गयो मन घंत ॥ सां जें परा सूं धां धां ॥ रं गा पा सब ऊं नंत ॥ ७३ ॥ अण ग ल ज ल उ का  
 लायां ॥ माट न र्णाम न घंत ॥ तो ये ट ल न वि सां प की ॥ कर म क स्यां व ऊं नंत ॥ ७४ ॥ बाल  
 कायां गा ड रा घरे ॥ कर म क मायां कूर ॥ घर उ चेरी वे चीयां ॥ ग यू पू न्य नं न्दूर ॥ ७५ ॥ दवरी के  
 रे काराणे ॥ कर म क मायां कूर ॥ योष्म पायी क टं ब मो ॥ आय स हे दुर व जोर ॥ ७६ ॥ फर त र व  
 णी क घरे ॥ तं हां क र्णो अवतार ॥ ते ह ना कर म त लो ह वं ॥ के र त न आ वे पार ॥ ७७ ॥ चौ प ड  
 व णा न क स्यो व जा जी त लो ॥ ऊं वा मां हे भ ग न हूं धां ॥ बा गर अ ई अ ति दो हूं र्णानं ग ॥ ते प

एतद्गव्यांमनरंग ॥ ७८ ॥ पापतणोह्रबेलीनयो ॥ मोहमगतमंत्रनिवृत्तौ ॥ कूडक  
शीटरजीसंशत ॥ रातदिवसमंकरिचनित ॥ ७९ ॥ उज्ज्वलवस्त्रहस्तांशो ए भूधनपर  
वाज्ञानहंकोये ॥ वोजलीयांकरंतैषरा ॥ हरथीविमूषहोयेतैषरा ॥ ८० ॥ नरंपेटयापे  
निरक्षार ॥ गांधीघरलीक्षेत्रवतार ॥ कसोवराजकंठालीतणो ॥ नेलमनेलकलीमंघ  
णो ॥ ८१ ॥ वोहसांविषवेचीहरियाल ॥ हाटेवेठांभांभीजाल ॥ सोमलसोहगीवांनीषमी  
गेरुतेलत्रनेक्षवमी ॥ ८२ ॥ गंधकसिंशंसुरोघार ॥ घणांजीवनोहोएसंधार ॥ वोमासे  
घारषषोपरां ॥ नांगतमाधुनेचोतरां ॥ ८३ ॥ नीलफूलकंठूयांअघार ॥ तेहतणीकंण  
करसेमार ॥ वोमासेहटवामाकरे ॥ रातदिवसहंसामंकरे ॥ ८४ ॥ दोहरा ॥ इमहंसाकेती  
करी ॥ विषयारसनेकाज ॥ रातदिवसधधतोरस्यो ॥ केहतोअवेलाज ॥ ८५ ॥ एमघणाप  
रआवयो ॥ वडुपरआव्योवाज ॥ लोनवसेकोएनविगणो ॥ एणादवरीकरेकाज ॥ ८६

चोपई ॥ धंनतगोमेकस्योवेपार ॥ परमेसरनीलोपीकार ॥ घांराप्रणावीअतिविस्तार  
 धंनतगामेल्याबङ्गपार ॥ ७७ ॥ तेपणालेईद्यालानागशी ॥ उपतदेपीअयोहंमूसी प  
 णतेहनंदपतलहेरती ॥ एकरतवसंघलांअगती ॥ ७८ ॥ कस्यावराजतलदांणातणा  
 पासेरहीपीलाव्याघणा ॥ सल्यांधंनलेइतडकेदायां ॥ तेअरयांलोनेवेचीयां ॥ ७९ ॥ ते  
 हनायापतणोनहंपार ॥ अणांजीवनोकस्योसंधार ॥ चणाअडदजवअनेजोयार ॥ रा  
 तेपणवेचांकेईवार ॥ ८० ॥ उंनायांणीमाहिउरीयां ॥ रातेपणघोमानेदीयां ॥ टलव  
 लतांतेकायांनिरास ॥ सङ्गकोनीमारियाआस ॥ ८१ ॥ जातकंसाईकहंमङ्गकोण  
 कणाकंसाईमेहलोहोए ॥ वारश्रीपकेतंकहं ॥ पापतणोपारनवलहं ॥ ८२ ॥ एक  
 सेरचाऊलनेदाल ॥ तेकारणारंथेबङ्गजाल ॥ अजातनविलोकेकार ॥ एहनेट्टकानो  
 नहंपार ॥ ८३ ॥ अरवथकीसूंयालोजांण ॥ एहनंहइयूंपथसंभ ॥ जालपासमन

उजागवनराज ॥ १२ ॥ जोलानवजां लोकसं ॥ करेंधोरनोसंग ॥ अगोतेनविशुषलह ॥  
होयेरंगमेसंग ॥ १३ ॥ अनरथकरीधनमेलीयूं ॥ बांटासहपरिवार ॥ नरकतयांदुरन  
एकलो ॥ नोगवसातिरक्षर ॥ १४ ॥ दोपई ॥ मोनादरजीगांठाछोड ॥ एत्रयोसारिषीजोम  
परधनलेतांनकरेंदया ॥ पापकरममेंजायेंवया ॥ १५ ॥ दूरबलनीनवजांलोसार ॥ ले  
तानेंकनकरेंलगार ॥ काथोलोटीयांकेरोसंग ॥ धरमतणोताहांकीक्षेसंग ॥ १६ ॥ ना  
लाकटाशतरवार ॥ मंगामकतेलाषअपार ॥ कोसकोहाडाबावकपास ॥ तारकांम  
वागोलापास ॥ १७ ॥ एवेचंतेमनकराकांण ॥ जिहांजायेतेहांजीकांहांण ॥ कराय  
संधामोपाटीरीव ॥ निंदरनरधीजागणजीव ॥ १८ ॥ बांडेंदलेबलोयेसोण ॥ अमरातोढी  
लेंसहकोए ॥ गांमधेतकामारथथांहे ॥ लेईकोहाडावनमांहिजाइ ॥ १९ ॥ बोलेहंसा  
नोडेनलो ॥ अराबोल्यानरसांहमूंनलो ॥ बेहवाअगलबडपरबके ॥ तेपणक

कर्मवि  
२६

श्रुतकानेसूतो ॥ १० ॥ दोहरा ॥ रांमषुदात्ररिहंतत्रिक ॥ एतानेडेएक ॥ मूढमतिजांगोजूजू  
या ॥ ज्ञानोरेमनएक ॥ ११ ॥ एतानेऊगुरुऐंचोखव्या ॥ अक्षरेमलेकेहाथ ॥ शिवशासननेव  
जइसके बांजराघालीबाथ ॥ १२ ॥ दोरीयानोरीयानेगाडरीया ॥ एणसंलागोबोध ॥ वा  
केधरमांगवो ॥ वाकेकरवीसोध ॥ १३ ॥ जोयोसयांणोचितसूं ॥ अपणोहईयोघोल ॥  
मूढमतिवरूपरबके ॥ ग्यांनारहेंअबोल ॥ १४ ॥ चौपई ॥ कोयोकरमसूतारांतणा ॥ उषल  
घरटीकोलांवरणो ॥ रेटीढिकूयापावटसुंढ ॥ गाडंकेलूघांणीघुंढ ॥ १५ ॥ हलदंतालह  
हाथाघणा ॥ कोयासंधारहजीवांतणा ॥ पापीपेटतणोतेकाज ॥ गांमघेतकरीआव्यो  
वाज ॥ १६ ॥ ऐंमकरतांकुंजासांधेर ॥ घणांजीववसायांवेर ॥ माटीपांणीअगतअपार ॥  
कचराकूंसाधरनीनार ॥ १७ ॥ द्रोदिवानाबाल्णजीव ॥ दयानकीधितेहांअतीव ॥ जो  
यांधरकलांतणां ॥ मऊडांणामेंसंगसांधणां ॥ १८ ॥ सल्यांकाघनेअरागलनीर ॥ ऊं

२६

एकरसेपणतेहनीजार ॥ नरगतणोतेसांभीकरे ॥ बाजानेलेतोपरदरे ॥ ३० ॥ धर  
मतणुंउपामुंमूल ॥ लेइदांमनेआपीधूल ॥ एणथीविकलहोएसंसार ॥ पणनवमां  
नेकेहनाकार ॥ ३१ ॥ जणणीजोरुवेटीवेन ॥ उंचनीचसमजाणेवेन ॥ सुद्धबुधसवजा  
एदूर ॥ एणथीदुरंवेहोयेंनरधर ॥ ३२ ॥ दोहरा ॥ जादवकुलएणथीगयो ॥ संगमकरज्यो  
कोइ ॥ जरासंधवेटीतके ॥ गइतेदोइपषषोए ॥ ३३ ॥ एहलोकेंकीरतनहे ॥ परलोकेंदू  
षहोथ ॥ एणथीवास्त्राजेनरा ॥ गयातेतनधनघोर ॥ ३४ ॥ चौपई ॥ थयोमोकातानेस  
कदार ॥ गांमनगरमेंलीयांअजार ॥ मारणपेतवकाभांवेव ॥ फोडाव्यांइथवीनांपेट  
३५ ॥ चड्योकटकमेदाष्योजोर ॥ लेईमालेवळुकीधनोर ॥ स्वरस्वरनटआथ्माअपार  
मनषपसूनोकसोसंधार ॥ ३६ ॥ अनसेरनेकारणवली ॥ केतूपापकसूमैरली ॥  
हलवाईकंसारांमंग ॥ मोचीकूडारांमातंग ॥ ३७ ॥ कीरउडअनेसलाठ ॥ कांमलीया

कर्मवि.  
२७

कसरलाजाट। गोलोगुजरजेठारायका ॥ लोलागगरोनगरनायका ॥ ३७ ॥ अजगरहबची  
नेकरंग ॥ मृगलमृगलजयोथंग ॥ अत्यजातीएकलहं ॥ जीमएकहंकेतंकहं ॥ ३८ ॥ तंहां  
मंयायकीयांमंजोर ॥ ताथंकरमबंधंणांधोर ॥ एममतांकेताजवगया ॥ जातजातमेठा  
डाजया ॥ ३९ ॥ जीवएकएगाअछेअजंग ॥ विहंगगतनाच्योनवरंग ॥ सिधरुकेमनआंणी  
नेह ॥ किंमन्याच्योजीश्रीगुरुतेह ॥ ४० ॥ अथलाल ॥ नायकमोहनचावीयो ॥ नाच्योदिन  
नेरातोर ॥ चोगीमीलकचोलगा ॥ मंयेहस्थानविज्ञातोर ॥ नायकमोहएहशंकरणी  
४१ ॥ कृष्णनीलसूंथरावणो ॥ शौडध्यानमाहंजातोर ॥ परकृतीदोलीकमली ॥ एगाछेन  
वनविजातोर ॥ नायक ४२ ॥ ममतामृगटसोहाभणो ॥ कंवविषेवरमालोर ॥ सातव  
मणवागोवणो ॥ विकथामंडेवालोर ॥ नायक ४३ ॥ कूडकपटपायेधूधरा ॥ की  
रतलालगुलालोर ॥ क्रोधकणोकटतटवणो ॥ जोजतिलकसिरजालोर ॥ नायक ४४

२७

मांननफेरी करहरे ॥ ऊमतयही करतालोरे ॥ नेहनवलसिरसेहरो ॥ लोकगडेकडनाल  
रे ॥ नायक ७ ॥ ४५ ॥ तानभवनकायोअंगणो ॥ मिथ्यामतमेदानोरे ॥ रागदेषदीदीधरा  
ऊगुरुमेलतांनोरे ॥ नायक ७ ॥ ४६ ॥ नरमनवनमनमादलां ॥ नंधामूसखतंबोलरे ॥ रत  
अरतचमरठले ॥ वेदकरेऊकजालरे ॥ नायक ७ ॥ ४७ ॥ नवमंडपअतिदीपतो ॥ पुदग  
लपडदोचंगरे ॥ थावरअंगमनरस्त्राया ॥ वेसलायामनरंगरे ॥ नायक ७ ॥ ४८ ॥ मदन  
सुनटवचउगयो ॥ कलयनापेषणाहारोरे ॥ परमादीपरचोवटे ॥ ऊवधमलीवडन  
शरे ॥ नायक ७ ॥ ४९ ॥ संकाशतसोहामणी ॥ ऊठनऊत्रअतिमारोरे ॥ दक्षाथालिकरय  
ही ॥ लालचऊंगणाहारोरे ॥ नायक ७ ॥ ५० ॥ मदशोतेषडषडहसे ॥ उंठीमायाचीरोरे ॥ नव  
नवीजांतदेषावतां ॥ तेनकरितकसीररे ॥ नायक ७ ॥ ५१ ॥ एहअनादिपेषणो ॥ कांश्न  
लाथेंनरमेरे ॥ जांगजागजांणोषरो ॥ नक्षयोनायककरमोरे ॥ नायक ७ ॥ ५२ ॥ एणोंके

कर्मवि  
३  
२८

लोके इत वरो लव्यो ॥ हजोन आव्यो पाररे ॥ गोत कलकेतांकी थां ॥ कीधी नवनवदेहेरे ॥  
नायक ॥ ५३ ॥ एपंजरं सोहामणो ॥ रोगतणो नहं पाररे ॥ विरा आदर करी छोरुए ॥ न  
आवे बिजी वाररे ॥ नायक ॥ ५४ ॥ थाको हवे दूना चंतो ॥ मेहर करे महाराजर ॥ बारमा  
जिनवर आगेलें ॥ एमजं पेजन राजारे ॥ नायक ॥ ५५ ॥ दोहरा ॥ वडलो एक अनेक फल  
फल ॥ बीज अलेष ॥ बीज वट फल बीज हे ॥ तामें वट अनेक ॥ ५६ ॥ तामें बीज अनंत घट  
सतागुणा वड अनंत ॥ प्रजान्त अनंत हे ॥ वट कला हे अनंत ॥ ५७ ॥ कला एक अनंत रु  
प ॥ रूप एक अतीव ॥ तामें सता अनंत हे ॥ एमोनट योजीव ॥ ५८ ॥ सतमां कड महा चप  
जहे ॥ ताको वस्य करि राष ॥ जीव जतन करि राष जे ॥ ऊठहने कन नाष ॥ ५९ ॥ जमत  
णा उडे गह्यो ॥ कां करि बेवो पाल ॥ शरसां धिनित को फरे ॥ लेये आज के काल ॥ ६० ॥ का  
याधन जोवन कला ॥ पुत्र कल अ परिवार ॥ माय बाप बंधव बंधन ॥ को एत आवेलार

२८

६१॥ कूडोसङ्ककटंबडो॥ एस्वारथकेमीत॥ ताकारणतूफनेंकहं॥ तंकांयेकरंअनी  
त॥ ६२॥ पंचमांहिसूक्ष्मेचले॥ मतकरजेउफांड॥ न्यायनीतेंचालजे॥ नहीतरथायेसमां  
ड॥ ६३॥ साषबोलेमनगहगहा॥ उतरद्योगुरुराय॥ पंचमलामतकेवले॥ केणीपर  
वृकेन्याय॥ ६४॥ देषतमनतवशोलषे॥ किंमजांरोपरमन॥ अंणतेजपरगटनयो॥  
साचजूवकरेजिन॥ ६५॥ न्यायकरवापंचेसह॥ वरुंटेमल्यासूजांण॥ परमजोतपर  
गटनइ॥ नवराषेकोएकांण॥ ६६॥ सबलोकेअथवासगो॥ उपरकरेजबाप॥ न्यायिन  
बलोऊवकरे॥ तेहनेंकेतंपाप॥ ६७॥ सांजलवच्चतूफनेकहं॥ सृणोसनाएकवंत॥ सा  
वक्षनथईसांनलो॥ सांजेकेहसंतेविरतंत॥ ६८॥ चौपई॥ जिमकोईतापसरहेवनमां  
हिं॥ चेलेकोईमांम्योउणाय॥ षणाकपुजवरोपांकीयां॥ करिवाडनाकांक्षरीयां॥ ६९॥  
जिहाकालथयोजेतले॥ नहीगरमांहेपूहतातेतले॥ दुर्बलब्रह्मनाछेएकगाय॥

कर्मवि.  
२४

कुक्षवसेतेवाहीजाये ॥ ७० ॥ भांजीवाड अनेजवचरे ॥ गुरुवेवातेध्यानजकरे ॥ नीका  
लेइविषयाव्योजेहां ॥ नृष्योपणवलघांणोतेहां ॥ ७१ ॥ तेणसमेतेदीसेसंग ॥ लेईडां  
गनेदोमोधंग ॥ क्रोधवसेतेआव्योकाल ॥ जीवथकीचकीततकाल ॥ ७२ ॥ तवचलेमन  
सांहेचितीयं ॥ हाय२मेकीधुंकिं ॥ चलेप्रांणतज्योतेसही ॥ ब्राह्मणतेतेहांआव्यो  
सही ॥ ७३ ॥ ब्राह्मणदेधतउवाकाल ॥ तेपणप्राणतज्योततकाल ॥ तवगुरुउवावा  
हेरजोय ॥ चलोपणनवदीसेकोए ॥ ७४ ॥ फरतो२आव्योतार ॥ देधीत्रणपयांसरीर ॥ त  
वगुरुदेधीअचरिजजयो ॥ हंसरायमस्तकवहीगयो ॥ ७५ ॥ महाकक्रमनयोएजोए  
एहहत्याकंणामस्तकहोए ॥ पंचमलिनेकरेविचार ॥ निलोंतरणांउपरभार ॥ ७६ ॥ दो  
तवनीलोअचरजजयो ॥ सुंणोपंचनरवंद ॥ एहयातकअमेनवचले ॥ जोपोकारुं  
चंद ॥ ७७ ॥ तूममतजांणोएकलं ॥ मफरपवाजाचार ॥ जेमूफनेदापणदेये ॥ नमे

२४

ते बहू संसार ॥ ७८ ॥ मूक्ये को न विदुखलहे ॥ सुरपावे संककोए ॥ ७९ ॥ मूक्ये जगमे ज  
के ॥ मूक्ये शीपत होए ॥ ८० ॥ वायचो रासी तिग मूं ॥ कफलो हो पितजेह ॥ आपत्र  
वस्था नोगवूं ॥ करुं निरोगो देह ॥ ८१ ॥ एम आपेदुष नोगवूं ॥ सुंरा ज्यो श्री गोपाल ॥ न  
र नारी मूक्ये दोष देये ॥ जाये ते अचे काल ॥ ८२ ॥ ऊटं बहमा रा लो तुह्ये ॥ अमेत मारोगी  
त ॥ कां इहणो अपराध विना ॥ कलसां ह मूं न विजोत ॥ ८३ ॥ आज अमेतो न बल छां ॥ अगे  
स मरथ होए ॥ वेर लेयां टा न वसही ॥ हश्ये विमा सी जोए ॥ ८४ ॥ दोपई ॥ माइ वंशं करल  
ह्मी चंद ॥ ए चार मूक्ये रे न रे द ॥ अमेने एह नो छे आक्षर ॥ पण एथा से था हरी लार ॥ ८५ ॥  
अबलां तो वा को र छे रां म ॥ कां वणामा मो था हरी कां म ॥ सड्जो वने जी वूं गमे ॥ हिंसा ये च  
हू गत मे न मे ॥ ८६ ॥ मत्तं करिने बो ल्या सती ॥ तमने था पन लागे रती ॥ न्याय करे न रवा  
को जेह ॥ सरव पाप न र ले से तेह ॥ ८७ ॥ ते कारण अन्या जे करे ॥ सब लान बली पा संकरे

कर्मवि

३५

जेमस्तकतरणंमेलायूं॥ सरवजारतेहनेंदाजाए॥ ८७॥ तेमस्तकमेल्पुंएपाप॥ करसेते  
जोगवसेआप॥ तेकारणान्यायसूक्ष्मकरे॥ परमेश्वरथीकांऐंकडरो॥ ८८॥ जोवबोल्या  
पापजघणं॥ जोनएकल्लंकेतंजणं॥ अजसकीरतजगमंघणी॥ नवेश्तेथासेतेरेव  
णी॥ ८९॥ ऊठेंधरमतेहनूंजाय॥ दानसंन्यतेनिरफलथाये॥ अवगुणनादीसेंबडथो  
क॥ विसवासपणानवमानेंलोक॥ ९०॥ दोहरा॥ जवेन्यायसूक्ष्मकरे॥ तेसूषमंजकके  
ल॥ मातादूर्बलजेकरे॥ तेजाएद्रहबोल॥ ९१॥ उपणाउणाकूंनवदेये॥ एपणकसून  
जेई॥ जेछेंगंधारमं॥ त्योफूवामेंतेह॥ ९२॥ एमजाणीसूक्ष्मचलो॥ तोसुषपावेदेह॥ ज  
नमसफलहोयतेहनो॥ आवेतेजवनोचेह॥ ९३॥ साचाबोल्यानेफले॥ नरअमरअव  
तार॥ आसणतूरीतंबोलरस॥ घरशीलवंतीनार॥ ९४॥ अनुकर्मममकातलहेपा  
वेजवनोपार॥ साचतणो॥ फलएहवो॥ सूषपावेनिरधार॥ ९५॥ चौपडी॥ तवसीधवो

३५

लोहइकेहसी ॥ एहवातमूकमनेवसी ॥ पाडेबोल्यास्वांजीतमें ॥ तेहवातसंभूंसंअहें ॥  
एई ॥ माधवशंकरलक्ष्मीचंद ॥ राजेकहाएमोटानरेंद ॥ एचारेनोकहोविरतंत ॥ एहवात  
सूणावानीधंत ॥ ए३ ॥ कहोवनस्पतिबूटकोए ॥ माहमासजलनाहेंसोए ॥ युधिष्ठिरसुडे  
हरिकहे ॥ अणगमतानेहइडेदहे ॥ ए४ ॥ पत्रनेचेहउमूकवास ॥ बिटेशंकररहेउध्वास  
मध्यनागजक्ष्मीथीरहोये ॥ तेकारणमतबूटोकोए ॥ ए५ ॥ ताननुवननावकोररांम  
ताकारणमतलेज्जोनाम ॥ महालक्ष्मीब्रह्मानासूता ॥ ताकारणमतबूटोचता ॥ ए६  
महादेवजगमोटोजांण ॥ शिवभारगनेकरेंसायांण ॥ एकपत्रत्रणमोटोजांण ॥ को  
एमतकरजोतेहनीहांण ॥ १ ॥ सोमअमावास्याधिररहे ॥ शिवसासनमेंसहूकोकहे ॥  
मूलडालपातफलफल ॥ त्रोटतेहनोकहोएकसूल ॥ २ ॥ पउवेदशमीषहीजांण ॥ मध्यं  
नेंनवमीवषांण ॥ सकरांतदिनवरज्योषरो ॥ तेदिनदातणकोमतकरो ॥ ३ ॥ चंदतरणो

कर्मवि.

३१

तादिनछेवास ॥ तेदिनदातराकरोउद्यास ॥ पातानघेपातकजेसोए ॥ गोतघातकीते  
नरहोए ॥ ४ ॥ डालपाततेकारणतजो ॥ एकमनाथईनूदरनेनजो ॥ पातलदूधेमोदूं  
पाप ॥ तेकारणमतजमजोआप ॥ ५ ॥ चौपई ॥ कोएजीवनानहोएहांण ॥ प्रथमभूत्य  
तंनिहस्येजांण ॥ पंचेदानोनियहकरो ॥ सर्वभूततेसमकरधरो ॥ ६ ॥ द्वाभाधानत  
पज्ञानशातमं ॥ सत्यशौचधेआवमं ॥ अविघ्न्यमोटांजांण ॥ मारकंडरूषीकरुं  
वषांण ॥ ७ ॥ जीवतकेपरमेसरजांण ॥ जोलाथेकांइफरोअजांण ॥ घरभूलाकंठोम  
नकही ॥ घरभटकांमारंसहा ॥ ८ ॥ नितपरमेसरभूजेकोए ॥ तोपणएसमवडनव  
होए ॥ अस्वचपुरुषकरतायापनी ॥ जहेनगतनजांणोवनी ॥ ९ ॥ सुधपुरुषजेजांण  
दया ॥ निरदेनरतेमूरषकया ॥ आतममौचाकरजोकोए ॥ बाहरउकलसुधनहोए  
१० ॥ सर्वभूतप्राणीनीदया ॥ मनवचकायानानियहा ॥ पापध्यानतेमेहलोदूर ॥ चा

३१

रक्षायनवलेयेकोर ॥ १ ॥ रागदेषथात्रलगानया ॥ सूचानरतेहवाकथा ॥ हवेनां  
हणानिकेहसंवात ॥ कोकेहनीमतकरजोतात ॥ १२ ॥ मारकंडरुषीनाथ्युंजेह ॥ करसे  
मौनोगवसेतेह ॥ माहमासजेनाहेनरा ॥ जीवअनंतहणोतेषरा ॥ १३ ॥ स्नानदांनतेस  
मकरहोए ॥ अणगलमतअडजोकोए ॥ वरुणदेवजलआमीहोए ॥ तेकारणमतअ  
डजोकोए ॥ १४ ॥ दोवडतेगलनेजलगली ॥ धरेसंपामोबोलोवली ॥ नारायणमूरव  
बोलेएसूं ॥ उतमनरनेहडेवसूं ॥ १५ ॥ धागडपीटेधरमनहोए ॥ डाहाजतनकरज्यो  
तोये ॥ एकादशीमातमअधिकार ॥ तामेअरथकह्योअपार ॥ १६ ॥ दोहरा ॥ करजोमीअ  
रजणकहे ॥ सृणत्रिजुवनपतिराय ॥ एकादशीवरणनकहो ॥ सांजलसांमनला  
ए ॥ १७ ॥ नारायणवलतूकहे ॥ सृणोसजाएकवंत ॥ सावक्षनधईसांजलो ॥ कहि  
सूंतेवरतंत ॥ १८ ॥ आवयोहरमैद्युनतजो ॥ अडदमसूरनूंशाक ॥ वणाकोदरामकत

जो ॥ स्नान <sup>विना</sup> देल पाक ॥ १७ ॥ एकजगतदातगातजो ॥ परनुं अन्ननेपांन ॥ एहदशमासा  
 धव कहें ॥ बीजातेवगसांन ॥ १८ ॥ एकादशीमैथुनतजो ॥ मृषाहंसांनविहोए ॥ दात  
 एजूक्रीडानहें ॥ निशिनित्दानविकोए ॥ १९ ॥ नहेमंजनतनतेलतव ॥ पुष्पतलक  
 लंकारे ॥ मैथुनअहनिशापरहरो ॥ वेदमूडिकाहार ॥ २० ॥ द्वादशीमैथुनतगो ॥ करवो  
 अहनि सत्पाग ॥ काचूं अडदमसरचणा ॥ दातएतेजनलाग ॥ २१ ॥ तवजामकको  
 दरतजो ॥ एकजगतनहें स्नान ॥ कूडकपटमायाविना ॥ हंसांनहेंवगपांन ॥ २२ ॥ ए  
 कादशीएहबीकही ॥ बीजासवेवेगार ॥ अरजएनेकेवावकहें ॥ एहविधयहंवेपार  
 २३ ॥ पातकदसेजनभतगां ॥ एहविधकरतांजाए ॥ मखखादिनस्त्राजके ॥ सामंतेल  
 पटांये ॥ २४ ॥ जोयोसयाणेचंतसं ॥ दूषमतपावोकोए ॥ पाथरकमलननिपजे ॥ बीज  
 तसोफलहोए ॥ २५ ॥ कूकमपाठेपांतसं ॥ नारवलोणंजोर ॥ अंनतजिविषअचरे ॥

करे ते सो रा सोर ॥ १८ ॥ कांहे एणथी कसू फल लहे ॥ काश्वणा सोकाज ॥ करदी पकक  
पेपडे ॥ फोकट आवे वाज ॥ १९ ॥ पचासणारी करी ॥ वीर बोध अवतार ॥ इन्द्र नूत शोधव  
मली ॥ सूहे कर्म विचार ॥ २० ॥ आवकर मबंध मूक कहो ॥ किमबंधे नर नार ॥ जां नबंधे  
रवाण कहो ॥ वेदन मोह अपार ॥ २१ ॥ आयु नाम गौतर कहो ॥ किमपडे व्याघात ॥ कंण कर  
णी फल को लहे ॥ तेह कहो मूक वात ॥ २२ ॥ परमे सरवल तं कहें ॥ सृणा गौतम गणधार  
त त्वार्थ भेजे सुहे ॥ तेह कडं निरधार ॥ २३ ॥ चौपई ॥ करीय करम अबाये जके ॥ तेपण को  
मति जां गोरघें ॥ दोष पराथा परगट करे ॥ सरसव मेर समान करी धरे ॥ २४ ॥ साकतणी  
बोले अपवाद ॥ गुणाठां के मन अंणी घाद ॥ सूत्र अर्थ न विशुद्ध करे ॥ ऊकथा पण मन  
बोहली धरे ॥ २५ ॥ पीछ कष्ट तक्षरी नर नार ॥ मुष मोडा गुंण ठां के सार ॥ दरवाण जां न कर  
मबंधये ॥ कसू कराव्युं निरफल थाये ॥ २६ ॥ हवे असाता वेदन कहे ॥ दुब आवे अति

कर्मवि  
३३

चंतालहे॥वहेसोकतेअतिमनलाये॥जिमसृंगोतिमअधिकोधाये॥३७॥रातदिव  
सहइयामेधरे॥विकलथइनेदहंदिशिफरे॥एमदाजेबहूहईनामांहे॥मरीयेतो  
हविंवारुथाय॥३८॥हइयांमांथाकूटेधणां॥परगटदुखकरेशापणां॥रोएरतलेजे  
नरनार॥बंधअसातानोनिरधार॥३९॥हविकहंसातावेदनी॥तेहवातसृंगज्योए  
कमनी॥प्राणानूतनादयाजेधरे॥शकरणसुधेमनमेधरे॥४०॥सरागसंजमजेआदरे  
हेमासहितनरतेपरवरे॥कोधलोअतालीसुचजीए॥पाणीनांष्येकसूनहोए॥४१  
सहूजावसंप्रातअणार॥दुखकेहनेनवदेयेलगार॥शकमबोलेंत्रिभूवनधणी॥पडे  
बंधसातावेदनी॥४२॥हविमोहकरमकहंजेह॥मासरीथापणामिंवातेह॥शरवकरम  
जातेसोनरा॥मोहकरमजीतेतेषरा॥४३॥मतवालोअविमानेकार॥मोहसूषथेनि  
कसेचार॥मदिशयांनकरेंनरजेह॥कालांतरेंउतरेतेह॥४४॥मोहसदनाधास्याजेलो

३३

ए॥ दिन २ में पण अधिको होए ॥ मोह कर मजा त्यो न विजाए ॥ करे मही वली को डउणये ॥  
४५ ॥ मोह मदना धा स्याजे नरा ॥ चिहंगत में ते नट के मरा ॥ मत्सर को डा को डामोह ॥ थी  
तउ त्रकृष्ण जांणो सोए ॥ ४६ ॥ दोहरा ॥ आयु कर महवें कहुं ॥ संगा ज्यो मह नर नार ॥ चा  
रघांण ते नटकतां ॥ एकल मो निरक्षर ॥ ४७ ॥ था वर जंगम जीवनी ॥ हंसा करे अजांण  
रात दिवस दुख ते हनें ॥ देत न अंणो कांण ॥ ४८ ॥ धर मजांण हंसा करे ॥ मन में फुले  
आप ॥ अतो जमो डब पछसें ॥ केणी पर करे सज वाप ॥ ४९ ॥ घंणां जीवनां शो योषां  
जे त्रोडे नर नार ॥ आगे ते हनुं आयोषं ॥ सही घटे निरक्षर ॥ ५० ॥ एह वंजांणी जीवनां  
जतन करी नर नार ॥ नहं तर उंचा आयु जो ॥ बंध परे निरक्षर ॥ ५१ ॥ चौपई ॥ नाम कर म  
बंध नर नार ॥ तेहना जांगा छे अपार ॥ नाम रहण कावांछा करे ॥ हंसा कर तो न विथ  
रहरे ॥ ५२ ॥ कोरत कारण परचेदांम ॥ जिमतिंम करतां राषं नाम ॥ रात दिवस मन ए

कर्मवि.  
३४

द्वारहे ॥ मनहरघंघरणउतधरं ॥ ५४ ॥ ग्रहीयकीबहुआरंनकरं ॥ कांममौटेकेकारज  
सरे ॥ मूकनूनांमरहोचिरकाल ॥ मूकजसबोलीबालगोपाल ॥ ५५ ॥ एसीममताचाव  
जांम ॥ जोनरमेंलेसीनांम ॥ लक्ष्मिचोरासीजोनरहे ॥ नांमअनंतांआगेलहे ॥ ५६ ॥ नांम  
करमऐंमबांधेसही ॥ एहवीवांतविचारीकही ॥ गीतकरमनोकहंविचार ॥ कांनदेई  
सूणज्योनरनार ॥ ५७ ॥ होहरा ॥ उचगोतमाधवकहे ॥ सुंणगोतमगणधर ॥ शेरपयंये  
हरषसू ॥ बारसनामऊर ॥ ५८ ॥ आतमउऊलराप्रज्यो ॥ विनेकरोलेलिया ॥ शीलवर  
सूधंधरो ॥ गणतमगनपरवाण ॥ ५९ ॥ सगतत्यागसंवेगदम ॥ तपसासाकसमाध ॥ वी  
यावमजिनदेवनी ॥ षट्आवसनितसाध ॥ ६० ॥ आचारीसिधांतशृत ॥ करोनगतम  
नजाण ॥ धरमतणीपरनावना ॥ नितकरज्योपरवाण ॥ ६१ ॥ एणाथीउतमकूलल  
हो ॥ तीथंकरपदहोए ॥ नागयणबलचक्रधर ॥ प्रतिनारायणहोए ॥ ६२ ॥ शेरहीज

३४

गहन्यवंत नर॥ नारि अछें जग जोय॥ हरण धनत नरोग नवि॥ अगो मिधगत होए॥ ६३॥  
राजरि छोभी करी॥ अरथ गरथ नंदार॥ अलष निरंजण दरसतां॥ वेगय हूं चैपार॥ ६४॥  
चौपई॥ नीच गीत बांधे नर नार॥ परनं याते करे अपार॥ कल नीरित करे दिन रात॥ पर  
पादान विजांगो वात॥ ६५॥ निरुहा एका को कोए॥ निरलो नीत नमे हलूं होए॥ मां नर ही  
तमाया न विजांग॥ निते रजल फटक समान॥ ६६॥ एसे गुं एं साक्ष जन होए॥ तेहना  
गुण जे टांके कोए॥ जे नर नारिए हवो टाल॥ नीच गीत बांधे तत काल॥ ६७॥ परमहामीने  
कलमषी॥ हजाल घोरने वाय सपषी॥ वेहनी उंवर गाभे खान॥ मांजारी मांण सवित  
मान॥ ६८॥ हवे बंध क हूं अंतराय॥ तेहना नांगा के इके हवाय॥ कोए प्राणनाथ नीहां ए  
तेहाजके नर अगो वांण॥ ६९॥ माटा पांणाने वन सई॥ अगन वाय इंके इ कहि॥ तेहना हं  
साकर वाजाए॥ हूंसे सादकरे मन लाय॥ ७०॥ अन्यगं महंसा नाजके॥ नर नारी अगो होए

कर्मवि.  
३५

तके धरमठांमते आडोथाए ॥ हवडांतं बालकके हवाये ॥ ७१ ॥ मोला मनपजनम अवता  
र ॥ कष्टकरियां म्पो नरनार ॥ पायो पायो सहको पांतसं ॥ आगल कंण जांणे काईहसं  
७२ ॥ मूरधनवजांणे मनएसं ॥ पाधूतोथा एषाषसं ॥ ग्पांतीनरबोलेनिरक्षर ॥ करवान  
जनदीयो अवतार ॥ ७३ ॥ दोषअठारगहितजे देव ॥ आडोकरतांथाएसेव ॥ अलषअरु  
पीअजराजेह ॥ निराक्षरनिरंजणतेह ॥ ७४ ॥ एहनूं समरणजे नरकरं ॥ तपजपसंयम  
आयलजधरे ॥ दांनपन्यदयामनशुध ॥ कोएनरस्त्रीछोमंप्रबुध ॥ ७५ ॥ एतांकरतवजे  
नरकरे ॥ नरनारीते आडां फरे ॥ तेनिहस्ये आगंदुषयाय ॥ निवडकरमबंधे अंतराय  
७६ ॥ दोहरा ॥ आठकरमथितीअवकहं ॥ सुंणज्योरुदेमफार ॥ ज्ञानहीदरवाणअंतरा  
य ॥ वेयणअसाताक्षर ॥ ७७ ॥ चारकरमथितीहवे ॥ श्रीसहकोडाकोड ॥ सागरपणए  
तांकह्यां ॥ नामगोतहवेजोड ॥ ७८ ॥ वासरपणएकह्यां ॥ सागरकोडाकोड ॥ पनरहपण

३५

साता कष्टं ॥ वेदन कष्टं एहोड ॥ ७९ ॥ दरसण मोह सत्पर कष्टं ॥ च्यालि सचारित मोह ॥  
कोरु मंल ह्यं ॥ आयु ते तासे जोए ॥ ८० ॥ उत कृष्ण स्थित कही ॥ उपर नहे लगार ॥ श्रव क  
र मंजुण सारिषा ॥ ते मूक कहे विचार ॥ ८१ ॥ चौपई ॥ परिय चस भोग्यां न मंल ह्यो ॥ दरसण  
पण दरबारी कह्यो ॥ वेह ते लपटी घांडा धर ॥ वाटे तब वेदना अपार ॥ ८२ ॥ मोह कर मम दि  
श मम जोए ॥ हेड सभान आयो संहोए ॥ नां मकर म चितारी कहि ॥ संजायत पण गोत  
र सही ॥ ८३ ॥ अंतराय मंडारी होए ॥ एणो दृष्टां ते नर घा जोए ॥ एह वां श्रव कर म अति जो  
र ॥ उत मन रते की क्ष जोर ॥ ८४ ॥ एणो श्रव मूक ने जो लव्यो ॥ नव अनेक मां हे रौ लव्यो ॥ तो प  
ण ह जान आव्यो पार ॥ पापी कर मन छो रेलार ॥ ८५ ॥ मोह कर्म मूक के रू पयो ॥ रत न  
ग माय काच कर बड्यो ॥ मन प्रजन मं दूर ल न पाये ॥ धर म विहूणो ए ले जाय ॥ ८६ ॥ कां  
मव सें हं अहनि सब ल्यो ॥ ते कारण हं विहू गतर ल्यो ॥ तो ए पणान वि अवे लाज ॥ लो

कृष्णविव  
३६

जवसें कीयां का जत्र का जत्र ॥ ८७ ॥ दोहरा ॥ एह विचार संक्षेप स्रं ॥ कायोत्रलपविस्तार ॥  
नरनारी जोई चालसें ॥ तोप हं चे जव पार ॥ ८८ ॥ जे नर ममता में मगन ॥ अहनि स्रवां धे  
करम ॥ ते हथकी पस्र जलां ॥ जेहने हश्ये न हें नरम ॥ ८९ ॥ न हें परिग्रह न हें जाल मन  
ऊवि सन क्रियान कोए ॥ ते हथकी ताथें जलां ॥ पस्र विचारी जोए ॥ ९० ॥ जे में जां एपूते  
कह्यं ॥ मत कर जो कोई धाद ॥ केवल वचन त के धरां ॥ बाकी सबे बकवाद ॥ ९१ ॥ जे सा  
जा एपो ते सो कह्यो ॥ दुः कर भार गमोष ॥ एह थं थ कर ता थकां ॥ मूऊ मत लागो दोष ॥ ९२ ॥  
सूर कहें मे पातकी ॥ कर ममवल मूऊ जोर ॥ सूर तां मूऊ धो लाजया ॥ तोहे न जिनी  
कोर ॥ ९३ ॥ चोपई ॥ स श्री सो जन ॥ श्री गुरु जगत करुं मन लाए ॥ वचन स्रणी मूऊ उलट  
थाए ॥ हविनिशा जो जन कहं नियाल ॥ सूर जो सडको बाल गोपाल ॥ ९४ ॥ पुदगल  
मेहले साहजनदार ॥ सूरत कंको नव पावै नीर ॥ अस्तागत सूर जे देवता ॥ अंन पांन किं

३६

मलेयो जावता ॥ ७५ ॥ तेहनेपाप अनंतकयं ॥ पूरांणामारकंडथीलयं ॥ अन्नपांनतेअ  
नप्रसमानं ॥ अस्वाद्यंबहूजीवांहाण ॥ ७६ ॥ पांणीतेपणावरज्युंकही ॥ उतमनरमतपाजो  
सही ॥ परतरुपापसंणोमनलाय ॥ काडीयेबुधविद्याजाए ॥ ७७ ॥ मळरांफूदीनेघरोल ॥ छ  
चडमांहिकरेफकोल ॥ भाषीवमनकरेततकाल ॥ जलोदरजूकरेविसाल ॥ ७८ ॥ कोलाकं  
थुंगदहीधुंण ॥ नमरीघरोलीजांणोकंण ॥ तेमानवनवनिरफेलजाए ॥ अंधेवणेनेवा  
छरुषाए ॥ ७९ ॥ एड्डीदुसमनछेपरी ॥ घाडघूंदीनेजासंघरी ॥ एणथीतुऊमंरुएहवाल  
कांयेविणासोथंरीमाल ॥ ८० ॥ चडीकमेडीसारसमोर ॥ काबरकोयजकोगचकोर ॥ क  
वृतरसमलीपारेव ॥ जोयोसथांणोएहनीटेव ॥ ८१ ॥ सरजउग्याविणानहंआहार ॥ नीर  
तणानवलीपंकार ॥ जेनरनारागतेंडुमं ॥ दूरगतमाहंनिहस्येनमं ॥ ८२ ॥ मांऊलगेजोक  
सकरनरे ॥ शतेजम्याविनानविसरे ॥ एहववनएकसूफनेसूं ॥ ८३ ॥ माणसऊंणानेपं

षीकृण ॥३॥ निजा नो ज न ते न ए नि वार ॥ मार कुंड कहें वारो वार ॥ तव त्रिष बो ध्यो ह ई डे  
 हसी ॥ ए ह वा त मू ऊ म न मे व सी ॥४॥ ए ह दो ष जां रो स हू को ए ॥ दृ षं ते धी अ ति दृ ढ हो ए ॥  
 तव गुरु बो ले मन आ णं द ॥ को के ह ना म त कर जो नं द ॥ ५ ॥ सृ ष वां ट ण तो स हू को म ले  
 दु ष ले वा प ण को न वि ज ले ॥ मू ऊ न प र म त कर ज्यो शी स ॥ क स्युं नो ग वो वि स वा वि स ॥ ६ ॥  
 क ल ज ग मे छे क गुरु ध र णा ॥ मार ग रुं ध्या ठा को र त र णा ॥ ए न णां तां म त ज म ज्यो को ए ॥  
 कर से ते नो ग व से शो ए ॥७॥ दो ह रा ॥ पो ते प णा पाले न हें ॥ र य णी ज मे क लो ल ॥ गुरु ज ज  
 मान स चे म ली ॥ जां ए ति के ड ह बो ल ॥ ८ ॥ प ठे व षां णं हू स करी ॥ ओ रां धे उ प दे स ॥ न व पा  
 ले पो ते र ती ॥ के णा वि ष सु ष ल हे स ॥ ९ ॥ स म जी जां णा नि करे ॥ प णा न व पाले को ए ॥ धो षो  
 डा स्रु ख आ द रो ॥ प ठ तो मू र ष हो इ ॥ १० ॥ चो प ड ॥ क ड् दे श वा रा पुर नां म ॥ अ म र से न रा जा अ  
 चिराम ॥ एक दि व स न प च द्यो धु धार ॥ करी ष री न ला इ वार ॥ ११ ॥ प हू तो अ ट वी मे ए क लो

सां ह मो व ड एक दृष्यो नलो ॥ व ड हे ठ ल ग यो जे त ले ॥ डाल प रा य हा ते त ले ॥ १२ ॥ त व  
रे वं त न जा ए व ही ॥ अ व ली ग त नो दा से स ही ॥ त व रे वं त ले श्वां ध्यो ड ल ॥ रा जा सू ष मी  
ह म्यो ते ह का ल ॥ १३ ॥ दो ह रा ॥ न व न प ता पा ता ल थो ॥ आ वी अ म री रू प ॥ वि ष य वि क ल  
ध र ण थ ड ॥ अ वि ते जे हां नृ प ॥ १४ ॥ लाल च मन बो हो ली करे ॥ मन न वि आं गे ला ज ॥ स्वां  
मा सं क हे व ल प ती ॥ प्र नृ क रो मू ङ सार ॥ १५ ॥ रा जा प रा व ल तं न रे ॥ नो ली म कर अ नी  
त ॥ हूं मा न व तं दे व ता ॥ क हो कि म की जे प्रा त ॥ १६ ॥ हूं पा हर प र जा त णो ॥ न न र क रूं  
क रूं ॥ प थ वी मे घ न व र स से ॥ किं म उ गं कू ल सूर ॥ १७ ॥ सं ण रा जा दे वी क हे ॥ तूं तो ष  
रो अ जा णा ॥ दे व त णां सू ष नो ग वी ॥ तो जा वूं प र मां णा ॥ १८ ॥ हा ड च र म मा टी रू दी र  
म ल मूं त र चि हूं पा स ॥ मन ष ना र डे ए ह वी ॥ अ ति म ह के दूर वा स ॥ १९ ॥ ते मां हे तं  
म ग न डे ॥ जिं म च मा री स्वां न ॥ दे व त णां सू ष अ ति घ णां ॥ क हूं ह मा रूं मां न ॥ २० ॥

कर्मवि.  
३८

नृपतपणवलतं जणे ॥ स्रगा देवा मूकवात ॥ एह अकार ज के म कं ॥ लोजे मूक कलजा  
त ॥ २१ ॥ कोड ते श्री से देवता ॥ अगन पंच जण साष ॥ मात पिता वे जण मली ॥ राथ मे ला व्यो  
दाष ॥ २२ ॥ ते ह साथें सुष नोग वं ॥ नोली मन ह विचार ॥ परना शी सुष नोग वे ॥ ते जा ए नर क  
मज्जार ॥ २३ ॥ स्रगा राजा अ मरी कहे ॥ देष ह मा कं रूप ॥ मन पजन मला होली जीए ॥ कां ए  
विमा सो नृप ॥ २४ ॥ रत न पाये न विठे लए ॥ नोजन म ल्युं न छोरु ॥ कर जो मी तू फने क हं  
न कर वरांणी होड ॥ २५ ॥ रु वी बूं पण दो हे ली ॥ तू वी धूं वर दान ॥ वार तू फने क हं ॥ कां  
ई गइ तू क सांन ॥ २६ ॥ त वरा जा वल तं कहे ॥ स्रगा स्ररी एक वंत ॥ पर पु रुष जे मन र मे  
ते क गते धं वंत ॥ २७ ॥ सामतिके सा हे ब सम ॥ वि मूष होय जे नार ॥ मूष जो वा जू गतं  
न ही ॥ ते जा ये ज म वार ॥ २८ ॥ स्रगा नृप त अ मरी कहे ॥ तूं तो ष रोग मार ॥ अ मृत त पण  
लो मी करी ॥ कां इ रा चें तं छार ॥ २९ ॥ मूष बुधं उ क कां ग ई ॥ कां वू के धर नार ॥ प्र जा २३

३९

कनाकरुं ॥ मतकरें वारलगार ॥ ३० ॥ चौपई ॥ तववलतं मूषकोले गये ॥ पृथ्वीतिपणउ  
लटीथाये ॥ आसायरपणअंगाराकरे ॥ जोदनीयरअंधारुंकरे ॥ ३१ ॥ डगेमेरहरचंदमूष  
वाद ॥ समुद्रपणलोपेंमरजाद ॥ वशीथरमूषथेंअमृतकरे ॥ जलेउपरजोपाथलत  
रं ॥ ३२ ॥ इपतितनउघामंथाये ॥ जोजातचूकेंशीतामाये ॥ गाडरफीटीगयंवरथाय  
जोगंगाजलवगडीजाये ॥ ३३ ॥ कंसगहाधरनेंजातसे ॥ कहरकोहेलासमवडहसे ॥  
जोपचिमरविउगीसीए ॥ अगततकेपणाशातलहोए ॥ ३४ ॥ इचलेकनकहोएकाट ॥ जो  
जललावेकाचेमाट ॥ एतांकरतवकालेंहोए ॥ शीलनचूकेंनिश्चेजोए ॥ ३५ ॥ वार२  
कहेकांडहोइ ॥ तंमाताइंबालकतोए ॥ तवकोपाबोलेविकराल ॥ जाणोनिश्चेअ  
व्योकाल ॥ ३६ ॥ अंग३षाल्यातेरही ॥ सबलबंधबांध्यातेसही ॥ करविनापतेदेवाग  
ई ॥ निजतरथारतेहांजईरही ॥ ३७ ॥ ततद्वाराआव्योनागऊंमार ॥ षीलापणकाम्याते

कर्मवि.  
३९

द्वार ॥ त्रयो म्या बंध पास कारमा ॥ कहे देव हवे उत मरुमा ॥ ३८ ॥ धनमाता जे उदर धर्यो ॥  
धनपीता जे कुल अवतस्यो ॥ जय राजा बंद करे ते देव ॥ मांगतू फनें हंतू वो हेव ॥ ३९ ॥ जे  
जूइए ते मांगो राय ॥ ते हंतू फनें करूं पसाय ॥ तव राजा कर जो मी दोए ॥ रिद्ध हो जी  
अम धर होए ॥ ४० ॥ हरष्या मूर बोले मूंग राय ॥ देव मल्यो न विनिर फल जाए ॥ तव  
राजा मन करी विचार ॥ पुत्र न थापण मूक धर बार ॥ ४१ ॥ दोहरा ॥ एक पुत्र एक मूकने देयो  
जो मूक घो वरदांन ॥ पसूतणी नाषा सहू ॥ ते समजूं सही कांन ॥ ४२ ॥ वर दी धूं देवं सही  
पहूं तो निज आवास ॥ राजा पणती हां वि सभ्यो ॥ पंथी बोळणं तास ॥ ४३ ॥ चमो कहे सां  
नल चमी ॥ तरे हजे निज वांम ॥ वेग करी आवूं मूर्यो ॥ पण एक छे मूक कांम ॥ ४४ ॥ च  
मी कहे जाणायूं ॥ पुरुषां के सो वि सवास ॥ कण बोली कूक सभ्ये ॥ कसी करां ते आस  
४५ ॥ जो लामं दमजर मयड ॥ नरनें कारज कोड ॥ नि सदिने वेवां किं मसरे ॥ न कर वरांणी

३९

होम ॥ ४६ ॥ वडा कहे मानुं नहे ॥ में न वर हायुं जाय ॥ कोडवात जो तं कहे ॥ तो न वित्रा वे  
दाय ॥ ४७ ॥ धोवी ते लापारधी ॥ बां नगा गोलवार ॥ स्त्री हत्या पात कय हू ॥ करुं न वार लगा  
र ॥ ४८ ॥ चमो कहे पात क कसूं ॥ मूज नोल वेंत्र यां ए ॥ रात्री नो जन दोष लेये ॥ तो तू क  
ने देयुं जां ए ॥ ४९ ॥ चौपड ॥ तव पंषी चंता तुरथयो ॥ दोए कां ॥ न आंगुल देई र ह्यो ॥ फट  
फट मुख बोले ते चमो ॥ कां इ अ परा ध देये ए व मो ॥ ५० ॥ र ह्यो कां म स व वां मो वां म ॥ रया  
पण कां इ ली धुं नां म ॥ मूंणी राय त व अ चर ज न थो ॥ जो थो दोष कां इ पंषी क ह्यो ॥ ५१ ॥  
चाळ्यो राय त व छो मी गा य ॥ पेपें ध्म न करे मूनी राय ॥ पग म स क दे इ राजार ह्यो ॥ मुंनी  
जां ए जाये व ह्यो ॥ ५२ ॥ जां ए पा मूंणी विना न र नार ॥ किं मयां में ते न व नी पार ॥ जां ए  
मूंणी न व पाले जे ह ॥ पर न व दूषी या था से ते ह ॥ ५३ ॥ जां ए पुं ए नि स्पे वू क से ॥ मो ह पा उ  
शो म सूषी ह से ॥ का यो सर्ग या रि वे वा ज ती ॥ करे जो मी स ह्ये नू प ति ॥ ५४ ॥ र थ ए नी नो जन

दोषजलहो ॥ स्वामीतेपणमूऊनेंकहो ॥ अंनपांननूदोषणघणं ॥ जीनएकहूकेतूज  
णं ॥ ५५ ॥ मृणराजातूथईएकवंत ॥ रात्रीनोजनकहूविरतंत ॥ कूपवावनदिसोस  
ताल ॥ नितप्रतेकोएनाघेंजाल ॥ ५६ ॥ दवपरजालेंवनमेंजई ॥ इहबोलनरतेजासें  
ही ॥ धणोकाएदूषतेनोगवे ॥ नरकमांहिंदिनतेजोगवे ॥ ५७ ॥ कुवणजकरापेटज  
रे ॥ कहोकिंमतेभवसागरतरे ॥ स्वामीकुवणजसूकेहवाय ॥ तेहवातबोलेमूनी  
राय ॥ ५८ ॥ आदूंमूरणठेडीकंद ॥ लोहलाषलयालावृंह ॥ मंगमधूनेमहूडंजेह ॥ सो  
रसोहगीसिसूजेह ॥ ५९ ॥ मूरोसोहगीनेहरीयाल ॥ बाडगलीजेजीवांकाल ॥ साबूष  
मीयानेअलसेल ॥ आपेंतेहमेथासेहेल ॥ ६० ॥ जतिनिमतआपेंनरनार ॥ जीवत  
योतेहांहोएसंधार ॥ उंचेशायुतकेनरजाए ॥ आगेंबहूदुखतेनरपाय ॥ ६१ ॥ दंतद  
मंत्रागरजेलेये ॥ चोरानेउधारेदेये ॥ वनछेदणकोदेयेआदस ॥ लक्षप्रजातेकरेमेह

स॥ ६२॥ तलसरशवनेदांणाजेह॥ हंसंघाएथालावेलेह॥ नरगंजातांबंवनवार॥ कां  
नदेईसूराज्जोनरनार॥ ६३॥ नीचवणमेजांएपोसार॥ दुखतणोनहंपारोपार॥ कूडां  
आलदेयेनरनार॥ अगनवलीनेथांएछार॥ ६४॥ बालकवेसंथांएवाती॥ कूडांआल  
मदेज्योरती॥ परनारीदोषरात्रेघणा॥ जीवथकीबूकावहुजणा॥ ६५॥ त्रुंणतिकेसव  
गइदिवांण॥ संगकरेघरात्रुजांण॥ एपातकनेलांकीजीए॥ रात्रीनोजनमांहेदीजीये  
६६॥ तोपणकबूअधकेरोहोए॥ तेकारणसतिजमज्योकोए॥ तवराजादोएजोमाहा  
थ॥ पंधाकांऐंजांणोएवात॥ ६७॥ एणेवनसमोसस्याजिनदेव॥ वारपरषदासारि  
सेव॥ रात्रीनोजनपातककह्यो॥ तेणोदिनथीएणेमनमंगह्यो॥ ६८॥ तवराजामनवल  
षोथयो॥ सांसोसवन्नितरथीगयो॥ तवसेन्यासवआदामली॥ मनीवरवाणीतेसांन  
ली॥ ६९॥ अंनपांननोलाक्षोनीम॥ रातेजमवानिस्पेसिम॥ स्वरस्वरनटराजानाजके॥ जी

कर्मवि  
४२

यो नाम स ही जाणो त के ॥ ७० ॥ नगर मां हे फे स्यो डंडेर ॥ नवपाले ते हनें कर संजेर ॥ सह  
लोक ते श्रुषी या थया ॥ अगडपाल परलोकें गथा ॥ ७१ ॥ एपा तक नर छोडे जेह ॥ मन  
षजन म अजूया लेतेह ॥ कवी कहे लंके त क लं ॥ रात्री नोज न मां हे थील लं ॥ ७२ ॥ एह  
वूं जाणी ने परसरे ॥ ते जाणो नवसागर कहे तरे ॥ कां ये अउ पूंजीवी कां ये ॥ ते तो सह  
जाणो मन मां ये ॥ ७३ ॥ नरकतणो छेपे हलो धार ॥ दूरवन छोके तेह नी लार ॥ एह वूं जाणी  
संवर करो ॥ अंन पां नराते परहरो ॥ ७४ ॥ मूफउ पर मत कर जोरास ॥ कसुं नो गवा वीस  
वा वीस ॥ जे जेह वूं करसे नरभार ॥ ते तेह वूं नो गवे नरधार ॥ ७५ ॥ दोहरा ॥ उत मनर ते  
जाण जो ॥ रात नपी बेवार ॥ निस्पे नवसागर तरे ॥ पल्लं चेपे हेले पार ॥ ७६ ॥ एह वूं जा  
णी परहरो ॥ राते अंनने पांन ॥ वार कलं जीवमा ॥ कां शगई तूक मांन ॥ ७७ ॥ नो लोकां  
नरमें पम्यो ॥ जातो जूया मांहार ॥ रात्री नोजन परहरो ॥ तो नीस्पे पांमो पार ॥ ७८ ॥ अ

४२

लयनेदरयणीतणो ॥ नोजनकह्योसंक्षेप ॥ जेसमजीनेसदहे ॥ तेनरासुरनरलेप ॥ ७१ ॥  
एहविवाररयणीतणो ॥ कह्योसुगुरुसंघेप ॥ अबतीरथनाहणतणो ॥ केहसुंतेलवजे  
स ॥ ७२ ॥ स्नान ॥ चौपडे ॥ अरजणपूछेंसंणमहाराय ॥ कंणतीरथतेनिरफलथाए ॥ वाकू  
रउतरआपेंहसी ॥ संणअरजणमनमेंउद्धसी ॥ ७३ ॥ कपवावनदसस्त्रनिषेक ॥ तंहां  
आंगलीमतबोलोएक ॥ उडुलहोइनराचूंअमें ॥ अंतरमेलयपालोतमें ॥ ७४ ॥ अरज  
णपूछेंआणीनेह ॥ केणीविधसौचथाएनिजदेह ॥ दुबधाबोमोसाहसधीर ॥ एकल  
मलरनबेसोधीर ॥ ७५ ॥ आसणवालीरहोउदास ॥ मनमतधरजोकेहनीआस ॥ तपन  
पसंयमशीलारहो ॥ तत्वएकतेनिहस्येयहो ॥ ७६ ॥ अंतरनेदनेसंयमनीर ॥ सत्यत्रि  
लामनकरड्योधीर ॥ शीथलतणादोएकंवाकरो ॥ पंचेंद्रीमननेजुंधरो ॥ ७७ ॥ एणीए  
रआतमनिरमलथाय ॥ स्नानकरेंसांमूलपटाय ॥ सातधातनूपंजरघमूं ॥ मांसरुंधी

मंसूक्ष्मं ॥ ७६ ॥ मातपितातणी दोषक्षत ॥ वाजमनघनं छेहवात ॥ अस्त्रिचर्मदीसो  
 चिह्नं पोस ॥ मजामेदशुक्रनोवास ॥ ७७ ॥ मलमूत्रनसानोबंध ॥ नवेदारश्चवेदुरगंध ॥ ते  
 मां हेरोग कसावडवली ॥ करमीजीवतणीकोथली ॥ ७८ ॥ स्रग्भपाकतणोनहेपार ॥  
 क्रोधलौनमां हेवहे असार ॥ जराराक्षसी आवावरे ॥ कालशहेमी दोलोकरे ॥ ७९ ॥ एयंज  
 रमहाअसोहा मणं ॥ जिमक्षेएतिमलपटेघणं ॥ घणसं कहीएवारोवार ॥ अक्षरदोए  
 थकीनिस्तार ॥ ८० ॥ इंद्रीहंभेकरोसंतोष ॥ निरविषधानथकीछेमोक्ष ॥ एहमारगत  
 मंचालोमीत ॥ नहेंतरपटकोपडसेजात ॥ ८१ ॥ नायेक्षेयेनवसरसेकाम ॥ निरमल  
 एकनारायणानाम ॥ एकमनाथईनतोमोशर ॥ दुचरित्रमंघणोविचार ॥ ८२ ॥ दोहरा  
 नाईधोइतांमलेये ॥ करेविविधपरचोष ॥ अंतरदाघजवनवमटे ॥ कस्यंकराव्युफी  
 क ॥ ८३ ॥ अंतरजलपटकज्जो ॥ देयेदांनसुविचार ॥ क्मादयादटवीलसं ॥ तेपहं

चेजवपार ॥ ६४ ॥ चौपई ॥ फलबुझां ॥ युधीष्टरहइमेउलसी ॥ जनार्जनप्रतेपुछेहसी ॥ ए  
कजावनंपात्यकथाये ॥ कंगणैरुपेतेनिरफलजाय ॥ ६५ ॥ श्रीकमकहेसृणोनराय  
वश्रीधरालईजरिणगाये ॥ कंचनमेरसमानदेवाय ॥ नवछूटेयूधीष्टलराय ॥ ६६ ॥ एहव  
चनसत्यमानजो ॥ पांरुपूरांणामांहेजांणजो ॥ बालकआपआपणंजेम ॥ सहनेवाले  
लागेतेम ॥ ६७ ॥ नीजबालकनेहणो जवकोए ॥ कहोदुखतेहनेकेतुंहोए ॥ सहकोनासा  
रिधीआस ॥ जावांजतनकरोसुखवास ॥ ६८ ॥ दोहरा ॥ विषपुछेमनगही ॥ आगुरुकरो  
जवाप ॥ घरउचेरीनेहणो ॥ तेहनेकेतुंपाय ॥ ६९ ॥ घरवावीमोटंकरे ॥ कोटकरेविहंपा  
स ॥ पणतेहनांजतनकरे ॥ पांणीमनउंछ्यास ॥ ७० ॥ दिनरदृष्टीधरेघणी ॥ तेपाषलएक  
वंत ॥ डालपातजिमजिमवधे ॥ तिमश्मनएसाहवंत ॥ १ ॥ फलनयेमनहरघायूं ॥ पूठ  
फलआवंत ॥ जिमश्फलमोटोजयो ॥ तिमश्मनहरघंत ॥ १ ॥ चौपई ॥ एकदिनतेघरआ

व्यामात ॥ नो जनस्त्री संकहे वदीत ॥ करो उतावल नो जनमणी ॥ एता को सिवा करवाध  
 णी ॥ ३ ॥ नडक श्वर नारी करे ॥ सा कनिमत पीउ संस्त्रालरे ॥ कहा करुं को डान हां पा  
 स ॥ सा ककिहां थी ला वृता स ॥ ४ ॥ तव वट का स्त्री बोले एमी ॥ नरम शाक तो डगा कूं  
 धसी ॥ तोडता डउर टूक को करी ॥ फरता माहे संदे हरे धरी ॥ ५ ॥ लेई पाला ने बे बो धेंग  
 देइ लूंगा पर मे हली हेंग ॥ घात करी ने छंदो करे ॥ हरषें अग नउ परे धरे ॥ ६ ॥ सगपणा  
 जाणी पोष्या सद् ॥ घर रमेलत हरषो बह ॥ नवी वस्तु पहला जे होय ॥ ते हपणा मत  
 षा जो कोय ॥ ७ ॥ वां नणा कूं पे हलं देवाये ॥ मां रो पात कते ह घर जाय ॥ जो लालो कन जां  
 लें वात ॥ धरम करंतां थां ये घात ॥ ८ ॥ ऐ म कर तां जो श्रु ज होय ॥ तो मूकें पल्लं चे स ह  
 कोय ॥ कनिष्ठ अंगली का पे कोय ॥ कहां दुख ते हने के तं होय ॥ ९ ॥ परने सुष तो आपण  
 सुषी ॥ पर दुख देतां था सो दुखी ॥ चोरा सामंजा या अ वतार ॥ तातें गो त अ छे निरक्षर ॥ १०

जोयोसथांगोहईयुंघोल॥निहस्येएसासंरहोअबोल॥एआजवडेनवलवापना॥आगे  
पगाहोसेसहीवना॥१२॥तवआकूलथईआपेसवेर॥द्वानवलेसीषराघेर॥ताकारगाम  
तत्रोमीकोए॥करसेतेजोगवसीसोए॥१३॥कोटीनरतेथायेसही॥चोरुतेघरजावेनहे  
सहकोनीसारिषीआस॥जीवांजतनकरोसूषवास॥१४॥दोहरा॥गरुजगलेषटमासना  
दुखजोगवेसहीआप॥तेहथकीतेहनेघणी॥बेलकरेविलाप॥१५॥संज्ञापयांपांगछे॥  
क्रोधध्यानत्रालेवा॥जोगतानएकवेदछे॥ज्ञानदोएधरेस॥१६॥ताकारगामोटाकह्या॥लघु  
मतजांगोकोए॥आगेसकतसंजालसे॥शिवपदलेसेसोए॥१७॥बोपई॥मुक्त॥कोएकपु  
रुषत्राणसमज्येकहे॥पुदगलसहीतमुगतमेंरहे॥हाथपगपेटनहेगलूं॥आषनाकमू  
खनवसांनलूं॥१८॥सासोस्वासकांननविहोए॥पुदगलत्यांनवदीसेकोए॥पंचेंद्रीपंडन  
वकह्यो॥योत्रमेंव्यापीरह्यो॥१९॥अजरअमराऽलषत्ररूप॥निराक्षरनिरंजनरूप॥ज्ञा

नज्योतमें व्यापार है ॥ अगम अगौ चर को नवल है ॥ १७ ॥ नृषट्पदासे नवको ए ॥ सात  
वातताप नवहो ए ॥ देवागंमपर हाटन हो ए ॥ कामक्रोधनव्यापे को ए ॥ १८ ॥ काल अना  
दि अंत रहे तिहां ॥ सूषतो पार न आवे जें हां ॥ अंतरजां भाघट २ संम ॥ निस्पे छटो एह ने  
नांम ॥ १९ ॥ समरोते कारण आपने ॥ बटो निस्पे नवव्यापने ॥ अंतरमें जे समरण करे  
तेना स्पे नवसागरतरे ॥ २० ॥ अंकर आपण एह वृंकहं ॥ जिन वचन थीं मे पण लखूं  
शिष्य प्रहे मन धर ए कंत ॥ सोध रूप संण वानी पते ॥ २१ ॥ सावठ विमान थी जोय ए बा  
र ॥ अंतरसाध सा ला छे सार ॥ स्वेत सोवन में उजाली ॥ फटी कर नती पर नीर मली ॥ २२ ॥ लं  
बी पोहली छे सुविसार ल ॥ जोय ए पण छे लाष पणी थाल ॥ जाही विच जोय ए छे अष्ट  
धवल वरण निरमल उत्कृष्ट ॥ २३ ॥ प्रदेवा २ घटती अत्र ॥ जे सी पातली माधी पत्र ॥ गरदा  
कार जे सी सोहे थाल ॥ उतान अत्र तणे आकार ॥ २४ ॥ हवें उपर अध कंठ घो साल ॥ एक

कोडनेलाषवयाल ॥ तीससहसदोमेउगणपंचास ॥ एमेंफेरसंणोचिहंघास ॥ २७ ॥  
गाउतीनधनुषशोलसें ॥ साठिसासिठधनुषवलीतसें ॥ शोलहअंगुलवलीउपरें ॥ सी  
इत्रिलथिरहेअंतरें ॥ २८ ॥ अरधचंडतणोआकार ॥ तेधांनकसिधछेअपार ॥ कालअ  
नंतासूषमेंरहे ॥ जांएणकाकोएआवेनहे ॥ २९ ॥ सिधरूपकिंचितमेंकह्यं ॥ सूत्रसिधांत  
थकामेंलह्यं ॥ आलवांबोमीसंणोसचंत ॥ आगंसमंदकहंमनघंत ॥ ३० ॥ माटीतेहां  
जलनिम्येलहं ॥ जहांजलतेहावतस्यतीकहं ॥ वनस्यतितीहांअगतनिवास ॥ जहां  
अगनितेहांवायविणाम ॥ ३१ ॥ पंचेथावरनोजेहांवास ॥ त्रसकायतेहांरहेउद्वास ॥  
एककायनरदुहवेजेह ॥ पंचेथावरवणसेंतेह ॥ ३२ ॥ छबीत्रसतणोतेहांनास ॥ मा  
धवतेमाहेरहेनिवास ॥ पंचेथावरमोटाकह्या ॥ आवत्रपनाषाथामेंलह्या ॥ ३३ ॥ शंक  
रपूजाकरोसूजाण ॥ कोइजीवनीमतकरज्योहांण ॥ मनदेवलमनसूरतइवा ॥ मनप

कर्मवि.  
४५

जाराकह्याजगीस ॥ ३४ ॥ पंचेदीमननेलुंधरो ॥ पंचपरवाल एणापरकरो ॥ मनपूजारा मन  
हावार ॥ मनकेवारमनफुलाहार ॥ ३५ ॥ मनत्रुक्तमनदीवोधरो ॥ मनफलधूपशार  
ताकरो ॥ एणापूजाहरवेगोमले ॥ एणापूजानावटसवटले ॥ ३६ ॥ एणापूजा मतकरोम  
देह ॥ मगावादमेजाष्यंतेह ॥ वेदपूराणाकोराणोकही ॥ कांडचउदमामेबेसही ॥ ३७ ॥  
जीवजतनकराराषोसही ॥ जीवहणीपूजानवकही ॥ जीवदयासुप्रमानेईजा ॥ एपूजा  
कहाविसवाविस ॥ ३८ ॥ दोहरा ॥ मनपूजनमत्रुतिदोहिलो ॥ दोहिलोशरजधत ॥ दया  
धरमत्रुतिदोहिलो ॥ चेतसकेतोचेत ॥ ३९ ॥ पूरवपुन्यतणोफले ॥ मनपूजनमतेचीध  
मूलगामाविचालियो ॥ एकेकाजनसिद्ध ॥ ४० ॥ बल ॥ धरमविकृणोपापीप्राणी ॥ क  
रीकरमकायापोषी ॥ नृष्यांतरस्योवलिविशोषी ॥ देवांतरायदोषी ॥ ४१ ॥ चामीचो  
रीकरेघणोरी ॥ नहंसदासुतोष ॥ सचरबवरधरधरसांणी ॥ शिंगलनोमलयोक ॥ ४२

४५

दशाननारजमांहेरलंतां ॥ दीठां दुश्वनाषांरा ॥ चौदेलापेंसतिअसना ॥ मांणसनी  
नवजांरा ॥ ४३ ॥ जुगलयणोतेजनमकरंतां ॥ दुखसद्यावऊथोक ॥ आंवेदीसेतेउधा  
रे ॥ आगलवांसलफोक ॥ ४४ ॥ आवेहरषकरेअधिकेरो ॥ गएधणोरोसोक ॥ हालकलो  
लकरानवसस्यो ॥ गयोजमाशेफोक ॥ ४५ ॥ आरतरौडमहादधिकाले ॥ बांधंकरमअपा  
र ॥ कदाचितवलीपुन्यपहंतो ॥ देवलोकमज्यार ॥ ४६ ॥ जेजेनंदाजेजेनदा ॥ गुंणगावे  
सुरारूप ॥ पूजापरमेसरप्रतीमा ॥ जांणपुनहेंसरूप ॥ ४७ ॥ सिंधेणविणसमकोतयाष  
जाईविमांनहचंग ॥ कलपतरुनेवावअरव ॥ पेषीयांम्योरंग ॥ ४८ ॥ नवजीवनमेंस  
दासराषी ॥ आवेअमरीचंग ॥ दीवेदेवलोकआनंदे ॥ हइरुयांमेरंग ॥ ४९ ॥ पयोपरमादे  
सुरिसागर ॥ पत्यपरमाणेआय ॥ पणषलेकीलेनाटकनरषे ॥ अवरनहेउपाय ॥ ५० ॥ दु  
खसरवेमेत्यांविमारी ॥ वलसेअमरीजोश ॥ परनीदेवीदेवीजूरें ॥ सूरधनहेसंतोष ॥ ५१ ॥ क

कर्मवि.

सर्वसेथोदासकंथारो ॥ मनउदवेगधरं तो ॥ धरिआयुअेसीपरहरण ॥ देवलोक  
नवदंत ॥ ५२ ॥ कमलाणीमालाअवलोकें ॥ इखकरेवडुजांण ॥ किहांएदेवीकिं  
हाएवावि ॥ किहाएरयाणविमान ॥ ५३ ॥ क्रांएकीडानाटकनरपी ॥ क्रांएरयाणनि  
क्षंन ॥ थाकेछमसवालादेहाडा ॥ हईडेधरेकध्यान ॥ ५४ ॥ ईअकरतांअवलोकोजो  
ए ॥ जासांकेणेनेर ॥ मांणसतीरायतणंनवदेषी ॥ मनअंणोवडुषेद ॥ ५५ ॥ गरम  
वासनादषदूकडां ॥ नधरअहारनिटोख ॥ रामअइजेजारवहेसू ॥ जाषेदुषमे  
बोल ॥ ५६ ॥ एराअन्यनपाळुलकीक्ष ॥ तेरोगयोअवांम ॥ जिनअगतनकीधीसुधी  
नदीक्षंनरविधदान ॥ ५७ ॥ पोसासाभायकनवपाळ्युं ॥ ध्याननकीधूंचंग ॥ इंजानेअं  
कसनवदाधि ॥ मूडनकरियांरंग ॥ ५८ ॥ कहिएकदेवलोकदेषसां ॥ हवडांएअो  
विनेंग ॥ अावसअारतअधकांअावें ॥ नागीरांमतरंग ॥ ५९ ॥ कोएदिदेकीअम

धर्

कितक्षरी ॥ हृदयेधरेउद्यास ॥ आरांघोआयोधानेअंते ॥ छूटोदेवांषाश ॥ ६० ॥  
मांसासआयुअपरववांधि ॥ बांडीसरवपरिवार ॥ मोटा रायतणीरिद्धमेहली  
पाळंसयमसार ॥ ६१ ॥ वलिविमांनअलेरोपांम्यो ॥ नहेंससारहसेव ॥ जेश्रजां  
नकसांतपआगं ॥ थयोऊमारोदेव ॥ ६२ ॥ आंराणीयारीपरवसपाले ॥ करिं  
अमरनासार ॥ करलोकरतांअहमरतां ॥ आरतरोइअपार ॥ ६३ ॥ रयणविमां  
नवावतरूमोहे ॥ एकेंदीवणासांन ॥ पथवापांणीनेवनसई ॥ तारीअवलहार  
लेअज्ञान ॥ ६४ ॥ जनमअनंतएसोपरपूरा ॥ हजोएहअआस ॥ राजरिध्जंडारअ  
लिपर ॥ विद्याधरनावास ॥ ६५ ॥ नारिजोगअलिपरकीक्ष ॥ त्रपतनहेअज्ञान ॥ स  
र्वसंसारतणांदुषदीवां ॥ बहोलांलीक्षंसांन ॥ ६६ ॥ ज्ञानवंतनेवचनेअज्ञे ॥ अ  
ज्ञानउघडेआंध ॥ ध्यानपांननोअूष्योनाई ॥ करेकरमनिसंक ॥ ६७ ॥ धरमविना

तेतेनविहोये ॥ भूगतकीहांथीहोये ॥ क्रोधमांनमायासदलोने ॥ उतमजनमन  
 होये ॥ ६८ ॥ दोहरा ॥ अलोचना ॥ देवनिरंजननेनमं ॥ कहंकरमनावात ॥ कक्षा  
 पापमेंतेकहं ॥ तेसूंणज्योमायतात ॥ ६९ ॥ लाघचोरामीचालना ॥ मेंपेहस्याबह  
 नांत ॥ करमगमीहंसाकरी ॥ तेकहंकारणामीत ॥ ७० ॥ ऊगुरुलोनेनेलव्यो ॥ ब  
 ऊरोलव्योसंभार ॥ जोगाकरमांकडचुव्यो ॥ घररंनटकांमार ॥ ७१ ॥ जानाकोएदी  
 सेनहं ॥ ऊगुरुसंध्याघाट ॥ आंध्रेआंध्रेठेलाये ॥ ऊंणदेवाडेवाट ॥ ७२ ॥ जीवदया  
 करनावडूं ॥ आगमधेवृणहार ॥ समकितआउलकरथहो ॥ तिंमउतरसोधा  
 र ॥ ७३ ॥ अथठाल ॥ ऊगुरुसुगुरुकेमजांणाय ॥ मनकरहोविचार ॥ ऊगुरु  
 नितहिंमालवे ॥ विषयारसकाज ॥ वारसूंणोभूफविंनता ॥ ७४ ॥ हंमूरधसम  
 फूंनहं ॥ धेछोदीनदयाज ॥ हंसासंराताजके ॥ किंमउतरसोधार ॥ ७५ ॥ दीरण ॥

में अपराधघणां कस्यां ॥ कमठा गठसंग ॥ ईट एवाडा पचिव्या ॥ धूना मनरंग ॥ वीर ॥  
७६ ॥ सुं टया वटने ही कया ॥ सारण मनरंग ॥ गाडीं ताहल कस्या ॥ हणया जीव अन  
त ॥ वीर ॥ ७७ ॥ मेणाला धमक मेलायां ॥ दायाद ववेड ॥ सुड ऊड बहू मे करी कस्यां  
क्षड पधेड ॥ वीर ॥ ७८ ॥ रायोलै चाडी मे करी ॥ देई कडां शाल ॥ बंधव्या अति आ  
करा ॥ डंडलीया अणार ॥ वीर ॥ ७९ ॥ कोसको हाडो पायोडा ॥ चरिहल हथी थार ॥  
उषल घरटी चूरणी ॥ आष्या सवेचार ॥ वीर ॥ ८० ॥ पेतवाडी मेनें दायां ॥ धंजा बहू  
वन्न ॥ कोसचोरी पून्य मेकीयां ॥ दोषां सोथनां दांन ॥ वीर ॥ ८१ ॥ बलदधो माधासी  
कस्या ॥ घात्या नारक नार ॥ पापकटं बमे पोषीयो ॥ कोईन आ व्यो लार ॥ वीर ॥  
८२ ॥ परदाशरंगे रम्यो ॥ जोवन उदमाद ॥ पंचवरणी गायक ही ॥ दुध एक सवाद ॥ वी  
र ॥ ८३ ॥ बालक माय विहो हीयां ॥ नवकी धिसुध ॥ वाछरु गाय विजोगायां ॥ दी

कर्मविः

धीबुधकबुध ॥ वीर ० ॥ ८४ ॥ रात्रिजो जनमें कीयां ॥ पीयां नार अणार ॥ अन्नगर जिंम  
 होईरह्यो ॥ किंमयां मसापार ॥ वीर ० ॥ ८५ ॥ अन्नषअथांणां में नष्यां ॥ कंदमूलअपार  
 नरगेंजातांजावडा ॥ नहेंबूवनवार ॥ वीर ० ॥ ८६ ॥ वासीअणारणमें नष्यां ॥ वलीवा  
 साछाम ॥ आठपोहरउपरदही ॥ किंमधूरेअस ॥ वीर ० ॥ ८७ ॥ वासीरीटीरंगणे  
 मेंजरयुंपेट ॥ दुखसवेदोलांथयां ॥ जोगवधूंनेठ ॥ वीर ० ॥ ८८ ॥ कांमवाणपंचे  
 मली ॥ लूडोसवेभाल ॥ दृष्टीवालावहोलाकाथा ॥ बडहोसीहदाल ॥ वीर ० ॥ ८९ ॥  
 अणगलजलमांहेंजालयो ॥ थयापरलेजाव ॥ वासावस्त्रधयालायां ॥ धणीपा  
 डेशरीव ॥ वीर ० ॥ ९० ॥ कारतगापेहलाअंगणां ॥ धाय्यां मनरंग ॥ वासीगारोगोव  
 रवली ॥ गुष्यां मनरंग ॥ वीर ० ॥ ९१ ॥ तिरोपापेंथयोहंदुषी ॥ सुणअधोरिकान ॥ वार  
 वारकेतंकहं ॥ जीवडाकहंमांन ॥ वीर ० ॥ ९२ ॥ सगाडीअहं ॥ क ॥ वीर ० ॥ ९३ ॥

४

देश ॥ दलवलातां टटापम्यां ॥ धरमकेताकहेश ॥ वार० ॥ ए३ ॥ दिऊदिऊआनीवदु  
हवाया ॥ काइकोषिहांगा ॥ दसदेतासुषक्यौलहो ॥ लइनिहस्येशांन ॥ वीर० ॥ ए४ ॥  
गांममूंकातिहंधयो ॥ दाधिबुधकबुध ॥ अणगलजलजलेसीयां ॥ कायापापत्र  
सिद्ध ॥ वीर० ॥ ए५ ॥ वाडीआगरमेलायां ॥ कायांककमुकोड ॥ ऊकरनीपेरुंमी  
यो ॥ मूफलागीषोड ॥ वीर० ॥ ए६ ॥ पापकरीधनमेलायूं ॥ सहस्रस्त्रिस ॥ मूंएरे  
जोलाजावडा ॥ निचीगतवास ॥ वीर० ॥ ए७ ॥ धापश्चनकारणो ॥ नमोयोवृणसा  
य ॥ तेपराउंडोगाडके ॥ जांसीवालेहाथु ॥ वीर० ॥ ए८ ॥ गांमवसाभ्यांघातमूं ॥ का  
यापापअघोर ॥ परयाडाजांणीनहें ॥ धणुदेषेसजोर ॥ वीर० ॥ ए९ ॥ षटकरमनी  
तमेकस्यां ॥ कांभंबहूकूड ॥ अलेषांमंत्रतिघणां ॥ पडीयोनवकूप ॥ वीर० ॥ ए१० ॥  
इंडीपांचेवसनहें ॥ निडाअतिघोर ॥ विषयविषमतेआदस्यां ॥ करिसोरसोर ॥ वी

कर्मचिपार

२०॥८०२॥ क्रोधपिशाचेंहंचलो॥ कांभलोभअपार॥ परवसपडतांजावडां॥ कंगक  
 रसेभार॥ वार०॥८०३॥ विकथारसहंवाहीयो॥ बोल्पोबडुनंड॥ दांतपीसबडुमेंक  
 शी॥ नरोपापेंपंड॥ वार०॥८०४॥ राडवेडबहूमेंकरी॥ दीयाबदतसराप॥ परवस  
 पडतांजावडा॥ किंभसहेसआप॥ वार०॥४॥ बहूजगमेंबगध्यांनते॥ धरायंमन  
 ऊड॥ जोलालोकमेंवंचीया॥ बहूजागीषोड॥ वार०॥५॥ परधरधातरमेंदीयां॥  
 लायोसंघलोभाल॥ गांठगलेपासीदेई॥ कोयालोकहवान॥ वार०॥६॥ पांनरे  
 पंषीघालीयां॥ भगपाभ्यापाज्ञा॥ कारभूंऊजमेंपोषीयूं॥ कायोदधमेंवास॥ व  
 रण॥७॥ वडपेंफलमेंषंपीया॥ बोखीलाकेर॥ मेंभूरषबडुजीवसूं॥ वसायोवेर  
 वार०॥८॥ ऐंमअनेकजवमेंकीया॥ नवजांणेशका॥ बालकथाकोधीनथो॥  
 हजाएहजडाल॥ वार०॥९॥ बहूजगमेंबकतोफरु॥ बोल्पोबडुअबोल॥ प

धर

रपीडाजांगी नहे ॥ कायो हाल कलौल ॥ वीर ॥ १० ॥ मांसागणसुटे ॥ धर्या ॥ प्रत्या  
धंननेक ॥ तलवलतातेहांसही ॥ नागेमूकविवेक ॥ वीर ॥ ११ ॥ दयागईमूक  
अंगधी ॥ सेक्पांबडधंन ॥ तलवटकूशांघांतसूं ॥ करीमांतगुमांन ॥ वीर ॥ १२ ॥  
तलशरसवदाणालेई ॥ पीलाव्यारहीपास ॥ आयुअधुरुतेणेसही ॥ केसावाल  
कअस ॥ वीर ॥ १३ ॥ विवाजांज्जामेलीया ॥ पसूवणजअपार ॥ कन्याधनउदर  
हे ॥ दुखसहेनिरक्षर ॥ वीर ॥ १४ ॥ घाणघणीदायाजागमी ॥ एकेंडीजीव ॥ उत्तप  
तदेषीहरषीयो ॥ घणीपाडेशरीव ॥ वीर ॥ १५ ॥ तेणेपापेंवीरीकगयो ॥ पातकनो  
नहेपार ॥ दयाधरमनोघातकी ॥ मेंलोपीकार ॥ वीर ॥ १६ ॥ करदीपककूयेंपम्यो  
बोल्पोबडकड ॥ जिनमारगमेंलोपीयो ॥ नयोजांणतमूह ॥ वीर ॥ १७ ॥ गुरुव  
चनेंनविरह्यो ॥ माहेसूत्रनेर ॥ मूषमेठोभायावली ॥ बोल्पोसूत्रहफेर ॥ वीर ॥

कर्मविन

१८॥ जिहमव्युंतेहीनकुं॥ तयमाहेंशधीर॥ जोजनकरतांहंभयो॥ थईदेवीमीर॥ वी  
 र०॥ १९॥ वीतनविराधांघांतसं॥ लेईआयांदर॥ पंचतणीसाधेलेई॥ कीकडक  
 चूर॥ वीर०॥ २०॥ अगडवलीवीजाबह॥ हंसंलेईअधर॥ सातपांचवहदेयतां॥ जां  
 जीनिरक्षर॥ वीर०॥ २१॥ तिहपापअतिअकसं॥ जंणोंसहकोए॥ नेचागतनिस्येन  
 हे॥ सुभकरणाघोए॥ वीर०॥ २२॥ हजीजावचेतेनहे॥ मलायुंतेलाग॥ कांथेदिमासे  
 मूरधा॥ भलेमारगलाग॥ वीर०॥ २३॥ इंद्रपांचेपरवजां॥ नहेरोगलुगाल॥ एकस  
 मोआलसकरे॥ तेषरोगमार॥ वीर०॥ २४॥ अनंतशकंतिछेताहरा॥ तंमोदीदेव॥  
 आजनिबलहोईरखो॥ एकछूमलीनटेव॥ वीर०॥ २५॥ आवेकरमेंजोःलवरो॥  
 रोलव्योबहवार॥ कालअनंतअनादितें॥ फरियोधरासार॥ वीर०॥ २६॥ दोसासे  
 छांणांतरो॥ कसोआदरजोर॥ धतपुचावीघांतसं॥ आगेआदेसमोर॥ वीर०॥ २७

५

कणसां पणसे कणधरां ॥ कृद्या पृषत्रनेक ॥ धात करी शं तसं ॥ मयो मूज दिवेक  
वीरण ॥ २४ ॥ नाहरा भेयरा पगवली ॥ पाणी नहे पार ॥ कपडं मेलानवगम्यां ॥ नव  
कीयो वेगार ॥ वीरण ॥ २५ ॥ कडकड तो करडो फस्यो ॥ नवगणीयो कोण ॥ उजल हो  
ईने राचीयो ॥ ऐंणानिंदमसोण ॥ वीरण ॥ २६ ॥ मंदर मेडी घांतसं ॥ कस्या गोष विशेष  
तेहां बेसारे जावडा ॥ मनरोषधरेस ॥ वीरण ॥ २७ ॥ वाडा पण हंसं करण ॥ रोपां मनको  
ड ॥ पापगां ठबहू बांधके ॥ वाल्येः सत छोड ॥ वीरण ॥ २८ ॥ फल छंटा व्यां छूटीयां दी  
यां पेहस्यां आय ॥ साहेब नं बले पूंलेये ॥ किंम करेस जबाप ॥ वीरण ॥ २९ ॥ वनका  
द्या मेघांतसं ॥ उजाडीवनवेड ॥ एकलमल होइ फस्यो ॥ नवकीधीजेड ॥ वीरण ॥  
३० ॥ हंसूरषत्रतिपायीयो ॥ समकं नहे लेश ॥ पक्षताणूं समजा करी ॥ पछेकां  
इकरेस ॥ वीरण ॥ ३१ ॥ लोकप्रवाहे हूंचव्ही ॥ करि देषा देष ॥ एणा मायाने कारणे

वृणसा यो वेष ॥ वीर ० ३६ ॥ अगन्यानें गयो वली ॥ कसां कान्शकाज ॥ धरमजां रा  
 हंसा करी ॥ केहतं अवेलाज ॥ वीर ० ३७ ॥ कपट करी धनमेलायुं ॥ धरणेश्राव्यो बा  
 ज ॥ वारप्रवक्षये पश्चमे ॥ किं मसुरसे काज ॥ वीर ० ३८ ॥ परनंघो की धि धरणी ॥ क  
 स्यां ऊक्रमकोड ॥ जा नए क किं सहं कडं ॥ प्रनुपात क लोड ॥ वीर ० ३९ ॥ विसर नो  
 लामें काया ॥ कीया थां परा मोह ॥ नेलसनेला घांतसूं ॥ कर्मके सो दोह ॥ वीर ०  
 ४० ॥ लो न वसें अक्षको लायो ॥ धरणेश्राव्यो घाट ॥ गां मनगर बहू देषतां ॥ में पाडी  
 वाट ॥ वीर ० ४१ ॥ जाल जोईनें घाटकी ॥ धांचा मनरंग ॥ डब करनी चकोरा वीया  
 थयो अलंग बलंग ॥ वीर ० ४२ ॥ कीरकं साईका गदी ॥ उग प्राणीदार ॥ सांठी पां  
 नजायां कसां ॥ कर्मकीयो बडुवार ॥ वीर ० ४३ ॥ थोरी धजने कालीया ॥ पंषी ध  
 रकीर ॥ वागरा निचवो सवीया ॥ पीयां अरा गलनीर ॥ वीर ० ४४ ॥ घांत करी डह

मेंगीया ॥ की योजीवसंधार ॥ दवरीजीन्याकारणे ॥ कायायापश्रधार ॥ वारण ॥ ४५ ॥ व  
नकाजीवसंतापीया ॥ कीयोहालकलील ॥ साजनसहसंतोधीया ॥ नीजगयोइ  
हबोल ॥ वारण ॥ ४६ ॥ परपीडाजांणीनहे ॥ धरुणोदाष्योजोर ॥ प्रपरधिरुंएपायो ॥  
दलनइहेकठोर ॥ वारण ॥ ४७ ॥ फलछूटांघांतंकरि ॥ वनकायांभूल ॥ वेळवलूरी  
दाधती ॥ नवमेत्योधूल ॥ वारण ॥ ४८ ॥ हासीठगबाजीकरि ॥ टलानहेंपार ॥ परवर  
सपडतांजावडा ॥ किंससहेसपार ॥ वारण ॥ ४९ ॥ ऊवरणजबोहलाकीया ॥ नवकी  
धीसूध ॥ रासननायेरेंभूकायो ॥ अंगनावीबुध ॥ वारण ॥ ५० ॥ पापकरीइव्यमेलाये  
गल्योलागोगत ॥ अलपदीवसनघांङ्गरा ॥ पणजांणेसकाल ॥ वारण ॥ ५१ ॥ न  
येंजाडंगांवेनहे ॥ कांइआवुंनलार ॥ सातयांचनेलामली ॥ कायाकीधिछार ॥  
वारण ॥ ५२ ॥ अंतसनेएइमलूं ॥ मलायुंछेनाग ॥ केवनमेसायालायां ॥ केसूंथे

कम्पवि-

काग॥वीर॥पर॥एमदेधीधूजेनहे॥तेनाचगमार॥दोयअंतरनेलाडनी॥सहाफूटी  
 चार॥वीर॥प॥सातेनरकेहंभयो॥तेवारअनंत॥छेदनभेदनतेह्यांमह्यां॥केतां  
 कंभंत॥वीर॥प॥नरकसवावेटाढनां॥प्रणापांसेताप॥अगनफालतिहोंपडे  
 तेसहायांआप॥वीर॥प॥गिरिजेतो गोलोकरे॥लोहअतिहविशाल॥शीतता  
 पमेंनांषतां॥सोगलेततकाल॥वीर॥प॥एहवांकष्टवज्रसह्यां॥तोहेनअविला  
 ज॥एणाभायाकेरेकारणे॥घरणेआव्येवाज॥वीर॥प॥निफटअनीजाजेन  
 हीं॥वज्रआणीवेस॥मनभजमारीधोईकरी॥पछेकांडकरेस॥वीर॥प॥ई  
 मअनेकनवहंभयो॥तेकगुरुसंग॥दवांगदेधीभूलाये॥ह्योतंगमेजंग॥वी  
 र॥प॥तवशाधपूछेघांतसं॥कगुरुसंमनलाये॥सुगुरुकगुरुलकाकाकहो  
 मरणातांसूषथाय॥वीर॥प॥सुगुरुवनकायोसगरह्या॥धरिअतनध्यांन॥भृत

वड

प

कजांणो अदबल्युं ॥ तेहसं देहनुं वांन ॥ वीर० ॥ ६२ ॥ पाषांण जोले नूलाने ॥ मग करे दोसा  
स ॥ संधे घसे पासे रहे ॥ नवजाये नास ॥ वीर० ॥ ६३ ॥ आहे डाहटे पयां ॥ मग दहं दिशि जा  
य ॥ वल्लषांणामने चेंतवे ॥ करे कोइ उपाय ॥ वीर० ॥ ६४ ॥ आसि अदुषकरि पारधि ॥ भनमा  
या आस ॥ दरशाणे देषी नूलीयां ॥ मग पाभां पास ॥ वीर० ॥ ६५ ॥ रोज मगई मजो लयां ॥ तेणें क  
स्ये विसास ॥ सिंहागयो पाचो करी ॥ नवपडी यो पास ॥ वीर० ॥ ६६ ॥ तिमळ मुहुज गजो लयो  
सांडी मन जाल ॥ अनसेरने कारणे ॥ केइ करे अपाल ॥ वीर० ॥ ६७ ॥ स्रत्रसिंहांत ते डोलायां  
कस्य अंध अनेक ॥ विषयां रसनां थीगमां ॥ मां हिंदी क्षां विशेष ॥ वीर० ॥ ६८ ॥ आडंबर बो  
हलाकीया ॥ चेला बड थोक ॥ आपे वृडां न विससुं ॥ बोण्या बड लोक ॥ वीर० ॥ ६९ ॥ पाषं  
डेजग मोहियो ॥ स्रत्रकूडां वांच ॥ लोक सवे विटंबीया ॥ इइषे चाषांच ॥ वीर० ॥ ७० ॥ जिं  
ममगलां ति ममानवी ॥ पडां पाशा न छूट ॥ सहनर नारि जो लयां ॥ इइलूटालूट ॥ वीर०

कर्मविः

७१॥ अंयमी प्रजा घणा ॥ संयमान हे काज ॥ जिन धरम थयो वालणा ॥ फरि आ थो वा  
 ज वारण ॥ ७२॥ वा डो ल्या मव हो ईर ह्या ॥ को के हने न सो हाय ॥ नं द्या पण वो ह ला करे ॥  
 न व ए लिंगा य ॥ वारण ॥ ७३॥ हे स्वामि हं पा त की ॥ न म तां न ग मां हे ॥ सु गुरु से ने टा न ई  
 सा ता मूर व था य ॥ वारण ॥ ७४॥ तरि स के ता रे स ह ॥ सु गुरु नि र क्ष र ॥ आ पि आ णि हा ल  
 तां ॥ प हं चे न व पा र ॥ वारण ॥ ७५॥ दो ह ग ॥ ए म अ ने क न व हं न म्यो ॥ ह ज्ञा न आ व्यो पा र हा  
 ल क लो ल न व पू रि यो ॥ न व मा नि जि न का र ॥ वारण ॥ ७६॥ आ लो य णा भा वं क रि न णा  
 सं म न वै श ग ॥ शूर क हे सा चूं स ही ॥ ते ले से न व पा र ॥ ७७॥ स्वामि त ल व च ने थ की ॥ ने  
 नां णी स वे वा त ॥ कृ पा क रि भू क ने क हो ॥ क्रो ध त णी के जा त ॥ ७८॥ क्रो ध च्यार श्री जि न  
 क ह्या ॥ ते ह ना शो ल ष का र ॥ जि न् न श् क रि ने क हं ॥ ते सुं णा ज्ञो न र ना र ॥ ७९॥ चौ प ई  
 सं ज ल च्यार ष का र ह वं त ॥ ध त्ता र व्वां न प णा च्यार क हं त ॥ अ प्र त्ता र व्वां न च्यार म न

प

रंग ॥ अनंतानुबंधीध्या रसुचंग ॥ ८० ॥ पांणामेरेषाजांशाज्यो ॥ वेलूध. रतिमानजो ॥  
सूकेसरोवरतरडीनला ॥ परवतफाटोमूणजोकला ॥ ८१ ॥ च्यारक्रोधनाशोलेध  
ई ॥ एणोहृष्टांतेजाणोसही ॥ तेहनीगतलकृणाकहंघंत ॥ नविकजीवसंराज्योए  
कचंत ॥ ८२ ॥ दिक्कालेईगिरिकिनररहे ॥ केवलज्ञानदोवलोफरे ॥ उदेहोइसंजल  
तेणोसमे ॥ केवलज्ञानततकृणावमे ॥ ८३ ॥ धरछोडीमनसंवरकरे ॥ दीकालेवाऊ  
द्यमधरे ॥ प्रत्याख्यांनउदेजबहोये ॥ वारवरतनोक्षरकसोये ॥ ८४ ॥ समकितनव  
आवेतेसही ॥ तेहनीगणतितिरयंचेकही ॥ अप्रत्याख्यांनसबदलनस्यो ॥ मनष  
जनमतेआडोफस्यो ॥ ८५ ॥ क्रोधवसेबलसंघलंगयुं ॥ दांनसंन्यतेनिरफलधयुं ॥  
तिरयंचमाहिंउमहाकरे ॥ अनंतानुबंधिआडोफरे ॥ ८६ ॥ करजोडीबालेनावता ॥  
आसाहमारीधेपरता ॥ तेकारणआव्यातसयास ॥ नरकमांहिकरोनिवास ॥ ८७ ॥ च्या

कर्मवि.

रकोधनीशोलेधई॥ विवरेकरतां सोसठजरी॥ एहवृंजांणीममताकरो॥ एध्यारेदूरंपर  
 हरो॥ ८८॥ दोहरा॥ तवशिषगुरुपरतेकहे॥ क्रोधकरेसामाट॥ वध्याविसम्पारहोसदा  
 कांइजगावेकाट॥ ८९॥ कंणकारणहेनाथजी॥ कांइगमावेमाल॥ केसीपरउधृंग  
 मे॥ कांइकरवेठोपाल॥ ९०॥ जोलावडकांइनरमायो॥ तंनविजांणोमर्म॥ अनादि  
 कालनोआवडो॥ करेतेबोहोलांकर्म॥ ९१॥ जनममरणबोहलाकाया॥ पाछलडे  
 अज्यास॥ तिकारणमेहेलेनहे॥ करेतेतितनवावास॥ ९२॥ क्रोधतणाथ्यानकध  
 णां॥ उपजेक्रोधविशेष॥ तैथ्यानकमूऊनेकहो॥ मूंगातांहरषधरेस॥ ९३॥ क्रोधे  
 क्रोधजउपजे॥ मानेक्रोधजहीमे॥ मायालोअथकीजके॥ पंचेडीरससोइ॥ ९४॥ बी  
 जांपणाथ्यानकधणां॥ उतपतक्रोधअनेक॥ परवसजावकहाकरे॥ धोएवित्तअ  
 विवेक॥ ९५॥ कांमेक्रोधधणोवधे॥ जिंमउंझालेआग॥ करमसबलजातेनहे॥ न

बलोनलहेमाग ॥ ६ ॥ आपसगततोफेरवे ॥ करेकरमचकचूर ॥ कामक्रोधसब  
बालिके ॥ पुंहचेअलषहजूर ॥ ७ ॥ चौपई ॥ क्रोधवसेंबहूलागेअग ॥ उगरवानव  
दासेमाग ॥ मायायेतनघोएसही ॥ एहवातपरमेसरकही ॥ ८ ॥ भानथधडहडे  
सही ॥ लोअथकीसवजाएवही ॥ लोकसहूकोनघाकरे ॥ अपकीरतदहूदिश  
विस्तरे ॥ ९ ॥ जाकेजीआवस्यनहोए ॥ नरनारिसुषनलहेकोये ॥ पंचेडीजेहनेव  
स्यहोये ॥ तेहनेपणनमस्येसहूकोये ॥ १० ॥ क्रोधइंप्रंन्यसुबेवलिजाथ ॥ क्रोधं  
लषमीनोहयथाय ॥ सजसगयोसंघलोपरदेश ॥ सुषखोडीसहूवालिवेश ॥ ११ ॥  
वणअगनअंगीवंबले ॥ कटकदहूदिशक्रोधंमले ॥ कामकाजसबनिरफलथा  
य ॥ दुखअनेकतसकहूनजाथ ॥ १२ ॥ दयानदीसेतामेरती ॥ निहस्येपणपहूचेअ  
गति ॥ अनुष्टक्रियासबजायेहर ॥ क्रोधंकरमकमायेकूर ॥ १३ ॥ क्रोधंपेटकटारी

लये ॥ क्रोधे पण गले पाशा देये ॥ गले चरिने फाडे हाथ ॥ क्रोध वसे को ये घाले वाथ ॥ ४ ॥  
 हई यां कूटे क्रोधे करी ॥ कूल साह मूं न व जे ये फरी ॥ माथां कूटे त्रोडे वाल ॥ वली न वा  
 कोई करे श्रया ल ॥ ५ ॥ विष धाये ते हं से करी ॥ नर क विषे ते जो ये मरी ॥ ऊं पाया त करे  
 नर नार ॥ कि मे न पां मे न व नो पार ॥ ६ ॥ जल मां हि वू डी जीव त ग मे ॥ घणो काल नर  
 नारि न मे ॥ बलि अग न ने धा ये रा घ ॥ क्रोधे अंत घा घे की घा घ ॥ ७ ॥ क्रोधे अट रा करे  
 पर देश ॥ स्रप न पां मे त्यां ल व लेश ॥ क्रोधे अ म त जो जन त जे ॥ क्रोधे क दी न हर ने न  
 जे ॥ ८ ॥ क्रोधे क ए ने कू क स करे ॥ क्रोधे प्रो पेट न नरे ॥ दे ये म रा प को या न ल थ र्इ ॥  
 अग न स मा न आ त मा न आ त मा न इ ॥ ९ ॥ क्रोध व से प ग पर ध र ध रे ॥ ज र्इ दी वां गो  
 चा डी करे ॥ क्रोधे पुरुष त जे ध र नार ॥ न वि जा गो व ली पर नी सार ॥ १० ॥ त जे पुरुष  
 न व करे वि चार ॥ पर पुरुषां पु ठे ध र नार ॥ क्रोधे रा ज ग मा वे रा थ ॥ कां मी उं च नी च

घरजाय ॥ १५ ॥ क्रोधें पुत्रपितानें हणो ॥ क्रोधें पितापुत्र न विगणो ॥ क्रोधें बंधव वेरी होये ॥ बंध  
नजांणो जनगणो कोण ॥ १६ ॥ क्रोधें वडपण लघुपण गणो ॥ मासु वउउ जां न विवणो ॥  
नजरें देषत जाये वली ॥ हेजे कदेन वेसें मली ॥ १७ ॥ सगातिके वेरी होय करे ॥ ताघर  
कदीन जो जन करे ॥ रांधणपण क्रोधें न वगमे ॥ वासिको ह्यां आसण जमे ॥ १८ ॥ नडक  
नडक करे दिनरात ॥ दयातणी न वजांणो वात ॥ भिजेत न परसे वे करी ॥ ताली पट  
के क्रोधें फरी ॥ १९ ॥ क्रोधें लाल भईत व आंध ॥ अंधां न ते बोहलां नांध ॥ अनोदरी क्रोधें  
अपवास ॥ छोटा वां मकरें के अवास ॥ २० ॥ घरवको ड करे तपवली ॥ घडा दोय मे जा  
ये वली ॥ महादुष्ट क्रोधें कस्यो ॥ वेदपुशाण को राणें लस्यो ॥ २१ ॥ क्रोधें करम कमाये  
कूर ॥ धरमतणो ते जाये नूर ॥ घणो काल ते क्रोधें रल्यो ॥ विडंगत मां हे बहू फल फ  
ल्यो ॥ २२ ॥ घणाजत न करी राषंतास ॥ पापी क्रोधें न हंडेतास ॥ बले करि घटमें परवे

श॥ एगथानयणनमूजेलेश॥ १७॥ क्रोधं स्रमतगर्हपरदेश॥ विगं क्रमतकरेपरदेश  
 दांनधंननवक्रोधंथाय॥ क्रोधंजेबोलेतेवाय॥ १८॥ क्रोधंजिहांमलेतेहांषाय॥ धरम  
 ध्यानतेकीमनथाये॥ क्रोधंकांमवधेअतिजोर॥ क्रोधउंधकरेश्रतिघोर॥ १९॥ आरत  
 रौडक्रोधथीहोये॥ सगोसणीजो **क** नगणोकोइ॥ क्रोधंनवमानेकोथेकार॥ क्रोधंव  
 ह्लाकरेपुकार॥ २०॥ उंदाबोलमजारेकोथ॥ राडवेडतसबोहलाहोय॥ दुषसंधलू  
 तेहवेवंधेर॥ धणांजीववसायांवेर॥ २१॥ क्रोधंसाजनजायेदूर॥ दलिइपराधरआ  
 वेपर॥ क्रोधंकदीनशीयलोहोये॥ गुरुनाबोलनवगणोकोथ॥ २२॥ वचनबाणला  
 गंसाधूनां॥ षपेकरमकेईवरसनां॥ पापीक्रोधनमानेरता॥ नरनारिनिहस्पेकग  
 ति॥ २३॥ नितइतरनिगोदेवास॥ सुगततणोपणहोईनाश॥ जलचरथलचर  
 अगनवनसई॥ एरणदुषपरमेपरकई॥ २४॥ उेदनजेदनक्रोधंसहे॥ कंजीमेदुष

बोहलांलहे ॥ नरकतणां दुषया छेकहां ॥ एहवांके इवारमेसह्यं ॥ २७ ॥ तेयणामूऊनें  
सांननवसी ॥ क्रोधेककरनीपरनसी ॥ अंतस्नांमीमूऊनेंतार ॥ क्रोधलोभमूऊथकी  
निवार ॥ २८ ॥ दोहरा ॥ जाभएकहं किंमकहं ॥ अवगणकह्यानजांये ॥ जिंमश्हं हल  
युंकहं ॥ तिंमश्नारेथाय ॥ २९ ॥ रातदिवसबलुतोरहे ॥ शायलोकदेनथाय ॥ कोबो  
लेहेतयुंथई ॥ तेमूऊमननसोहाय ॥ ३० ॥ ऊउपाथकेविदकरुं ॥ केणीविधथाये  
दूर ॥ जिंमश्हं निरणनयो ॥ तिंमश्क्रोधअधूर ॥ ३१ ॥ चौपई ॥ एणथामनषजभारोज  
य ॥ धरमध्याततेनिरफलथाय ॥ एणथाहोयकालोकूबडो ॥ चकुहीणनेमुषवो  
बडो ॥ ३२ ॥ एणथानिरधननेनिरास ॥ रोगनछोडतेहनोपास ॥ क्रोधेदंठोनेवांस  
णो ॥ अंगहीणनेदयामणो ॥ ३३ ॥ एणथानारिविधवाहोय ॥ पुरुषतिकेइनवप  
रणेकोये ॥ एणथानरनारीहोयेदास ॥ ऊगतमांहेतेकरेनिवास ॥ ३४ ॥ एहवूजां

णी जायला रहो। जीवदया धर्म हइ डेग हो। धरमतणी माता छे दया॥ एह लोके सहु क  
 रसें मया॥ ३५॥ धरमे रूपरिध संपजे॥ धरमे रोगशोगन विनजे॥ धरमे धरणी होये सु  
 जांण॥ बिरो बोले अमृतवांण॥ ३६॥ धरमे दूरजण आविमले॥ नूतपेतक देन वच  
 ले॥ देवलोक शिवपूर अवतार॥ धरमे आयुवधे निरक्षर॥ ३७॥ दोहरा॥ धरमथकी  
 शिवसंपजे॥ पिसणनगंजे कोये॥ रूपअनोपम धरमथी॥ धरमे दोलत होय॥ ३८॥  
 क्रोधफलाफल एकहां॥ पापअधोदुषधांण॥ वारुके तं कहे॥ रिशोला कडं  
 मांन॥ ३९॥ आंणकां विकल्पकरे॥ कसुंकी धूनव होय॥ काहे मनको फोरवे॥  
 लष्पूनमे टेकोये॥ ४०॥ अलपनेदक्रोधहतणो॥ कसो प्रगटसमकाये॥ अबले  
 अणवरणनकरुं॥ सुणो चतुरमनलाय॥ ४१॥ वीपरी॥ उहपुरुषवाल्या परदेश॥  
 थाकातरुय रवेवाहेव॥ दुधावसें एकथयो अणमणो॥ ४२॥ देधी बोलेतेसं

गो ॥ ४१ ॥ उन्मूलो एक बोले शाय ॥ एक कहे धं धे धुं काय ॥ एक कहे जालं करो परां ॥  
एक कहे जूं ब क लो अं ॥ ४२ ॥ एक कहे पा कां धा ॥ नृयें य ध्यां छे तेली जि ए ॥ यह  
जाव ते ह डे स ही ॥ ते हने ते ह वी ले श्या करी ॥ ४३ ॥ शिष्य बोह ल्यो ह डे ग ह ग ही ॥ श्री  
गुरु प्रर ते पू छें स ही ॥ ते ह न र ने ले श्या के ह वा य ॥ ऊं ग ल क र ग ते न र उं ल षाय ॥ ४४ ॥ त व  
गुरु बो ले व च न र साल ॥ स्र ग जो स रू को बाल गो याल ॥ श्री स व रें ते रा तो ध्या ये ॥ कौ  
धी क ले स करे मन माय ॥ ४५ ॥ क र्क स व च न का त र णी स मां न ॥ रा ग धे ष अं त र न हिं  
सां न ॥ वि रें व डे द या न व हो ये ॥ ले श्या का लि ते न र सो ये ॥ ४६ ॥ दो ह रा ॥ क ल ल ले श्या ल क  
ण क ह्यो ॥ स्र गो च उ र म न ला ये ॥ अब गुं ग नी ली ले श नो ॥ ते के ह सूं म न ला ये ॥ ४७ ॥  
चौ प डी ॥ ध र म कर तां आ ल श करे ॥ स्र व अ र थ न व ह डे ध रे ॥ स्त्री स्र म ग न र हे दि न रा त  
कां म व से न व जां णो जा त ॥ ४८ ॥ मां न व से म न म द सूं न स्यो ॥ अ भे ष र च मो टे रो क स्यो

कर्मविः

हृदयामां हिकातरणी फरे ॥ अमें करां छांपण ए न व करे ॥ ५० ॥ ते न र ले श पानी ली ले श प  
अरुो ॥ पाप पंध मे ते पर वरुो ॥ सांध ध की वि डारि जे ह ॥ न र नारि ल कृ ग डे ए ह ॥ ५१ ॥ दो  
हरा ॥ नीली ले श पामे कही ॥ अंतर गत नी यात ॥ आ पण मन पे ह वां ण ज्यो ॥ मत कर ज्यो  
को ई तात ॥ ५२ ॥ चौ पई ॥ ह विं का पो त ह क रूं व धां ण ॥ जो न वि य ण म त ध र ज्यो कां ण  
रा त दि व स सो क्यो दे धाय ॥ रू वो वू वो ते न ज णाय ॥ ५३ ॥ पर नं धा मू ष नि त उ च रे ॥ ए  
न र ध र म क दे न व करे ॥ पर ध न दे धी ह ड डें ब ले ॥ ध र म क रं छां प ण न व फ ले ॥ ५४ ॥ रां ड  
वे ड व ल गा मा करे ॥ प ल वे डो वा लि मां हे फ रे ॥ मा गी म र ण वे वा त्त ले ये ॥ रा ज दी वां  
णे क बु ए न दे ये ॥ ५५ ॥ अ स ध र व री ध णो प ण हो य ॥ आ य प द त णो उ पा य न को ए ॥  
सां सा वं त नि त दि से स ही ॥ ए का पो त सि ड्ढां ते क ही ॥ ५६ ॥ दो ह रा ॥ ए का पो त ह मे क ही  
जे सी क ही जि णां द ॥ ए ह यं ध क र तां थ कां ॥ मू ळ म न ज यो अ णां द ॥ ५७ ॥ चौ पई ॥ जि

५८

नवचनअरथलेलीण॥डाहोदयामांहेंपरवीण॥काजअकाजमनकरेविचार॥हई  
यामांहेंकरुणाअपार॥५४॥धर्मध्यानमाहेंमनरमे॥साधुसंगतजाजीगमे॥गुणदेषेते  
वास्तुतकरे॥अवगुणजांणोतेपरसरे॥५५॥लेश्यायातलकरुणाएलहं॥जीमएक  
हंकेतुंकहं॥जेसामतितेसागतकही॥सूत्रसिद्धांतथकीमेंलही॥६०॥दोहरा॥पीत  
लेश्याएपारघो॥चतुरसंणोमनघांत॥अवपदमलेश्यातणो॥केहसंतेवरतंत॥ई  
चौपई॥लेश्यापदमतणोविरतंत॥नविकजीवसंणज्योमनघंत॥रुमावंतसीत  
लकंणजात॥वस्योविसभ्योरहेदिनगत॥६२॥सगतत्यागमनकरेविचार॥पंचेइ  
मनरुंधेद्वार॥आतमदेवउपरमनठरे॥क्रोधलोभटालासौचजकरे॥६३॥आणंदमें  
निशदिननिंगमे॥अगमअगोवरमेंमनरमे॥धनधानतिकेकारमूं॥एसहजांणो  
सोथणासमूं॥६४॥दोहरा॥एलेश्याउतमकही॥सगतणोछेमाग॥अबडगीले

कर्म वि-

माहो

श्यासूणो ॥ करते परनो त्याग ॥ ६५ ॥ चौ पई ॥ हविंशुकललेश्यामनवसी ॥ तेकेहसूंहई  
डेउलसी ॥ सहएलोकपरकाजेलीग ॥ श्रातमकाजकरेपरवीग ॥ ६६ ॥ रातदिवसनं  
देश्रातमा ॥ परनादोषलेयेमाहातमा ॥ सोकसंतापनकरेंलगार ॥ रागदेषसहापु  
दगलछार ॥ ६७ ॥ पुत्रकलत्रधननहे ॥ ६८ ॥ कालकूटविषजांणेघरो ॥ अंतरजांमी  
सूलेलीग ॥ शिवपेडीजांणेपरवीग ॥ ६९ ॥ दोहरा ॥ उतमलेश्याएकही ॥ चतुरसूणो  
मनलाय ॥ योतयोतमेंमलबहे ॥ बाजीगतनवजोए ॥ ७० ॥ चौ पई ॥ लेश्याशुकलल  
दृगजोए ॥ उतमनरतेएहवाहोये ॥ शिष्यपुछेगुरुमनउछास ॥ ऊंगगतऊंगले  
श्यानोवास ॥ ७१ ॥ कालिलेश्यानरकेजाये ॥ पंचेथावरनीलकहाय ॥ कापोतहती  
रयंचेजमे ॥ पीलीमांनवचवमेरमे ॥ ७२ ॥ पदमदेवलीकश्रवतार ॥ शुकलमूगतप  
हंचेनिरक्षर ॥ एहवातपरमेसरकही ॥ उतमनरस्त्रीहइडेगही ॥ ७३ ॥ दोहरा ॥ घटले

श्यालकृष्णकह्यां जां एणोरुदेमध्वार ॥ आपआपणा मनथकी ॥ करजोसह विचार ॥  
७३ ॥ दलघोलिनेचिंतवो ॥ मनहं करो विचार ॥ वीजतसो फलनिपजे ॥ पोतहीरंग नि  
रक्षर ॥ ७४ ॥ चौपद् ॥ वलतं शिष्यहृद्याहसी ॥ एहवातमूळमनमेंवसी ॥ इरलेश्याजेन  
रमेंहोये ॥ क्रोधसहितनरनारिसोए ॥ ७५ ॥ तेआगोंकेतंसुषलहे ॥ गुरुवलतंसमका  
विकहे ॥ मोहमगनमेंअहनिशरहे ॥ मधुबिंदसुषतेनरलहे ॥ ७६ ॥ वलतं शिष्यदोये  
जोडीहाथ ॥ मधुबिंदनामूळीवात ॥ अटवीकोनरभूलोपम्यो ॥ नभतांदे घीवडलेच  
थो ॥ ७७ ॥ वडहेवलडहभस्यो अथाग ॥ नासरवानवदीसेमाग ॥ अजगरवे मूषकाडि  
रह्या ॥ चारसरपविडं पासेकह्या ॥ ७८ ॥ उपरजालूं नमरांतणूं ॥ जोतांदिसेबिहां मणूं  
एकेडालेवेवीरिंष्ठ ॥ छीतोसाहवाताकेफेंच ॥ ७९ ॥ तेणोसमैगजुबिहां मणो ॥ साहा  
वडधंधोल्पोधणो ॥ गरिपस्योतिहांथहीलता ॥ नमरात्यां उवागूंजता ॥ ८० ॥ मूशक

कर्मविः

बेतेकापेमूल ॥ चडकाचटकमंड्यतिहल ॥ महाकष्टमहेअगन्यांन ॥ धरव्यापतणं  
फलजांण ॥ ८१ ॥ तेणोसमेरथवेठाईश ॥ पारवतीविनवेजगीश ॥ एहपुरुषनूंसारो  
कांम ॥ महादेवतवबोल्यातांम ॥ ८२ ॥ मूणपारवतीशंकरवांण ॥ जोलीतंकाथई  
अजांण ॥ मोहमदणोपींधंघणं ॥ वचननमांनेसहगुरुतणं ॥ ८३ ॥ तवपारवतीदोय  
करजोड ॥ स्वामीएसंकटथाछोड ॥ धणोहठवरज्योडेनार ॥ अंततांणंपूवूटेमिरक्ष  
र ॥ ८४ ॥ महारुडमनसोचाकरी ॥ कोनविजाएस्रीधीतरी ॥ वलवांणीतवबोलीनार  
खांमीहंनविआवूंलार ॥ ८५ ॥ त्रिलोचनामूषएहवूंकहे ॥ स्त्रीनूंवरितकोनवलहे ॥  
तवशंकरसमकावीनार ॥ रथथंज्योनवलाईवार ॥ ८६ ॥ आवोबेसोमनठह्यास ॥ वृ  
ऊनेंपडूंचांमूंकेलास ॥ मधुटिंपनीलालचकरे ॥ पणएदुषमनमांहेनवधरे ॥ ८७ ॥  
मधुटीपजेआवेवली ॥ रहोटूकमूऊपूरोरली ॥ महादेवमनवलषाधय ॥ रथवालीअ

फूगगया ॥ ७७ ॥ स्त्रीनुवचनगहेनरजेह ॥ निस्सेषरावगुतातेह ॥ कोडीधनतेनिरधन  
कीध ॥ अपनसतेसंघलोघरदीध ॥ ७८ ॥ इंद्रासराथीयामोइंद्र ॥ नृपतपणदाभ्याके  
ईंद्र ॥ सोलसहसगोपीघरनार ॥ तोपणहरीरक्षमणीनार ॥ ७९ ॥ हाथहाथएमोटे  
वंक ॥ देवांमेहीचयो कलंक ॥ तपकरताकेईमूनिवरचल्या ॥ एणासंगतधीवड  
धूलमल्या ॥ ८० ॥ हंपणध्यांनयकीडूकव्यो ॥ किंकरहोईत्रुफआगललव्यो ॥ ना  
च्योत्रुफआगेहंवदी ॥ वचनबांणमूफलागांतदी ॥ ८१ ॥ लोकेंवातकरीछेनवी ॥ जल  
क्षरिपासेंतुंठवी ॥ स्त्रीयथकीनवडूटेकोय ॥ त्रुफनेंछोभूंतवमुषहोये ॥ ८२ ॥ दोह  
रा ॥ मूंजजोतकेछल्या ॥ दशसिरकीधंइर ॥ जरासंधजोकातके ॥ नाजकीयाचक  
वूर ॥ ८३ ॥ डायोलरायविडंबीयो ॥ पंमितमस्तकमूंड ॥ स्त्रीनिसंगतजेलगा ॥ तेजी  
क्तपडायाकंड ॥ ८४ ॥ चौपई ॥ सांनलवत्सतूफनेकहंवात ॥ ममतामगनरहेदि

कर्मवि  
६

नगत ॥ ते नरणीयरे संकटसहे ॥ ते हनाओग आगलकहे ॥ एध ॥ चोगसीलकत्रटवी  
कही ॥ मिथ्यामतनरजूलोमही ॥ जांमणामरणतणाद्रहोई ॥ च्यारकोधतेवत्रियर  
सोई ॥ ए० ॥ नारितरियजकेअजगश ॥ दोयथाषुंडरमरणगयंवरा ॥ आयोषुंवड  
दाईजांण ॥ विषयारसतेनमरसमान ॥ ए० ॥ रोगसोगनेविरहवियोग ॥ नोगसं  
योगचटकालोक ॥ धरमरथगुरुवांकरजांण ॥ दक्षारिंछचितछितवषांण ॥ ए०  
बालकबुरणीआसाफले ॥ कालेलेईनेकाल्योगले ॥ हाथरमेंघोटीकस्यो ॥ धनलेई  
धरतीमाहेंधस्यो ॥ २०५० ॥ एकवारउठंजोवली ॥ तोहंधरमकसूमनरती ॥ एमकर  
तांवाचाधीरह्यो ॥ फरयाछोअंधरोनयो ॥ २ ॥ आयकाजतेउद्यमकरे ॥ तेसुषेनवसाग  
रतरे ॥ परनूकाजकरेपरबीस ॥ तेनररह्याकनारेवास ॥ २ ॥ मोहमगनमेअहनिश  
नरा ॥ पसुसमांणाजांणोषरा ॥ तेहनेधरमअफुटोहोए ॥ विजंगतनटकांभारेसोई

६९

३॥ दयादान तेहनें नवगमे ॥ अगतिं मांहें सहाते जमे ॥ एमजां एते प्रमत्तजो ॥ एकमना  
घईहरनें जजो ॥ ४॥ दोहरा ॥ आपका जउघमकरें ॥ तेनरवरलाकोई ॥ परका जें राता  
जके ॥ तेनरबोहला होये ॥ ५॥ एमओवां केतां कहें ॥ हजानहें बुकलाज ॥ रेअपराधिजी  
वडा ॥ कां वरा माडे काज ॥ ६॥ वात विमासीते घणी ॥ माना उदरमकार ॥ एणतेहवात  
सबतेहां रही ॥ ऐंमकी मपूरे सआस ॥ ७॥ वारपडे बहू पूरवे ॥ तपश्चिम दोडंत ॥ इंद्राव  
सतेनरपया ॥ केणि विधकाज सरंत ॥ ८॥ हंसामे नरमगनजे ॥ परजीवां परपाल ॥ काम  
क्रोधजेहमे घणी ॥ ताको ऊंगहवाल ॥ ९॥ तवशिषमत्तमें हरषायो ॥ आगुरुसंदेह  
अपार ॥ परजीवां ने दुषदेये ॥ तेहनो ऊंगविचार ॥ १०॥ तरणचरे वनमें रहे ॥ एकलडां  
निरक्षर ॥ नृषतर सबहू बेवता ॥ तापहटा डअपार ॥ ११॥ जातदेये नववाटलेये ॥ नदेयेके  
हनेंगाल ॥ विनाअपराधतेहनें हनेगों ॥ ताको ऊंगहवाल ॥ १२॥ गुरुवलतुं मनगहगही

कर्मविः

शिष्यसंकहे विचार ॥ जे जे हवूं नरस्त्री करे ॥ ते भुगते निरक्षर ॥ १५ ॥ चौपई ॥ अरजण कां  
ये पशुने हणो ॥ रोम एकनी संख्या स्रणो ॥ सहस्रवरसदो जगदुषसहे ॥ चंदसरलगो  
ते हारहे ॥ १६ ॥ दोम जागवली एका दशी ॥ तारथस्त्राने वली द्वादशी ॥ अरजण जे नर  
आमिष प्राये ॥ ते हनुं पूं न्यते निरफल प्राये ॥ १७ ॥ छोते समरणा शुद्ध न होये ॥ छो  
ते बुरो कहें सहकोये ॥ एकाकारते छोते होये ॥ हिदुतरक कहें सहकोये ॥ १८ ॥ स्त्रा  
न करिने समरणा करे ॥ आमड छोते पेट जमरे ॥ जोला मन नव समजे रती ॥ एक  
रतव संघलां ऊगति ॥ १९ ॥ तीनवरसउ परजे वरी ॥ वेदें अज्ञा कहीते धरी ॥ धरम  
तणो न विजांणो मूल ॥ हणी जाव नव मे लो धूल ॥ २० ॥ एह वचन सत्य मान जो  
महापुराण मांहे जांणो ॥ एह वृं जांणी पाले जेके ॥ मन घजन म अजूया ले तके  
२१ ॥ दोहरा ॥ जे जगमां हिदुष अछे ॥ नरगानि गोद मक्षार ॥ धावरमे दुषते सहें ॥ जे

बहूनां धेवार ॥ ११ ॥ जलवरपंथी मंजके ॥ नृजतरपरमज्यार ॥ वीरगमेदुषतेसहे ॥ जे  
करेदेहीसुं पार ॥ १२ ॥ वीरपदी ॥ तवशिष्यबो ल्यो मनउलास ॥ धरणीहमारी एकत्र  
रदास ॥ स्वामीएसुंबो ल्यातमे ॥ पुदगलउतमजाणां अमे ॥ १३ ॥ नीरमलनीरप  
धालां अंग ॥ आचां वस्त्रपेहस्यां चंग ॥ वेषविभूषणअतिसो नंत ॥ केसरतिलक  
करां मनघंत ॥ १४ ॥ रूपअनोपममुद्राघाट ॥ स्वामीधेनंदोसामाट ॥ नरनारि  
नेदेवअनूप ॥ एसहाराचेउतमरूप ॥ १५ ॥ आजेपणसहस्रापआपणे ॥ राचेरूप  
जलेसहवण्णे ॥ रूपहाणनरस्त्रीपरवरे ॥ तेहनीसहस्रमलाहासीकरे ॥ १६ ॥ उजल  
होईकरेसणगार ॥ मनमेहरषधरेंबडुप्यार ॥ फूल्योफिरेधरपाउनधरे ॥ कुल  
मंचोषनलिपेरकरे ॥ १७ ॥ पंचामेंआदरअतिधरणी ॥ राजदीवांणशोभामेंवण्णे  
मेलेतनवस्त्ररकारहे ॥ तेहनेपरोसहस्रकहे ॥ १८ ॥ उतममध्यमसमकरलहो ॥ स्वा

कर्मवि-  
द्व

मावातविमासीकहो ॥ बलतंगुरुबोलेबहूनंत ॥ सांजलवत्सतंथईएकंत ॥ १७ ॥  
दोहरा ॥ एदुममनछेजीवनो ॥ लूटलीयोसहूमाल ॥ एणथीचिङ्गगतमेंनमें ॥ एण  
थीहोएहवाल ॥ १८ ॥ धाटांघरांवरपरां ॥ तीषामधूरंजेह ॥ याकासंगतजेलगा घरा  
वगुतातेह ॥ १९ ॥ जिंमजिमतनजोनाकरे ॥ तिंमतिंमफुलेआप ॥ कागदकरजम  
रथहो ॥ तूकेणीविधकरेसजबाप ॥ २० ॥ चौपई ॥ देहाअचेतनजाणोघरी ॥ जांणोरा  
कसनीछेपुरी ॥ अंधगोपअंधाराजसी ॥ गफाकहंपरबतनातेसी ॥ २१ ॥ कोडीतणो  
नआवेमूल ॥ जेसोआफूतणोछेफूल ॥ मोहतणीकडनादिषरी ॥ मधमूतरनीको  
वीजरि ॥ २२ ॥ रिततणादीसईमहाठेर ॥ धामडपणविंदूविकुंकर ॥ मेलतणीमूरतधा  
पसी ॥ मसांगमेंदासेराधसी ॥ २३ ॥ रगततणाजरियाछेऊंड ॥ देहातणादीमेंमहाऊं  
ड ॥ हाडतणादीमेंतोहांगडा ॥ मांसतणालूदाथापया ॥ २४ ॥ उकतणीसहुरीवहे

६३

मेदमेदचिञ्जपासेंरहे ॥ पटभूषणामेलीजोलषू ॥ जांगोकउचनूंकूंबधू ॥ ३७ ॥ केशवि  
नादिसेफंडमंड ॥ दांतविनाबाधूजिममंड ॥ हाडविनामसकज्योचरी ॥ रुडविनाम  
षतेजनकरी ॥ ३८ ॥ मांशविनाशोनेज्योकरंक ॥ रूरवमेदीशे ज्योरंक ॥ अशुनवस्त  
जेदोलाजेधरे ॥ तिंमएपंजरशोनाकरे ॥ ४० ॥ दोहरा ॥ जिंमफागुणतीएकमे ॥ अशुन  
आभूषणेर ॥ रासभउपरनरचठी ॥ फरेतेसारेसेर ॥ ४१ ॥ रासभलेडांकठमे ॥ बालत  
णीगलेमाल ॥ काजलचूनेवितसू ॥ मूरवजंयेजंजाल ॥ ४२ ॥ बलागुंफूंकैकूपडू ॥  
ददामलिदेषत ॥ ज्युज्युमुषवरुयूलवे ॥ त्योंत्योंतेसोभंत ॥ ४३ ॥ तिंमअशुनपुदग  
लमली ॥ तवपंजरशोमंड ॥ हाडकेशसोनालहे ॥ एछेनरमतोमंड ॥ ४४ ॥ दौपडू ॥ न  
वनालातेवहेअसार ॥ तेमाहेदरगंधनोनहेपार ॥ जलिवस्तजेभांडेपडे ॥ महाअ  
शुचथईनेफडे ॥ ४५ ॥ जिंमशूकेसीकरकावूनरे ॥ कोएवितरोवालूकरे ॥ कबहि

कर्मवि.  
द्वि

वायनिकासंबल ॥ नाकमरोडीउवेसह ॥ ४५ ॥ पंचकोडनेअडसठलाष ॥ नवांगूं  
सहसजिननाष ॥ पंचसेसोरासीलह्या ॥ रोगएताजिनवरकह्या ॥ ४७ ॥ नषशिषमे  
एप्ररणनस्या ॥ ज्ञानवंतनरलेषेकस्या ॥ कौकशोगजोहोएधकात्रा ॥ एकदोएएहां  
आवेयास ॥ ४८ ॥ करिणपजीवनरकेजाय ॥ सरवरोगतेहांदोलाधाय ॥ करमक  
रिनरनारिजेह ॥ कोडनवेनवछूटेतेह ॥ ४९ ॥ दोहरा ॥ कोएमस्तककरवहचव्ये  
अथवावेरअपार ॥ लेईमालअटवीमल्यो ॥ ताकौकुंणहवाल ॥ ५० ॥ रणवाले  
धनसवहस्यो ॥ वैरीगथोतनलेई ॥ ताकारणहंसाकरे ॥ दशभवलेवीतेई ॥ परवो  
पई ॥ केईवरसनीचादरजेसी ॥ कुसपुगंणीजांणोतेसी ॥ कागदज्यौपांणीमेंहोई  
समुंदनीरनवपावेकोई ॥ ५१ ॥ हंसाकरतांहोएधूसाल ॥ परजीवाउपरज्यौपाल  
ज्यौज्यौकायावनमेजाये ॥ त्यौत्यौसवधूजेवनशई ॥ ५२ ॥ वनकाजीवहोयेनीत ए

द्वि

एकलमलरनमेंमलपंत उंनमैजेसीहोयेआग तेसोदेहतणोछेलाग ५३ दो  
हरा इंडधनुषआकाशमें करादुधवणसंत ज्यौंकांजःशबूंदसौ वरेमूंगवण  
संत ५५ डाम्भ्रणीजलविंदुयो ज्यौंकापरशबांह ज्यौंसंज्यारीवानडी त्यौंवा  
दलरीछांह ५६ ज्यौंकंजररोकांनरो लवणाविनारसफीक लाडवटाव्यो ज्यौं  
लला पीहरवडनजाक ५७ औरहीजगजेतांजके कुलमेवसत्रसार वग  
इतवारनलागसी सहीपुदगलछेएसार ५८ तिमदेहीछेकारमी सरवजी  
वनाजांण ताकारणउफनेकहूं तंचेतेकाईनअजांण ५९ चौपई जब  
लगानितरजागेराम तबलगसनेहकरेसहतांम हंसचल्योछोडीसरपाल  
बाजिराषकरंततकाल ६० स्वारथजबपरसहताणो तवसडप्रेमकरेअति  
घणो स्वारथकेनेनपरजेके दुसमनहोईफरेसहीतके ६१ एणादेहीनोवि

कर्मवि.  
६५

समोरूप महादूरगंधनेत्रंधकूप ॥ घरणातोघरमेंधूसरहे ॥ वेगं करी काठोएं प्रकहे  
६२ ॥ परमहंसभारग गयोवहा ॥ मूषदीसे एषासे सही ॥ दिवस एक पाछिने पजे ॥ रोम  
का डाने पजे ॥ ६३ ॥ गंधनेत्रं तत्रारिरे होये ॥ तेहनी पास न आवे कोए ॥ करहे खानने सी  
या ल ॥ माघी का गजधेत त काल ॥ ६४ ॥ एह दिपरत वात देहनी ॥ के सा आस करे तेहनी  
वाजीगर नाटक पेषणे ॥ चारपो हर जो एरही फणे ॥ ६५ ॥ कदाचित को ए स मरण करे  
दुष्ट उंगते आडी फरे ॥ शालस जंझाई अंग ठाल ॥ करधी माल पडे त काल ॥ ६६ ॥ एम  
करतां लोडो जेतले ॥ मतक सभान जयो ते तले ॥ सपना मांहे जं पें जं जाल ॥ करे नवो  
वलिको ए अपाल ॥ ६७ ॥ लरे रमे जल नोजन करे ॥ उंचनी वकोई मन न विधरे ॥ करि  
संपाडो अजध जमे ॥ नाठी छोट अकासे न मे ॥ ६८ ॥ जो लामन न विजाणे ए स ॥ राते कां  
सकियूं मिंक स ॥ नाये सिद्धन पां मे कोए ॥ नितर उजल सब कहु होये ॥ ६९ ॥ कीटक क

६५

रमाञ्जलसामरी ॥ जातजातनीधेलीजरी ॥ निचंतपोतोउपरसंग ॥ तातेकोएजआवे  
ढंग ॥ ६९ ॥ जोआपाविनकायालसे ॥ माघीकागदेषतमेंभषे ॥ कहाकरूंमूजबुध  
नवणी ॥ गणधरदेवेनंदीघणी ॥ ७० ॥ जांडोवलिषोषरोहोये ॥ काजनआवेकेहनेजो  
ये ॥ षडषडहसेनेकरेविलाप ॥ रोयेरतलेकरेसंताप ॥ ७१ ॥ जरागषसाआवावरे ॥ दे  
हातणोवांनोसवहरे ॥ कालआहेडीभरिवंदुक ॥ मोहनालमेंबठोटक ॥ ७२ ॥ मन  
मध्यंनोरोष्याघास ॥ दिङ्दिशमांआसिनाघास ॥ कुबुधवायतेधूधूकरे ॥ क्रोधी  
ऊकरआडोफरे ॥ ७३ ॥ मिथ्यामततेअटवाघणी ॥ क्रोधलोअघटमेंसिरेधणी ॥ कुगु  
रुकाठीवांसेनया ॥ हंसामेंहउसेलीदाया ॥ ७४ ॥ मेंगावांणनोगोलोवहे ॥ कहोएऊं  
णध्यानकजईरहे ॥ गंधिदेहीनआवेकांम ॥ नारमलएकनारायणनाम ॥ ७५ ॥ घणां  
जावनेंआणोंबाज ॥ निफटअजितुजनआविलाज ॥ एणीदेहानीत्रोडेसआस ॥ तबहो

कर्मवि-  
द्वे

सातुजनेधीरवास ७६ दोहरा जबलगमेंमेंहोईरह्यो तबलगत्रिकमहर जब  
लगमूजमेंकबुनहें तबलगहेहजूर ७७ ताकारणनिरविषहोई ध्यानकरो  
मनचंग पुदगलफरितबाहोडे अवेछलहोहेअनंग ७८ चौपई तवशिष्यवो  
ल्योमनगदगही स्वामिअजबवातथेकही दोयकरजोडाअगोंकहें गर्नवा  
सजीवकेणीपररहें ७९ वलतुंगुरुसमजावीकहें कांभीनरनांहईडांदहें सं  
कातूमतकरजेघणी कइंवातसुणपूरवतणी ८० मज्जिपितातवमल्योसंयो  
ग अकररुधिरदोयमलायोमोग धरवधरछोडीनागीया दोयेसमावाटेला  
गीया ८१ तीजेसमेकीयोतिहांवास लीयोआहारतिहांमनउध्यास तेहांथकी  
बुजउतपतनई थारोधरथेलीधोसही ८२ हाथपायरधानधवास पेटपूठधां  
धूमूरवसीस आंधनाककांनऊणवणा सासउसासुशमतिहांमणा ८३ व

द्वे

लगावलगातिहांसंसाकीया ॥ चौदसेंनसबध्यादीया ॥ दरवाजाद्वादशतिहांकी  
या ॥ तानएकनरस्त्रिनेंदीया ॥ ८४ ॥ अठोतरसोनाडलवंत ॥ रातदिवसतिहांधम  
राधमंत ॥ गुपतकीयातिहांबशशवीर ॥ पाचेलजीन्हासहीतसरिर ॥ ८५ ॥ प्रकृति  
पंचविसेजोए ॥ विस्तारेंविशासोहोये ॥ डावेस्त्रीनरजमणोसोए ॥ मध्यजागनपूंस  
कहोई ॥ ८६ ॥ चंद्रयकीछेस्त्रीनोवास ॥ सरजधीनररहेउछास ॥ वणटांक्याविणघ  
डायहेव ॥ आपेंकरताआपेंदेव ॥ ८७ ॥ परमहंसतिहांकीशेवास ॥ आपेंआपवणा  
योतास ॥ करमविक्षताघडायोघाट ॥ ओरांनांमलेयोसामाट ॥ ८८ ॥ देवदेवलपू  
रोधमो ॥ अशुभवस्तमेंशुद्धोजमो ॥ उंचापगमूषनाचूंवली ॥ आलाचरमतणीको  
घली ॥ ८९ ॥ मायसुधीतवयोतेसुधी ॥ मायदुषयोवेतवेतेदुखी ॥ जलसांरूधिरत  
णोआहार ॥ मलमंतरदोबलोमंडार ॥ ९० ॥ नवमसवाडाकाकारहै ॥ सबलअवा

कर्मवि

धत्पांतेमहे॥तेदुषमूकनवश्रावेचंत॥स्वामीतेसूगावानीघंत॥ए॥अउठकोडसूरुग  
 तीकरो॥सबलदेवतेशगलधरो॥देवसगतपोतानाकरो॥रोमश्रुतेसाथेधरे॥ए॥नव  
 मामदुषएतंकहं॥स्त्रमिहांतथकीमेलहं॥तिहांजीवसहसोचाकरे॥ग्यांनत्रगते  
 मनमैधरे॥ए॥मतिश्रुतिअवधिधरेतेसही॥घरहरधजेतेतीहांसही॥ऊंणकरमक  
 मायांकूर॥वेदनमैइहांलहीनरधर॥ए॥इमदाकेबडुहइंणामांहे॥एहवांकरमक  
 मायाकांदि॥एकवारछोडेमूकदेव॥एथांनकनवश्रावूंहेव॥ए॥रोहश॥नानकम  
 लवेटेथकी॥फलछूटूंजेहवार॥श्रुगगुंदुषजनमतां॥वहेजीवनिरधार॥ए॥ऊंण  
 लषेमतेदुषथकी॥बूटोजीवसुजांणा॥मेवासोमांडीरह्यो॥नलोकांइअजांणा॥ए॥  
 धंक्षत्ररधधतोरहे॥शंमनांमलेश॥मनधजमारोषीइकर॥पछेकांइकरेस॥ए॥  
 ईअरेअजांणाजोयोपाचुंफरी॥सुरवदातसरवेविसरी॥नाइधेइवालेमलघंत॥

नहं

पानकदेशीहरघंत एण तेमेमगनरहेदिनरात तेकारणतनधोएआध मूरधन  
वसमजेमनमांदिं फरियाछोवलीतेहमेजाये १०० तेदेशीनरआंधेधाये हसंम  
रषधरधरेजाये पगतलेमरणानदेशेकोइ इणगमावीवालोहोये ११ एणधीरा  
वणगमायंराज एणधीनिस्सेधोईलाज एहदेशीमनथायेसूर एणधीवेदनलहे  
अधर २ एणधीवेनिस्सेदलफरे एणसंगतधीनिस्सेमरे एणधीऊलउडाडेबार  
एणधीकोयनपोहचेणर ३ एणधीधनिनिरधनकीध अधजसतेसंधलोघरली  
ध एणधीकबुनसीजेकाज एणधीएडेगडंदाबाज ४ एणधीपयोकहेसहईश  
वनमेंधीकेइधमाभूनाश एणधीलाजगमावेमांम सुधनयावेआवुंजांम ५ ध  
नधर्मनोअरधीहोये एहदरशणमतिनरधीजोये एणधीवाह्याजगमेंनरा नव  
नवजटकाभारंघरा ६ ऊलमेंधीनिकसीगयापरा एणपूवेजेलागानरा तेहनं

कर्म वि-

ऊटकेंश्रापेंछेह॥ उरासेतीभांडेंनेह॥ ७॥ पडेवेदकतेबधरांगा॥ जोतकवैदनीमत  
नाजांगा॥ तिनभुवननिनिरणोकरें॥ समुद्रतरेमूषवसायरधरे॥ ८॥ एकलडो  
रणकूकेकोये॥ सिंहगजसंजातेसोय॥ इड्वंडबलचकीहरि॥ राणधूमांराह  
जांणोषरी॥ ९॥ पंडितनरजोगानेजती॥ एणथीकेरांनवालेरती॥ एहवानरबलि  
थाजगजेह॥ एणथीधरावगुतातेह॥ १०॥ जोनएकहंकेतंकहं॥ पापतणोपारन  
विलहं॥ एणथीसहवगुताधरा॥ जेसमजोतेजाजोपरा॥ ११॥ नरकहेछेवारोवा  
रोवार॥ एणतोसंगतजोनिरक्षर॥ मूगततणोजोत्रथीदाय॥ एहथकीजागो  
सहकोइ॥ १२॥ दोहरा॥ कामक्रोधसवपरहरी॥ वृत्तालोत्रघटाव॥ दुबधममता  
छोडके॥ निद्राआहारमटाव॥ १३॥ दयादानदमजेकरे॥ छोडीस्त्रीनापारा॥ समंद  
हीसीतलसदा॥ तेनशावेगर्भवास॥ १४॥ धरमनवाडीनियजे॥ धरमनहाटवेका

दंठ

क

य॥ धरमशरिरेउपजे॥ जोकछुकीयाजाय॥ १५॥ सूरकेमेदांनमें॥ नहंकाथरकोकां  
म॥ रातदिवसकोऊऊणो॥ वराधांडासंशंम॥ १६॥ जोगपेजमरोजलो॥ एकपलक  
रोकांम॥ मूलीउपरधेलणो॥ डगेतोठोडनवांम॥ १७॥ चौपई॥ सूरामूरधमनकरजो  
रास॥ मेंदुषजोगत्यांविमवाविम॥ पाछेकालअनंतोरह्यो॥ सुधनपाव्योबडऊल  
फल्पो॥ १८॥ दुधनीवातकडंसूरणोवली॥ जोतंगयोपांणीमेंगली॥ पवनपेरेउंउडी  
यो॥ नदासमुड्मांहेबूडायो॥ १९॥ वणामूलेतंऊनेवेचीयो॥ उनेचहंटेतंधेचीयो  
हिंमहलदउपरटेईलूण॥ तेलमाहितलीयोतेऊंण॥ २०॥ अगनबलीथयोतुंवा  
र॥ अथाणोघाल्योकेइवार॥ रसलेईनेकूचाकीया॥ केतावारपांणीमेंपाया॥ २१॥ तंधो  
जोतंधासीकीयो॥ केइवारतंधंन्येदायो॥ तंधांणीमांहिलेईघालियो॥ पीलीपाली  
रसकाढीयो॥ २२॥ एमउऊमेंकेकीयाहवाल॥ एणोनवेकांईबेवोपाल॥ तंधणाने

कर्म वि-

घायेंकूटीयो ॥ धोबीयेतुं जापोटीयो ॥ १३ ॥ उधलघालातंकूटीयो ॥ नावो त्यां परानवहु  
 टीयो ॥ ऊंडचमारां त्यां तं सभ्यो ॥ कलालां धरतंतडफ्फो ॥ १४ ॥ संकालेंकांनकीदीक  
 दे ॥ बोगसीमेंनमीयो तदे ॥ तं नरयो लिप्यो धापीयो ॥ उनेभारगतं नां धीयो ॥ १५ ॥ तं  
 निबारामेंवणकाज ॥ त्यां तूफनेन विश्याविलाज ॥ कोशलेषोद्योके ईवार ॥ ताहरादु  
 षनोनश्रावेपार ॥ १६ ॥ तं चाव्यो तं श्राधोगल्यो ॥ केतीदारयांणीमेंबल्यो ॥ तूफनेंवा  
 हरजईनां धीयो ॥ तेषांनकतेवासोक्षीयो ॥ १७ ॥ नांनोकरितडकेनां धीयो ॥ धांणधणी  
 नेतंघालायो ॥ तं रंगोबुफनें पाशीयो ॥ बुहलाउपरउकालियो ॥ १८ ॥ तं मूषपडीयो  
 चितासाह ॥ काल्योडाडकरंतोचीह ॥ जोरतकेऊंराघांनकधस्यो ॥ मांटीपणोतेंधीयो  
 कस्यो ॥ १९ ॥ गोतकलसेंकेतोकोयो ॥ जातजातमेंवाडोनयो ॥ एमघणीपवघावोघ  
 णं ॥ जीनएकहंकेतंनरां ॥ २० ॥ इंगणिकाघरहंसें ॥ यो ॥ जांधोताम्योकस्योजूजूयो

दर

तं रणमां हि पशो के ईवार ॥ ताहरा दुषनो न आवे पार ॥ ३१ ॥ तं परमां लो ले ईवे सीयो ॥ तडके  
नां धीने पासीयो ॥ तं करयो नृज्यो के ईवार ॥ सुषन पांम्यो के हां लगार ॥ ३२ ॥ तं परघरघात  
रपाडीयां ॥ ठोर ले ईगां मधाडीयां ॥ त्यां तूफने गाढो जालीयो ॥ शूली घोडे तूघालीयो ॥ ३३ ॥  
नाक कां न शिरछे दीपाय ॥ कसो जूतुयो मेहलाघाय ॥ तं तो लो तूफने वेचीयो ॥ के ई  
वार वधारे दीयो ॥ ३४ ॥ लाते लाते तं पूदीयो ॥ काक उपर तूफने ले ईदीयो ॥ तं चीसो तं  
कोहव्यो घणो ॥ तदेक हांगयो मां टीपणो ॥ ३५ ॥ जाली मूफने काटी अंत ॥ तं पटकंग  
लवणमतघंत ॥ रसो ईमां हिं गही गही ॥ आनडवे टक हो के हांगई ॥ ३६ ॥ तं बेहरो  
कालोकूबडो ॥ वेडुहीरणे मूषबोबडो ॥ टं टो अने वलीपंगलो ॥ कठगाकठोर  
अने गलगली ॥ ३७ ॥ लांबमजीरो वेगणो ॥ रूपरसाल अने असो हां मणो ॥ तं अ  
वगणतो छे जंडार ॥ सुगुणतणो न विआवे पार ॥ ३८ ॥ दुररणो तूफने छे घणो ॥ पु

कर्म वि.

दगल जोतां अस्मो हां मणो ॥ बुझ में हं सानो न हें पार ॥ कां इ न चिंतो मूर्ये ग मार ॥ ३९ ॥  
उंचो उ चाली कालीयो ॥ स्वर पणो ते त्यां मेलीयो ॥ बुं के हे ने न विश्राव्यो काज ॥ न फ  
ट अजी बुझ न आ वी लाज ॥ ४० ॥ अनंत काल चिंज गत मे र ल्यो ॥ धर्म न पां म्यो ब ड्ड  
ऊल फ ल्यो ॥ ऊ गुरु ये न र मा व्यो घ णो ॥ पंथ न पां म्यो जि न व र त णो ॥ ४१ ॥ हं सा में की  
धे ऊ क जो ल ॥ ते कारण प हं तो इ ह बो ल ॥ मूऊ में द या न आ वी र ती ॥ ए कर त व  
संघ लां ऊ ग ती ॥ ४२ ॥ आठे कर मे हं जो ल व्यो ॥ इंडी पां चे हं रो ल व्यो ॥ ऐं म अ ने क  
न व थ यो रे व णी ॥ च र णो आ व्यो त्रि नु व न ध णी ॥ ४३ ॥ मुऊ दु ख जां णी कर जो द  
या ॥ बाल क उ प र कर जो म था ॥ उ म व र णो अ नु क रूं नि वा स ॥ हं बूं रा म त मा रो  
दा स ॥ ४४ ॥ द या वं त प्र नु ब ली या जो र ॥ मूऊ उ प र कां ध या क ठो र ॥ दु र व नो ब ली  
यो बो लूं ब ह ॥ प र मे स र थें जां णो स ड्ड ॥ ४५ ॥ म न्ध ज मा रो फो क ट ग म्यो ॥ ध न रां

माकरतोहंजभ्यो॥ मयणावांगभूजलागांजोर॥ ताकारणादलजईकठोर॥ ४६॥ मो  
हमदमूजवद्योअपार॥ मूषथकीनिकासीछार॥ अनसेरनेकारणजांण॥ घणाजी  
वनीकीधिहांण॥ ४७॥ मोहचंडालतणेवसपभ्यो॥ ताकारणाहंबडुरडवभ्यो॥ परध  
नलेतांमनहरषीयो॥ पापकटंबजईपोषायो॥ ४८॥ जिमकसुंतीमराषुंतांम॥ पाथ  
रजिमतेनाषुंताम॥ लाषवीरासीयोनेरहे॥ नामअनंतांअणोतहे॥ ४९॥ मानवसे  
मनमदसूंजभ्यो॥ करडोलाकडनीपेरेंकभ्यो॥ मूजआगलसहतरणसमान॥ ध  
रमतणीकीधिवहूहांण॥ ५०॥ जेतूंमानकरेमनघणूं॥ तितूंमानघटेआपणूं॥ नी  
चगोतमेल्पेअवतार॥ तेहनीकोईनपूछेसार॥ ५१॥ क्रोधकरेंनरनारिजेह॥ पापें  
पंडनरेंसहातेह॥ तीरथदांनपूंन्यजेकरे॥ होमजागतेमनमेधरे॥ ५२॥ एकादशी  
अनेपरवणी॥ ग्रहणगौयणमनमेवणी॥ सरादनेसंवत्सरीजांण॥ पाषीपोसोत्र

त्पारख्यान ॥ ५३ ॥ ओ रज के सुकृत जग मां हैं ॥ बेंहन मां गजी वा जग का हैं ॥ लाघको  
 डवरस जगें दान ॥ तपसा करे कोई मेह लो मां न ॥ ५४ ॥ क्रोध अगत अंतर पर जले ॥  
 मूरत एक मां हैं सरव बले ॥ ते कारणा मत कर जोरी स ॥ वत जाये सही वि सवा वी स  
 ५५ ॥ ते कारणा अयोत मघा स ॥ मूज मूरधनी पूरो आ स ॥ कपा करी मूज वां हें धरो  
 क्रोध लो जनें दूरें करो ॥ ५६ ॥ एणो पाप दुख दीयो अघार ॥ तो परा चालो एण नी लार ॥ दुःख  
 समुद्र मां हें बो लीयो ॥ न व अनेक मां हे रो लीयो ॥ ५७ ॥ तो परा मां हरे एण सूं पीत रात  
 दिवस में करि अनीत ॥ कलूं बाने में बहू दुःख दीयो ॥ दुष्ट लो जमे वा ह लो कीयो ॥ ५८  
 जनां सगां उपरें पाल ॥ ते में परा कीया दवाल ॥ न वां सगां सूं मां म्यो ने ह ॥ ते कारणा क  
 री न व र दे ह ॥ ५९ ॥ स्वां भी हूं अयोत स जग ॥ सार करो मूज मूरधतणी ॥ थें छो अड  
 वडीयां आक्षर ॥ उज गुंण को ये न पां मे पार ॥ ६० ॥ स्वां भी ना मथ की आक्षर ॥ वेग करी

पञ्चामोषार॥ तीनलोकमेंआगेजाम॥ घटश्वाणोकेवलराम॥ ई॥ दोहरा॥ सुंदारी  
घडमालज्यौ॥ उथलपथलकेईवार॥ मूलगमावीचालीयो॥ कोयेनआव्योकार॥ ई॥  
सेकीउंबीषांतसूं॥ आपीसहकोसाध॥ पाछेकछूनउगरी॥ फोकटदाक्षेहाध॥ ई॥  
वासीतकेवरोकीयो॥ नवोउपायोतकोय॥ बडकरताकेसिरचयो॥ गयोकमाई  
षोय॥ ई॥ क्रोधलोभमेंमगनजे॥ मिय्यामतशिरबोज॥ केतोताथेधरनला॥ केजं  
गलमेरोऊ॥ ई॥ क्रोधपिआचेहंचलो॥ बुधनउपजेलेश॥ जतनघणांकरिसाचवूं  
बलेकरेपरवेश॥ ई॥ अथडाल॥ चौदभुवननानाथ॥ सृणोज्योविंनती॥ मेंऊक  
र्मघणांकसां॥ तेसृणज्योजिनराय॥ रावहमारी॥ बीजाऊंणआगलकहूं॥  
ई॥ थेछोदीनदयाल॥ परदुखकातर॥ परउपगारिसोहामणा॥ उमदरशाणजि  
नराय॥ हईमूंओलसे॥ मनहमनोरथसरवफले॥ ई॥ रोगसोगसंताप॥ जावटस

कर्मवि-

झटले ॥ आठ करमसेहजे गलेण ॥ नूतप्रेतविंताल ॥ शाकणीडाकणी ॥ कांमणामोह  
 णसर्वटलेण ॥ ६९ ॥ जोटेगषेतरपाल ॥ उमदरशाणपीडेनडेनहांण ॥ अस्वसेनऊलचंद  
 वामानंदणसमरेसंतहोयेसदाए ॥ ७० ॥ पयावतीधरणेंद्र ॥ आसाधरवे ॥ एहलोकिकं  
 फलदेयेघणांण ॥ जेसमरेदिनरात ॥ तेघरनवनिधि ॥ शीधवईनसुखसंपजेए ॥ ७१ ॥ पर  
 लोकेंफलआप ॥ आपनिरंजण ॥ अंतरजांमीसमरतांण ॥ केईपहंतापरलोक ॥ केई  
 पहंचछे ॥ आपनिरंजणदर्शातांण ॥ ७२ ॥ नाचतणोनिस्कार ॥ उणथीओधर्या ॥ केई  
 जीवशाथलाकीयाए ॥ जेनरजपसेआप ॥ तेहनाकारजसरेण ॥ ७३ ॥ दहंदिशजटके  
 जेह ॥ तेनवउलषे ॥ परसेतीजटकीमरेण ॥ तेहनेंनविविसरंम ॥ धरमूलाकुंठोडनहे  
 बहजवकरिण ॥ ७४ ॥ आपेसरजणहार ॥ आपेकरताए ॥ नोगतापणआपेसहीए ॥  
 घडेसमारेआपकीजोकोनहे ॥ मूरधतेमानेजूजूयाए ॥ ७५ ॥ दुजेसरेनहांकाजको

यतारेनही॥ गुरुनहेंकोयकेवलीए॥ एगाथीपुणपबंधाय॥ मारगयांभीए॥ करसे  
तेतरसेसहाए॥ ७६॥ विषयकषायजेह॥ पोतेजेकीया॥ बिजोऊंणछोडीसकेए॥  
आपेंआपसक्षर॥ सकसंजालीये॥ भुगतिमुखरूणमेंमलेए॥ ७७॥ पद्योपरमादेजी  
व॥ तवलगोरडवडे॥ चिङ्गतनांदुखनोगविंए॥ कामक्रोधतेलोज॥ दृष्टासवतजी  
आपनजीमुखनोगवीए॥ ७८॥ छोडीसवजंजालमोहतणाफंद॥ शोडीनेमुखअनुभवो  
ए॥ तेहांपरनोनहेंपरवेश॥ आपनिरजनमनववीए॥ ७९॥ दोहरा॥ आपेंभवसागरत  
रे॥ आपसधारेकाज॥ आपेंआपनिहालतां॥ पामेअवचलराज॥ ८०॥ नीलामतनरमें  
पडे॥ परथासरेनकाज॥ परउपरमनजेधरे॥ तेनटकीआवेवाज॥ ८१॥ आपतपेशाप  
ठरे॥ आपपहंचेपार॥ आपहीछोडेआपको॥ आपहीकरसेसार॥ ८२॥ शिष्यबोल्पोम  
नगही॥ श्रीगुरुकरोजवाप॥ ऊंणथांनकनिस्पतरहे॥ तेहवतावोआप॥ ८३॥ चौपई

धीरथांनक॥ आपत्रयोध्यात्रातमरांम॥ शीतासूमतकरेपरगांम॥ उपज्यो कंथ  
 मिलणकंचाह॥ समतासाधकीयोमनलाह॥ ८४॥ विरहानलपीथूकेआधीन  
 ज्यौतलफेज्यौजलविनमीन॥ बाहेरदेधूंतोपीथूदूर॥ घटमेदेधूंघटमेइजरधूर॥  
 ८५॥ घटमेमंगनरहेदिनरात॥ अगमअगोचरमनेकीवात॥ सृगमयंथनिगम  
 हेठोर॥ अंतरआडवेहरकीदोर॥ ८६॥ ह्योमंगनमेंदरआणायथ॥ ज्यौंदरायामें  
 बुंदसमाय॥ जगदंबोमेंपीथकेकाज॥ घटमेंमीलणजथोभूजआज॥ ८७॥ ना  
 जेघडेसमारैसोय॥ केरतानुगतानिस्येहोय॥ देवअलघनिस्जणजेह॥ नषशिष  
 मेवापीरह्योतेह॥ ८८॥ घटमइदेवलघटमेदेव॥ घटमेंबंदनपातीहेव॥ घटमेंपा  
 णाअकृतचंग॥ दीपधूपमाहेछेअनंग॥ ८९॥ घटमेंजायजसोदिनरात॥ एहक  
 रतनेएहजवात॥ धरमतकेसहजंणोएह॥ पुंन्यकाजसहीबीजांतेह॥ ९०॥

दोहरा ॥ सहस्र एकविंशति षट् ॥ अहो निशा आतम रांम ॥ हंस अजण नित जयो ॥  
सोहं हंस लेनाम ॥ ए१ ॥ रुदेक मेल में थात करी ॥ स्तूण जो एह पुकार ॥ गर्ज वासना  
दुख थकी ॥ छूटे ते निरक्षर ॥ ए२ ॥ अथ वेल ॥ अंतरंग लोचन उधा मो ॥ मेहली समता  
राग ॥ आपका ज उपर चित दीजे ॥ कीजे मन वैराग ॥ ए३ ॥ आयो धाने अत प हं चै ॥ को  
एन करे तीहां सार ॥ त्रण काल जिन पूजा कीजे ॥ दया सहित मन लार ॥ ए४ ॥ न विय  
ण अजिन धम्म करंतां ॥ पामे सो सुख थां न ॥ वाकोर वा कर सम कर जांणो ॥ सो व  
न त्रण समां न ॥ ए५ ॥ दुविध संडा होइ मूं षो लो ॥ सात लर हो सूजांण ॥ पोसा सा मा  
थ कपालीजे ॥ मेली मन थी कांण ॥ ए६ ॥ प ह्ण पात मन न वि आंणीजे ॥ लोका रूढ न  
कीजे ॥ क्रोध मां न माया छोडीने ॥ आपका ज ईम कीजे ॥ ए७ ॥ एक कहे धरवजे अस्स  
ऊल ॥ जे का धूते का जे ॥ एक कहे सुष दुख जे पां म्यां ॥ ते फल अमनें दीजे ॥ ए८ ॥ एकं

कहे अह कल जेशागों मोटां कारज की धां दे दे कार की थो द डं दिश ॥ ए सां फल ते ली  
 धां ॥ एण ॥ दो ह श ॥ पर पी ड जां गान हें ॥ की रत सूरणी आणं द ॥ जि म श मन छू टण करे  
 ति म श प डे व क फं द ॥ २२ ॥ चौ प ड ॥ कर जो डी शिष प छे प हें ॥ श्री गुरु मूर्जे ने सं दे  
 य छें ॥ एणों अ रा ध्ये जे फल कंत ॥ ते मूर्फ सूरण वानी छे पंत ॥ २ ॥ म्हा व ड गुरु बो ले व  
 ड जंत ॥ क डं सूरण जो मन थ डं कंत ॥ पा थ र क म ल करे मन चंग ॥ वे लू पी ले मन ने  
 रंग ॥ २ ॥ वी जे रत न परि का करे ॥ भ त क वे ची कां मन सुरे ॥ अ ट वी रु द न करे व ड  
 लीण ॥ ऊ क स धां डे थ डं पर वीण ॥ ३ ॥ ज न्म अंध ने फा ली ना व ॥ आं ध्ये धे वे मन ने  
 ना व ॥ को डी लूं ए व सा ये व ली ॥ क स्तू री मां गों मन रली ॥ ४ ॥ करे ज त न ध तू रा त  
 एां ॥ जां एां आं बा धा सुं ध एां ॥ पे टी में का च ले डं करे ॥ रत न आं ग एां मे ली करे ॥ ५ ॥  
 मु छ क मां जा री वि सास ॥ ऊं कर वे से ची ता पा स ॥ दो दू र व सी थ र संग त करे ॥ रत

नउधरेजोतोफरे हं निरवलोयेचागटकाज पराजकटीआवेवान पथरतणी  
वणावेनाव मूरषवेसेमननेजाव ७ कहोकेणीपरपहंचेपार जेसाधरेकरा  
लानार परालनापूलानववले जागेजाजनअमृतगले ८ जोजासमुदनुजांब  
लतरे सफरतकेदूरइपरसरे मतवालोनावमानेकार तेसोमांकडनेगलेहा  
र ९ धरमतणोनवजाणोमूल धांडवरांसेषायेधूल सांजलवत्सउकनेकहं  
वात केतांश्रीवांकहंविद्यात १० एणीबुधंसुखहोयेजेतलं हंसायेधर्महाय  
तेतलं जीवसहनेजीव्यंगमे हंसायेचिद्गतमेंजमे ११ सांजलवत्सएमूजन  
सोहाय हल्युंकरतांजारेथाय एणोकांमनहोयेसेर नवसांधेतवत्रुटेतेर  
१२ आंधविनाजेसोपेधणो तेसोवारउपरलेंपणो कालकूटविषमूषमेंधरे  
जाव्यानीपणआस्थाकरे १३ आणारहातजेक्रीयाकरे कहोकीमतेभवसागर

तरे ॥ आंगलेई महाव्रत उचरे ॥ ते मांहे कछु न करणी करे ॥ १४ ॥ पंचमहाव्रत मोटा  
 जांगा ॥ एह धरे प हं चे निरवांगा ॥ अनंत काल ना दुषीया जीव ॥ चडंगत मे ते पा  
 डंगीव ॥ १५ ॥ एणे पांचे ते शीतल कस्या ॥ मृगत पंथ त कइ परवस्या ॥ एई पंचमहाव्र  
 त जांगा ॥ नीचत के पोहतानिरवांगा ॥ १६ ॥ हरी के सी कही ये चंडाल ॥ करमथ की  
 इटोतत काल ॥ अरजण तेवनमाली जांगा ॥ करमषयी पोहतो निरवांगा ॥ १७ ॥ मे  
 तारज कही एचमार ॥ वा दर वेद्यो लेई सुं नार ॥ धोरपरिसो पोते सह्यो ॥ मुगतें जा  
 ती लोकां कस्यो ॥ १८ ॥ पंचमहाव्रत सुं धांपाल ॥ मोहपासत्रो डोजं जाल ॥ केई पु  
 रुष एणधी निस्तस्या ॥ मुक्तिवधू ते निस्पेवस्या ॥ १९ ॥ एहवां पंचमहाव्रत सूर ॥ ले  
 ई नारकी धांच कचूर ॥ पंचतणी साये उचरे ॥ अरिहंत सिद्धसाधुगुरु धरे ॥ २० ॥  
 आप पंचगनेला कोथा ॥ एपंचे मोटा साधीया ॥ आंगलेई नेनां जेजके ॥ इहवो

लनरजासेंतके ११ विषयारसनेकारणावली लोनतणीटोलीसबमली पेट  
पसास्योमांशोषरो पोसापडिकमणांथेकरो १२ सामायकपाठउचरो आप  
काजथेकांनवकरो आवमचौदज्ञानेपंचमी बीजईग्यारसनेधूंन्यमी १३  
पञ्चसगानेरतनोतरो षांडोदलोतनउकूलकरो माथांछोटीवस्त्रसार जीव  
तणात्यांकीयासंधार १४ उजलक्षेतीपोसाकरो मस्तकटीलूंचोषाधरो पोसो  
तवसूकेथांहरो गूंहलीपणाथेआगलधरो १५ आवोबेसोमनउलास नांन  
मोटाआवोपास पोसासामायकपचखांण विकथापणवांचेवधांण केई  
लटकेकेईसूईइरहे तातपरईहसाइकरे १७ लीयोवरतमनआणंदपूर  
सहमलाकीधोचकचूर पोतेपणाबूडाजायेवह्या बीजांनेपणलेतागया १८  
दोहरा गुरुलोनाशाषलालची दोनोषेलेदाव दोनोवूडेबापडे बेवपथर

कर्मविः

कीनाव ॥ २७ ॥ लालच मन सबली करे ॥ जे मते सबे सोणस ॥ आंगरहित क्रीया क  
 रे ॥ तेह नोदरगतवास ॥ ३० ॥ अंन पांन जेह नां उदर ॥ वस्त्र जलां देये जेह ॥ तेहने फ  
 रगोतां देये ॥ घराहरां मीतेह ॥ ३१ ॥ चौपई ॥ लालचरे कारण मनवसे ॥ एक जगतपो  
 सो मूफसे ॥ अगड एकथे मोठी करी ॥ हमनेवां दी जो जन करी ॥ ३२ ॥ देवमां हि दे  
 वात न होये ॥ एह वात जांणे महुकोये ॥ अणुयां गानी मायाये धोके ॥ केईको स  
 ना अवे लोक ॥ ३३ ॥ पोतानं जे करे वषांण ॥ पसूथकातेषरा अजांण ॥ एपासं  
 थाजित वरकह्या ॥ गेलो मंद अफूटा रह्या ॥ ३४ ॥ नोला मन न विजांणे एहं ॥ जे  
 जीनरते तारे कसं ॥ एह वराज ह्ये संघलां सरे ॥ धाई धूदी नेजासे परे ॥ ३५ ॥ मूफ  
 ने परा जोल वियो घणो ॥ पंथन पां म्यो जिन वरतणो ॥ एमन सतां सदगुरु मुफ  
 मल्या ॥ सांसा संदेह मन नाटल्या ॥ ३६ ॥ तव मेजां एपो मारग मरी ॥ वउर विला रो नद्य

मकरो श्रीजिनवरबोल्याउपदेश तेमांहिहंसानोनहेलवलेवा ३७ दोहरा  
शिषपूछेतसलेमकरी श्रीगुरुचतुरसुजांग कंगकरमेनरश्रवतरे विदलकंगही  
वषांग ३८ नरकीटीस्त्रीश्रवतरे तेमूऊकहोविचार सावधानधरसाजलोसुंग  
ज्योसङ्गनरनार ३९ चौपई निरमलश्रतिउजलपरिणांम अडकजाविश्रावांजां  
म मांनरहितभायानहेरती घरछोडीकवहोसूयती ४० दयाभावमखरनवहोए  
तेजूपदमासुकलतेसोए महापुरुषसाधुमनरमे तेहनीसेवाजाजीगमे ४१  
एकाकीनिशहीनिशस कंवरेहसूंगिरिकेंनरवास सिंहसरपवितरजोटंग क  
वपरिसासहसूंतजीसंग ४२ संयमशीलसहीतनरजेके सामायकसुधूंवहेतके  
सङ्गलोकनेवद्वजहोये पणकीरतनवांचेकोय ४३ धरमकीयातेजाजीकर  
श्रहनिशापोतंपून्पेनरे पांचलोकमेंलेसेजेह धरमबुधउपदेशिंतेह ४४ एसांव

चनमुषबोलेहसी ॥ सङ्कलोकमनथायेषूसी ॥ पोतानीतेनंघाकरे ॥ परनंघातेचित  
 नवंधरे ॥ ४५ ॥ विषयारसथीहोइउदास ॥ परमेसरसुंतालिलाग ॥ एसेलक्षणाजा  
 रिजेकहा ॥ परभवनरहोयेतेसही ॥ ४६ ॥ दोहरा ॥ जेसोनावअंतरवहे ॥ तेसोदरव  
 तसहोये ॥ जेसापोतउपरलगे ॥ रंगकहेसहकोये ॥ ४७ ॥ चौपई ॥ अज्यतरमायाअ  
 तिकरे ॥ कूडकपटमेंअहनिआकरे ॥ अणाचारसेवेमनरली ॥ तेपणकोमतजां  
 गोंवली ॥ ४८ ॥ ऐमचांतीभायाअतिकरे ॥ थापकरमतेमनमेंधरे ॥ कीरतकोएबो  
 लेतेहतणी ॥ तेहनेआदरमहिमाधणी ॥ ४९ ॥ बाहेरलाजघणोरकरे ॥ मेंचीदृष्ट  
 करिनेफरे ॥ अंतरपणनहेंदयालगार ॥ विकथानोनविआवेपार ॥ ५० ॥ परनंघा  
 बोलेमुषमोड ॥ बेआगांबेपाचांजोड ॥ पोसासामायकतपकरे ॥ धरमकथाहसी  
 रसांजले ॥ ५१ ॥ मेंगांववनहसीनेकहे ॥ हईयामेंकातरणीवहे ॥ अंतरप्रेमनजरमी

होय जाण्येथीसांसेसड्कोये पर पापतणांथांनकमनगमें तेपणउपदेशेप्रजर  
में जेसोभावअंतरमेंहोये तेसोदरवनिपजेसोए पर एहलकणतेरदामकार न  
रफाटीनेथायेनार जेहनेअंतरधणोकलेश रुद्रध्याननेकालीलेश ५४ कंडुप  
नोछेधणोविकार स्त्रीयपुरुषसंभोगअपार वेजणसंलालवअतिकरे मदीन्मत्त  
होइनेफरे ५५ कामअगनअतरपरजले ज्यौंदारुनेअगनिमले इटतणोजेसो  
अवास तेसोकामतणोछेदास ५६ एहभावनरनारिजेह फरपाचोविदलहोय  
तेह एहवूंजाणीतपसाकरो सूधेमारगहोईसंचरी ५७ दोहरा उतरवाकणपार  
णो एकभगतएकवार एहविधतपसाजेकरे तेपहंवेनवपार ५८ एकदरवअ  
खूंणाडो अंतपानलेयेसाथ एअंबलश्रीजिनकह्यो बीजीतेवणकाथ ५९ जिंम  
विणकाथेंमोअधर मेहलेंकोएअजाण कालांतरेतहांशीषसे करेदेहनीहांण

६०। फरसां अने चरपरं। तीषां जे ये आणंद। उय सहित आं बल करं। ऐगीत पसान हेवं  
 ६१। एके आसगावां मजल। विगेन ही लव लेश। तेनी वी आजिन कही। आग मएऊ  
 पदेवा। ६२। एके आसगाजे रचे। पाठे जल नो त्याग। अथ वा एक समेल हो। एजित सास  
 न भाग। ६३। विषयार मरा ताजके। धर मन जांण इहार। जांणोति ममुख वावरं। साक  
 ल गं लेये नीर। ६४। जोला मन समर्के न ही। कांई न जांणो नेद। मायात पसु खन व करे  
 जिम अटवा मा हे धेद। ६५। उचर वा ब्युं न व फले। वरा मूले फल होये। चंद्र विनी जी  
 मजां मनि। कंथ विना स्त्री जोये। ६६। तिमत पसा मुख मो कले। मम ही करो विचा  
 र। जोयो मयाणे चंत सं। कस्युं करा व्युं ठार। ६७। चौपड। मम गुण। कहं मुनि मरके  
 रो पंथ। मुगत रमणी नोथाये कंथ। हं मूर पकडूं मम कृतं ही। ज्ञान वंत जाणो मन  
 मां हे। ६८। अवा वि स मूल गुण साधना। तेहत एका लूं विवरणा ना। पंच महाव्रत

सुखंधरे पंचसुमतिलाधेरुषीकरे दृष्टं षटां वस्यनितपाले रहा पंचेद्वीतेजातेस  
ही वस्त्रत्यागकरेतेसही वालअग्रतेराधेनही ७० मंजननीनवलोपेंकार जो  
मसयनकरेनिरक्षर जावजावदातएगोत्याग आहारपछेनहेपाणीलाग ७१  
जावजीवलगेपालिजेह साकनरसिधांतेतेह अल्पआहारतेठाडाकरें गिरि  
किंनरवनवाडीरहे ७२ अजाचिकनेरहेअबोल परिसोआव्येरहेअडोल लक्ष  
णसरिरेणदवाहोये वारजावनितनावेसोय ७३ चारितपंचमलेंतसमांहि ती  
नगुपतथीचूकेनांहे असंध्यातगुणेदीपंत मलमलांनदीसेवडुअंत ७४ धविर  
कल्पजिनकलपीजके दोईनगनरहेसहीतके शिषशाधाधिरकलपीहोए  
एकाकीजिनकलपीसोये ७५ धविरकल्पमूनिहोयेसराग जिनकलपीमुनि  
महावेराग निस्पेणमुनिस्वरजांण विवहारिमूनाकरूंवधांण ७६ रषीचौदउपर

नहंरती ॥ कयाठविगाथांनकतेहांथीति ॥ बगाबोलाव्योबोलेनहीं ॥ दीक्षविगाकबुयहे  
 नहे ॥ ७७ ॥ पंचगरासीनोजनकरे ॥ असूफ्तोकबूवंतनधरे ॥ सरडअनेकरडकपरम  
 रे ॥ दोयेदरवनेलानवकरे ॥ ७८ ॥ दांतविनाजेसाडोकरी ॥ जमेलापसीसांनाहरि ॥ अथ  
 वाससरासासुजेठ ॥ पासेवेवावडुकनिष्ट ॥ ७९ ॥ जमेरावमनआणीनेह ॥ पणकोन  
 वजांणोतेह ॥ साकजनएमनोजनकरे ॥ बचकावचकनवाजेधरे ॥ ८० ॥ जोतकनीम  
 तनहेतीथवार ॥ काडोकूडोनहेलगार ॥ मूरतसकनचितनबिधरे ॥ मंत्रयंत्रनवडो  
 राकरे ॥ ८१ ॥ गमणकरेजवछोडावाय ॥ अणबोलेरहेमृनिराय ॥ मलमलांणगात  
 रतसहोये ॥ वस्त्रतेलमेंणमेंसाए ॥ ८२ ॥ सरववस्तनोकरेसोत्याग ॥ लाजेबिजेदिन  
 नहेलाग ॥ गंमनातयांणीनहेलेस ॥ अनीग्रहएकथापाउतेस ॥ ८३ ॥ असंथभसंथ  
 ममनलाग ॥ विकथावचनकरेसवत्सग ॥ पंचेइनेमोडेमांन ॥ तपजपक्रियासोहे

वांन ८४ पहोर एकत्रिजेनिंदरा अलपत्राहारध्यानमुद्रा जेथानकहंसाजीवा  
ल तेथानकचोडेंततकाल ८५ मास एकउपर एकनदी जिनवांणानवलोयेक  
दी बालसजावीसूंअणबोल गणनासुंबोलेचिंतबोल ८६ चारहाथधरजोतोफ  
रे हंसाथानकथीधरहरे लेयेधरेतेसुंजीकरी पाणीदृष्टनदेखेकरी ८७ दोहरा  
एविवहारिसाकजन कल्याजिनागममांहे ऐंगथीअकृताजके तेसाकजननांहे  
८८ मूलाफलपाषाणफटक हीरादिकंचनजोए धूंघूचमूनाओरहंसवग सुगु  
रुऊगुसूतेमहोय ८९ ज्यौरजसोधेहंसपय कूतकपकजिनहोय जबकारजघ  
तचाहिये दहिमथेसडकोए ९० धरमतणोअरथायले तोसाकजनल्येदूठ ऊल  
काठबकाछोडदे मूलममस्तकमंड ९१ गुंणएकविसेआदरो अमिषअथाणोदूर  
दरशाणगुंणानिरमलकरो यहोवईरागअपर ९२ बारवरतसुंधरो प्रतिभो

बहोइग्यार एणहारितेजकेचले तेश्रावकअधिकार एव जिमवेधधरेसुरतागसु  
 त वलीबीबीगजसीह रामचतुरभुजमूगटधर त्योयांगीमेंलीह एध ज्योबूठास्त्री  
 परवसें वेसकरेमनलाय क्रियाअनुष्टकछूनहें आवकनामकहवाय एधचौ  
 पाई श्रावकजगनरनारिजेह क्षतरुषीकरआपेंजेह गरभमांदिथोगलिश्जाये  
 आगोनीचीगततेथाय एध नामेपुस्तकजाडेनरी आपेंधरचवाटमूकरी साक  
 नामलवेमूषएस्तं एणदाधेश्रागोयांमस्तं एध मूदनजांगेमनमेंएसा साकहो  
 येतोजावठकेसी एणोदांतेंवणमेधनधर्म आगोवहोलांबंधेकर्म एध विषया  
 रसनीउमगहती धरकांमेत्योभोजाजती कुलनीरिततजीकुंराकाज धनका  
 रणवडुआवेवाज एध घटरसभोजनस्त्रीनाभोग छोडीपुनंगववायोयोग म्  
 दरभजननकस्थोवगार दोभ्योमनत्रिमकडुतुधर १३०० आचारंगनवजोयो

रती एकरतवसंघलांक्रगती आचांवस्त्रनिरमलउर नवेवाडथायेचक्रधूर २ सरस  
आहारउपरमषवास आचांवस्त्रपेहरेंषास तनतातोदिननिद्राकरे स्त्रीनिकथाचंत  
मेंधरे २ एषटकरतवजेनरकरें शिवदोरीचढतांकातरें तपजपक्रियाकरेअपार  
एषटवानेथायेछार ३ पाटपलंगवसांणांकरे बेसणांपणबोहलांथाथरे त  
नमंजणदातणकोगला मंडणतेलघणीबहुकला ४ स्त्रीनुंअंगनरषेधणूं सर  
सआहारनेदजांमणूं कथाकलीलसरागीजणो तेपणकांनदेईनेसूंणो ५ व  
चांमणांदोयनेलांधरी सूर्येबेसैंधांतेकरी आचांवस्त्रमुखतंबोल ब्रह्मचर्यजाए  
इहबोल ६ उंनूपांणीकलयेजती च्यारघडीउपरनहेरती सीतलपांणीशावक  
जांण मऊरतउपरजावांहांण ७ स्त्रीपुरुषअनेतारीयंच पंचेंडीनीसंनासंच  
वेइंटीतेंडीजांण अलधियंचेंडीवधांण ८ मूरतउपरएताकह्या विषयारसमां

हेजाये वहा कुंडघडाने करवडा चोमासे महाधुरुषेनमा ए लेये आलेते हने  
 बडपाप कुंथुं नूंधरघालेश्याप मूलाचार अंगमंघरां हंमूरषमूषकेतुं नगां  
 १० दोहरा विषयारसराताजके तेनरदूषीथाहोय एगथीवाहाजेनरा गया  
 सोतनधनषोय ११ इतकुलकी करणीतजी उततजज्यो नगवांन नहेउपर  
 तलकातके ज्यो बधूलके पांत १२ मांहेनलाधेपें मरस पररूपें राचंत दीवा  
 जोतपतंगज्यो सपषादाकंत १३ धरमकरीकोनवसके परउपरमतजाये  
 कहाकरे जाववापडो सोकाठी आडाथाय १४ तवचितषो लित्रिषकहे सु  
 रुथे ठो कपानाथ विवरण करामूफने कहो तेरकाठी थावात १५ जेवटपा  
 रेवाटमें करेउपडूवजोर सोरठदेशगुजरातमें बडतकाठी थाचोर १६ तिंम  
 एतेरेकाठी था करे धरमनीहांग ताते कबुएणकी कथा क्कं विरोषवधाण

१७ जूया आलेश सोकै जय ऊकथो कोतक कोहै ऊपर बुधि अग्र्यां नत। अमने  
दोमदे मोहै १८ चौपई प्रथम काठीया जूया जांग ता मे पचवस्त की हांग प्रभुताघ  
टे मटे शुभ कर्म लोक मां हे निंघानो मर्म १९ कारत मटे धर मन वधाये धनना  
मी जूया री जाय बिजो काठीयो आलेश होये धर मवण जन धाए दोए २० बाहर  
मी एल होये सब अंग अंतर धर मवास ना अंग लोक थोक न घेते घणं ए आलेश  
महा अ सोहा मणं २१ उगाती सरो सोक संताप उदे होए जाव करे विलाप माथां  
हईया ना पीटणां आर डने रड करे अति घणां २२ ऊड फीर रोडे वाल हाथ पाव  
कूटे कपाल मूर घन वस मजे मन मां हे माथाये वत संघलं जाये २३ सत्पर को  
डा कोडी मोह काल गमावे एणी पर जोय कोय अण बो ल्योर हे सूजांग ते कहेह  
दयूं पथर समान २४ घणं रोये नव आवे कोय थोडे घठन फेरी जाये दिन दशयं

कर्मविः शिवायोनृत जिमतिमहंकालहवंत १७ सूतकपातकजेशरहोये धरमक्रियात्मा  
नकरेकोथे करेकाजजमेदोयवार धरमकरंतांजाणेहार १८ आंगनेनवधांयेनी  
र परधरजमतांथांयेमीर एकलजगानंदीसेवेन आंगंसुखधायेतसहेन १९ नय  
दोथोकाठीथोवधांण जेहनेउदेहोयेबलहांन औरकंपेथरहरेकाये विकलचंत  
कोकरेउपाय २० नफूरेबलचंताबद्धथाय उद्यमधरमरागमटिजाय वगधांत्  
मऊकथाबकवाद दोषणधसंनतवलङ्कअघाद २१ कूटपावदुहाचोपई हं  
चेंवांचेंमनगाहगही विकथाकरेधरमनीहांण लोकसहकोकहेएअजांण २२  
जवलगाजीवमगानईशाभांहिं तवलगाधरमवासनानांहें कतरहलबुवोकाधीं  
जरमविलसमेंहरषेहीयो २३ वाजीगरभवाईजोए राडवेडतेहांआंगंहोए धा  
दूरूपनरषेधरिध्यांन वणसेसुधबुधनेग्यांन २४ जेहांजरमतेहांसुसुनहेंआय

धरमरागनोत्रुटेवाक कोपकाठीयाः छेसातमा अगनसमांतजईशातला आ  
पपरबालेतिजदोये कसुंकरावुंजायेषोये ३५ लोकसांहिअपकीरतहोये  
केईवरसनोत्रुटेमोह लोषकोउजोतपसाकरे घडादोयेअंतरतेरहे ३६ कप  
णबुद्धिकावाअतिजोर लोमलहरमेंसोरासोर धनकारणादोडेदिनरात धरम  
तणीनवजाणोवात ३७ संन्यकाजकोयहेलोकरे हवडांनोमूऊनवसांअरे  
लोकसांहिममतापरकास ममताकरेधरमनोनास ३८ नमोठगअग्यानअगा  
ध जाकेउदेउपजेअपराध पापकरतोकरेकलोल हंसामेंअहनिशरंगरोल  
३९ पापकरतांसुषजोहोये तोएधरमकरेनविकोए जिहांअपराधपापलेसे  
ए जेंहांपापतेहांधरमनहोय ४० दशमकाठीयाअरमविलेप अरमेंअशुनकर  
मकोलेय घोटाउपरआदरकरे ऊगुऊऊदेवचंतमेंधरे ४१ अशुनकरमदुरम

कर्मवि-

तकीषांण हरमतकरेधरमनीहांण मगतपंथनीनपडेसुध वणसेगंनसुधनेबु  
 ध ४१ नंदएकादशमकाठीया आतमरसधीअलगाकीया सपनामेंदोडेदहंदि  
 शों काजअकाजकरेपरवशों ४२ मनववकायनईजडरूप बूजेधरमकरमघ  
 नकूप द्वादशमोअष्टमदजार नामेंअकररोगअधिकार ४३ अकररोगतिहां  
 विनयविरोध जेहांअविनयतिहांधरमनिरोध तेरमजोरकाठीयामोह विवेक  
 बुधनेकरेविज्ञाह ४४ धरमकरेवाउद्यमकरे तेणेसमेतेआडोफरे अविवेकी  
 नरपसूसमांन धरमरसनीथांएहांण ४५ दोहरा एहीतेरहकाठीया धरमसवे  
 लेयेंछीन यातेसंभारीदसा भोजेतेपरवीण ४६ एतेरेजोक्षसबल एणामूटके  
 नकोये सावधानथईचालसे तेनरसुधीयाहोये ४७ एहसुंणीशिष्यहरधरी  
 शगुरुछेसहीवात कृपाकरिभूजनेकहो उंडतणीकेजात ४८ अदंतशकत

४३

छेआतमा केणीपेरेडंडेकोई केणीपरवतसंगलूंगमे ठालीपोलीहोये ५० अम  
तवांणीगुरुकहे मूणोशिषसभानिसंक आपेआएडंडायगी काहूकोनहंवांक  
५१ चौपई त्रणदंडउएजेसोदाष सतरनेदजितसासनभाष अहनिशाएत्रुफनेउ  
पजे रांमनांसकाइफोकटनजे ५२ आपविचारकरोमनमांहे तोतूफमेंएछेके  
नांहे त्रणनेदसंमनलूटाय चतुरतकेसुंणज्योमनलाय ५३ पुदगलपुत्रकल  
त्रउपरें धनधंनचोपगमनधरे एहउपरमनअतिलेलाण कसेवधांणीधईपर  
वाण ५४ घाटांघारांमधूरांजांण कांमनोगमनकरेवधांण मायालोभकरेपर  
णांम मोहमगतमेंआठोंजांम ५५ एहपरिणामकरेदिनरात धंनधरमनाहोये  
घात प्रथमनेदरागएलह्यो द्वेषनावहवेंविजोकह्यो ५६ क्रोधमांनदुगांछाघ  
णी सोकसंतायमनअहनिशावणी दुर्वशाव्येअतिचंताकरे विकलधईनेदहंदि

कर्मवि-

जाफरे ५७ ऐंमदाकेबड्डहईडाभांहे मरीगतोहवेंवा रुथाय कोएकेहनीजोममस्या  
 करे देईकांननेचितमेंधरे ५८ निमासोउसासोघणो वेषजावगुवीजोअणो ती  
 जोनेदकडंमिथ्यात सुंणीयमकरज्योकेहनीतात ५९ स्त्रीपुरुषनपुंसकवेद वि  
 कारजावकरेमनषेद षोटाउपरआणेंप्रीत देवांकलगुरूएहीरित ६० होमजाग  
 यरुदेवीकंन ताउपरममअतिलेलंब मूवउतारणअरुतकही श्रीजोनेदक  
 ह्योएसही ६१ एहनेदत्रिजोमिथ्यात लूटयेमननीसवेआथ मनोदंडनोअलप  
 विचार आगमभांहेअर्थअपार ६२ दोहरा रागद्वेषमिथ्यातमन अहनिआ  
 रहेलंबाथ ताकोवतवगडेसही मनषजमारोजाय ६३ केश्यावरतीरयंचगत ते  
 भांहेल्येअवतार फरिशजनमतेहांलेथे केईवरसनिरक्षर ६४ वचनदंडजेजिन  
 कया नेदलडंएसात सावक्षंनएईसांनलो बोडयगईतात ६५ चौपई धरमना

सवचनमतकहो आयाछांडोओरमतलहो हंसावचनकहोमतकोए तेहदकी  
बहुअनरथहोये ६६ करकवचनबोलेनरजेह केईवरसनोओडेनेह परसंसा  
आपणाजिनकही कोडिनोनरदीसेसही ६७ नंघावचनकहेनरनार परनामल  
क्षेयेनिरक्षर होवतिकेदोयखपराकीध दंततकेपरधूलोदीध ६८ नंदकनरना  
राकरगही जाआकरीउसारेसही तेकारणजेनंघाकरे रतनडारकाचमनधरे  
६९ उपघातिमतबोलोकोथ तेहथीकरमबंधअतिहोये तापवचनबोलेनरना  
र आणपरबालेनिरक्षर ७० हाडामांहेखटकोघडे उंडाधीतरकाढीलडे धरमधसं  
ननीहोयेघात वचनडंडएपुरासात ७१ सातवचनएनधरांजाणा निस्पेधरमत  
णासहिहांगा एणोसातेवचनडंडाये दानपून्पतेनिरफ लघाये ७२ कधुंकरा  
व्यूथायेफोक एहवूंतोबोलेबडलोक तेकारणामुखमेंवूंकहो सुरवेसमाधइंशि

कर्मवि-

वृषुरलहो ७३ दोहरा वचनथकीनिरविषहोये समुदनलोपेकार जेमुखमेंअमृ  
 तश्रवे थेकांयेनिकासोछार ७४ जीन्यायेंधनसवहरे जिन्नायेतनजाये जी  
 न्यानअगुणीअवगुणी बंधववेरीधाय ७५ चडपथकीबूटातिके नालषमिं  
 मनलाय शरबूटाजायाथकी तेनवषमीयाजाय ७६ मेवामासस्त्रिंवरस  
 गोरसहेंबडमोल तातेजीन्यासरसहे जोकांइजांणेबोल ७७ चौधई हविंक  
 हंकायादंडाय नरनारिसूंणाज्जोमनलाय परशांणीनेपाडेकोए वेरलेयेद  
 शानवलगाशोये ७८ चोरीजेनरनारीकरे पापेपंडआपणोअरे घडलाकडने  
 डांणांराहु तेनरनारिहोयेवणलाह ७९ मैथुनमेवेडसेंकरे मेहलंपोतूपा  
 पेअरी परिग्रहपणशषेअतिजोर पापीपापकरिअतिधोर ८० आरंजकरेजेम  
 नउल्लास ताथेनीचगोतमेंवाच परजीवांनेताडेकोये ताथेरगपरोनवहोये

८५

८२ मज्जावेधविभूषणाधरं कायडंडमहातेसरं धरमध्याननीहोयनास आवठ  
पणनवहोडेयास ८३ दोहरा त्रयाडंडमननाकह्या सातवचननात्राण साते  
काथानाकह्या सतरभेदवतहांणा ८४ एणडंडेंदुशयामसी आगेंहोयेंनिरास  
वतसंघलोवगडेसही जेमययकांजीवास ८५ जिमसूनंपुरलूटतां नरहेंमालल  
गार तिमविवेकविनध्रांणीया तयजयसवेवेगार ८६ जिमकोएनरराजायह्यो  
लूटलीयोसबमाल बहूनाकेसिरकरकीयो ताकौकुंणहवाल ८७ रातदिव  
सतूफध्रांणीया डंडयडेहेजोर एहभवतं वतसबगयूं आगेंथायेसजोर ८८  
वारशतूफनेकहूं वृक्षानेकघटाव परिग्रहधीकेणंसुखलह्यो तेतुंमोहवताव  
८९ ग्रहश्रवासीसीहेला एकंगेंदुषहंत दुष्टपरिग्रहपापीयो सरवंगेंपीडंत  
९० जिमगिरषडलाकडसहीत तोश्रगनेंदाजंत षडविनामुंगरहोतो श्रगति

कर्मवि-

कायेंबलंत ए० जिमदोयपंषीप्रेमअति अमिषएकलेईजाये मंत्रातणीदृष्टेपम्यो  
 ऊडकेगावडुभाय ए० तवपंषीसोचाकरे एदुषद्येकंराकाज आमाषडोडअल  
 गोमयो लेईअमिषगयोभाज ए० तवताहेमाताजई गयोदोषविकार पाप  
 मूलएपरिग्रह एहनेंपनीधिकार ए० वडुरतिकेकानिधया मूरधरह्यालूंवाय  
 शीलवरतजेपालसे तेनरसुधीयाथाय ए० तवशिषबोलेउमगी जोडीहा  
 थहजूर शीलतणोवरणानकरो संरासांआरांदपूर ए० गुरुगरुयावलतं  
 कहे संराजोडोडजंजाल अलपकहंसवडोडके पणडेअतिहरमात ए०  
 चौपई शिषबोलेगुरुसंबडनांत शायलदोषसंराबानीघांत केमनलागे  
 दुःकरदोष केकायावडुकरतापोष ए० वचनअवणचहुपेघरां केपरि  
 मलकेंफरसेघरां पंचेदीयमांहेबलियाजके अंराकामीभोगीकहंतिके

द

एठ कुंठागतकुंठाइंद्रिनोवास कुंठापटरांगीकङ्कउलास शीयलदोषकेताकेह  
वाय तेसूंठातांमूकउलटथाय एण श्रीगुरुवचनविचारीकहे धन्यपुरुषजेह  
इडेगहे जिनवचनथागणधरलहो तामपरंपरसाधेगहो १४०० साधकवचन  
थापुस्तकवणी पुस्तकथीमेश्रवणेसूंठा शीयलतणागुंठानेनहेपार मूक  
मूरषनहेलगार २ शीयलतणागुंठावरणुंआज तेहकेहसूंमेहलीलाज दरी  
यातणोनवआवेपार बुधसारुहकेहविस्तार ३ अल्पमतीमेकांमनसरे को  
एनरस्त्रीएगथीनिस्तरें तेकारणामऊउमगथई एअणसूंहमनगहगही वृ  
तपजपसंजयसुधंधरे अडसठतीरथवडुपरफरे होमजागधनधरत्तेरोक  
शीयलविनातेसंघलांफोक ४ दोहरा दोयकांमीशभोगनी एपंचेमदमत्त  
एहाथीदूरगतके केथावरफलपत्र ५ सबहीथीरसनासबल एणसूंटकेन

कर्मविः  
कटक

कोय एणाथीवाह्याजेतरा गयासोतनधनषोये द् वाघसिंघगजसरपविष अ  
गनंबडधड तेसङ्कएचितमेंधरे पणएदुरवलागोहाड ७ सामंतशूरबलचकी  
हरी इंद्रचंद्रनागेंद्र तेपणकेंकरहोईरह्या एहथकीबलमंद ८ एणाथीकोयन  
निसस्यो एणसूंहोयहवाल एणाथीकीरतनवहोए एदूरगतकेमाल ए सतव  
रसनीडोकरी जरारोगसोरंग नाककानविननरषतां शीयलतगोहोयेजंग  
१० एहवातगणधरकही चतुरसूंगोएकचंत सहसत्रवारशीयलतगण के  
हसूंतेहविरतंत ११ श्लोकः त्रिजोगकरणात्रिच सोजादेचितजादिकं अष्टा  
दशासहस्राणि शीलानिकथिताबुधैः १२ चौधई देवतारीयमनषतेजांण  
लेपकाष्टअनेपाषांण एच्यारेनांकसुवधांण पणथेसूंणज्योचतुरसुजांण १३  
सनवचननेकायाजांण एहमोकलेधरमनीहांण एतीनेधोगणाचार लेषेकर

तांथायेंवार १४ करतकरावतश्नूमोदना तिगुणावारकरोएकमना एमकरतांठ  
तीसेजया इंद्रोपंचगणातेकया १५ एसासतसरवालेहोये आंगेलेषूकरसांजोय स  
रीरनिससधाकरे सणगारादिअतिमनधरे १६ सेरागहासंससर्गजघणो विषवाट  
सरिरमंडणो परवविलेस्युंतेचितरमे समरणास्त्रिनुंमनमेगमे १७ मनंचंतादशापुरा  
होय मंडादेइनेलेषूजोय एकसहसअठसतहया लेषूकरीकहाजुजूया १८ चंता  
परवदनजेकही दरशाणावांचाबीजीलही अंगअरतअसोहामणी अंगदाहमेचो  
धीजणी १९ मंडागनिशरिहोये मूळउतपतिछवीजोये मदीन्मत्ततेहोयेअपार  
पणाकेहनीनवमांनेकार २० मुक्रमोचनअठेआठमे प्राणसंदेहएनदमेगमे ऊ  
सासानिसासाघणा एदशालेषेपुरागणा २१ एदशागणालेषेकीजोये अजांमंडी  
वलिदिजाये सहसअठारसिधांतेकया लेषूकरतांपूराथया २२ दोहरा सहस

कर्मविः

अठारशीयलतणा दोषकह्यामनलीण नरनारिजोईचालसें तेजाणोपरवाण  
१३ लाषदोयेवेइंडी नागोटनोनहेंपार एकसंगमएताकह्या जीवहणोंनिरधार  
१४ सरवंगोंपंचेंडा मनधहणांयेनेह वणसानेजीवकह्या अंतरमहूरततेह  
१५ दोयघडीमेंघाटकबु उतकृष्टएजाण एकसमोएकावली लघुमहूरतवधा  
ण १६ जातएकबुएकहे त्रयोवरणवधांण नवेधांणहेतेहने असंख्यातनी  
हांण १७ परतकृपापवलीसुंणो आंधदाघसेरजेह जीतेहनीदृष्टंपरुं दुख  
पावेसहीतेह १८ मलीवस्तुपापडवडी फोडासाकरचंग सडलोकजाणोंस  
ही वणसेंसंगतरंग १९ ताकारणपातकघणं एनणुंसनाहजूर एहथकी  
अलगानया तेनरकहियेसूर २० सीषवलतंनणोएसूं श्रीगुरुदोषअपार  
कृपाकरिमूफनेंकहो किंसचालेनरनार २१ केणीपेरेंएदोषवारिए केणीपेरें

होयुं निरोग केणीपेरिंवाडनिवडकरुं किंणीपेरिंसाधुंजोग ३२ केणीपेरिंभव  
सागरतरुं केणीजुंबूकाय अंतयांतभोजनतजी कहोतोरडुंवनराये ३३ नगनरडुंव  
स्तरतजी कसिकरनाडुंकाच कहोतोकोटरमेंरडुं छोडीतेसंघलीलाछ ३४ कहो  
तोदेशाअटणाकरुं नसंभोषरडीदेह कहोतोकरतंबोगही जायुंतेधरतीछेह ३५  
गुरुगुरुयामनउंमगी बोलेअमतवांण साकरअमायतकेतजी तेहथीअधि  
कवषांण ३६ सावधानथईसांजलो नरनारिणकचंत सहसअठारसीयलत  
णी वाडकरुंवरतंत ३७ जोलाशिषसमकेनही नगनरहेंसामाट गिरिकिन  
ररहेंकडुनही नहिकीपीननहिंटाट ३८ जेषधरुमंकडुनहें कांइंतजीअंतयां  
न तीरथनाहेंकडुनही नहीवाकोरकेवांन ३९ अरथतजीभावटकहो बडु  
परतनपरजाल जोतेरामनवसनहें कांइफेरावेमाल ४० मनरायमनमेरसम

मनकायरमनसूर मनधीमाधवदूरहें मनधीहोयेंहजूर ४१ मनलोनीमनलाल  
 ची मनकामनाअपार कतयारीगसूतज्यो घटेवधेसोवार ४२ तवशीषवलते  
 समकहे बडपरकरीरलाड कयाकरिमूकनेकहो क्योकरकीजेवाड ४३ चौपई  
 तवगुरुबोलेवचनरशाल स्रंगज्योसडकोवालगोपाल मनमानेतेहडडेधरो  
 एस्रंगीकांमअपणूकरो ४४ जेनरनारिजेहवीमति धणूकहेनवमेहलेरती जे  
 हवीजेहनामनमेवात जांगोपनीपढेलेजात ४५ जावेस्रंगतांगुरुनेपास ते  
 तावेरहीएमनउदास एस्रंगतांमननिरमलथाये कांमकरमतेसवेमटिजाय  
 ४६ बडविधजोरकरेमनमाये सामगरिविनसमकेनांहि विषयारसगुरुतार  
 नसकें धणोग्रंथजोमुषसंबके ४७ गुरुगोशंणीदोयेजेजारहें एमकतारंमुष  
 ईमकहिं पंकेवस्तरलपट्युंजके पंकहीमांहिपधातिंतके ४८ जिंमक्षेयेतिमल

पटेषणं ज्ञोयो कलगतं पेषणं अवणो वचनं शृणो जौदूर शीलवाडथाये चकचूर  
धर्ष नयणा कपोलह मुखह विलास बलिश्चेसेते हनेयास नवरसवाले नणो व  
भाणा शीलतणी होये निस्पेहांण ५० इरथकी जे श्राणो बाज जेलां रहे की मसी  
जेकाज शृणी शबद मनथाये धूसी दोसे प्रत्यक्ष एराक्षसी ५१ घणूं सं कहिये  
वारो वार शीलबलीने थाये छार शीलतणो जो श्रथी होये तो ए दरशण मतिनि  
रधी जोये ५२ कोयक पुरुष ऐंम बोले वात स्त्रीनि संगर हो दिन रात जो आपणो  
मन होये हाथ तो चालो धंगा नि साथ ५३ महापुरुष जे श्रागें थया स्त्री सोमी कां  
वन में गया जेलां दोष न लागे कां हिं जिन वचन को ई माने नां हि ५४ शीष वल्लंतं म  
न करे विचार एह विना न वसरे लगार जेहां जायूं तेहां श्रागें धडी पाव पटंतो सा  
ह मां जडी ५५ अंन पांन लेवूं एह हाथ शीयल सांमी किं मघालूं बाथ कही श्रीगुरु

कर्मविः

हंकेणाविधकरुं कंयाविधकरतांहंनिसरुं पई दोहरा जोवनवेअतिरूपस्त्री  
संपूरणासगागार आनुषणाअंगंवणं कंठकावलहार ५७ आंगणवालक  
पसूयनां आहारलेवावेटजाये अनयांतदिनआकलां बड्कविधवलघांधाये  
५८ स्त्रीयतकेअंतकरगही पसूनणेंतेजाये रमकमकर्तासंचरी तडफावे  
ठांधाय ५९ जोयोतेहनीनजरकहां अनउपरएकचंत औरकीहांमननविफ  
रे जांणोएवरतंत ६० एणादृष्टेंतुंसाधसाध जोचालचीसूजांण चतुरविचारो  
चंतसूं एहमारगनिरवांण ६१ एविधजेनरचालसें तेहनेंनवनीअंत दृष्टीचा  
लाजेहमेंघणा तेनवसांहेरलंत ६२ जेंमनरतेंमस्त्रीजांणज्यो तेमाहेंसंदेह जो  
शिघणणीविधचालसो तोभूगतरमणीफललेह ६३ तवशिघमनमेंहरषी  
यो मध्करवचनअतिलाये जेयाहेपड्डाकही तेभूजकरोपसाथ ६४ जिमर

इतिमश्चधिक केहतनशवेअंत सरवछोडमूफनेकहो वाडतणोवरतंत द्य  
अमतवांणीगुरुकहें स्रणोचचुरएकचंत गणधरमुषथकीलह्यो तेकेह  
स्रमनघंत द्द अंतजीवणायीतस्या वलीतरसेंनरनार जनममरणनादु  
खथकी छोडेंएनिरक्षर ६९ गाथा जोयोकोससाइंदिनुमायेसमणधम्मोय  
अणोणोहीअज्जो अहारसहसशीलसहसाई द्द चौपई मनवचननेकाया।  
जांण एधारराघोचचुरस्रजांण करतकरावतअनमोदना एतगणाकरजोए  
कमना द्द लेखकरतांनोवेलहं संजाव्यारतेआगंकहं आहारनयमैथुन  
परिग्रहकरे एनवलेईवोगणाधरे ७० छतीसेपरसाईमलहं पंचेदीहवेआगं  
कहं फरसरसनेद्याणजकही चकुसोतेंदीमेलही ७१ छतीसेपंचगुणाकरो  
सतएकअसीमनधरो जतीयतणादशधरमसुजांण तेहतणोहविकरुंवषाण

कर्मवि-

चर्य

७१ प्रथमगुणकमानो कह्यो मानरहीतमार्दवगुणलह्यो स्त्रयालपणोश्चार्जवगु  
णहोय चौथोसह्यतेनरधीजोये ७२ क्रोधलो जटालीसूचकरो छठोसंयमस  
षरोधरो तपसातमोकरोमनरंग सगतत्यागमतकरज्यो जंग ७३ आकंषासं  
कापरहरो ब्रह्मदशमेमनधरो एदशालक्षणाह्येसाधना जीवतणीनकरेंविराध  
ना ७४ एसीसतकरजोमनरली विजामेंडीदिजेवली सतश्रवारकह्यामेंगुणी  
मूकमूठमनमेंकह्युएनवणी ७५ प्रथवीश्रपतेजनेवात प्रत्येकवतस्यतिनी  
जात साक्षरणाविकेत्तवयहोये इंद्रोपंचगणोसहकोये ७६ सतश्रवारजेया  
हेंनण एदशगणाकरीमेंगण एतेषूंजेदूंकोजीये वलिधिजिमेंडीदिजीये  
७७ सहसश्रवारणोपेरिहोये नूलावूकाकहजोजोए सहसश्रवारवाडजिनक  
ही मूकमूरषमेंकह्युनरही ७८ नवेवाडतोसडकोकहें आवकनरनारिसह

लहें एनगोंगुणोंसहस्रमनरली सहस्रवतारमेंनवसांजली ८० सदगुरुस्तंमूक  
नेटाभई शीलतणीवाडएकही एवचनमेंकीथोप्रभांण कसुंवरणवतेमे  
लीकांण ८१ एहवातनरविरलालहें अणगमतांनेहईडेदहें एककहेजेएत  
मजणपुं आजपेहल्युंमेंनवसांजल्युं ८२ कथाकलोलस्तंणीमेंघणी एहवातमू  
कहईडेवणी एसुणतांहईडंशोलस्तं कीएननणोतेकारणकसुं ८३ साषपूछे  
गुरुउतरकहें उंअज्ञांनिकछूयनलहे पंडितनरनेवसणीहूया डोलीग्रंथक  
सुाजूजूया ८४ सूत्रसिधांतपुरांणकोरांण विषयारसमेंकायांवषांण ग्रंथ  
तकेऊगुरेंडोलीया विषयारसनाछांटादीया ८५ कौतकेनरनारिवहूमली  
गुरुगोरांणीलागेंमनगली वसणीनरवांचेथईसूर साधरमातेजांयेदूर ८६  
विषयारसनेकारणवली विकथावांचेडोलीमली छंदचोपईनेरासडा रागरं

कर्मवि-

गश्नेनासडा ८७ एह्रगतनेभाथीजोर एजगातांदलहीएकवोर एसंयातांनर  
सांदलमले कांभीतरतांहडांकलमले ८८ एककहेंदाडोकीमजाये एकक  
हेवेवांतसोहाये एककहेंबाहिरकेहांनमं एहसंयादाडोनिगसं ८९ कोयन  
रसुतोनेंदरनेरं रशीयातिहनाहासाकरं एहवातकहंपकमीपलो सूतोनरतेसा  
मूंजलो ९० सूतांएकवहेअतिघोर जागेचौदतगोहेजोर तेकारणनरसूतो  
जलो जागेहंसानोहेनलो ९१ तेहकारणविकथानसोहाय हलूयूकरतांभा  
रेथाय एजगातांकोएमूकमतिवडो एणपनरथानिभ्येपको ९२ चौदक्षरवक्षरीजे  
ह एणविकथाथीपडीथातेह जिनवचननीलोणकार निगोदमेंपहंतानिरक्षर  
९३ शीष्यसूहेमनशांणीनेह मूकनेमोटीहेसंदेह शचांवस्तरनिरमलत्रर वेष  
विचूषणमेसूंहर ९४ सरसआहारनेस्त्रीनोसंग गीतरागनसंयाज्योरंग दरव

९२

बलसंचंतमधरो कंठलगेजोजनमतकरो ए५ कंठकारणाश्रमणपरहरो  
एहकष्टकंठकारणकरो कंठकारणादूरबलहोईफरो कंठकारणाइंद्रीसूलरो  
ए६ तनमेलंवस्तरविनचोर तलीश्रांगलीक्षीजोमतकोर कंठामूफफलकंठ  
थांतकवास तेमूफनेंकहोलीलविलास ए७ श्रीगुरुबोलेअमृतवांश रेवा  
षतूकांएअजांश शीयलतणागुणनोतहेछेह हंकिमवरणंश्रांशानेह ए८  
शीयलतणोमहिमाजिनकह्यो स्वरपतिहीपणापारनलह्यो अलपकहंवीजं  
परसरी नरनारिसूंणज्योचितधरि ए९ उंगवाततेअलगीकरो कामकाज  
हरिंपरसरो आलसमेहलोभाहसधरि एकमनांसूंणज्योप्रविया १५०० डाकि  
णाभाकियासिकोतरी नूतप्रेतअनेव्यंतरी षविसपणाजायेंवणासार जोटेंग  
पणाथरसरेअपार २ जकराक्षसदेवीव्यंताल छलछीइमनआवेकाल वाघ

सिंघते होयें सीयाल वसीयरफीटी फुलांमाल १ शीयलेंगतउपरें अमवार समुंद  
 तरिनेपहूंचेपार शीलैराजा अविमले अगनसेतितेकोनविवले २ कामणभी  
 हणसर्वगलिजाये मंत्रयंत्रणयासिद्धथाये गडगुंबडरांघणविसराल वाय  
 चौरासीनेकंठमाल ४ मनेपातचौरासीहूर कोडकंष्टसबजांयेहूर रगतपीतपी  
 डनवकीये फोडाघोसवाडनवहीये ५ दुष्टरोगनवशावेंतर शोकसंतापनहोये  
 मरीर चोरचरडनवघालेवाथ अटवीनूलांमालेसाथ ६ अलूनी स्त्रीनेंतरत  
 सुषथाय आस्रतणोनविलागेधाय विषअमृतहोयइश्रतिरमाले ओचेशायुन  
 ऊडफेकाल ७ पारेक्षतरसायगाजीये शीयलवंतविनतेनवहीये रसकूपनेपो  
 रोसीजके शीयलविनासहीनमलेतके ८ कामधेनुघरआविकरे व्यंतरकामकाज  
 सहीकरे शीयलेंघरणाहोयेसूजांण वेद्येबोलेअमृतवांण ९ चावलदालहतघेवर

घोल मोदकमेवामुखतंबोल आसनत्रयीअनोपमरूप मानमहोतकरेंतेडीअप  
१० जनममरणानादुषधीटले शालेंमुखसंपतसवमले देवलोकशिवपुरअवतार शालें  
आयुवधेनिरक्षर ११ दोहरा चेलाशुखवांछाकरे तोएमारगशुद्ध इरगतनांदुखतवटले  
तोछोडेइरबुध १२ सरवधरमउपरमुगट शालकहेसङ्गकोथे नरनारिजेपालसें तेस  
हीमुषीयाहोये १३ वरधमणीभातागणो लघुपुशीवधांण आयसमांणीवेहतमणी  
एमारगनिरवांण १४ एहनावहइडेधरो तोसमरणानीशुद्ध मुगतिपंथपरगटहसी  
तोछोडेसहरबुद्ध १५ वेदपुरांणकोरांणमें बोधमगतिजिनभाग शालसङ्गको  
वरणावं शालवडोवैराग १६ शलातिकेकमलरची सिंधासणातकाल मुराचीर  
अष्टतस छोटपोलनरथाल १७ केईमनषनेंमुखकाथो केईपहंतापरलोक  
केइएणथीपोचडे नरनारिनाथोक १८ शीयलतणागुंणसांजलो रसनाकरिवि

कर्म विः

चित्र जगोसंगेनेमनवसे तेहनोजनमप्रचित्र १७ एहसंगीसिषहरषायो तन  
ह्योरेमांच अबमनसापूरीजई राजवडाविशंस २० कलजगदापर अबक  
लजगदापरतणी वातकरोगुरूराय परोतसेठकेणीविध्वले सुप्रदुखकेणी  
परधाय २१ चौपई विनयकरीशिषमनउद्यस्यो शीयलसंबंधमूकहइडेवस्यो  
शोरजांतसुखंतलपास तेमूकनेंकहोलालविलास २२ ब्रह्मसजावेवाकेलास  
हृदयाचलपारवतीपास एछापूछेकंणकंणजांत कांइखोलापारवतीनाथ  
२३ कांयेंहापरनीएबारित कहोकलजगतीकेसीएकरात कथाकरितेकहो  
वरतंत मूकमनसांजलवानिषंत २४ दोहरा परमविलावाकेलाशामें जर  
मतिमिरकबुनाहें बेजगामनउमगथई हापरदेषणजांहे २५ रत्नत्रयत्रिभू  
लशही गंगालेहंडमाल डमरुनादवजायके पेषमनजपाल २६ चौपई एक

दिव्यारथशंकरवली पारवतीवेठांमनरली एमकरतांएकतरपेधीयो पुन्यवं  
तघरधनदेधीयो १७ बडजणबेलेंमलीयाथोक षमाशबोलेंसड्ढलोक बेहंपासें  
नरफालीबांह फरेमलयतीचड्डंटाभांहि १८ पारवतीतवप्रड्डेईजा मुजसांसांजां  
जोजगदीजा एहसंगलांभांहेमोटीजेम बीजानरतेनीचाकेम १९ स्रंणपारवतीशं  
करवांण कांनुगापटवारीजांण सेवपटेलअनेपरक्षान बुधवंतनेचधुरमुजांण  
२० राजाजीमनकरेंविचार गांमनगरनीस्रंणोभार आलावरतेंणकस्यासचंत  
पेहस्यावागादीथारवंत २१ सेरक्षानसुंभाहरेकाज गांमनगरनंस्रंणुराज अन्या  
रोतांतोतोडजो वृगलीजनरांभांनमोडजो २२ करोजतनपरजानांघरां सड्डय  
लोककरेंजांमरां एमकहीनेस्रंणोभार चोरचरडनीलोपाकार २३ न्यायनी  
तेंतेसंचरे कांइअकरनवीनवकरे लांछलंछतेकरनविधरे वांकाजडतेसुधकरे

३४ दांमकांमनीयगानहेंकमी परनारितेमातासमी सहलोकनीपूरेंआसुषा  
 योषरचोकरोविलास ३५ कोडिनोनविकरेअणाय कांमक्रोधनोफेडेवाये  
 पुरवपुंन्यकरिजोगवे सुषेसमाधेसङ्गजोगवे ३६ आलेवरतेंगलेषूंकरी मेहले  
 पोत्रंपुंन्येनरी देदेकारकरेदिनरात अन्यातणीनवजांगोवात ३७ अंतसमेसुषा  
 सगाधरी धरमरागआगेंसंचरी आसगावेसगामेहलेहसी करेशरतीमननीषू  
 सी ३८ देवांगनातेआवेपास नाटकमांडेसनउद्यास परजातापीहरथेहता कां  
 मरागसेवोभावता ३९ ह्येपापारवतीवारोवार तेहनासुषनोनआवेपार एह  
 वातहापरनीजांग कलजगनुंहविकरुंवषांग ४० राजजारस्येजेतले आं  
 षेअकांमहयोतेतले आयपीथारोनवशौलवे सनेपाततणीपरवके ४१ मू  
 ङआगेंसङ्गतरासमांत करुणादयानहेंकडुदान क्रोधमांनमायामदनह्यो

सातवसणमेंनितपरवक्षो ४२ भारोवांभोधरोवषार धनकारणनवजांणोसार  
लावो२मुखशोचरे धनकारणनेंदरमेंफरे ४३ लूटालूटकरेदिनरात मेहल्या  
नानवजांणोवात परधनजांणोतेआएणु जायेतेजांणोबाएनु ४४ वांशंवांटालो  
पारही अन्याउपरवेगीसही डुरबलनीनवजांणोसार लेतांनेंकनकरेनिवार ४५  
कामभोगमनमौहंगमें परदारसूरंगोरमें आगरअजारामेंमनसोये बेवोषांतन  
वाईजोये ४६ बुलछिडमताकतोफरे लावो२मुखशोचरे माहंतोलीधासुंकां रे  
म धषतोईरहेआवोंजाम ४७ रामनांममुखकहुनवलवे फोकटमालाकरफे  
रवे सारणमेहलोफेरोंट फेरोंकेहलूघांणाघूंट ४८ बालदआणोवेगोंकरी  
तमनेंमोजआपसुंफरी एमकरतांवालोकुंतवा तेहांअकरतेकीधनवा ४९  
केहनैदेवानोनहेंलाग धरमांहेघालेसातेजाग वामणजाटकोईनआवजो क

कर्मविः

प्राणतके काले आव्रजो ५० ऐंमकरतां वेवो चोतरे न विरते के दे करे लोहारं गारां क  
 लाल घां चीपें जारां लषवाल पर वजरजागसावुसं काम करे उतावल जो डोदां म  
 फरती रगयो चौवटे वेपारी तोवां नो घटे पर करन जो ए विसवा विस दृष्टे दासे कां पे  
 सीस रातां लोचन को पकराल रे प्राती न पडे कपाल ५३ दोहा न्याई परा दुर्बल अठे  
 तेहनें नवगणे कोये ऊवतके सब लोय छे ते पाछे म हू कोये ५४ अहनिश ऊवा  
 भेरहे ऊवाही में क लोख सब लान बली जे करे ते जाये डह बोल ५५ चौपर तेह  
 ना पाप तणे नहे पा ५६ ते पा पाछे कहो वीचार एहवां करम कमायां कर ते हथी  
 श्रीक जाये हर ५७ लोक तणी नवजां रों मार वली जइ वेवो राज दुयार नो ज्ञाम  
 हिना लोपीरित जगवा करसं करे अनित ५८ को ए अरदास करे कर जो ड तासं  
 वात कहें मूष मोड दां मरा जथे लो मे जाये त्पार पछे वात ए घाय ५९ ऐंमकरतां

एई

जइबेतीघेर पडणतणीतेमांडीघेर मेळ्यो लोकनगरनीबहु नांनोमोटीतेम्योस  
हू पाण अमकुंआयोअमकुंदयो एतीवस्तअमारालेयो करीयोकांसहमली  
बहुत लेसोलवादीकरांसहूत ह्य लेयोकेनहेतरकरुंहवाल रूपैयेथोअरदा  
नोमाल हालकलोलकरिअवधूर धरमतिकेकीधोचकचूर ह्य परजानेंदुखदे  
येतेघणों जीअएकहूकेतंनणं मांजारीपरथईपरवस्यो जांणोरहूसथईअवत  
ह्यो ह्य अनरथकरिउपायोमाल केपरघरकेउंडोघाल मनमेजोमुषवथणकठो  
र पापापापकरेअतिघोर ह्य मुखआगलसहूजीजीकरें हईयामेअनेरुंधरे ए  
हनरदुषबडकवपांससे दृष्टेदीतेसाताहसे ह्य दोहरा एमअनरथकेताकहू के  
हतनआवेपार पापकटंबनेकारणो नवजांणीपरसार ह्य सांजसमेपंधीमली त  
रुयरलेयेविमरांस नौरनयेदहूदिशागए कोइकेहनेनआवेकांस ह्य तूएपापक

कर्मवि-

टंबडो स्वारथकेरेकाज दिनदशाआव्यावलशावा तंकायेंआवेवान ६७ पुत्रक  
लत्रधनकारमं कोपणतेरोनाहें शरसांभिजमरोफरे सूर्येनवंतोकांइ ६८ पूर  
वपुंन्यपसायथी उत्पमकूलत्रवतार मूलगमादीचालीयो कोयनआव्योत्तार  
६९ चौपई तवराजामनयभावसी नांनोमोटीद्योभागसी बांधोपकभ्योगाठोक  
स्यो तातातवाउपरलेईधस्यो ७० लूडूधरनेंधोडूधरं दायुंदुखतेकेतंनरं प  
रजानातोपसासराप वालोपोलोकीधोआप ७१ धनसंघत्तराजाघरिंजाय चाल्यो  
मूरषवामीषाय ऐमकरतांजराशकसी आविविद्योमननववसी ७२ एताघरमें  
हेतूटीतरंण जमराजामोकलायाज्जंण दासेदततेबाहांमणा हडाहडकरताते  
घणा ७३ मोटूंमस्तकलांवादांत रूपकरूपदासेवज्जभांत पगपोहलानेधेंट  
लवाल रुंडमंडदासेविकराल ७४ पीत्वाशांघनेलांवाकांन मोटूंघेडनेकालूंवा

न घडघडहसेअंगवांभणा केईकालंबाअसोहांभणा ७५ लोहतणीलावीकरेगही  
इजेहाथतेकातंसही एकेनरजाल्योगावडी विजोबेवोशाताछठी ७६ धीरोडुफनव  
मेहलूंघडी वेगोंकाओदेईअंकडी हंकाहंकशबदतेकरें कायरनाहईयांथरह  
रं ७७ भोगरतणीदेयेबहमार जाठीघोदांतणोनहंपार वेगावीलाकरेंअपार  
लेईचाल्याजमराजावार ७८ ऐमकरतांपोहतोजेतले जमराजावीलोतेतले रे  
मूरषसंकरतोकाज स्वामिकेहतांशवेलाज ७९ लोकांमतेकीयाहवाल फोक  
टलूटलीयोकांमाल वरतलेईनेजांज्यांघणां रगतसंथ्यांवांभणातरणां ८० एह  
नरमलोकीकहेजोये निहस्येजोतांभारगदीये धरमतणूनवजाणोंमूल षांड  
वरांसेंधाएधूल ८१ अंबतणूंउपांभूंमूल मूरषरोप्योशकधतूर एहनेलेईने  
नरकेधरो तमामेंसगतहोयतेकरो ८२ सत्यरकोडलाषतेवली छपनहजा

कर्मविः

रकोडतेमलि जाजोमावोत्यांहांदुषसहं चंदसूरलगेतेत्यांरहें ८३ तेदुखनोन  
वआवेणार तेतोणछेकहोविचार तेकारणहंसामतकरो एहजाणीनद्यापर  
सरो ८४ स्तूणपारवतीकलजगवात एहवाकरमकरेदिनरात तेदुषयोका  
लिनिकसें केआंधेकेट्टोहसे ८५ केकोठीकेमूरखवांमणो दालिज्ञानेदया  
मणो तेहनेउदेनहोयेधर्म आभोवोहलांबंधेकर्म ८६ दोहरा एहवातदेषीस्तू  
णी पारवतीदुखधाय रथवेवांबेजणावली फरिक्केलाभोजाये ८७ तवपारव  
तीईआमन मनमेंकरेविचार आपेवित्तूतेकहं परनूनहेलगार ८८ एमकेती  
परहंहयो हजानआवोपार सावधंनेथईचालसें तेहनेअलपसंसार ८९  
विषयारसनोतांतणो जेतोउसीत्रटक सिधगतमारगचालतां कोयनकरेह  
टक ९० शीषपूछेमननीरली मूर्खजयोआणंद पाछेनामरहेजके केसेक

मन

९८

होजिगोद ॥ ए१ ॥ नामतणालोजीजके ॥ कुलमेंकरेंअणाल ॥ पापपून्यमननवगणो  
गुंथेवह्जंजाल ॥ ए२ ॥ नामरहणकेकारणो ॥ अरंभकरेअणार ॥ पापकरतो नव  
डरे ॥ नवमांनेजिनकार ॥ ए३ ॥ उंभकरेधनसवहरे ॥ जिंमतिंमराषुंतांम ॥ तनघोये  
तेहकारणो ॥ नमेतेअणोतांम ॥ ए४ ॥ नवअणोफलतेहनो ॥ कांयेलहेनरनार ॥ क  
हेंमाधवमेलोहसे ॥ केनवफोकटहार ॥ ए५ ॥ काहंदिनकाहंसमे ॥ करुणाभावस  
मेत ॥ सुगुरुतांमनिरनयकरे ॥ नविकजीवकेहेत ॥ ए६ ॥ जीवडुविधसंसारमें ॥ अ  
थिररूपथिररूप ॥ अथिरदेहधारीअलय ॥ थारअगवांनसरूप ॥ ए७ ॥ चौपई ॥  
अविनासीजायदेहवांनास ॥ नेलाअथातबनामविनास ॥ देहधरितवदीनोनां  
म ॥ जातजातकेहवांणोतांम ॥ ए८ ॥ करिपापतेअगतेंगयो ॥ पाछेंजसबोत्येंक  
हाअयो ॥ पापकरतेपोतेसहे ॥ जसवालाकोएवांटनलहे ॥ ए९ ॥ सगातकेसह

कर्मविः

षावा मले ॥ दुखवांटणप्रणकोनवजले ॥ जिमबुषयातफलफललाग ॥ पंथीलोक  
 नलहेभाग ॥ १६० ॥ रातदिवसरषवालंकरे ॥ स्तनमेहलीपाउनधरे ॥ पातफलफले  
 जागांवांम ॥ कोईनआवेआवोंजांम ॥ २ ॥ तिमसुषवोदिजासेसह ॥ दुखआयेजोगव  
 शीवड ॥ पाछेबुरोकहेसहकोये ॥ आगेदेवतणांमुषहोय ॥ पाछेइजलोजलोस  
 डकहे ॥ करणासारुमुखदुखलहे ॥ लोकबक्यासारुनवहोये ॥ करसेतेजोगव  
 सेसोए ॥ ३ ॥ दोहरा ॥ हाथाचठीयेगणनके ॥ दयादलेछोडार ॥ खानरूपसंसारसवे ॥  
 नंसरहोऊषमार ॥ ४ ॥ जीवसंडजीव्युंगमे ॥ मयूनवांचेकोये ॥ दयादानथीमुखह  
 से ॥ हंसायेदुषहोय ॥ ५ ॥ कीडीऊंजरएकहे ॥ घटकेवलसंम ॥ ताकारणतूफनेक  
 हं ॥ तूकांयेविणासेकांम ॥ ६ ॥ अनादिअनंतनगवंतको ॥ मजसवजरकीलीक ॥  
 नवसागरमेंबूडतां ॥ तेतारणतेहतीक ॥ ७ ॥ उयजतवृणसतवारमहे ॥ ताकोजसज

एण

गणिक ॥ पंचदिवसफूलोफरे ॥ करत अथीर अलाक ॥ ८ ॥ थिर नरहे नरनां मकी क  
थाजथाजलरेष ॥ एतेपरमिथ्यामति ॥ ममताधरेविसेष ॥ ९ ॥ कोर ॥ मिथ्यामति ॥  
मधरेसदाव ॥ कगतिमांहेतेपाडेरीव ॥ वहीवहेअगोंवहेजोए ॥ नामरहणकुंतनध  
नषोए ॥ १० ॥ वारश्कहेमेंनागवंत ॥ जगमेंमोटोइंधनवंत ॥ जगमेंसदाकालरहोनांम  
असाममताअतौंजांम ॥ ११ ॥ जेहनोफलजोगवेविशेष ॥ जोतजोनमेंनामअनेक ॥ अ  
कधतुरानेतेंबडा ॥ बाउलबोरअनेषेजडा ॥ १२ ॥ अंबारांगणकेलहकेर ॥ केईमधुरा  
नेकेईजेहर ॥ हयगयगधसिंहसायाल ॥ कोयशीयलाकोयकरेअपाल ॥ १३ ॥ गाय  
नेसयंधानीजात ॥ स्तरमानवछेंनवनवजात ॥ केईसूषायाकोयेदुषीयातांम फरि  
फरीलहेअनेरांतांम ॥ १४ ॥ नांमअनेकलहेजगमांहे ॥ अलषपुरुषसूंमेलीनांहिं ॥ द  
रवाणदेवदमोदरनहे ॥ नवश्मटकांमारसही ॥ १५ ॥ दोहरा ॥ बोलीउठेबहूबके ॥ स्तरा

कर्म वि०

एतनामकीहाक॥सहीशाबदसदगुरूकहें॥एहप्ररमरूपधमाक॥१६॥बाईवाम  
एनरमली॥सोचकरिंविचार॥मनमानेसोनांमदेये॥ऊंगपुरुषऊंगानार॥१७॥जे  
सेनांमबोलावतां॥नांमधरेसोजांण॥जोयोसयांणोचंतसूं॥फोकटकरेंवषांण॥१८॥  
नांमअनेकसमापडुऊ॥अंगअंगसववोर॥जाकृतंअपणोकहें॥सोअमरूपीओ  
२॥१९॥सवेया॥केससीसनालजोहवारुणीपलकनेनगोलककपोलंगडनासांमु  
खश्रीनहे॥अधरदशनहोठरसनांमसूंठांतालूघंटकाचकूषकंठकंधाउरजोनहे  
कंधकटीजूजाकरनाजीऊचपीठपेटअंगुरीहथेरीनषजंघाथलमोनहे॥नितवि  
चरणशेमएतेनामअंगनिकेतामेंतूंविचारतरतेरानांमकौनहे॥२०॥दोहरा॥नांम  
रूपनहेजीवकी॥नहेपुदगलकोघंड॥नहेसुनावसंयोगको॥प्रगटप्ररमकोझंड  
२१॥सूंणोसयांणोचंतसूं॥सकरोमांनगुमांन॥जेनांममदेमोहोरह्या॥तेकलजग

मंस्वान ॥ २२ ॥ रामजननकौशलसी ॥ जसकारणधननाष ॥ देहमगतमेंमनवसें ॥  
अंतषाषकीषाष ॥ २३ ॥ एहनांमनिरनयकथा ॥ कहीसुगुरुसंक्षेप ॥ जेसमजीनेस  
रदहे ॥ तेनरासुरनरलेप ॥ २४ ॥ तवशीषमनआणंदीयो ॥ म्हाणसदगुरुकीवांण  
मूकमनसांशोउपनो ॥ तेजोमगवांन ॥ २५ ॥ वरणच्यारतेकहोकहा ॥ मूंसखमां  
नकौंदोये ॥ वैदकहाजोतककहा ॥ वैष्णवकेसेंहोये ॥ २६ ॥ कंगलकृणकंग  
चाखते ॥ कंगकरियातसहोये ॥ जेसेंतेकेसवकहो ॥ तेसमजावोमोहें ॥ २७ ॥ ब्राह्म  
णयथा ॥ चौपई ॥ सांतदांतवृत्तपुरणकरें ॥ पूजकनंदकसमकरधरें ॥ प्रतिग्रह  
करथोडोग्रहें ॥ अगमअगोचरमेंमनरहें ॥ २८ ॥ क्रोधलोमठालीसोचकरें ॥ आष  
णआरासमकरधरें ॥ जतनतकेजावनाकरें ॥ कंचनपाथरसमकरधरें ॥ २९ ॥ हे  
मादयादमतपसाकरें ॥ आचारग्यांतविष्णानमनधरें ॥ एनवगुणधूरणजबहो

५॥ नवसिरतवगलेघालेंसोए ॥ ३० ॥ एसैगुणोंब्राह्मणजेहोई ॥ तरणातारणातेसमर  
 थहोये ॥ अलपनेदब्राह्मणनोकह्यो ॥ दोगारसीविलासथीलह्यो ॥ ३१ ॥ दोहरा ॥  
 जोनिहस्येभारगगहे ॥ रहेंब्रह्मगुणलान ॥ ब्रह्मदृष्टीमुखअनुभव ॥ सोब्राह्मण  
 परवान ॥ ३२ ॥ चौपई ॥ कृत्रीयथा ॥ अष्टकरमकोतांतोतोडे ॥ इंद्रोपंचतणामुषमो  
 डे ॥ गणानषडगदाभाकरषेडो ॥ क्रोधीतस्करनआवेनेडो ॥ ३३ ॥ अन्यातणीवातन  
 वजांण ॥ ब्रह्मदेवअतरएहवांन ॥ मनभारेताकोंफरमारे ॥ अंतरजोमतकेरषवा  
 ले ॥ ३४ ॥ दोहरा ॥ कृत्रीषेरकरेसदा ॥ वेरकरेनहेकोय ॥ आपसमाणासङ्गगणो ॥  
 साचाकृत्रीसोथे ॥ ३५ ॥ जोनिहस्येगुणजांणके ॥ करेशुद्धविवहार ॥ जीतेसेन्या  
 मोहकी ॥ सोकृत्रीनूजजार ॥ ३६ ॥ वैश्ययथा ॥ दोहरा ॥ कर्मकथाटहषीलके ॥ क  
 रुणागादीडार ॥ आगमअरथपलंगहे ॥ पाछेवस्तुविचार ॥ ३७ ॥ चौपई ॥ तन

वस्तु

मेंवांणकरीकसकाटे॥ परकादोषतिकेसवगाडे॥ तनमनतंतताकडीतोले॥ सं  
मनांमनवजायेजोले॥ ३४॥ गुंणगाहकसेतीवोगावे॥ बारवरतकरियांणोजावे॥ स  
त्यशब्दतकेमुषजाघे॥ अशुभवस्तुआकुलतानांघे॥ ३५॥ दोहरा॥ पेटपसारोछो  
डके॥ करेआपणोआजु॥ समकितगुंणानइसाटवे॥ छोडीकलकीलाज॥ ३६॥ पाप  
करतोघरहरे॥ अहनिशरहेषुस्पाल॥ एसागुणानामेसदा॥ ताकौंकहोबकाल  
३७॥ जोजांणोव्यवहारनय॥ दृष्टीव्यवहारिहोय॥ सुभकरणीसुरमिरहे॥ वैशपक  
हावेसोये॥ ३८॥ सूर्यया॥ घोठीपलेगहे॥ जूवमाहिदिनगत॥ हसाकरतोसुषलहे  
दयातणीनहेवात॥ ३९॥ देहमगनमेनितरहे॥ पुत्रकलत्रपरिवार॥ धंधाउरधषतो  
रहे॥ लक्षानोनहेपार॥ ४०॥ अंतरदृष्टीजागेनही॥ दोडेमनतूषार॥ देवगुरुसमजेन  
ही॥ तेकौंपावेपार॥ ४१॥ धर्मध्यानसमजेनही॥ नहेलहेजिनमाग॥ सुगुरुवचन

माने नहें ॥ ते कौं सवेसर ॥ ४५ ॥ ताको वडो अजाग ॥ ४६ ॥ जो मिथ्या मत आदरे ॥ राग द्वेष  
 कीषाण ॥ विना विवेक करणी करे ॥ सुद्वरण सो जांण ॥ ४७ ॥ चार जेद करतूत सुं  
 उंचनी वज्रल जांण ॥ श्रीरवरण शंकर सवे ॥ जो मिश्रित परिणाम ॥ ४८ ॥ नाम इंती  
 वोको नहें ॥ करणी निची होये ॥ ता कारण बुझने कडं ॥ तरु देविचारि जोये ॥ ४९ ॥  
 चौपई ॥ इति वात तं निश्चे जांण ॥ जोयो वेद परांण कोरांण ॥ उंचनी वज्रल सुं मत  
 जोए ॥ हरकें जे सो हर का होये ॥ ५० ॥ मुशाल मान यथा ॥ श्रद मयी रये कं वरज के  
 अंतरण करहें नरतिके नलेये व्याज हरं मनषाए ॥ परनाश सब जांणों माथ ॥  
 ५१ ॥ न्यायत के नर सुखे करे ॥ फरजन वेशी सम कर धरे ॥ नहें जी जायो नहें जगात  
 जुज उपत निज वरो जात ॥ ५२ ॥ भारव चन मुषये नव कहें ॥ रात दिवस नर डर  
 तोरहें ॥ अलष पुरुष नित हइ डे धरे ॥ ती नवषत बंदगी करे ॥ ५३ ॥ दोहरा ॥ डरक

रणीडरपरमगुरु॥ डरकरणीमेंसार॥ धीजीडरेसोउगरे॥ गाफलषायेंसार॥ ५४॥ चौ॥  
मूशालमांनमुसावैश्राप॥ सत्यसबूरीकलमांपाक॥ षडीनछेडेपडानषायें॥ सोमु  
शालमांनजस्तकौंजाये॥ ५५॥ दोहरा॥ गर्इवस्तसोचेनहें॥ श्रामचंतानहोये॥ रोजी  
लषिमिटेनहीं॥ विजतसाफलहोये॥ ५६॥ जेमनमूसेश्राणो॥ साहेबकेरुषहोये  
ग्यांनमुशालागहीटके॥ मूशालमांनहसोए॥ ५७॥ एकरूपहेडुतरक॥ द्वातीयदज्ञान  
हैंकोय॥ ५८॥ मनकीदुविधामांनके॥ नयेएकसौंदोय॥ ५९॥ दोयेनूलेजरममें॥ करेव  
चनकोटेक॥ रांमरांमहिंदुकरहै॥ तरकसलांमशालेक॥ ६०॥ एनकेपुस्तकवांव  
के॥ उहापठेकतेव॥ एकवस्तकेनांमदोये॥ जैसेसोजाजीब॥ ६१॥ तनकीदुबधाजेलष  
रांगवारगीचांम॥ अंतरनयणोंदेषीये॥ घटघटकेवलरांम॥ ६२॥ वैदयथा॥ चौपई॥ मो  
हवेलकीजडउघाले॥ दशालकणीदशामूलोजावे॥ कंडपमनसेतीलेईमारै॥ ध्यांन

कर्मविः

अगनसेतालेईजारे ॥ ६२ ॥ ह्रमतयांनचोपाराषावे ॥ अजगभरपदतेनरपावे ॥ कर  
 मरोगकीप्रकृतिआवे ॥ जथाष्यातओषदफरमावे ॥ ६३ ॥ उदेगतिकीनाडपहिवां  
 ने ॥ साचावैदभोरेमनजावे ॥ पंचवरतकाषारषलावे ॥ उदरकरमगांठगलिजावे  
 ॥ ६४ ॥ क्रोधलोमटालीमनगावे ॥ बारवरत विधधरणाजाले ॥ ग्यांनगोदीकावृक्षाचूर  
 णा ॥ साचावैदजथाएषरणा ॥ ६५ ॥ जोतकयथाचोपई ॥ लगनवरतमनमज्जरतयासे  
 परिग्रहजारउतारेतास ॥ क्रोधछेदटीपणाकरधरे ॥ लोमजानीवारतवउतरे ॥ ६६ ॥ धर  
 मधजाधरपवननिरोध ॥ नमवादलदिशाकरेविशुद्ध ॥ त्रणगारवनोकरेविचार ॥ सु  
 गुरुवचनकीअमृतधर ॥ ६७ ॥ सहजचंद्रगरुयाईछोड ॥ पंचेदीनांमानमरोड ॥ सु  
 षचंद्रमासरारंगल्यो ॥ समताछोडवज्रफलफलयो ॥ ६८ ॥ नवरस्रूपग्रहपहचान  
 बारगशिजावनामान ॥ सेहजेसूकरसाधेजोये ॥ जोतिकशयकहावेसोय ॥ ६९ ॥ वै

सवयथाचौयई॥ संवरधांगतकेकरसाहवे॥ रागसोईवैरागअलावे॥ जापअजपा  
अंतरजावे॥ अविनाशिकलकेगुणागावे॥ ७७॥ क्रोधादिकसंशानिजोडे॥ पंचेंडि  
काभांनमरोडे॥ एतवजाकेवसहोय॥ वैष्णवनांमधरावैसोय॥ ७८॥ अंतरलीनकंठमा  
जवणाई॥ पारानेकनउतरेजाई॥ नगकोअंततिकेनरकीनो॥ नगतनामताकार  
णदानो॥ ७९॥ दोयरागजगजगमाहेजांणू॥ एकसरागवैरागवधांणू॥ इनीयांरागत  
केसवफाका॥ वैरागरसलागेनीका॥ ८०॥ धनसंघलोजगपोतेणयो॥ वैरागरस  
जाकेमतजायो॥ सरागसंनवसाजोकीनो॥ वैरागाताकारणदानो॥ ८१॥ दोहराति  
लकतौषमालाविरत॥ मतिमूडासुतवाप॥ एहलक्षणस्युवैष्णव॥ समजैहरिय  
रताप॥ ८२॥ जेहराघटमेंहरीलषे॥ हरावांनोहरीबोये॥ हरिछीन२समरागकरे॥ वि  
मलविष्णवसोये॥ ८३॥ सुगुरुवचनसुंणोथकी॥ गथोअरमसवजाग॥ चित्तअविना

श्रीमां हिंरह्यो ॥ कमतकरिसवत्याग ॥ ७७ ॥ नामलीयेनवराचीये ॥ गुणरावेसहको  
 ये ॥ एकराजापरजातको ॥ हजोनरपतहोये ॥ ७८ ॥ एकघरजाकेरहे ॥ तेघरदोलत  
 होये ॥ एकघरबेसेजोकदी ॥ त्यागकरेसहकोए ॥ ७९ ॥ मायगायनंदुधजे ॥ लीधेपंड  
 पोषाय ॥ पयत्राकथोहरतयं ॥ लीधेजावतजाये ॥ ८० ॥ नामेमाधवसहकहे ॥ करणी  
 करमेंफेर ॥ एमस्तकभुगटधरे ॥ एकघररभारेटेर ॥ ८१ ॥ परजापतसहकोकहे ॥ मन  
 नवलहेविचार ॥ एकघरगायंवरगुंजता ॥ एकघरगाधंछार ॥ ८२ ॥ नामथकीनव  
 नास्तरं ॥ करततेफलजोये ॥ चबुरविचारोचंतसूं ॥ बीजोतसोफलहोये ॥ ८३ ॥ एमउ  
 वांकेतांकहं ॥ जात्रएकमूषमांहे ॥ कलजगनंकारणएसूं ॥ नामेसहधजाये ॥ ८४ ॥  
 साधुनामसहकोकहे ॥ एतोमूफनसोहाय ॥ एकनरबेसेपालधी ॥ एकराजछोडीव  
 नजाये ॥ ८५ ॥ हरकहेसंणोमांनवी ॥ कोमतकरजोरास ॥ जेसागततेसीमत ॥ जोग

ते विसवा विस ॥ ४६ ॥ तव शीष मन मे हरषीयो ॥ सुंणी वचन रसाल ॥ मुफ मन सां सो उए  
नो ॥ नां जो दीन दयाल ॥ ४७ ॥ कंठ मूल ॥ शीष पूछे खांमी कहो ॥ नरु अ नरु विचार ॥ कं  
ठ मूल कंठा पाय छे ॥ कंठा पूं हवे नरु कमफार ॥ ४८ ॥ शान व छोडी कंठा गती ॥ कंठा क  
ल लेये अवतार ॥ कंठा कष्ट शगो सहे ॥ ते मूफ कहो विचार ॥ ४९ ॥ गुरु गुरु या वल तं  
कहे ॥ सुंणी शीष रुदे मफार ॥ शय शयण मन थकी ॥ शयें करो विचार ॥ ५० ॥ सुख  
दाये सुख भोग वो ॥ दुष दीये दुष होए ॥ एक वार दुष जे देये ॥ फरिद शान वली शी सोये  
ए ॥ शान व प्राणी न बल छे ॥ शगो सबल सहास ॥ सबलान बली जब हसे ॥ तब वेर  
लेये विसवा विस ॥ ५१ ॥ जो शीष सुंणी वाषंत छे ॥ तो कल काठ व का छोड ॥ धर मयं  
थ परगट हसे ॥ न करपी यारी होड ॥ ५२ ॥ कल जग में क गुरु घणा ॥ जे स्वारथ के मी  
त ॥ धर्म पंथ कंठ ह करी ॥ अहनि स करे अनित ॥ ५३ ॥ एक मनां थई सां बलो ॥ मूफ

कर्मविः

कोंकह्योजिगोंद ॥ वसणीनरदुष्यांमसें ॥ ग्णंनलहेंआणंद ॥ ए५ ॥ चौपई ॥ कंदमूल  
 नोकसूवषांग ॥ हेंगोसनासहमेहलीमान ॥ खांनमांसतेरातंजांण ॥ नहकरें  
 तेषराअजांण ॥ ए६ ॥ धोलुंनंबूकछेसहा ॥ उधवप्रहेंवाकोरकही ॥ धीलुंगधवनीलं  
 राउ ॥ कालुंकागतकेजेधाउ ॥ ए७ ॥ उदरमांहेताष्टेजेह ॥ नीचीगतकेनरकेंतेह दां  
 नपुंन्यतेनिरफलथाय ॥ मनषजभाशेफोकटजाय ॥ ए८ ॥ जेनरलागाजीन्यासाथ  
 ताकोमनकौंआवेहाथ ॥ धांतकरीचोलेकातली ॥ हिंगतेलनेसबरसमली ॥ ए  
 ९ ॥ जोजनकरतांलागेगली ॥ रसीथानरकहेलावोवली ॥ मूषउतरतांलागेवार  
 वलीजलीनेथायेछार ॥ ए१० ॥ तेतोसहूपहेचांगोंसहा ॥ जीन्यावसतेजांयेवही  
 एणजीन्याथीबडुदुखसहें ॥ एणजीन्याथीमुखनवलहें ॥ ए११ ॥ दोहरा ॥ एणजी  
 न्यानेकारणो ॥ उंचनीचअवतार ॥ हणएकसूषनेकारणो ॥ कोयेजयहंवेधार ॥

१०५

जिमबोजदायोहमालसिर॥परवीदीनोदांम॥बोजडारफरिवाहीस्यो॥पूवणको  
नहेकांम॥३॥तिमकाथारीपोटहं॥बांध्योदेवअलष॥मनसादहंदिस्फेरवे॥  
केरोनजायेपरष॥४॥भाडंतेतांकायकौ॥जेनरकरेउफांड॥जोनजोनमेंदुषस  
हं॥नवनवथासेंजांड॥५॥भाडंतेतांस्वादको॥जेनकरेनरनार॥परनवतेसुषी  
याहसी॥पांमेंनवनोपार॥६॥कोषई॥लुंणीजेराषेवडीवार॥विगाराविणधरें॥  
पार॥शोलयोहरउपरदहीरहै॥त्रिडुंतीनपूठेकीडाकहै॥७॥लुंणीदोयघडी  
जवजाय॥जीवअनंतातेहजमाय॥मूरषलोकनजांणोंएहं॥शोगंकरमबंध  
येकिहं॥८॥सांजलवहमूफएनसोहाय॥आलसकीधेबडुदुखथाय॥नरना  
राबडुराषेजेह॥कहंयापहंराज्योहवेतेह॥९॥शोगंनवतेविधवाथायके  
सुषतेहनेनदेयेनाय॥कूषनफाटेनहोयेपूत॥जोफाटेतोबेटीजूत॥१०॥केदा

साकेनिरधनवास ॥ रोगनछोडेतेहनोयास ॥ धरूं कहेतो कछूनवणो ॥ कष्टकरेतो  
 एनवमले ॥ ११ ॥ एहवूंजाणी रोषो मती ॥ नहेतोसहीजासोऊगति ॥ करसेतेजोग  
 वसेंसही ॥ एहवातमूजश्रीगुरुकही ॥ १२ ॥ आपसवारथमलायासऊ ॥ मायबाप  
 औरबेहनीवड्ड ॥ खारथलगंसनेहसऊकरें ॥ नहेतरएदुसमनहोइकरें ॥ १३ ॥ मा  
 यबापजेपासेहता ॥ धरणीवेटासननावता ॥ वेरितेश्रतिवालाथाये ॥ वालातेमू  
 जनैनसोहाये ॥ १४ ॥ वसमोरूपजोयोसंसार ॥ बेहनीतेहधरनइछेनार ॥ जातजा  
 तसबमलायापूर ॥ कोईश्रीवाकोईश्रीकधतर ॥ १५ ॥ तेकारणसङ्गकोकारमं  
 एसऊजाणोसोयणासमं ॥ केहनीमायाकेहनीश्राथ ॥ अंतसमेकोईनश्रावेसा  
 थ ॥ १६ ॥ आगेंहोथेंनरकेरसवही ॥ तेनरगोतांषामेंसही ॥ जीवतकेपरमेस्वरक  
 ही ॥ एहवातमूजश्रीगुरुकही ॥ १७ ॥ जीवतिकल्यानिवगत ॥ साषपूछेंसवसेली

मांन ॥ मूकसांमोनांजोभगावांन ॥ मरीरघरबोडीचालीया ॥ कंणमारगथईनेहा  
लिया ॥ २० ॥ कोयकहेंमूषथीनिंसेरे ॥ नयणथकीपियांणोकरे ॥ कोयेकहेंकांनेव  
हाजाये ॥ नाकेंथईनेनिकसेवाय ॥ २१ ॥ अक्षोद्वारपंथकहेंचले ॥ एहबोलमूककी  
जोवले ॥ केमपूछेशीगौतमस्वाम ॥ कांडउतरदीक्षोश्रीगाम ॥ २२ ॥ कृपाकरिनेमूक  
नेंकहो ॥ हृदयकमलथीराजेंलह्यो ॥ कंणग्रंथथीगणधरकही ॥ मूकसांबलवोउ  
लटथई ॥ २३ ॥ लोकलवेतेमूकनसोहाये ॥ राजकहोनिस्पेथाय ॥ तेकारणामूकक  
रोपसाये ॥ सांनलवामूकउलटथाय ॥ २४ ॥ दोहरा ॥ अमृतवांणीगुरुकहें ॥ सांनल  
वडएकचंत ॥ मूकनेंपणश्रीगुरेंकह्यो ॥ तेहकहंसंणामंत ॥ २५ ॥ वाणाअंगअने  
विषे ॥ गणधरकह्योविचार ॥ अल्पविचारकहंसंणो ॥ पणग्रंथेअरथअपार ॥ २६  
अनंतसकतछेआतमा ॥ तेकिंमनिकसेवार ॥ चौदलोकएकएलकमे ॥ फरसते

नलागोवार ॥ १५ ॥ अनंतबल आदें यहे ॥ सकततणो नही पार ॥ पुदगल संगो निब  
 लछे ॥ धर्मकरंतां हार ॥ १६ ॥ चौपड ॥ एकराहडे पगनेतले ॥ परमहंस थईनेनें क  
 ले ॥ जांधयकीनेंकासें जाव ॥ एहपंध्यएचालसदाव ॥ १७ ॥ शीजेपंध्यअछेनामनो ॥  
 परमपुरुषचाले एकमनो ॥ नषमिषसंकेलीपरदेश ॥ चलेहंसतेबालीवेस ॥ १८  
 रोमरोमथकीतिंकसे ॥ धारपंचमोमूकमनवसे ॥ पंचपंध्यएजिनवरकह्यो ॥ १९  
 सिद्धांतथकीमेलह्यो ॥ २० ॥ दोहरा ॥ तवक्षीषमनमेंहरषीयो ॥ धन्यश्रीगुरुनीवां  
 णा ॥ रुदेकमलसातलभयो ॥ २१ ॥ एहवधांण ॥ २२ ॥ वज्रतंशीषजणोएसं ॥ वात  
 कहोलवलेश ॥ ऊंणामारगथीऊंणगति ॥ करेजीवपरवेश ॥ २३ ॥ विचारीवलतं  
 कहे ॥ श्रीगुरुअमृतवांण ॥ सनासडकोशांजलो ॥ केहसंतैहवधांण ॥ २४ ॥ चौप  
 पगवालोतेनरकेंजाये ॥ पेहलेआदसातमेसमाय ॥ जेहनेरुदेदयानहेरती क

शयपापपह्लंचेकगति ॥ ३३ ॥ जांगथकीजोतनिंकसे ॥ गततारयंचेंतेनरवसे ॥ ३४ ॥  
थवापांणीवहनीकाय ॥ दोयवनस्पतीगतमंजाय ॥ ३५ ॥ चौपगपंधीजलुविमल  
दंद ॥ जुनपरिउरपरकह्योजिगांद ॥ जांघतणोएमबोल्पोछेहसी ॥ नाजतलीगत  
हवेकेहसी ॥ ३६ ॥ नरनारिचनेवेदला ॥ पनरत्रीसजोगजुगला ॥ इयनदीपअंत  
रजेनरा ॥ शुजाशुभकरमेतेषरा ॥ ३७ ॥ शुभकरमधीउंचौजोये ॥ अशुभकरम  
धीनिचोहोये ॥ दशमाद्वारतणीकहंवात ॥ कोकेहनीमतकरज्योतात ॥ ३८ ॥ वं  
तरनवनअनेजंबका ॥ परमाक्षंभीने ॥ जोतका ॥ कलमधीविमानलोकांत ॥ ये  
पवेकअनुतरडंत ॥ ३९ ॥ एदशजातदेवनाकही ॥ करणीसारूजांयेवही ॥ दया  
नावजेमाहेजेसो ॥ तेषानकथईवासोवस्यो ॥ ४० ॥ रोमरोमनोकहंविचार ॥ मृणो  
सयांणोरुदामघार ॥ जोतजोतमेनेलीनइ ॥ शुभवासनाअवेसही ॥ ४१ ॥ चौदलो

कउपरकोकहें॥ भूगतजीवतेषांनकरहैं॥ औरभांगानिकोकहैं॥ अणामतांने  
 हड्डेदहें॥ ४१॥ चौदरजुउंचोलोगजोये॥ तीनसेतेतालीसहोये॥ उपरअधकेरत्रेतो  
 कह्यो॥ नषत्रिषमेतेव्यापिरह्यो॥ ४२॥ स्वरगमत्युअनेपाताल॥ पुरुषाकारतणो  
 आकार॥ तेंहांजीवसवपूरिरह्यो॥ वचनसयाणांथामेंलह्यो॥ ४३॥ दोहरा॥ जांणू  
 हंणूतकेकई॥ कोमतकरजोरास॥ केवलवचनतकेषरां॥ जांणोविमवावि  
 स॥ ४४॥ लोकबोकनाभूषथकी॥ तेकेमजांणूसाव॥ मूकमनमेंअसाजईघरी  
 जिनागमवाच॥ ४५॥ चौपश॥ तवसिषबोल्याहड्डेहसा॥ एहवातमूकमनमेंवसी  
 श्रीगुरुमूकनेबोल्याषरुं॥ अणभारगथीइनिस्तरुं॥ ४६॥ इंद्रियंचदमोगुंणावंत  
 कांमक्रोधनोआंणोअंत॥ दृष्टातजोलोअपरहरो॥ अलपज्ञाहारअंधमतकरो॥ ४७  
 रहोएकलानेउदास॥ मोहमयणानात्रोडोपास॥ अरतगैदुध्यानमतकरो॥ कल

काठबका<sup>ते</sup>परसरो ॥ ४४ ॥ मांनगुमांनतजोअहंकार ॥ सातलरहोतजोहंकार ॥ रागधे  
षउन्मूलोधीर ॥ हासीनामतकरजोवीर ॥ ४५ ॥ जावतणीनितनयणाकरो ॥ विक्रा  
थाचारतकेपरसरो ॥ ४६ ॥ दुषदुषवेमनजांणोएक ॥ पूजकनंदकदोयविवेक ॥ ४७  
कंचनपाथरसमकरधरो ॥ पठणागुणाणासवपरसरो ॥ सेहासनमनरहोउदास  
मनमतधरजोकेहनाआस ॥ ४८ ॥ मूलचांपददृष्टआसणाकरो ॥ साधंसणाध्यांनमन  
धरो ॥ चंदवठोसूरउतरो ॥ मूषमणापूरचंतमनधरो ॥ ४९ ॥ सांतधरनेसमकितधरो  
रांमनजनत्पारपछेंकरो ॥ जापअजपासूंमनधरो ॥ दोयअहरनानिरनयकरो ५०  
चेतनमनमुखरहोप्रदीणा ॥ अंतरदृष्टीधररहोलेलीणा ॥ अवणोसूंणाजोअनहद  
नाद ॥ नागोन्नरमगयोविषवाद ॥ ५१ ॥ ब्रह्मअगतअंतरपरजली ॥ कर्मकाष्टजाये  
सबबली ॥ पुंन्यपापदोयकीधंराष ॥ पुदगलतेमनजांणोघाष ॥ ५२ ॥ लेंगवाचनाते

गलगई अंतरदल अति निरमल नई ॥ गुणतेर मोच्यो तस हाथ ॥ मूगतर मणी सुंधाले  
 बाथ ॥ ५६ ॥ दोहरा ॥ स्वरत अगत ज्वाला जगी ॥ समकित ज्ञान अमंद ॥ हृदयक मल  
 विकसित नयो ॥ प्रगद्यो मज समकरंद ॥ ५७ ॥ दृढ कथाय हि मगल गई ॥ नदी निरज  
 राजोर ॥ क्षरक्षरण वही चली ॥ शिव सागर उर ॥ ५८ ॥ विगत वात प्रभूता मटी ॥ जग्यो ज  
 थारथ काज ॥ जंगल नूमि सो हा मणी ॥ नृपवशंत के काज ॥ ५९ ॥ नवपर नति वसुध  
 नई ॥ अष्ट करम वनराये ॥ अलष अरूपी अतभा ॥ घेले ते वण साय ॥ ६० ॥ रागते राग  
 अलापीयो ॥ जाव नगत बहूतां न ॥ शिफेर मरमली नता ॥ हाजे दशा विध हां न ॥ ६१ ॥  
 दया में वाईर सभरी ॥ तप मेवा पर धं न ॥ शील सलिल अति सीय लो ॥ संयम डागल पां  
 न ॥ ६२ ॥ गुपत अंग पर गा सीयां ॥ वण पुस्तक निरवांण ॥ अकथ कथा मुख जाधीयो  
 स्वरता थाप सुजांण ॥ ६३ ॥ अदभूत गुण रक्षीया मल्या ॥ अमल विमल रस येम ॥ मू

कतरंगमाहिष्ठकरह्यो ॥ मनवावाचानेन ॥ ६४ ॥ परमजोतपरगटभई ॥ लगीहोली  
कीआग ॥ आवकावसबजलिबुझ्या ॥ गर्इतताईजाग ॥ ६५ ॥ प्रकृतीपंचासीलगरही  
वचननिरकरसोये ॥ नाइधोईउकलनये ॥ फरिनवषेलेसोये ॥ ६६ ॥ चौपईआव  
करमसुईणीपरभडो ॥ ब्रह्मएकनोपठणोपठो ॥ ओरजांतसीधनहेलंगार ॥ पठ  
णागुणालोकाचार ॥ ६७ ॥ एहपंथनरजेवालसे ॥ मृगतमांहेतेवासोवसे ॥ एह  
सुणीमतकरजोरीस ॥ एहपंथडेविसवावीस ॥ ६८ ॥ कांइअनुभवकांएइष्टबल  
नणूं ॥ कांइपरवचनथकीमेंसुणूं ॥ अदकौउचीजेकेहवाय ॥ तेपातकमूफनि  
रमलथाये ॥ ६९ ॥ परउपगारनणीमइंकह्यु ॥ एसुणतांहइंमूंओलह्यु ॥ एनणतां  
पातकमटिजाय ॥ एसुणतांमननिरमलथाय ॥ ७० ॥ एसुणतांभारगपांमीए ॥ आ  
डाअवलानवधंमीए ॥ एहपंथनरचालेजेह ॥ निहस्येसुषीयाथासेंतेह ॥ ७१ ॥ दोहरा

घटमेंदंडतनीकटहै ॥ बाहेरदेषूंदूर ॥ एकपलकएकदरसतां ॥ करेकरमचकचूर ॥ ३२  
 तेहदेवजंगारूपछे ॥ जंगानामेअनूमान ॥ मरुनेपणसांसोअछे ॥ तेजांजोअगवां  
 न ॥ ३३ ॥ नामकथन ॥ सोहंहंससोहंपरमजोति ॥ परमहंस ॥ परमनिरंजन ॥ परमानं  
 द ॥ परमेस्वर ॥ परमात्मा ॥ परब्रह्म ॥ परमतत्व ॥ परमइष्ट ॥ परमपुरुष ॥ अविनासी  
 अरूपी ॥ अजतिराक्षर ॥ निगम ॥ निरंजण ॥ निर्विकार ॥ निराकार ॥ निरदेह ॥ निरेंद्र  
 नीरेंदु ॥ विदानंद ॥ विदूष ॥ चेतन ॥ अनंतगणन ॥ अनंतबल ॥ अनंतवीर्य ॥ अनंतसू  
 ख ॥ जगत्रयस्वरूपकोदेषणाहारोहं ॥ शुद्धनिर्मलस्वभावमेरो ॥ शुभाशुभरहितो  
 हं ॥ निर्मलस्वभावमेरो ॥ निर्मलसास्वतोहंपदमेरो ॥ असंख्यातप्रदेशोहं ॥ त्रिलो  
 कप्रमाणोहं ॥ निराबाधोहं ॥ ज्ञानसमुद्रोहं ॥ टंकोतकीर्णोहं ॥ टंकाविणानियनो ॥  
 सास्वतोहं ॥ अरूपीप्रतिभामेरी ॥ स्वयमेवनीधनी ॥ अनादीहं ॥ रागनहं ॥ द्वेषनहं ॥ म

दमछरतहें ॥ मोहनहें ॥ नीर्मलोहं ॥ एकोहंसर्वस्वरूपप्रपंचप्रकाशोहं ॥ अमृतीं अं  
तरजांभी ॥ अनर ॥ अमर ॥ अलक्ष ॥ सप्तवसणनहीं ॥ सप्तजयनहें ॥ संसाररहितोहं  
आठकर्मबंधनक्षतीवेगलो ॥ तूटेनहें ॥ नाकनहें ॥ जीभानहें ॥ काननहें ॥ विकार  
नावनहें ॥ एसीहृदयकमलवांध्योहंस ॥ जेपुकारकरेछै ॥ अनादिकालनो ॥ एक  
विससहसनेछसैं २२६०० ॥ अहोरात्रजेपुकारकरेछै ॥ तेतंसावधानहोइनेसांन  
लेसतो ॥ निहस्पेकर्मथकीछूटेस ॥ पणएहवातकोएविरलोसमजे ॥ दोहरासम  
रणअहतिमजेकरे ॥ हृदयकमलदिनरात ॥ जोतजोतमेंमलरहें ॥ छूटाकीए  
हवात ॥ ७५ ॥ ऊलकाठवकाछोडके ॥ अजषलषेनरजेह ॥ आठकाठसबबालके  
शिवमगलेसेंतेह ॥ ७६ ॥ वातकरेतेजडसही ॥ पंडितपठतासोये ॥ जोडतकेजोडा  
सही ॥ अलषलषेनरकोए ॥ ७७ ॥ हूंअपराधीरांमको ॥ चल्पोजोडकेपंथ ॥ आयका

जकबूनवकीयो ॥ सृजमभांहेमनघंत ॥ ७७ ॥ चौपई जोइतकेनरजांणोसही ॥ विष  
 यारसमेंलागांवही ॥ पेटपसागकारणवली ॥ जसवालांकीटोलीमली ॥ ७८ ॥ मार  
 गमूंदअफूटारखा ॥ जोडातेनरजिनवरकहा ॥ नरभावापरनारीथोक ॥ बालस  
 जावोतेसहलोक ॥ ७९ ॥ जोडातेनरजायेवहा ॥ शोरीनेपणलेतागया ॥ बीजीजो  
 डतकेजांणाए ॥ साचूवचनतकेमांनार ॥ ८० ॥ मूद्योमारगपरगटकरें ॥ कथाकलो  
 लचंतनवधरें ॥ शबदेवातबूटणाकीकरे ॥ साचादेवगुरुमनमेंधरे ॥ ८१ ॥ शबदछं  
 दअक्षरचौपई ॥ संणायकोननरधूजेसही ॥ वमेरागधरेवेराग ॥ धून्यधरमनो  
 जांणोभाग ॥ ८२ ॥ गपानारेमनउमगथाय ॥ अगपानानेएनसोहाय ॥ शतमअधस  
 तमजीहांहोये ॥ जोडानरमतकेहजोकोए ॥ ८३ ॥ जेहसंणीमारगपांमीए ॥ फाडेऊ  
 डेंनवधांमीए ॥ संणतांहईयूथायेहेम ॥ उनमारगमेंजावनेम ॥ ८४ ॥ दोहरा ॥ जो

डेजोडे आंतरो ॥ स्रंणातफरेपरणांम ॥ एकस्रंणातां पारोबले ॥ एकबहूदीपेकांम ॥  
८५ ॥ तिकारणात्कृतेकहं ॥ करज्योरुदेविचार ॥ एकस्रंणातांचिहंगतनमे ॥ एक  
स्रंणातांपहंवेपार ॥ ८६ ॥ रसअनेकजगमांहेछे ॥ सबथेबडोवेराग ॥ ग्यांनमगन  
वेरागनर ॥ चलेमूगतकेमाग ॥ ८७ ॥ वलतंशिषगुरुनेकहे ॥ स्वांमीकरोपसाय ॥  
चोअंगीजिनवरकही ॥ तेमूककहोविसाय ॥ ८८ ॥ चोपई ॥ चउअंगी ॥ मेघतणोदृष्टां  
तजेवली ॥ नरनारास्रंणाज्योमनरली ॥ एकमनघनवगाजेरती ॥ जलथलनरेकरेदो  
लती ॥ ८९ ॥ बहूगाजेनेवरसेघणो ॥ वधांणोमनकुलशायणो ॥ एकमनघतेगाजे  
जोर ॥ नहेवरसेनवअंजेकोर ॥ ९० ॥ नवगाजेनववरसेरही ॥ एचोअंगीगणधरकही  
एहगुणो नरनारिजेह ॥ गुणलक्षणावरणूसहीतेह ॥ ९१ ॥ नवगाजेनेजलथलनरे  
तेनरउत्पमकुलश्रवतरे ॥ गाजेघणोनेवरसेजेह ॥ मध्यमनरसहीजांणोतेह ॥ ९२ ॥

दाकंपणनवजासंसहा ॥ जरेनहांतेगणधरकहा ॥ मध्यमकुलतेलेयेंश्रवतार ॥ षा  
 येधरचेनहेंलगार ॥ ए३ ॥ गाजेघणोनववरसेरती ॥ तेनरनारीलहेंकगति ॥ बहू  
 फूलेनवधरतीचले ॥ षोथोषोडशोनरहेपले ॥ ए४ ॥ वथणश्रसातामेंदिनगमेते  
 नरनारीदुषमेंजमे ॥ नवगाजेनववरसेजेह ॥ उत्पममध्यमेंनवतेह ॥ ए५ ॥ समजा  
 वेनवनदेयेंकोये ॥ गांवसासूधरचजहोय ॥ सकतनहेंसूफश्रन्यातणी ॥ कुंस  
 नहेंसूफधरस्यातणी ॥ ए६ ॥ एचोअंगीतणोविचार ॥ श्रगममांहिंश्रधश्रपार ॥ एह  
 सृणीतेपालेंजेह ॥ परतवसूधीयाथासंतैह ॥ ए७ ॥ आपवषांणकरेनरनार ॥ गुंणसंघ  
 लातेजांयेंनिरक्षर ॥ तेनरनारिनांनोहोये ॥ आपवषांणकरोमतकोह ॥ ए८ ॥ सेकीवा  
 वृंनवविस्तरे ॥ जागेजाजनश्रमृतकरे ॥ पोचीपालेंनरहेंवार ॥ ऊषधविणकांडकीजे  
 सार ॥ ए९ ॥ दोहश ॥ इंद्रशरिषाउंचनर ॥ रांणश्रनेषूमांण ॥ लोकमांहेंलघुतालहै ॥ आ

पहीकरेवषाण ॥ १४०४ ॥ कडंसयांणीहांजलो ॥ गरजमकरजोकोइ ॥ गरजेथीतांनोघ  
टे ॥ नांनोसोनरहोये ॥ १ ॥ मतकरजोकोकेहनी ॥ कथातथाभूषमोड ॥ नरनारीदुषीयां  
हसी ॥ नकरवरांणीहोइ ॥ २ ॥ नंघाछेअतिपाडुई ॥ ऊगाकरजोनरकोए ॥ वारप्रकेतंकडं  
बीजतसोफलहोये ॥ ~~वारांणीहोइ~~ ॥ ३ ॥ उसरवाव्यूनवफले ॥ वणामूलेंतरुहोये ॥ कस्यूं  
कराव्यूनहीगमे ॥ नंदकएसोहोय ॥ ४ ॥ चौघई ॥ त्रिष्यपूछेमनउमगथई ॥ स्वामीवातजली  
थेकही ॥ मूकनेमोठोअछेसंदेह ॥ तेमूकजांजोआंणीतेह ॥ ५ ॥ पंचमकालकहोकांइहसी  
कलजगरीतकेसीचालसा ॥ नरनारीकांइसुषजोगवें ॥ कलजगमांहेकेणीपरजोगवें  
ई ॥ पंचमकाल ॥ ॥ ७ ॥ ॥ केशीपरतेचालेंनीत ॥ पून्यधरमनीकेसीएकरीत ॥ एछापूछेथी  
गुरुपास ॥ महेरकरेमूकलीलविलास ॥ ७ ॥ वेलोएछापूछीरहे ॥ श्रीगुरुवलतुंअंतरक  
हे ॥ उंगवाततेअलगीकही ॥ कांमकाजइरेंपरसरो ॥ ८ ॥ महापूराणमाहेअधिकार ॥ ते

माहेछेअतिविस्तार॥संणायवातमूऊउलटथई॥करुंवरणनहइडेगहगही॥७॥दो  
 हरा॥बलबुधप्राक्रमसवहरे॥सारवस्तसवजाये॥साचीवातेवणेनही॥ऊवहीमेंवहीजा  
 य॥१०॥करसणकणघोडाहसी॥करबेसेंबडजोर॥अलपधनीवरलातके॥जेदासेंतेजो  
 र॥११॥दूरनहादिअतिघणा॥पांणतापअंगार॥गाजघणीविजलपडे॥दुषतणोनहेंधार  
 १२॥चौघई॥गायतकेबहुओषरकरे॥अलपजणोंदूधउतरे॥उंचाफूलअनेफलहोय॥दा  
 ताधननवपांमेकोये॥१३॥करणीनरतेदासेंधणा॥बहुफरेराजानाजणा॥सरवधूंन्यतणे  
 फलमले॥तोसंधलोराजाजीगले॥१४॥जाघारीनादासेंधोक॥वरुयुंतेपणबोलेलोक  
 स्त्रीयपुरुषनेपीडेसही॥दिनदिनमेंतेअधकीकही॥१५॥ओरुतेपणकरेअयाल॥मा  
 यवापनेदेसीगाल॥बेटोवडतकेघरधणा॥ससरासासुनेरेवणी॥१६॥यापणलोपक  
 रेंतेघरी॥ऊडकपटबोलेमनरली॥लांछलूंछतेकाजीलेये॥अधकूंलेईनेर्तसूंदेये॥१७

मूषमी वो हईया मांचरी ॥ पलपलमें ते बोले फरी ॥ वंचक जो लांते ते सही ॥ चांडी वृगली  
बोले रही ॥ १८ ॥ धरमी पण छिजा सेशरे ॥ अधरमी थास हूथर हरे ॥ रोगी कवण अने  
करूप ॥ अन्याइ ते दीसें नूप ॥ १९ ॥ माहो मां हे वेरे वडे ॥ को बोला विहई डे छडे ॥ सब लो  
नब लोने ते धाय ॥ वारुत के कुमार ग जाय ॥ २० ॥ वण अ प रा ध वे र अ ति घ णो ॥ अ ल  
प हो ये महि मा ते ह त णो ॥ नं द्या प णा बो ले मु ष मी ड ॥ बे श गां बे पा चां जो ड ॥ २१ ॥ घा त  
व च न ते बो ले क हे ॥ सा चूं बो ले ते म न द हे ॥ वि ग धा वां चें डू वें करी ॥ के व ल व च न न  
जो ये फरी ॥ २२ ॥ दो ह रा ॥ सा सु स स रा ध र ध णी ॥ सा ले ने ह अ पार ॥ मा य बा प बंध व बे ह  
न ॥ को ये न अ वे वार ॥ २३ ॥ हं स क स्रं हे जें म ले ॥ गुं थे पा प जं जाल ॥ ध र म धां न ने ला म  
ली ॥ करे न वो की ई अ पाल ॥ २४ ॥ कृ मा वं त स्रं षे द करे ॥ द म मूंक हे अ द त ॥ स्र म त ज ग  
में थो ड ली ॥ ब हू के वे ले ऊ म त ॥ २५ ॥ वौ ए ई ॥ स प स री ला मां क ण म धी ॥ जू गें गो डा जो या

पषी ॥ सणासजारी सातेईत ॥ एबोहलावायमेंअनीत ॥ २६ ॥ मणीभाणिकनेचंनीला  
 ल ॥ मोतापरवालांनहंमाल ॥ श्रावडछेटकरेंअतघणी ॥ ऊडीसाषमोटाईवणी ॥ २७ ॥  
 कोलापरभाणोतेआहार ॥ संन्यासीबांधेहधायार ॥ पापघडबाह्यणामनवमें ॥ क  
 शपणअन्नाईहमें ॥ २८ ॥ दोहरा ॥ नियंथाग्रथेंचल्या ॥ जोगनगतदरवेस ॥ विक्रे  
 करकरसणालगा ॥ केताकरमकहेस ॥ २९ ॥ करवतकातरणीचरी ॥ रूपकरेंबहुन  
 त ॥ सुईचेपूयाअतिघणा ॥ तेराषेंमनघंत ॥ ३० ॥ चौपई ॥ चालेनेवंचेवांणीये ॥ साते  
 वसणोंमगतशांणीये ॥ अविंमदमेंनेनोरहे ॥ अमेंनलाळांमुखेंएंमकहे ॥ ३१ ॥ स्ना  
 नक्षेतीयांउजलकरें ॥ बडजणमेंबगधांनजकरें ॥ धूमरपांननेवाडेसरी ॥ चडंटा  
 मेबेसेतेफरी ॥ ३२ ॥ यंत्रमंत्रफोरवेअपार ॥ पेटनरेतेकरीअसार ॥ ग्यानीपणानवा  
 दासेकोये ॥ अग्यानीतेकाकाहोये ॥ ३३ ॥ जीवाभ्यानासगतहोये ॥ अजाहणीमुषया

वंसोय ॥ देवनामतेहंसाकरें ॥ दवदेतामननवधरहरें ॥ ३४ ॥ दोषअठाररहितजेदेव ॥  
अवहेलेनिततेहनीसेव ॥ दोपडषेलेहसाहसीजेह ॥ दयाधरमनाघातकतेह ॥ ३५ ॥  
जतातकेसवरासेंनरुया ॥ नवाशतेभांगाकरुया ॥ जैनधरमथासेचालनी ॥ घरशतेपणा  
मांगंवनी ॥ ३६ ॥ देसविदेसेंकेईनमें ॥ केईघरवेताजमें ॥ केईवगछानेकेईरोक ॥ आग  
मलोपीबोलेफोक ॥ ३७ ॥ क्रोधलोभघटमेपरवरे ॥ पांणानांषीसौचजकरें ॥ पाघंडते  
बडलावापसें ॥ तेमांहेमगनसहहसें ॥ ३८ ॥ असंयमीपूजाचालसें ॥ रातदिवसते  
मनमेंवसें ॥ आडंबरतिमथासेपूसा ॥ एकहसेंतेनिहस्पेहसी ॥ ३९ ॥ यंत्रमंत्रदोराओ  
षदी ॥ जोतकनीमतछोडेकदी वेदकरमचुरणागोटका ॥ आवनावनरथेंमोटका ॥  
४० ॥ तेहकरिनरपेटजनरे ॥ मायाकारणादहंदिशकरें ॥ क्रोधलोभनोनलहंपार ॥ वा  
रुतकेनिकासेंछार ॥ ४१ ॥ दोहरा ॥ दयादानवतशीलतप ॥ लघुपणाकरसेंकोए ॥ कां

मक्रोधमायावृत्ति ॥ बूढाएणबहूहोये ॥ ४२ ॥ विप्रांक्रोधजअतिघणा ॥ लोचवनीकमर  
 जास ॥ मायापतेहमेघणा ॥ मानहकृत्रीपास ॥ ४३ ॥ पंचमकालेअतिघणा ॥ कूडकय  
 टछलजोये ॥ वैरतकेवापेघणा ॥ सुधनयांमेकोए ॥ ४४ ॥ चौघई ॥ सांतदांतसंयंमवरें ॥  
 तेहनेंसहूनिरादरकरें ॥ ब्राह्मणनेहूत्रीदुसरा ॥ पथवीकोडापेटजभरा ॥ ४५ ॥ लेपणा  
 व्याजेआपेवली ॥ इणतिकेतेहवानेमली ॥ दयाधरमथोडादीपसे ॥ तगीयातेजतसोते  
 हसे ॥ ४६ ॥ उतमतणीउपाईलाह ॥ मध्यमघरतेरेहसेवास ॥ नीचउंचाथईवेससेहसे  
 करीकाहवालसे ॥ ४७ ॥ राजानवलेसेसंन्यास ॥ बड्जअटवानेथोडावास ॥ म्हेठपणाब  
 ड्लावापसे ॥ हेदुथानकथोडाहसे ॥ ४८ ॥ वैरतकेबोहलांवापसे ॥ पांणीतेदहणदि  
 शहसे ॥ कूडाबोलबड्जवापसे ॥ साटेतकेसगाईहसे ॥ ४९ ॥ वेदीनोबड्जलेसेदांस ॥ हं  
 सकरिकरसेघरकांस ॥ कन्यादर्इनेकरसेवेर ॥ बकताकरसेघरेघेर ॥ ५० ॥ एत्रपीता

पातानेषुत्र॥ हणसेंकलुमेंएहवोसूत्र॥ केवलनोपणहोसीनास॥ ध्यानकफीटीउं  
चावास॥ ५२॥ अगटलेईकरसेंचकचुर॥ कोविरलापालसेंचकुर॥ रातेपेटनरेसह  
कोय॥ नकअनकनजांगोसोय॥ ५३॥ माहोमाहेंषारेबले॥ अगतविनातेअहनिसजले  
५३॥ वनस्यतिसूवेरअपार॥ कोनवजांगोपरनीसार॥ नघरकरियांणांवापसे॥ वारुनो  
तेलोपजहसे॥ ५४॥ चीडगलीनेसावुकंद॥ मझडांमेंणलाषएतंद॥ डंसकरीनेजामूं  
करें॥ वारुतकेसेतआचरे॥ ५५॥ एकरतवसंघलांछेनीच॥ हरषेअषेकहेहमउंच॥  
महावृत्तीनवदीसेकोय॥ लाषेकोडअनुवृतीहोय॥ ५६॥ बेठोपणदुषदेसेनेट॥ नन  
रेमायबापनुपेट॥ टणतकेसवलेसेहरी॥ मायतातथीजासेंकरि॥ ५७॥ गालासाठु  
तेपणसगा॥ धनपावेतोकरसेंवगा॥ ससरासासुतेषराधणी॥ करसेमायतायरेव  
णी॥ ५८॥ नणादीकोनवआवेतीर॥ परघरजमतांथासेमार॥ परजानोपीहरजेराय

दशरूपकरे अन्पाय ॥ ५९ ॥ वाकोरनहंपराजांशोछाट ॥ देषतनवमेंपाडेवाट ॥ गौदां  
 ननूपलेसेनांम ॥ अलपदांमतसथापेतांम ॥ ६० ॥ तेहीदांमलेईनरुणकरे ॥ कहो  
 तेनरकेंमनिस्तरे ॥ लोन्नवसेनरबूडावेय ॥ मरुषनरसङ्गजांशोतेह ॥ ६१ ॥ वैशपादां  
 मजघेनरनूप ॥ तेनरजांशोशकसरूप ॥ कलंकीएकवासेहोय ॥ पडकलंकाविसे  
 जोये ६२ ॥ धरमलोपकलंकीकरे ॥ दोयराजतेएकजधरे ॥ पडकलंकीविसेजोय  
 एसोहोये ॥ आपणाकरसेसबकोये ॥ ६३ ॥ एसारितकलूमंचले ॥ कोयकेहनीनवकर  
 रसेवले ॥ हाहाकारमेदनाहसे ॥ मरकीगोगअतिव्यापसे ॥ ६४ ॥ कोकेहनीनवकरसे  
 मार ॥ धरतातेएणसोसेंवार ॥ चेहलोकालकलंकीनांम ॥ क्षततगोतेफेडेवांम ॥ ६५  
 देवदांननोकरसेसंधार ॥ धरमनहंसवएकाकार ॥ चरमतणांणांवालसे ॥ तारथ  
 वृतकोनवजांशासे ॥ ६६ ॥ धरमतकेचिह्नजगामेहसे ॥ नरथमाहिंसंधलेलोपसे ॥ काया

तणुं मानसवघटे ॥ सूमतलोपक्रमतिप्रगटे ॥ ६७ ॥ दोहरा ॥ श्रावकश्राविकावेजणां ॥ वे  
जणासाधवीसाध ॥ नगतरुपवनमेरहे ॥ सूक्ष्मारगलाध ॥ ६८ ॥ केतादिनईमनिंगमें ॥  
डंडेबालगोपाल ॥ नरपतनानरदिडुंदिज्ञों ॥ कोपेकरेकराल ॥ ६९ ॥ साधउपरसमस्या  
करे ॥ करलेवामनमाय ॥ पेहलोकवलतकेलेई ॥ नृपश्रागलतेजाय ॥ ७० ॥ तवसाधु  
अंतरायनई ॥ तजीअंतनेवार ॥ आलोईअप्याजजी ॥ देवलोकअवतार ॥ ७१ ॥ ऐंमकष्टेदी  
ननेंगमें ॥ सहसएकवासेहोय ॥ परलेदिनदिनमेंअधिक ॥ कलजगमेंएमजीए ॥ ७२ ॥ चौ  
पई ॥ वलतंसिधमनथईनिगस ॥ पुछेपछाश्रीगुरुपास ॥ छठोकालकहोकेमहसे ॥ के  
तांवरसतेचालसे ॥ ७३ ॥ मनघतणोकांइहोसिंधाट ॥ यतिवृतीबांनणकेजाट ॥ विषम  
समोकहोकिंमचले ॥ एहबोलमूजकीजोवले ॥ ७४ ॥ अंतपांतवस्तरकुंणविधे ॥ गायत्रे  
सकेसेकहोलधे ॥ कांइजोजनकहोकेणविधजमें ॥ छठोकालकहोनिंगमें ॥ ७५ ॥ गुरु  
केंम

गरुयासमजादीकहें। पूछेकसूखादनरहैं। लोकतणांमनथासंजंग॥ घटरसथीमन  
 थायेविरंग॥ ७६॥ पंचविषेनेसूषमांणसे॥ माथेपडसेंतवजांणसे॥ तवशीघबोल्पो  
 हईडेहसी॥ स्वांभावातविभासोकसी॥ ७७॥ एहसूणातांनरनारीडरें॥ शतमकारज  
 कोएनरकरें॥ अहनिममोहमगननरनेह॥ जागीसगतसंजालेतेह॥ ७८॥ जांणपासू  
 णाविनाजीवजेह॥ किंमभारगनरपांसेतेह॥ तेहकारणभूककरोपसाय॥ जेसंयो  
 तेषांमेंराय॥ ७९॥ तवगुरुबोलेअमृतवांण॥ संणोसजासहमेहलीकांण॥ एसं  
 णातांनरधूजेजेह॥ परभवसूषीयाथासेतेह॥ ८०॥ दोहरा॥ सबलोनबलानेनडे॥  
 राजागयाविछेद॥ पापाधारीजनसङ्ग॥ धरमनजांणोजेद॥ ८१॥ अगनगईबुधनवर  
 ही॥ अक्षयमेघगुरुनांहे॥ वेदपुरांणकोरांणनहे॥ कलंबीनहेकुलमांहि॥ ८२॥ स  
 गोसणीजोकोनही॥ नहांबेहनजांणोज॥ वेरवसायेनितनवो॥ गयोविदेसेहेज

८३ सेवनहीसेन्यापति ॥ कानूगापरभ्रंन ॥ वडपणलघुपणकोनहे ॥ सबहेंकालेवांन  
८४ कायामांनतकेघटे ॥ हाथदोयअनुमांन ॥ रूपनहेंकदरशाणां ॥ दिनशअधकी  
हांणा ॥ ८५ उदरदीरघलघुहाथपण ॥ बाडांनेवतराड ॥ वांकमोहांलेत्रपाबूरी ॥ नित  
नितहेंवडवाड ॥ ८६ स्वांनतरणीपरवलगातां ॥ दोवांतेनसोहाय ॥ नगरगांमपाटणान  
हें ॥ जथजावेतथजाये ॥ ८७ चौघई ॥ विसवरसउतकृष्टुंआय ॥ घटवरसास्त्रीबेटाजा  
ये ॥ जंबूकजाषाबोलसें ॥ षडरांभ्रंनतरणाजाषसें ॥ ८८ वैपारीनवदीसेकोये ॥ वण  
करपरजापतनवहोये ॥ वैदव्यासजोतकसवटल्यां ॥ सूत्रसिधांतकेसवगल्यां ॥ ८९  
दोहरा ॥ सहसएकविसैएणीविधें ॥ कालगमावेंसोये ॥ कालकरिकुगतेंगया सुग  
तनपावेकोय ॥ ९० चौघई ॥ रेहवंपणनितअटवीवास ॥ सद्धनरनारिनगननिरा  
स ॥ वनचरजीवतणीपररहें ॥ कोबोलावेंहडडेदहें ॥ ९१ विवाहनहेंनवश्रेष्ठवहोये

तिथिवारनमंगलकोथे ॥ मन्त्रादिकनोकरेंआहार ॥ कोकेहनीनवपूछेभार ॥ ९२ ॥  
 महाकष्टउतरतेहसे ॥ हाथएककायातेतसे ॥ सोलवरसआथोषूंजांण ॥ अगन  
 वृष्टातेअतिहवधांण ॥ ९३ ॥ सालदिवसलगेवरसेआग ॥ उगारवानवदासेमाग  
 विदेहनाविद्याधरदेव ॥ तेणोसमेतेआवेहेव ॥ ९४ ॥ दोहरा ॥ मनषबीजबिलमां  
 हेंधरे ॥ अथवाजगतीयास ॥ जीवसवेपरलेहसा ॥ नवदासेकोयवास ॥ ९५ ॥ धूमवृष्ट  
 दिनसातलगे ॥ धूमारोलवरसंत ॥ वायवृष्टिदिनसातलगे ॥ परबतयांनहवंत ॥ ९६ ॥  
 दौपई ॥ परबतयाठतकेउडसे ॥ घाडाषईयातेबूरसे ॥ मादलढोळददांमासोये  
 प्रथवासबवराबरहोये ॥ ९७ ॥ तरसजीवसवपरलेथया ॥ कोवरतापणयावरर  
 ह्या ॥ षाशेदधिनेषाडाजेह ॥ प्रथवामेफेलेसवतेह ॥ ९८ ॥ उपरथीपणधनवरसंत  
 जलमेंपणपृथवीहवंत ॥ जलेकरीपृथवीसवगली ॥ दाठअनंतितिहांसांजली ॥ ९९ ॥

सातदिवसलगेसातहवंत जलेंकरी अरथषंडतेमांहेंपडंत विषवृष्टिदिनव  
रसेसात मूलप्रथवीषगठविक्षात १००० त्पारपडेंदिनवरसेसात धूलतणो  
तेअतिपरताप एमकरतांदिनउगणायंचास मनषतकेबोलमांहेंवास १  
मोटापाहतकेमानजो सरशवमानतकेजांराजो घाटीजलसमूदरजेकह्यो  
वेथएकजाकेरोलह्यो २ अरतषंडमांहेंएहवारित ज्ञानानरसांबलोवदीत  
तवशीष्यमनमेंजागाकहे स्वामिसूनातांहइमूंदहे ३ मतहोजोमूजोअवता  
२ छठमांहेंकहूंवारोवार जोलाशिष्यतंधूजेकांहि मूखबोलेउगरीयेनांहे ४  
जावसवेनीजयणाकरो आषसमांणातेपणाधरो क्रोधलोअतेअलगाधरो आत  
मकारजकांनवकरो ५ क्रोधलोअमोटाहेंरोग मूखसाताजोकरेंविजोग दुख  
समुदरमांहेंबोलसें अवनंतमांहेंरोलसें ६ पाहेंरल्योअनंतीवार तेकार

गानवधूं हचे पार ॥ स्वामिजतीजोगंदरजेह ॥ एछोडी मूषपावेतेह ॥ ७ ॥ करमवसें नर  
 नारिजके ॥ किणविधसुषलहेसहीतके ॥ छवातणोतेछोडीपास ॥ शोरहीषेत  
 तेकरेनिवास ॥ ८ ॥ सांजलसीषत्रुऊनेंकहुंवात ॥ केकेहनानवकरसेतात ॥ ऊडांआ  
 लतकेपरसरो ॥ जीवतणीतेजयणाकरो ॥ ९ ॥ माटीढोलकरेथोडलो ॥ अलपकरेपा  
 पमोटलो ॥ घायतणीपरपांणीजांण ॥ वनस्पतिनानकरेहांण ॥ १० ॥ हाथकरिनवत्रो  
 डेकोए ॥ वाडावेनानकरेसोये ॥ चूंटेचोलेतेपातकी ॥ दयाधरमनोतेघातकी ॥ ११ ॥ ते  
 नरकहोकेमसूषीयाथाय ॥ कोठीगरजथकीगलीजाय ॥ ऊडांआलतणांफलएह  
 अगनमाहेंतेबालेदेह ॥ १२ ॥ बालकवेयेथायेसती ॥ पाडेपणजासेंऊगति ॥ शीष  
 मूहेंगुरूउतरकहें ॥ शतमदेवअगनमेंदहें ॥ १३ ॥ अफूधतराजलपास ॥ ब्रह्मदे  
 वनोकरेछेनास ॥ पेटकटारीतेगलेचरी ॥ ऊंघपातकरेंतेफरी ॥ १४ ॥ कौधविना

तेकहोकेमथाय नरनारितेऊगतिजाये तयअगनिशुंवालोदेह परदारामाता  
समतेह १५ योतानानारीसुंवेद षटपरवीतेकरवोछेद परउपतदेषामतबलो  
अंनपांनरातेमतगलो १६ कवोलमतगईतांकरो वासावस्तरमतसुंदजो अ  
णगलपांणीमतजीलजो राजवोरजोजनस्त्रीकथा ऊकवीअंथमकरजोतथा  
१७ एहथीकांमरागवापसे अंतरदलअतिमेलाहसे पापकरतांअयनवहोय  
उनमारगमेंमनसासोए १८ अलपकरोजीन्याताखाद धरमीसुंमतकरजोवाद  
जालपामबांधिहथीथार मतपडजोपरजीवांलार १९ एणथीसमरणसुधन  
होये स्नानदांनतेनिरफलषोय ऊगतैतेनरजायेसही महापुराणमांहिते  
कही २० कालेजोतेहांथोनेंकले गोहघरोलीमेतेजले सीहसरपगक्षनेस्नान  
समलासेंसाणातेजांण २१ कागबगअनेबूडार जीवतणोतेकरेसंधार कहा

रकोरकसाईघाटकी ॥ थोरीवागरबड्ढपातकी ॥ १२ ॥ करिपापनेपाचायम्मा ॥ ऊग  
 तमाहेंतेंबड्ढरडवम्मा ॥ वनस्पतिवेहमोटेंबरु ॥ उंबरछांहकहेंतेतरु ॥ १३ ॥ करम  
 वसेंदेवांमेजाय ॥ टेडदेवतांतेनरथाय ॥ तेकारणहंसामतकरो ॥ परदुषदेषीम  
 नमेंडरो ॥ १४ ॥ लाषमेंणमड्डांमकजांण ॥ घणाजीवनाथाएहांण ॥ छीडगलीने  
 टंकणाधार ॥ नरकेंजातांबूबनेवार ॥ १५ ॥ सूरुसिसूंसोमलधार ॥ चरमतणाकीक्ष  
 वेधार ॥ जोहविषवेचीहरीयाल ॥ मरेसहीनरतेअकाल ॥ १६ ॥ पारोवेरजीनेरोगां  
 न ॥ सांठासेंगीनीचनेपांत ॥ साबूकंकोडिनेतेल ॥ स्रुषवांचेतोएतांमेल ॥ १७ ॥ दया  
 धरमनाघातकसही ॥ एहवातपरमेस्वरकही ॥ घरटाउषलकोसकोदाल ॥ चरि  
 कोहामाचावकपाल ॥ १८ ॥ हलदातरडांनेदंताल ॥ वेगकरेंजीवांनोकाल ॥ एहनोम  
 तकरजोवेधार ॥ पाथोडपनीअणाधार ॥ १९ ॥ राषेंतोमतमांग्यांदेह ॥ रंगंनंगने

बूटेनेह जिनवचननीलोपेसकार इहबोलजायेसनिश्कार ३० चौपगनूंसाटूं  
मतकरे तेहनोवराजसहापरसरे ऊठवचनतूंबोलेमती परधनकांएमलेजेर  
ली ३१ नरनारापसुधरहाट वापीसरदेवलनेपाट तेहनासराहनामतकरो  
लीलाउपरपाउमतधरो ३२ धूंणीसगमीनेबकवाद मतसंराज्योसंसाारीनाद  
जाभ्यामतगरक्षार्ककरे परसूषदेधीमतमतधरे ३३ दूनीयांकारसजाणोंफीक  
अधीरजेसीयांणीरीलीक सांसोसोकमतकरजेवीर हासीजिमतकरजेधीर  
३४ दोहरा ऊगुरुऊदेवऊधर्मनी संगमतकरजेसीरा जोलाकांजरमेंपद्यो  
नवजोयूंतेनयूरा ३५ आपसवारथकारणो हंसाप्रगटकीध दयाधरमचका  
चूरकरी मुगतीवासोदीध ३६ ऊगुरेऊलमेंजोलव्या बऊरोलव्यासंसार मू  
रषकांसमफेनहीं ऐमकेमयांमेसपार ३७ चौपई जीवसङ्गनेजीव्युंगमे हं

सायेंसद्गगतमेंजमें प्रथवापांणीअनेवनसई अगनवायएकेंडीकई ३८ दो  
 पगपंधीनेनरनार जलचरउरएकद्वंसंभार नीलापांनफूलमेजेह केवलगणं  
 नीनीस्येतेह ३९ तीर्थकरनेचक्रीबार हलहरीतीनूनवनवसार औरतकेमो  
 टानरजेह वनस्पतीनाआव्यातेह ४० करमघपीनेमूगतेंगया केईनरतेशाय  
 लाथया तेहवृंजांणीकरजोदया नहेंतरनिहस्येजासोवया ४१ धरमकाज  
 बलीतेहनेंदरौ परपीडातेमननवगणे पांचेधावरकरीसंधार पूंन्यकरेवली  
 जेनरनार ४२ तेहयापपोतेजोगवे घणोकालदुषमेंजोगमें हवडांपांचेन  
 बलाहोये आगंसकतसंजालेंसोए ४३ एकजीवनरहणसेजेह दशजव  
 वेरलेयेसहातेह थोडोतोपरमेश्वरकहे नहेंतोकालअनंतो हे ४४ एह  
 वृंजांणीकरजोदया पांचेधावरमोटाकया चोमासेयापडयापडी सुकन

डातेषारावमी ४५ तरकारितेपणसवपरहरो आपकाजथेकांतवकरो पंच  
दिवसपंथिरोवास दडुदशाजासोतालीहाथ ४६ एणीदवरीपरवतनेपाठ  
लायोक्षानमतकरजोगाठ उंचनीचकुलकेताकीया पयसमदमातागधीया  
४७ तोहेपणटक्षानवजाये अनकृतकेपणहंसंघाये जेआपणीपरदीसेनार  
तेईउदरलीयाअवतार ४८ एहवृंजाणीसमताकरो परनारितेमाताधरो धा  
टतडकेदेसेजके दयाधरमउन्मूलेतके ४९ शल्याक्षानतडकेमतधरो वाडा  
वालातेपरसरो गोलगोरसपांणीचीड परजीवांतवजाणोंपीड ५० काक  
वदावोनेरोगांन राईतंनेशंध्यांक्षान जाजनउघांजांजेधरे आयुअधूरेतेन  
रमरे ५१ एटांकानोआलसकरें दुखपांमेतेसंघलांसरे गोवरतुंमतसंगरो  
करें मांघणाविगास्यावणमतधरे ५२ गारपलालीराधोमती असूफतंमत

देजो जती वरज्यो दाशं नो उदार दुरबलनीपण करजो मार ५३ आयोधानें अंतें  
 वीर हृदये तं मत कं पें धीर धणुं कष्ट उफ आवे जदी रां मज जनमत मेले कदी ५४  
 बालक तं मत अं के धरे धरमत गो आलस मत करे वरधपणा नो न हे विसवास  
 कां ये तं बांधे मोठी आस ५५ घडीया लाना टच का जे म आयु गले सही जां गणे  
 ते म काचो कं ज उदक सूं नस्यो कागदपण पां गणे मे धस्यो ५६ ते पण गलत न  
 लागे वार जो ला कां लोपे जिन कार कां ये जीवी के तं आयोषं महापाप जाल हल  
 षं ५७ दोहरा अरे जीवणो मारगे जीवाल सी सृजां गणे के विदेह के देवता मन  
 मत धरजे कां गणे ५८ पंचम छठामें सही नवहो सी अवतार वास्यो वरज्यो नवर  
 हे तो नव नव नट कां मार ५९ एह सुं गी शिष हर धीयो मन मे जयो षू स्याल  
 अवशात म कारज करूं कां इहो सी कहो काल ६० बिलवासी मां गण मत गो

मूलकहोगुरुराय कांडसमोश्रगंहसे तेहमूककरोपसाय ई चौपई अमीय  
मेंवरसेंवरमेह प्रथवापणारसमेहलेतेह तापतकेधोनीवापसे अंकुराप्रथवी  
मूकसे ६२ बिलमेंथीमांणसनिंसरे अंकुरानांनकृणकरे मेंवातेपणमीसरीस  
मांन देहतणांवलीपलटेवांन ६३ दिनदिनकायाश्रयुवधे स्वधमातापणचड  
तोत्तधे कोयकसहसवरसऐमगमे थोकश्रटवीमेंनमे ६४ अगनदेवतवपर  
गटनई स्वमतकलातेअधकीथई राजनीतघरचहंटांगाम आपआपणोलागां  
कांम ६५ तीनचारपांचछहसात चडतीकायामनरीवात श्रणिंकरोजीवजां  
णज्जो मनसंदेहकोमतिश्रांणजो ६६ पयनाजतीर्थकरहसे धरमध्मंनतेहां  
थीवापसे जिनमारगतेपरगटकरे केईलोकएणथीनिसरे ६७ संघचतुर्विध  
वापेखांम श्लोवमंगलवांमोवांम मृगतपंथतेपरगटथयी धूंधूंकारतेहांथो

सवगयो दृष्ट केतो कालगयांतेपची स्रष्टदिनदिनमेंअधिकुं हसी हरिहलधरलेसेंअव  
 तार करमषयानेपह्लंवेपार ईए ज्ञोतज्ञोतमेंजेलाजया आवागमणयकीतेरह्या चो  
 विसेजिनहोसिअवतार वाकोरदशालेसीअवतार ७७ चक्रीवारहलहरिनोव एह  
 पणपरगतहोसिपहोव केइककोडाकोडवरिस स्रष्टभोगवतांवापेंद्रश ७८ स्रख  
 सातानोपारनलह्लं जीनएकह्लंकेतुंकह्लं चोविसमोहोसिअवतार धनुषयांचसें  
 देहापार ७९ त्पारपह्लंजुमलीयांवसा गायुएककायातेहसी दोएतीनगायुतेचे  
 क तेहनेंपणकोयनहेंविवेक ७३ अंनयांनदेवपूरसें कालकरिदेवांमेंवसें ए  
 समंदतोपूरोजयो आगेसमंदविचारीकहो ७४ दोहा साषवलह्लंमनहरषायो  
 मनमें<sup>नया</sup>षुस्याल किमजागेंसहीजीवडो असोनहोयेहवाल ७५ सज्यासहीपावे  
 गूनि तोमनसांनवसंत यमतणुंहेरुंफरे सुधवालोभीत ७६ चौपई परजारी

नां दोषणाघणां जेह स्वामिमुजनें केह जोतेह कांइ दोषणां कंणागतमें वास तेम  
ऊनें कहो लील विलास ७७ मैथुनहंसाकेतिकई तेसंणावामूऊ उलटनई वल  
तंगुरुबोलेमोड साषउजोतेदोयकरजोड ७८ सांजलवछउऊनें कइंवात कां  
मानरतेकरसेतात निरमलनरतेविरलाजोये कांमानरतेबोहलाहोये ७९ क  
लूमेंहंसनदासेंकोय कागतकेबहुकाजाहोये रुंधघणानहेचंदनवाग बोलण  
कोनवदीसेलाग ८० दोहरा हसाकरिषिषवलतं कहे जेडकरोसामाट संणण  
विनाकिंमपालसा अटवीकेमलहेवाट ८१ गुरुविनग्यांननउपजे दयाविनान  
हेंसिद्ध समकितविणानोनेनही तरुजलविननहेंहइ ८२ तेमाटेस्वामिकहो व  
चनेंहोयेउपगार बह्यावहेंवहसेंसही कोयकपहंवेपार ८३ चौपई गुरुवलताबो  
ल्याउमगी ग्यांनानरहइडेमतजगी नूषतरसंणणातांसवगई अंतरदलअतिनि

कर्मवि.

मलजई ८४ परनारीनरशताजेह राजानसमवडजाणोतेह जेहमेंमगनरहेनि  
रक्षार तेहनेउदरलेयेअवतार ८५ कुलगनातेभातासमी अन्यतारतेबेहनी  
गमी महाहलाहलविषजेहवूं परनारीदोषणतेहवूं ८६ लंपटनरनवमाने  
कार मनजाणोसंघलीघरनार रातदिवसमनदहंइशानमें वारुतकेनीचसूं  
रमें ८७ लोकांमेंनवकीरतहोय बुरोबुरोनाघेसहकोये दुखसंघलोतसवे  
गोधेर घणांजीववसायांवेर ८८ द्वादशभोशानिसरवास गुरुआठभोहणें  
मनआस चंडमाचोथोजेहनें मंगलसुषनवदेयेतेहनें ८९ शुकरनवदेये  
लगार धनसंघलोतेगयोदरवार करुरदृष्टीतेसरजकरें बुधताकीसंघली  
बुधहरें ९० राजकेतहोईलागाप्रेत पुदगलतेपणकीयूंअवेत कष्टमहाए  
हलोकेहोये कारतपणानवबोलेकोये ९१ दोहरा नवेलाषवेइंद्री मनुषअ

संघपरमाणा एतासूषमजीवनी हंसाकरेञ्जाणा ए२ जूठअदत्तमैथुनसर  
व संवरपून्पञ्चकूर कुशीलनरसंघलांमली जांजकीयाचकचूर ए३ जाके  
इंद्रीवसनहे कुंणापुरुषकुंणानार वहावहेवहीजायगा कदीनपूंहचेपार  
ए४ चौपई वलतंशीष्यगुरुपरतेकहे एहसंणातांमुऊहईडंडहे एहपापकुंण  
समवडहोय स्वांमीकहेविचारीजाये ए५ वलतंगुरुदाषेदृष्टांत रात्रिजोजनमां  
हेवरतंत कहूंचौपईमांहेविचार चंतधरिभूणाज्पोनरनार ए६ असरसेनराजा  
स्वंत वलतंगुरुदाषेदृष्टांत केईवरसआषेटककरे सरोवरफोणासमवडधरे  
ए७ केईसरोवरफोडेनरकोये एकहादिवससमवडनहीहोये केईवरसलगेदवप  
रजाल कुवराजनेवलीकुडांअल ए८ एकावनभवसोलगेअल परनारीदोषणा  
एकताल एहवूपापअडेपरनार जांणीमतकरजोकोयेलार ए९ हाथअभ्यामाटे

कर्मवि-

वृणकाज रावणरांणामभायूंराज दशमस्तकतेकीधंसदूर जेघररसोईकरतासू  
 र १००० लंकाशजजविषणदीयो स्त्रीकारणजोशेअनरथकीयो पुनुरपीक  
 हंसूणोनरनार वसंतपुरनयरीसुविचार १ राजकरेंजातवात्राय अर्णतेफे  
 डेवाये नगरसेवललितांगकुंमार नहेमनमेंकडूकामविकार २ एकदिनप  
 रवजथोजेतलें पंचोपंचमल्यातेतलें तेपणपहंताराजद्वार नईशजानेंकी  
 योजुहार ३ कांषीमेहलजोयेतसनार देषेरूपललितांगकुंमार तादिनशीकामा  
 रतनईगोसाजरतेरांणीथई ४ आषटकरायगयोवनवेड दासायेनरअंणोतेड न  
 मषएकबेवोघरवार अचाणकरायआव्योदोयार ५ वलषांणोनरधूजेसही सांतसांत  
 मूकमारेंकहा सांत्यातणोनवदीसेवांम संचारीयुंदेषामुंतांम ६ मरणतणोन  
 यदेषोतास संचारीयामेंकीधेवाव रातदिवसतेघोनकगमे ७ दोहरा कुंमरत

तणो

१२५

नदी

णीदलनिरमली संगतनोगुणज्ञोए जीवतनरनरकेप्यो कालगमावेसोए ८  
तवशिषमनमेवलषीयो श्रीगुरुनेकरिसलांस मगनरहेपरनारस्तं तेपहंचेकंण  
ठांस ए परनारिशजाजके पुरुषरतजेनार कंणकष्टआगलनवे नोगवसानिरक्ष  
२ १० चौपई बलतंगुरुसमकावीकहे कांभीनरनाहईडांठहे मूऊउपरमतकरज्यो  
रीस कसुंनोगवोविसवावीस ११ जेनरनारिजेहवीमति घणंकहेनवमेहलेरती  
माथेपडसेतवजाणसें नरकमाहेनरसंजारसें १२ सातनरकडेआयांतले करेपा  
पसोतेमांहेजले नरअथवानारीनूरूप लोहतणीफूतलीअनूप १३ रातीलाल  
अगनमेकरी देवरावेकोटेतेहफरी तातातवाउपरतेधरे कष्टघणंतोतेनवम  
१४ कंजीमेपंचमेकेईवार वेतरणीवणसार जीभएकदुषकेतंकहं वेदपुराण  
थकीमेलहं १५ श्रीषवलतंमनथईनिरास एडेष्टाश्रीगुरुपास एपातकनवस

कर्मवि-

हायो जाय एहचूटांतेकहोउपाय १६ म्कंलाकडपिंपलतणं रासफेरतेजाकंधणं  
तेलाकडलेइमध्यइंकोर गौगोबरनोसूकोगोर १७ वेसावेचनरुंचहं पास अग  
नजोगकरुंदेहीनास तोपातककसहलवोधाय अण्णाहणेसांमूलपराय १८ कहो  
आगुरुकिमछूटजे नूलांमारगदेघाडजे मायासमताद्वरें करो कांमकोधलोअपरसरो  
१९ रहोएकलानेवनवास मनमतधरज्जोकेहनीआस उदासीमनअतिवेराग २०  
विगोतणोथेकरज्जोत्याग २१ अंतरदलअतिनिरमलकरो अयाजजीनवशागर  
तरो बुद्धज्ञानसेतापरवीण अंतरदृष्टीसंलेलीण २२ तवपातकछूटेततकाल अ  
मरहोयेनवकडयेकाल तवसिषवातविमासीकहें कलजगमेंएहवाकोनहें २३  
एहवातकोवरजाकरें घणालोकतेकिंमनिस्तरें नारीअंगनयोलोमती दृष्टीचा  
लामतकरज्जोरती २४ परनारिजेमातागणो शुभपरिणामेंसंवरकरें बलकारि

१२६

मतकरज्योश्राहार घणोसंगनकोजेनार २४ वर्याविसम्पारहोदिनरात् कथाक  
लोलमकरजोवात संतोषीसमकीतसंलीगा नवेवाडधरज्योपरवीगा २५ श्राउ  
रतादुविषसवतजी मटेदोषसहीश्रापानजी समरणासकतेपासाकटे परनारी  
दूषणासवमटे २६ नरनारीमतकरजोरीस कस्युंनुगतोविसवाविस मूकनेरी  
सकरोमतीकोय जेसोबाजतेसोफलहोय २७ दोहरा पाथरकमलननेपजे ज  
लविनतरमतजाये दरददूरदारुविना तोशीलविनामुषथाय २८ चंदविनाजे  
मजांमनी दंतविनागजसोए श्राषविनामूषजेहवूं तिमशीलनरहोये २९ लूगा  
विनाजामरसवती कंधविनाजिमनार शीलविनाशोनेनही देहासहीनिरक्षर  
३० कांनसम्योजिमकुतरो अथवाहडकविषसोये पलकएकरहीनवसके मंद  
करेंसहकोइ ३१ कुलषांपणानरनारते कुललंबुणानिरक्षर कुललजामणाकुल

कर्मविपा-

कलंक कूलउडाडेछार ३२ इहलोकेंकारतनहें परभवदुषत्रपार चौरासीलष  
 मेंफरे कोयनपूछेमार ३३ केटुंठोकेपांगलो बेहरोकेबुधहीण केबोबडोकेद  
 यामणो आंधेकेधनहीण ३४ चोपई ॥१॥केपावइयानोअवतार स्त्रीनपरणो  
 तेनिरक्षर रूपहीणनरदासेसही एहवातसिधांतेंकही ३५ नरनारितेपरधरदास  
 रोगनछोडेतेहनीपास जीअएकहंकेतंकेहं एपातकनोपारनलहं ३६ बारवार  
 शिषमनमेंधरें परनारिसंगतपरसरें ऊबेरदत्तनेऊबेरदत्ता दोइजूगवेश्पाघरसू  
 ता ३७ वरतविक्रयोमल्योसंयोग बेहनामायसरिसोजोग केतादिनवितातेत  
 लें पुत्रएकजनम्योतेतलें ३८ अठारजेदसगपणनाथया लेषंकरतांपूराजया  
 एहदृष्टांतसंरणजेतलें महावैरागजयोतेतलें ३९ अगडलेईपरनारीतजी ए  
 कमनांथईजूदरजजी उत्पमनरनारीमनवसी एहवीअनितकरजेकसी ४०

एहसमंदतोपूरोहीये मनसंकामतकरजोकोये बुधसारुमेकस्योविचार आ  
गममांहेअरथअपार ४१ नणोसंणोजेपालेजेह परनवसूषीयाधासेतेह तव  
शिषअंतरमेंशोलस्यो एहसमंदमूकहइडेवस्यो ४२ सातविसन पुनरपिनेद  
कहोगुरुगय तेसंणतांमुकउलटथाय सातवसणामूककहोउलास कंणक  
रणकंणगतमेंवास ४३ दोहरा आवकमूलाचारमें गणधरकस्योविचार तेह  
थकीमेंसांजली करुअलपविस्तार ४४ जोयाअमिषमदसंणो वेणानेसेका  
र चोरवसणाइवोकह्यो ससमछेपरनार ४५ अबरणकोवरणनकरुं सणोसहन  
रनार वसणाजावजामेंनहे तेउतरसेघार ४६ चौपई दूतवसणपहलोपरकास तामें  
पंचवस्तकोनास प्रभूतामटेघटेशुनकरम लोकमांहेनिघानोमरम ४७ धननासेनक  
रविमास हंसामुषासहजप्रकास चोरादोषतेपरतकहोये मैथुनपरिग्रहदोषणसोए

४८ महापापरागी अथ जे वसण सातनास्येनें पजे नलराजा दूषण थीसहें राजगमा  
 यसहको कहें धरु पांडवहारी दुपतिनार सहको नाघें सनामकार केई पुरुषणों  
 निरधनकीया निचगति जइवाचालीया ५० करणी करितके नीलस्य गाफलते  
 नरकें परवस्य लंडांतणी कहावेलीह तेनरनें सहीवांकादीह ५१ दोहरा ज्ययावस  
 घरोनयो अलपजकह्योवधांण अमाषनरुबीजोकहं सुंणोचतुरधरिकान ५२  
 आपणो आमिषकाठके शांस्वचीतासीह एकस्यषादुजोदुखी यौदूषमें एलीह  
 ५३ अहनिच आतमसूचरहें कायासूधनहोये जमरो जरापवायतव बलनववा  
 लेकोये ५४ होमजागएकादशी तीरथजातरजाय दानपूज्यवेहनजांणजी बह्वि  
 धकरेकलाप ५५ वेरागीधनछोडदे दमउपसममनलाय कस्युकरावूं सोवृथा ए  
 मबोलेनदुराय ५६ निरदेनरनास्येकदया मनधमांहे अजांण एकरतवनेंकोनहें

करे धर्मनाहाण ५७ उन्नमव्राह्मणउरुगति नीचगतेकांजाये चंदस्वरलगोत्पां  
पत्ते जेनरश्मिषषाए ५८ वेदकांडचौदमे महापुराणोजोए पनरसपागआगले  
कोराणामेकहूंसीए ५९ जीआइंदरीकारणो फरफरलेयेअवतार चोरासीमिफे  
रवे सहेदुखनिरक्षर ६० हेलाहलपातककह्यां एजाणोसकूकोथ गततेसीमत  
उपजे करमकरेतेहोय ६१ दोइवसणपूरांधयां कह्योअलपविस्तार अबमदि  
रादोषणकहूं तेसूणज्जोनरनार ६२ चौपई मदीरायेसुधबुधसवजाये जिमधा  
येतिमनिकसेवाय मारगछोडऊमारगजाये नगणेबेहनजाणोजनेमाय ६३  
मलमंतरथांनकनवगणे मूगतपंधकमाडीवणे मूखमांहेथीनीकासेछार  
केहनापणानवमांनेकार ६४ मरणतणीनवचंताकरे अडवडतोदिडुंदेशिफ  
रे माधीमूखनवछोडेपास अंगथकीछूटेहरवास ६५ परतकदासेराकूसरूप का

कर्मविषयः

रतकेनवमानेनृप रावणबेटीजीवणजाम जांणोऊलनोकरसेनास ईई दोहर  
 कंभासुरजांणीअनड दाधीऊंमरातास दोयपहनोपणक्यकरी कीयोमू  
 गतनोनास ६७ परतकवातसुणीवली तेजांणोसहकोए तोपणतेछांडेनही  
 गमणतेसीमतहोए ६८ चौपई चौपगचांबडघासडकीया तेहलेइपगमेंपेदरी  
 या तेपेहरीमदनवआचरे तेहजीवनीकरूणाकरे ६९ मद्यछांटोलागेपेजार  
 तेहजावजायेनरकमजार मक्षआचरेतकेएमकहे एतेवूडेतेनवलहे ७० पाप  
 तणुंबंधणुंमूल देईदांमनेघाधीधूल जादवऊलएणाधीक्यगयो महाजारथमें  
 माधवकह्यो ७१ तोएआपनघोलेकोए दांनपून्यतेनिरफलहोए कसूकरावूं  
 निरफलघाये आंधेवणेनेवाडूरुषाए ७२ कहोतेकीमेनपहंवेणार नरकेजातां  
 बूबनेवार घणूकहेनवमेहलेकोए जेसंबीनतसंफलहोए ७३ दोहर शीतीयनेद

१२९

मदारातणो कंचितकस्योविचार अबगणिकादोषणाकहं पातकनोनहेंपार ७४ चौ  
पड वेक्षणगमणाकरेंजेनरा अगणानीतेजांगोषरा हाथीनीपरेभाथेधूल मसजीपेट  
उपाईशूल ७५ कोमलवचनकहीमनहरे उन्नममध्यमसमकरधरे वैषविभूषणाब  
होलासाज देषतपडेगदावाज ७६ जाणेस्वर्गथकीउतरी करडेज्यौंसमीऊतरी प  
रतकदीसेविषनीवेल एणसंगतथीपडसेहेल ७७ हावजावमनअतिहविलास देष  
तदृष्टेपडेपात्र रातदिवसधनउपरलीन वचनतकेबोलेपरवीण ७८ परतकदीसेए  
राकसी कांमीनरनेहडडेवसी स्वारथजगेंअतिकरेमनेह नहेंतरकटकेदेसेवेह  
७९ स्वरगथकीजेपाडेईत्रा वनमेंथीटालेमूंनीत्रा रांगधूमाणातकेसवळल्या घणा  
पुरुषतेधूलजमल्या ८० मायबापबंधवनीजोड न्यातयांतगोतरसवडोड एणसंग  
तथीअलगाथया नीचानरतेसहकोकहा ८१ दोहरा सगातकेछोमीदीया एहवेत्रपा

कर्मविषय

नेकाज एणतकेतेहनीनहें गरथगमावेलाज ८२ चौपई मदिशमांसत्रघेमनलाये  
 एणसंगतथीउमगथाय धनवंतातेनिरधनकीया उन्नमनरनेलंबुणादीया ८३ केवनी  
 तेलकपतिकह्यो एणसंगतथीनिरधनथयो धनसंघलानोआव्योपार कोकडदीय  
 नेज्पाघरनार ८३ जाणपूधननोआव्योछेह तडकसंतोस्योतसनेह चउरनरसूणज्यो  
 कांयेकीयो तरतलेईबाहरकाढीयो ८५ जेसोरंगपतंगं होये विणावादलकांडं  
 वरसेतोये वादलछांहेसुधजेतलो गणिकारंगहोयेतेतलो ८६ लूणावनाजेसी  
 रसवती नगरसेवमेंबुधनरति तेसोगणिकासंगतपणो जेसोछारउपरलेपणो  
 ८७ हाथीहणेतकेषमजे वेश्यामंदिरनवपेसजे ज्ञानानरेहवरज्योषरो मूरष  
 नाषंओपासरो ८८ अनर्थएणीपेरंबोलेंजेह कडुयांफलनरथांमतेह सत्य  
 वचनसज्जमांनजो रातदिवसहईमेक्षरजो ८९ दोहरा गणिकारसधरोअयो

जेसोनेंबवकांण अबआषेटकमांडसी नवअवकरसाहांण एव आहेडीदोष  
गाघणो तेमूषकह्योनजाय अलपकहंसवछोटके तेसूणजोमनजाय ए१  
चौपई जालपाशकेडेंबडसाथ चीताकुकरलीभाहाथ संकरामेसाणामतरली  
अशुभतणीतेटोलीमली ए२ परजीवांउपरज्यौंपाल बडजीवांमेकीयाहवाल सां  
बरहरणास्त्रीनिजात तेहनीबालकनीऊंणवात ए३ तेपणसंघलांकीयांनिरा  
स सडकोनिमारिषिआस सहजीवांनेंजाव्यंगमे हंसायेचहंगतमेंजमें ए४  
मरवेकेहनेंशीतनहोय सुषसातावांचेसहकोय आपणाकलंबानेसुषकरें ष  
डतरणांसूंपेटजनें ए५ वोरिकरेनपाडेवाट तेहनेंहणोतकेसामाट परनेंसू  
षतोआपणसुधी परदुषदेतांधासोदुधी ए६ तेहनरतोजाणोयातकी दयाधर  
मनोतेघातकी एवजीवनेंहणामेजेह द्याअववेरलेयेसहीतेह ए७ दोहरा थोडो

तोदशाजबलेयें नहेंतरनलहंघार तेकारणउफनेंकहं करोतेपरनीसार ए०  
 मूषदेतां सुषउपजे दुषदेतांदुषहोये कांइजीवीकांइआयोषूं हइयेविचारिजो  
 ये ए० अरेअजाणहीजीवडा कांयेकरेंअकाज धासीसइकटंबडो माथेपड  
 मराज १०० यमतणोहेरूंफरे रातदिवसउफलार काइंसंतोनरसूये लेतनला  
 गोवार १ चौपई परमेश्वरश्रीकृष्णभोगर बांणहणोतेजरदकंमार वशणहतं  
 आहेडातणूं जोयोएपातकबांधूंघणूं २ पुनरधिकहियेराजारंम पोतानूंवण  
 साम्यंकांम हइडेसूधनकाधिरती कंचनमगनेंपायोनथी ३ लेईधनुषदोम्याते  
 हावार पाछेंहरितेसीतानार त्पारपछेंकंणअनरथकह्यो परमेश्वरबइदुषसह्यो  
 ४ म्हाअरजणकहेजादवराय पसुहणपेपातकबहूथाय रोमएकपरतवरस  
 हजार ऊगतेदुषसहेनारक्षर ५ एहवातनिहचेमानजो पांमूपुराणमांहेजांण

जो एहदृष्टांतसूण्योजेतले उच्यमनरधूज्यातेतले ई हवेनहंसाकरसांकदी मुषेन  
रसांवेतरणीनदी पाछेंकीयांतेहलवांथाय आगेंकरमकबूनबंधाये ७ दोहरा आ  
षेटकपूरोजयो कह्योअरथमनलीण अबवोरीदोषणकहं तेसूण्योपरवीण ८  
चोरकरिनरमुषलहे दुषपावेततकाल एहतोवसणजलोनहे एमबोलेंबालगो  
पाहन ए चौपई चोरकरेतेपाडेवाट परधनलेयोतकेसाभाट पात्रीदेतांनकरेदया  
हणीमनुषनेंजायेवया ९ छोडीगांवकरेबडकला अनरथकरिनरेतेनला एह  
वांनरबडकरेअपाल हइयेपरमेअचंतीजाल १० तेदोषणनोनलहंघार निकन  
जाणोपरनीसार दुर्बलनीतेनकरेदया तिरदेनरतेनिस्येकया ११ मूषमीठोदलअ  
तिकठोर घणोमालजडेतोयेजोर नमलेहंगतेलनीवदि निंदरजरनवसूयेकदी  
१२ लोकांमेतसनंघाहोये बूरोबूरोबोलेंसहकोये नकरेतेहतोकोयविशाम रुषव

रषगिरिकिनरवास १४ चोशतणीसंगतनेकरे तोपणजीवनपतेहनाहरे चोर  
 संगकरेतेचोर उपरकोनवकरेतेजोर १५ सगोतकेनकरेमुषवात सांहमंपण  
 नवजोयेमात एहवीचोरतणागतहोये वालोतकेनपावेतोय १६ जीषेजीषावे  
 बहधनघाए हलवाईवेअपाघरजाये लोकांभंगयुंतसभाम कांकरजीमतिमनांघोदां  
 म १७ परधनउपरवेवाजके पगतलेमरणनजांणइतके लेतांहईडेहरषअपार  
 पणनवमांनेकेहनाकार १८ हालकलोलकरिजवधूर महाऊकमकमायांकूर  
 एमकरतांराजाकालीयो षांडेतथाषोडेघालीयो १९ नाककांनकरछेघाथाय क  
 सोजूजुवोमेहलीघाय अथवासूलीउपरदीध दूरतकेसगासहकीध २० घणाहवा  
 लकायातसभांहे घणुंदहेतेहईमाभांहे परमेस्वरछोडेएकवार एहवांकरमन  
 करुंलगार २१ पणवेरोवसपजियोजेह घणुंदेयेनवछूटेतेह एहनोकदेपहुंवे

काल एहवंबोलेबालगोपाल १२ कोविरलोकरसेतेमया एहलोकेंफलएह  
वाक्या परलोकेंदुषनोनहेंपार नरकसांहेंबडपडसेमार १३ दोहरा अलप  
समंदचोरगतणो कीयोतेमनहविचार ग्यानवतवरणानकरें तोकेहतांनआवेंपा  
र १४ कह्योदोषणजेसातमो गमनकरेंपरनार तेहसमंदपाडेंकह्यो एणछेअ  
तिहरसाल १५ तवसीधमनबडदुखकीयो एसातेमहाअनीष्ट पापतयांथा  
नकसही उत्तमनरतेअष्ट १६ परनवऊणथांनकलहे केसीगतेंतेजाय मू  
ऊमनसांसोउपनी तेनांनोगुरुगय १७ पहलेनरकेंजूवसे बीजेअमीषहो  
ये सदिराअनीनारकी चोथेगणिकासीए १८ आषटकतोपांचमे चोरछठे  
समाय परनारितेसातमे एमबोलेगुरुगये १९ जेनरनेजेहवंबवसण तेपहं  
चेतेहवाये एदूरगतकेहाथीए एहथकीदुषपाय २० सातवसणनलानहे

चडताचडतीहोए कस्युंकराव्युंसवहरे ठालोपोलोसोए ३१ वार२केतूंकहं छो  
 डोएहनीसंग नहांतोबडुदुषपांमसो पडसेरंगमेंजंग ३२ हातवसणपूराज  
 या कह्यासुगुरुसंकेप जेसमजीनेपालसे तेनरासुरनरलेप ३३ वौपई तव  
 शीषमनमेंहरधातजयो अजबसमंदशीगुरुथेकह्यो पुनरपिजेदकहोगुरुरा  
 य तेसंरातांमूजुलटथाय ३४ नारिनेंधांनकवरजां ॥४॥ वरजांऊंराथां  
 नकनारनें विशेषेवल्लिशीलवंतनें सांजलवडुमनशाणीनेह कहंवातम  
 तकरेंसंदेह ३५ जायणाजांनजात्रेंजायेजेह ग्पांनपुरुषेंवरजांतेह हरनि  
 वांणाएकलीनार वरजांवेशणानांघरवार ३६ जोणीनहांनवाईसही रजक  
 घेरेतेजांणोनहें मलअषाडोजोयोमती मनथीरतानवरेसेरती ३७ राउलदे  
 उलदरशागावदी एकलडांमतजायोकदी गांणावांणावहोतनिवार जोतूंमाने

कलनीनार उठ पांतिऊटतचालनिवार दूर्यकीछांणानेगार एकलडीनारि  
नेजेह सरागथांनकवरज्यांतेह ३९ धरांनरेहणुंमातागेह जातवंतनेंवरज्यो  
तेह हसणोबहुबोलीणोनिवार सांसतणीमतलोपेंकार ४० पापतणुंथांनक  
डेनार दयातणीमतलोपेंकार पुरुषतणोवांचेंअवतार तपसाभजनकरेनिर  
क्षर ४१ जीवतणीतेरहाकरे नंघाविकथासदपरहरे आयवधांणतजेहंकार  
सबरसपणामेहलेनिरक्षर ४२ आहारउंघतेअलपजकरे रातदिवसमनभज  
नेंधरे तनवस्तरमेहलांराषजे पांणीपणथोमूंनांषजे ४३ दोहरा नारलक्षणा  
नास्येकहां एकलवंतीजांण अबजगजीतणाकीदसा कहेहंणज्योधरिकांन  
४४ ॥जगजीतणाचौपई॥ ॥बा॥ दोहरा श्रीजिननावांणीसुंणी आंणीमना  
आणंद प्रांणीप्रमानंदनमी जिनचोवीसेवंद ४५ महीयलमूनिवरजेहया अ

मवि-

नेहोसंगुणवंत तेपणावांदूहरषधरि करजोडीएकचंत धर्दस्वामिचक्रंगतहंनभ्यो  
 नभ्योतेनवनवदेशा मातपिताबोहलाकीया चडताएडताकरिवेश ४७ दुषवहो  
 लांपणतेहांसह्यां अनंतअनंतीआप तेमूषकहीयेकेतलां तंसंयोगमायबाप धर्  
 नवद्वारेनयरावसें राजाचेतनवास माटीनोठविहंदिशि जोतांमनउद्यास धर्  
 वसेंवासव्यवहाराया समकितरयणअधर करियाकरियांणोंकरि नयरनस्युं  
 नरपूर ५० पणघासेंमोटावसें पधीपतमेवास सहीतेणोकारणकरी होसेंव  
 सविणास ५१ चौपई एकदिवसपधीसहस्रमल्या मोहरायमेहलमेंजल्या स्वांमी  
 अभ्योसवादीघणा कोडनपहंवेकांइमनतणा ५२ तेसंयोगराजाबोलीयो इरम  
 तिजोसीतेमावायो जोसाकरोहमाहंकांस जईजोयोचेतननंगंम ५३ तेणोंव  
 चलेदूरमतचाळीयो ततहणतेणोथांतकआवियो तेहांजोयोनवदासेकोय रा

१३४

जापण एक सूतो होये ५४ तेणे अवसर ते पाचो फसो मोहराय आगें जई मज्यो  
तव आसण बो लो कर जोड सुजट ग्या संघला मूष मोड ५५ तेहतणी राजा हर  
षीयो साथें पधी सवे बोला वीयो करो सता बी मलायो वार वेग होई आ वो अस  
वार ५६ क्रोध चार त्यां हां आ वीया आवकर मके डे ला वीया अशुभ मली आवा अ  
सवार राग द्वेष मलीया ऊकार ५७ असंयम सुजट आविया अवत पण साथें ला  
वीया ऊठतणामलीया बहू थोक विषयार सकहे सकू फोक ५८ ए मूक आग  
लडे केतलो एहनें हरा वूहं एक लो मद आठे मे गलजू जूया तेर काठीया मा हो  
त हवा ५९ गार वत्रण धनूष करलीया तीन शल्प जाथा जोडीया प्रकृती बहू पा  
लामल्या ऊगुरु लूटारामें जल्या द्वेष सतावन आश्रव परवस्या ते पण ते मी आगें  
कस्या अनरथ दंड उतावल करे आश्रव धार मली चहं दे श करे ६१ अठार पाप

ध्यानकथाविया परिग्रहचोविसेत्रेलावाया सातवसणचपलाईकरे हास्यादि  
 छत्रागंधरे द्वे मलीश्यापनरप्रमाद दरबारजईनेदेयेंसाद सातत्रयबोलेंये  
 महसी हजीवारकहोछेकसी द्वे अहंकारतोरिषाथस्या मंडमसाणीपणपर  
 वस्या पंडवशोकमल्याएकवार मोहरायह्याअसवार द्वे नयणांनांघूघ  
 रघमघमें रतअरतदोयवमरठले हंकारछत्रताडीयो चाडीवाबककरका  
 लायो द्वे नंघातणांगभ्यांनेंसांण मल्यापघ्नीपतरांणोरांण संज्ञाचारवाजे  
 तेंहांनेर लेत्रणत्रणफरेचहंफेर द्वे कीरतव्यासकरेंजयकार मिथ्यामतमां  
 हिंचलगादार धूसीषवासीवातचालवे हरषयोतुंलेईआगलधरे द्वे रलीया  
 तविजयाकोथली मनसावेसीआपेंवली अटपतेंषांदेशावरो वृक्षानदीमांहे  
 धीनस्यो द्वे कलपनातेंहांमेहल्यादंकीया संकाऊंमरपीयाणोदीया अविवे

किमारगसजकरं आसाशागंसरुसंचरं दृष्टं अजयणाजयगतअंधार चशोकट  
कनलागीवार पालातणोनलाजुंवार पोहतापाटणनयरदोथार ७० दोहरा  
राजासूतोनेंदजर नयरीहालकलोल जेमनमानेंतेकरं नवेदाराधोल ७१ सु  
गुरुतणोउपदेशसं सुणोरायसुजांण तवमनकंपारवथयो नितकीहांण  
विहांण ७२ सुमतिसेठमलाआविया प्रणामीमनउद्वास वसुविणासेताहरी  
पद्दीपतमेवास ७३ चोपई तेहसुंणीराजाहरषायो पंचमहाव्रतलेईसजकीयो  
पंचाचारवस्त्रनावतां शीलसन्नाहकरिशोभतां ७४ पंचसुमतिलीधंधथीयार  
मस्तकटोपगुपतिएकसार समकिततूरिपलांणसार समताउपरपाघरडार  
७५ आवअंगसंगतवलीया नवेदारलेईपूरीया संतपणोनवदरेंजाये संयम  
सुजटतेआगंध्याये ७६ मलीयाबारवरतवागीया गुणतेरेकेडेलाविया बारजा

वशाव्याधसमसी शुभलेश्यामनथांयेषूसी ७७ पंचकांतेकंडलकलकंत अग्यार  
 अंगहारलटकंत नवेवाडुमोहेमंडमी सबूरीवाधिकंवीसरी ७८ जयणापायमो  
 जडवमकंत हरवहायसांकलांशोअंत स्तरतचिह्नंदिशचमरठलंत धर्मछत्रउप  
 रताडंत ७९ मनप्रधानवेगंआविया सहसअवारसुभटलाविया नेवाथईआ  
 व्याघवास संतोषजलनीछागलपाम ८० अप्रमत्तकंसालांनहेसार चेतनरायन  
 याअसवार चितचावकतिहांलीयोसार अजाविकमांहेचलगादार ८१ आत  
 मध्यांनददांमोदीयो सुभध्यांननेजोकरलीयो यथाख्यातमंगलमलपंत सामाय  
 कमाहोतशोअंत ८२ नवकलपीचोतरेशोअंत उपकरणकोरडकूलंत एकांत  
 नूमिमादलरणाकंत करपात्रआगलनाचंत ८३ पद्मासनधरिरहाप्रविण अंत  
 रहष्टीधरिलेलाण मोहंशहसुंणोसबसही पक्षीपतमनसंकाजई ८४ उंचागे.ष

अवासकहोये शिवकन्यामलीजोये जेहनेंजीतेनूपाल तोएहनेगलेघालूंवर  
माल व्य नीरजगतणीधराअतिवहें धीरजकोकवांणकरलहें तपसंशामअ  
केलानडे वैरागवरचीकरथडहडे ८६ लेखाशुक्ककरीहस्तनाल शुभपरिणां  
ममांहेदारुडाल अनहदनादपलीतोदीयो तवग्यांनगीलोचालीयो ८७ हणो  
मोहनयोजयकार दवालकृणाचक्रफरेसार आवध्यांनदोम्याधसमसी कृमाघ  
डगलेइनेमसी ८८ विवेककंमरतेआगंधाय कहोएहीपतकंणदिशिजाये  
निरमलदृष्टीदिनकरउगायो अजेंणामनवहूदुषकीयो ८९ जागीधाडतेद  
हंदिशजाय आगंजईसडुजेलाथाय एककहेराजाविणएसं हाहारेहविकर  
सांकिस्त्रं एव एककहेचडंगतमेंघणा एककहेसहएआपणा एककहेया  
टगाडेंघणां लकृचौरासीजावांतणां ९० एस्त्रविमासीपाचाफरा दुषधरतास

इथांनकमत्या एहविधजेसेन्याजीतछै तेसुषेजिवापूरपोचछें ए१ दूहा एहप  
 क्षीजेपरहरे तेहपरवीणमदीव एहनेंआदरकरें तेजगवासोजीव ए३ सुज  
 टसहघरआविया नयरीह्योजयकार शिवकन्याततपरथई कंठविवरमा  
 ल ए४ नवजवनाफेराटल्या मलियोशिवपूरसाथ एकमनांथईसमरसे ते  
 घालेशिवबाथ ए५ चौपई एहविधजेजीतेनरनार तेशिवपूरसाथेसणगार  
 दूगातपडतांराषेसोय तेसिरनरकनवेदनहोये ए६ रागवेषसंकापरहरो  
 पक्ष्यातपणमननविधरो गूणायनगूणविचारोनेद ए७ अक्षरसंघलांछेवेद  
 ए८ नंघाविकथा मदपरसरी करोध्यांनमनआतमधरी एहअरथजेमनमे  
 धरे तेघरनावटसंघलाटले ए९ दोहरा जेमेंजाणपूतेकहं सुंणज्योरुदेमजा  
 र अलपबुधछेमाहरी पंडितकरोविचार २२०० एजगजीतणचौपई कही

मनउच्चास करजोडिकवियणकहें होज्योशिवपूरवास १ कलस श्रीआददेवअना  
दजाणो गुणवषाणोतेहतण मन्मानमोफीहाथजोडी एएककेहसंमनतणा २  
संसारएअसारजाणी सारवाणीजिनतणी प्रनुअजरजदयालदीवा भीडजांजोह  
मतणी ३ एकसागरएकवेदा सरदमाससुकलवली बीजगुरूवंशपुरनगरें रची  
स्तुतिमनरली ४ मनशुधआणीपापजाणी एहपक्षीजेपरहरे गुरुषेमसागरकहें  
साचूं तेनवमांहेनववसें ५ इतिजगजीतणचौपईसंश्रुमि ॥ अथधमाल  
लिख्येते चेतनचालाचालवेहो नाटकरोउजमाल मिथ्यामारगसजकरिहो  
फरि२तीनसेंतेनाल ६ मूकमनमतवालोमदचढ्योहो एतोपेपे२मोहनपटेक  
मूकमनमेवासीवसनहीहो उमवेतोरैचउरसुजाणा मूकमन ७ आकणी०  
सातवसणनासेगीयाहो विकथालारेलाग विषयारसदेषणचलेहो आवोर

अपेक्षेलांफाग मूकमन० ८ चांगचत्रकरशोभतीहो तालीहासअपार दुविधाव  
 ऊंगवांशलीहो हेसाजाणोरुदेहार मूक० ९ क्रोधनफेरीफरहरेहो मायाजुंगल  
 सार भादललोभसोहांमणोहो तबलतबलनोनहेपार मूकमन० १० तालदंडड  
 चकापडेहो मयूरमांनअपार जेरनईदोयवेदनाहो कांकरनोकमकार मूक०  
 ११ कर्मकोटअसोहामणोहो पुदगलपडदोबंध रागदेषदीवीधराहो नाचेशमोहन  
 रेंद मूकमन० १२ संकाधुघरघमघमेंहो नंघामूषतंबोल असंयमथईथईकरे  
 हो उडेलालगुलाल मूकमन० १३ थावरजंगमनरस्त्रायाहो वेसअमूलककील  
 कीरतदहंदसविस्तरीहो अरतकीरंगरोल मूकमन० १४ एहअनादिपेषणोहो  
 देषोदेशोचत्रसुजांण जीवसहकोसारिषोहो मतकरज्योकोईहांण मूकमन०  
 १५ करजोमासुरोभणोहो प्रभुनाटकएहनिवार हंबलहारिआपकुंहो गहीगही

पावोपार मूकमना १६ वसंतरतसोहामणा हो सोहेभाषाभास नागोखांउपासरे  
हो गायोगायोमनरेउत्तास मूक १७ इतिधमाल दोहरा चौदलोकएमनाचाथो  
षेल्योनवनवषेल अबजडचेतनकीकथा केहसूतेमनगेल १८ चाल जिनवंदं  
रेनिग्रंथगुरुमाहेगुंणाघणा पीयुसूंगाजोरेसुंदरवचनसोहांमणा मूकपाषेरेको  
डनपहंचेमनतणा पीयुंनतररेराषोकरीजतनघणा १९ चडावो करोजतन  
घणांपीयुमनसूहे कोइनगतपठेनवकरे पटरसजोजनदेयोनावता अंतए  
मूकनेपरसरे २० मायबाएबंधवपूतपतनी धीयाकटंबसहूएतणा सवनेहत्रोडी  
प्रमजोमो राषोकरायजतनघणा २१ चाल संगासुंदररेकंथवचनकहेमनतणा  
मूकपाषेरेआदरकुंणादेसेंघणा आजूणारेउतारेसडुअंगतणा मूषदीसेरेअंगस  
वेअसोहांमणा २२ चडावो असोहांमणासवअंगदीसे रूपजावणसवहरे स

गानकेसहस्रोत्तमाने कोयमनमेंनवधरं १३ बलतेजशक्रमसवेजांये कामन  
 धायेपरतणां दोथारसंघलानरसदासे अंगसवेअशोहामणा १४ बाल स्तंण  
 स्वामिरेमूकविनासुषनविजोगवो धेतोनरकेरेजइनेदुखकेमजोगवो चहंग  
 तमेरेदुखअनंतात्पांसहां तेहेदनरेजेदनकीमजायेकहां १५ बडावो किं  
 मजायेदुखमूखकेहतां स्वामिधेजायुंघणं नितइतरनिगोदजमतां दुखजां  
 णोमनतणां १६ एपंकथावरजम्पोरेजोला विगलेडीदुखबडसहां तारयं  
 चभाहेपरतणेधाये तेदुखकेमजायेकहां १७ बाल स्तंणजोला रेगरजनकी  
 जेपीउकहे मूकपाघेरेतूपणकोमीनवलहे सडदेष्टरेकरफालीबाहरधरे  
 एकहांमीरेजागीएकआगलधरे १८ बडावो बुककरेआगलजाजनजागे धन  
 सजनसहतेहांरहे सकटएकजरलावकाठी तरतपावकमेदहे १९ पंचदिव

समलिशोकपाले पडेकोतवचितधरे एसावितकवीतेबुजने हांमीएकआगल  
धरे ३० चाल संग्गामिरेचहंगतमाहिंभुंघरी मूफपाघेरेतुंकिंमजायेसप्रवत  
री ठकरांगारेमूफसेतीपांचेसूरी वियोगैरेतुफकारणथांयुंदुखी ३१ चडावो दु  
खाथांयुंतेविरहकेरे सुकीनेपंजरधई शिवपूरसमाधिसुषेपहंचे मूफसाटेजि  
नवरकही ३२ सातताधडभूषतरसे उंचमचावेचामषी ग्रहवासतजिवनवा  
सजायुं बुफकारणथांयुंदुखी ३३ चाल पीयूतडधारेवचनपनोतानेकहे बुफ  
घेरेरेवेसेतेसुषकेमलहे स्त्रियनषशिवरेषरणअवगुंणसंजरी तूतोअहनिम  
रेकूडकपटनाकोथली ३४ चमावो कोथलीकूमकपटकेरी बुफसगइंकोईसु  
खलेहो नरअमरदरशाणीरायरांगा तेसवकेकरहोईरह्या ३५ जानेफटनिगुणा  
लाजविहंगणी सरेबुफपाषेसही वैऊंठपरघरवासकरसुं षाषधईजायेसवही

मविपाः

३६ चाल पीयुवचनेरेगरनगलोअरतनई घरषोअपूरेपीयुपाषेनसरेसही स्त्रीयबो  
 लेरेस्वामिमहसतांकहूं उमदरशागरेदेषतमूऊमनउलस्युं ३७ चडावो उहस्युंम  
 नदेवदेषतअमायमेलोचनवस्यां तमअजरअमरअरूपअवगतदेषतांकारजस  
 स्यां ३८ पणचंतधोलिस्वामिनरषो एकपगनरकिंमचले विणपूण्यप्रवाहणच  
 लेकहोकिंम एबोलमूऊकरज्जोवले ३९ चाल तेरोवचनेरेजागीएपीउजणोषरूं  
 सकलैणारे फोकटगर्वहविनवकरूं घरमोरेरेजातांउऊआडीधरूं हविंसंदररे  
 तेरांजतनघणांकरूं ४० चडावो करूंजतनघणांरूपकारणनहेप्रांणामांदेयूं  
 उऊनहेजडावूंनहेनंदूं समजावेजतनकरूं ४१ कौधलोअअहंकारटालूं मांजगा  
 लूंमनतणां रागदेषमनमलपषालूं समजावेजतनकरूं ४२ दोहरा जगवांन  
 हठजांज्जोषरो मनमलायोनरनार समजाविंचितराषमी तेपहूंवेजवणार ४३

जब लग आसा देह की तब निरजय नव होये स्त्रीय विना शिव पूरन हें हश्ये विचारी  
जोये ४४ स्त्रीय विचारि करे पायु अतली बल होय दोनूं मली रंगीर में तो एषी  
तव स होय ४५ चेतनने सिधें गतणुं की दरवुं मन लाय घे म कहें तत सूर कहें तो से  
हे जें शिव पुर जाये ४६ जड चेतन समवाद एह कह्यो सुगुरु सम जाये सूर पची सी अब  
कहं सुणो चतुर मनाये ४७ पण आ जिन वर चिद्रूप नमी जे आग म हेत अध्यात  
मकी जे अष्ट कर म सुं हं नव जडीयो धर मन जाणो बहू कर चडीयो ४८ काम को ध  
मोटा मे वासा तेण ही बांधस स्त्री ना पासा राग द्वेष दीय शुभ नट फूजारा आलस मो  
हमहा मत वाला ४९ दृक्मालो ज फिरे चहुं फेरा तस कारण घट वास वसेरा पर  
सुं घे म कीयो बहू तेरो तेण ही काम वगा मो मेरो ५० धन रामा कर तो हं नमीयो  
ते कारण में आन वग मीयो लक्ष्मी रासी ए मर डव डीयो जिम जोगी कर मां कड

चडायो ५१ पुन्यपापकेमारगलागो एमउछालाकरिजागो एमकरतांसद  
 गुरुमेंपायो ताकोवचनमोरेमनजायो ५२ दुरकराजवसंघलीभाया तवहीघट  
 मेंपरचापाया आहारनिद्राअल्पकरिजे श्रीसनदृढमनसाथीरकीजे ५३ गग  
 नमंडलमेंपवनजरिजे दृगटीबंधजलापेरदाजे तीनद्वाररुंधोपरवीना दोधारे  
 मूरतलादीना ५४ पेटपूठमलायोजाई गगनलंबकारहोवलाई अनहदनाद  
 जलापेरेंदाजे तवहीमनकाधोषाजाजे ५५ रेवकुंकुंबकघरकमाया तवहीअ  
 गमअगोवरपाया ब्रह्मध्यानअंतरपरजाले कर्मकाष्टरुणाएकमेंवाले ५६ उ  
 रपवनआकावाचठायी चंद्रसूरदोयसुभटनगाया कमजएकसोलदलकंता  
 हीरामोतीतेहाकलकंता ५७ ताउपरसंघासराजाएंगु मणीमयगादितेंहांवसं  
 एंगु गुरुप्रसादेंसेवापांमी तेंहांवेराजेअंतरजांमी ५८ समरसजलसंधामाकी

ना उपसमरसचंदनघसिलीना जावफूलकीमालचठार्ई ग्यानदीपकीसिधाजगा  
ई पूर्ण विषेछेदनिवेदवषांणं क्रोधछेदफलआगंआंणं ध्यानधूपकीप्रेमलदीजे  
मनषजनमकालाहालीजे ईं आणंदमेंआरतिवषांणं नममिटावीअरुतआंणं  
तानतत्वकोमूगटविराजे सोहंशवदकीमोरलीवाजे ईं नमरगफामेंनयाअजू  
याला तेहांनांचेअविनांसीबाला तासूंलानरहोचितलाई लिंगवासनासवेनला  
ई ईं रामचरणामेराचितलागा जामरणमरणतणाअयनागा सेवकनेराषोत  
मपासें देदरनाणाअबकहाविमार्सें ईं दोहराअजराअमराहैसदा अविनासीम  
हाक्षंम अलषअरूपीसर्वगत तेहीआतमरांम ईं स्वयमेवसिधनिंपनो टांको  
नहंलगार सरवंगेवापीरह्यो कोयनपावेणार ईं तासूंतालीलागतां नमस  
वेमटिजाये वाकोदरनाणादेषकर जोतेंजोतेमेलाय ईं बाल तबसाहबसूं

लागीताली तेहांगोरधरेह्यासनवाली नयत्राबदकापरचापाया तबमूऊनेत्रू  
 ठारघुशया ६७ यामेंदेवत्रिजंगीसोहे देषतनवियणकामनमोहे रांभरसमि  
 षातासारा तबहीजांणामकलपसाग ६८ अनुजवरसञ्चरवचाषी तवत्रा  
 ऊलतामनकीनांषी एणिविधतमकरज्योषजा आतमदेवनदासेदूजा ह्य  
 पूंन्यापापकीदोशतोरी सुषदुखकीत्यांहांमांनमरोरी मजकनंदकदोयवषां  
 णूं हीशयापरसमकरजांणूं ७० जेकारणातीरथफरीशया तेषामिघट  
 जितरयाया जेंहांदेषुंतहांअवरनकोई घट२मेंअवनासीहोहि ७१ दोहरा प्र  
 थवीयांणीअगतमें वायवनस्पतिरूप ब्रह्मफूलघट२रह्यो ताकोअलष  
 अरूप ७२ मूरपचासानितगाणो मांनलतांसुषहोये याकुंयाहीछोडवे ओ  
 रनदूजाकोय ७३ देवअलषमेंवरणाव्यो रह्योघटमेलपटाय नवनदीनांतें

पेलतां कोयनदीसेसहाये ७४ घटमेमनरहेंसदा जाणोंवरलाकोय एनकी  
करमविटंबना तेसमजावोमोहे ७५ अनंतकालनाश्रावद्या कीयातेऊ  
क्रमकोड आपेआपहीविंनवे अबतंपासातोड ७६ इतिमूरपचासी ध  
नकारणदहंदिशिजमेरे नगणोसांऊसवार धरमथकीअलगोरहेरे किंम  
उतरसोवलीणारोरे संथमसूरमोतजो२ममतावलिलोचोरे आलेंनवकांइ  
गमो ७७ आंकणी० कपटकरीधनमेलीयूरे वांटासहूपरिवार नारेधमव  
इविधनयोरे छंदेचालेवलीनारोरे संथम७ ७८ महेलिघाटघमावीयोरे  
पेहगवापरिवार नरकतणांदुषएकलोरे जोगवसीनिरक्षारै संथम७  
७९ योवननरजबआवियोरे रमणीरंगअपार कामारतवाह्योफरेरे जोवनव  
हेअसगलोरे संथम७ ८० अतिरसलवध्योस्वानयोरे वमनकरेरेआहार

मविपान

त्योंतुममनमुगधीरखोरे कीणकीनभानेवलिकारोरे संयम० ८२ अंतसमो  
 जबआवियोरे पोहबोहाथपसार कोलाहलजबहोईरखोरे मलीयोसङ्गपरि  
 वाशेरे संयम० ८३ घरणीघरमेंधूसीरहारे धननविचाल्युरेखार जागेजाजन  
 वलीअगनलेइने कायाकीधिवलीछारोरे संयम० ८४ अलपदिवसनाप्रांड  
 एारे सहकोएणोसंसार तूंजमकीडाठेंयखोरे चेतनहीगमारोरे संयम०  
 ८५ ज्यौंरामतबाजीगरैरे चहुंटेमांडीसार त्योंतुमएणोनवआवीथारे विचरत  
 नलागेवारोरे संयम० ८६ एमजाणीसमतागहारे लोनमकरोरेलगार हंसा  
 मारगवलीपरहरोरे निस्पेपांमेसतूंपारोरे संयम० ८७ लोकसङ्गसाकक  
 हेरे मनमेकरोरेविचार आगमआध्यातममूषकहेरे हंसायेसहीहारोरे सं  
 यम० ८८ कहेंसूंणंबहोरूंकरैरे परकासेंएहमाग तातेंअचरनहोईरखोरे

१४३

बोलाकोनहेंलागोरे संयम० छ मानवजवअतिदोहालोरे चोडोइंद्रिंग  
परमज्योतपरमात्मानं ध्यानकरोमनसंगोरे संयम० एण कहेसुरोपंशित  
संगोरे आगमकरोरेप्रवेश केवलवचनसोहामणारे हंसानोनहेलेसोरे सं  
यम० एण दोहरा करमजावनीकथाकही तेतोछेसूफमांहे धरमतणीगतओ  
रहे तेपणामूफमांनाहे एण अगमपंथछेधर्मनो विरलाजाणोंकोये अबकहं  
धरमधमालसू गतअवगतकहंतोये एण अथधर्मधमाल अध्यातमविनु  
क्योंपाइयेहो आतमरूपअनूप परमपुरुषपडदेरहेहो क्योंकरिलधूनिजरूप  
आकणी० एण हेनितरबाहेरनांहेहो हेहेनांहेनांहे असोअवगतआतमाहो  
धररह्योघटमांहे अण एण रगतपीतनीलोनहांहो असोअवगतेश्यातमाहो  
स्वतस्यांमनहेंकोय अधओरधमधकोनहांहो चलणवलणनहेकोये अण एण

डालमूलपातनहेंहो फूलफलाफलनाहें सीतउल्लादीसेनहेंहो अरिहोत्रिलोक  
 मांहिं अ० ए० गांमसिमअटवीनाहेंहो नगरकोटनहेंगांम पलपलमेंरंगकेकरे  
 हो असाभरोशातभरांम अ० ए० पेटपूठपगकरनहेंहो नंतनाकनहेंकांन तत्व  
 गमनमूरवइंद्रानाहेंहो नहेकबुजेधनवान अ० ए० कीडीकंजरपंधीनाहेंहो  
 विद्याधरनहेंदेव स्थियपुरुषनपुंसकनाहेंहो केणीपरिकरुंवाकीसेव अ० ए०  
 अजरअमरअविनाशिअवगत अलषअरूपीकलोनविजाय तीनलोकएकवा  
 लअगरथी तामेफरियसमाय अ० २३०० अषतरसनाहेंरोगशोकअय दूष  
 नहेंश्रावोंजांम एसादेवनिरंजणादेष्ठा नमोनमोकेवलरांम अ० २ पहाडपां  
 णजलजमीआकाश देशविदेशनाहें नांमगोतनहेंजातपांतकीए दहंदिशिहूं  
 टतकांइं अ० २ याघटमेंबृहस्पअषारो तातेलधेनहेंवाट तेणोपणमाधवमे

हलनश्या तास्थकसोबद्धघाट अ० ३ अजरअमरपदकौंपाईयेहो अंक  
णी० मनसायेरमनमालीरहो मनदांनोमनमेर उंचनीचनेधरमीअधरमी तेस  
वमनकेफेर अजर० ४ मनलोत्रीमनलालचीहो मनकायरमनसूर कांमको  
धमनहीतेंचलेहो मनसुषदुषलहेजरपुर अजर० ५ मनदासिमनराधिकाहो  
मनमाक्षेमातंग मनजोगीमनजोगीमेरा करेअजनमांहेअंग अजर० ६ तांदु  
लकीपलाकालसूरीहो प्रचंदचंद्ररुषीराय मिनफेरतनिरजेअयेहो मनहाथी  
चिह्नगतजाये अजर० ७ जीवमहाअतीवताबलजांणूं ताकेमनपरक्षान्त म  
नकेहाथसबेकरतूती मनहीथीहोएनिरवांण अजर० ८ मनहीकौंमानेन  
हंहो तेनरजांणोचाट ताकोमनषजनमसबनिरफल परेअजनमेंवाट अजर०  
९ संयमशीलदांनतएपूजा मनपाखेसवफोक मनवसअंणीपारपहंचौ मनही

मविन

सौं करो संतोष अजरा १० अजरा भरपद यूपाइये हो अंकणी करता अरता नुग  
 ता हो घटवा सी घटमां हैं गुरु प्रसाद ते में पायो हो बाहेर देषत नां हैं अजरा ११  
 धरम धमाल संगाय तां तरत मले मोशर मनमा कडजे वश करे हो तोडे देही सौं  
 प्यार अजरा १२ स्वर कहें मन कौं समजावो छोडा सब जंजाल आवागमण त  
 णो नय भागे संगो सह बाल गोपाल अजरा भरपद यूपाइये हो १३ इति धर्म  
 धमाल दोहरा साधु वंदना आगम अथमत मगाइयो ग्वां नी कीयो वषांण मूट  
 मति समजें नही जौं पांणी मां हैं पाषांण १४ बकतां संगतां न वनया समज्यो  
 न हें लव लेश ताकारण चहंगत जम्यो करिते न वनव वेश १५ बापर केणी पेर  
 निस्त स्या कैसे कल्याजिनंद वनवासी मूनी वर कहो संग मां मन आणंद १६ क  
 हो केणी विध करणी करि किं मछोडी परनी सार १७ मल पंचविधे सूप समजांणी  
३५

२४५

शां॥जांणोअथिरसंसारोजी॥जमरोनितकोशरसंधीकरे॥लेतनलागोवारोजी॥चर  
यो नमसंसाधसोहामणा॥१८॥नांमथकीनिस्तारोजी॥दरशाणदीठेपात्यकसङ्कटले  
उतारेंअवपारोजी॥चरणो०॥१९॥गजरथत्ररंगमसङ्कपरहस्या॥रमणीराजमंडारोजी॥  
अंगअनूषणछोभांहरषसं॥कोयनआवेनारोजी॥चरणो०॥२०॥पंचमहाव्रतसुधं  
जेधरे॥छोमोइंडीसंगोजी॥पंचमूमतिमुंनिवरपगठवे॥शिरलूंछेमनरंगोजी॥चरणो  
०॥२१॥दातणस्नानतजीआवसककरे॥सिंहासणवणारागोजी॥वस्त्रतजीथीतजी  
जनमूतिकरे॥पछेजलनोत्यागोजी॥चरणो०॥२२॥मूलअठावीसगुणमूनिमोचता॥  
दशलक्षणीदीपंतोजी॥पांचाचारपालेपरवस्या॥कोष्ठादिकतजंतोजी॥चरणो०॥२३  
वारअनप्रेक्षामुनिवरमनधरे॥त्रणगुपतितसशांणोजी॥सहसअठारात्रीयलसारी  
मणी॥चरणकरणताजांणोजी॥चरणो०॥२४॥लक्षचौरासीजीवदयातणा॥जांणोने

दविचारोजी ॥ सहस्रपूरवल्लगें मूनिवरतेहां रहे ॥ कारणकरोविहारोजी ॥ चरणे ० ॥ १५ ॥  
 पूजकनंदकमुषदुषसारिषा ॥ काचरणसमधरोजी ॥ अहनिशधसयें मूनिवर  
 शतमा ॥ गुणअनेकमंडारोजी ॥ चरणे ० ॥ १६ ॥ आवणमासजोवरसेसरवडे ॥ पछिं  
 तरुपरटवकंतोजी ॥ दहंदिशवेलावसमावायरा ॥ ध्यानमगनथिरचंतोजी ॥ च  
 रणे ० ॥ १७ ॥ अजगडकेचमकेवीजली ॥ मेहनपंडेक्षरोजी ॥ उचमचाईकीटक  
 दुषवड ॥ सहपरिसहभारोजी ॥ चरणे ० ॥ १८ ॥ नेरवबोलेजंबूकफेकरे ॥ धूळउछाले  
 सीहोजी ॥ आसणावालीमूनिवर एकला ॥ वेवाअचलअबिहोजी ॥ चरणे ० ॥ १९ ॥  
 मोरकेगायेंमेहाऊडकरे ॥ छोम्योसवविदहारोजी ॥ मासचहूनंअणसणउचरी  
 नरवहेसंयमजारोजी ॥ चरणे ० ॥ २० ॥ दोषछेतालीसटालीनेषारणं ॥ उजावरतअजा  
 वोजी ॥ नारसआहारतेपणथोमेरो ॥ महियधमहिमोसोजी ॥ चरणे ० ॥ २१ ॥ विगोमले

तोनांगोविषमल्युं श्रीयसापेंगाजसफीकोजी गयंवरसीहमलेंतो नवफरें जाव  
तअशिरअलीकोजी चरणो० ३२ माससीयालेकीणोवायरो सीतलकपरारेतो  
जी हरबलदीसेंघुचेंकाकरा संयमउपरहेतोजी चरणो० ३३ नदीसरकांवेमूनी  
वरथीतकरें टाठेंअस्तगलंतोजी सरोवरथीजेपातकसवटले ध्यानथकीनचलें  
तोजी चरणो० हाडचरमनसमांसरूधीरविना मेलतणाबड्ढापोजी मृतकदीसे  
जांणोअदबल्युं नअषेसीहनेसापोजी चरणो० ३५ मासउनालेकीरणआकरी अग  
नपडेलूफालोजी परवतमस्तकमुनिवरथीतकरें बेठाअसणवालोजी चरणो०  
३६ तातीवेल्पाथबहुतयें दाजेंमूंगरदेहोजी स्त्रजसनमूषडंडासणकरें बेठाअ  
सणवालोजी चरणो० ३७ कंठस्तकायेंहोठषडीपडे हइमूंनयणवलंतोजी पुदग  
लजांणोमूनिवरपारकूं आतमध्यांनधरंतोजी चरणो० ३८ एहवामूंनिवरनयणो

नरघतां ॥ वाधेपून्पञ्जडाशोजी ॥ आगमपंथमूनीवरपाठवे ॥ अपेक्षापसधरोजी ॥ चर  
 णो ॥ ३१ ॥ एहवेभारगजेनरचालसे ॥ तेहनां सरसां काजोजी ॥ स्वरपदवीतोनिस्पेयां  
 मसे ॥ पछेमुगतिपूरांनराजोजी ॥ चरणो ॥ ४० ॥ दोहरा ॥ एहवनवासीसाधनां ॥ लहरा  
 कहांविचार ॥ बोधेकालेजेहसे ॥ सहीजांणोनरनार ॥ ४१ ॥ संस्थानसंघणप्रथम ॥ का  
 ईकसमकितहोये ॥ जथाख्यातजवआवसी ॥ शिवपदलेसेसोये ॥ ४२ ॥ चलतंश्रीगु  
 रुंकरहे ॥ जगमेंमायाजोर ॥ काजअकाजहीनवगणो ॥ करतेसोरसोर ॥ ४३ ॥ क्रोधिं  
 पणधधतोरहे ॥ नकरनेकहटक ॥ कोडीकरेकारणो ॥ शोडेनेहतटक ॥ ४४ ॥ नगणोवे  
 हनजांराजी ॥ नगणोजातकुजात ॥ निचीगतनामांणसां ॥ तासंकरहेमायवाप ॥ ४५ ॥  
 गुरुवलतंमनगहगही ॥ बोलेंअमृतवांण ॥ जोपूछेतोहराकहं ॥ मनमतधरजे ॥  
 कांण ॥ ४६ ॥ चौपई ॥ आदअनादिकालएअमणो ॥ लहरासीजोनेरम्यो ॥ अत्रतनेमि

थ्यातें करी तेह नो वाह्यो न जो ये करी ४७ स्त्रामि अत्र तने मिथ्यात स्त्रं कहिये स्त्रं  
मि कहो वात मिथ्या कहतां ऊठी वात रात दिवस करी एतात ४८ पुढ गज पु  
त्र कछत्र परिवार छोटी वस्त्र उपर मन धर देव धर मगुरु छोटा गहे रात दिवस  
मनता पर रहे ४९ अत्र त केहतां अगडन को ए पण पाषे हर मले न सोय प  
ण पाषे कोय पर न विलहे तप पाषे के म काया दहे ५० शीयल विना न वसी  
के कोये दया विना मूगत न व होये पण विण नू ल्या चिह्न गत फस्यो तेह नो वा  
यो बहू पर वस्यो ५१ नग मे धर्म ध्यान नीरित तेह नो वाह्यो करे अनित रात दि  
वस ते धष तो रहे घर वले अभ्यासे करे ५२ पंचेथा वर जंगम जके हंसा करत  
न धूजे तके धून्प वंत प्राणी नग मे तेह एणा हंसा थी निचा तेह ५३ पंचेडी  
वस्ये न ही जेहनें छतुं मन विकल तेहने एह षट जेहने वश्य न होय बार अ

विरतजांणोसोय ॥ ५४ ॥ तेहकारणएणउपरशीत ॥ रातदिवसतेकरेंअतित ॥  
 अेसोठगवाजीछेजीव ॥ मोहमदएणोपीयोअतीव ॥ ५५ ॥ अनंतसकतअदंहे  
 सही ॥ कांसक्रोधमेंजायेंवही ॥ धनरांभाकरतोदिनरात ॥ दयातणीनवनांणोवा  
 त ॥ ५६ ॥ अवृत्तमिथ्याघटमेंवास ॥ एसोपूरवनोअजास ॥ तेहनोवाह्योदहंदिअ  
 फरे ॥ अणाचारकरतोभवडरे ॥ ५७ ॥ वारशशीष्यकेतुंकेहं ॥ एहसंगतनोपारन  
 जहं ॥ परधनमूंसेमनउलास ॥ पायीमोहनछांडेपास ॥ ५८ ॥ दोहरा ॥ मायाछाया  
 एकहे ॥ घटेवढेछिनमांहे ॥ एनकीसंगतजेलगे ॥ तिनकौंकहांसुषनांहे ॥ ५९ ॥  
 एसमायाकेकारणो ॥ चलीयारांणधुमांण ॥ षटदरशणनातेपणछल्या ॥ जांण  
 तनयाअजांण ॥ ६० ॥ मायायाशीदारहे ॥ रांमनजनकौंजांण ॥ चोशसीमेंफेरवे  
 नीस्येकरस्येहांण ॥ ६१ ॥ मायाअतिनवोरछे ॥ जेसोगणिकाशग ॥ रतनएककौं

छोड दे ॥ शोरां छुरहेलाग ॥ ६२ ॥ जे मायासंग मरह्या ॥ ता कौं सां जरे न रां म ॥ ज्यौं मा  
षी श्रेष्ठा गडी ॥ त्यों बहू जण वंठां कां म ॥ ६३ ॥ श्रावं जाम जक सो रहे ॥ मायासुं नर  
नार ॥ जागी ना व अथ गजल ॥ ते किं मयां मे पार ॥ ६४ ॥ माया वेली विष तणी ॥  
जे सां जम रा वेल ॥ मूल अकी न व का तरे ॥ तामें पड से हे ल ॥ ६५ ॥ अहनिश माया  
में मगन ॥ ताको वण से काज ॥ दी वा ज्यो त पतं ग ज्यौं ॥ पडे गडुं दा बाज ॥ ६६ ॥ मा  
या से ती त न ग मे ॥ रां म ज न ले ये का ट ॥ माया ए सी पा पणी ॥ न व मे पा डे वा ट ॥ ६७ ॥  
माया के रे पूर में ॥ च ल्यो स हूं सं सार ॥ क ल ज ग नूं कार ण जे सूं ॥ को ए न पूं हू चे पार ॥  
७० ॥ माया श्रेष्ठा ज ग त की ॥ धर म रं ग स व धो य ॥ पा प णो त प र ग ट करी ॥ ग ई क मा  
ई धो ये ॥ ७१ ॥ माया त रू य र मो ट को ॥ स व जु ग वे ठा छो हे ॥ धर म ध का दी ट ह की यो  
ऊ ण श्रा वो मू ऊ मां हे ॥ ७२ ॥ माया बी बी ज ग त की ॥ न व न व करे उ पा य ॥ मू ग ल वि

चारो क्या करे ॥ जय जावे तय जाय ॥ ७३ ॥ लोभ मूल छे पाप नूं ॥ दुष नूं मूल सनेह ॥ मूल  
 अजी रण व्याध को ॥ मरण मूल छे देह ॥ ७४ ॥ जे अशासा के दासनर ॥ ते नर जगत के दा  
 स ॥ आसा दासी जे सकी ॥ जगत दास हेतास ॥ ७५ ॥ ए सभाया के कारणो ॥ जले कटा वसी  
 स ॥ ते मूरष के मकरि सके ॥ हर ज जन कौं रीस ॥ ७६ ॥ जे माया संत्राच के ॥ मन में राषे वो  
 ज ॥ के तो ताथे पर जला ॥ के जंगल में रोऊ ॥ ७७ ॥ जां हां आ पा त्यां हां आपदा ॥ जे हां सां सो  
 तें हां सो ग ॥ सद गुरु दिनु ज्ञाने नही ॥ दो उं जाल मरोग ॥ ७८ ॥ जे माया में मगत नर ॥ ज  
 ग में करे अयाल ॥ अत मर सजां गे नही ॥ ते कल माहे कला ल ॥ ७९ ॥ मास पाष उष वा  
 स करे ॥ समता वण नर को ये ॥ अत महेत जां गे नही ॥ निश्चै ठाला सोय ॥ ८० ॥ देव धरम  
 गुरु ग्रंथ मत ॥ रत न जगत में चार ॥ सावेली जे परषिकर ॥ कृते दी जे डार ॥ ८१ ॥ ऊ गुरु सु  
 गुरु के मयारषो ॥ शिष्य पूछे गुरु राय ॥ ऊ गुरु हंसा में मगन ॥ जी ज्ञा में वहि जाये ॥ ८२ ॥

दांमदुनियां कौंदुषदेये ॥ तेराघे मनमाय ॥ तेहकारणादहंदेशि करे ॥ तेनरसुगुरुनांहे  
८३ ॥ चेलाचेलीकारणों ॥ करेविकलमनमांये ॥ दिनवचनजेनितलवे ॥ तेनरसुगुरु  
नांहि ॥ ८४ ॥ पुस्तकपातरवस्त्रउपर ॥ अहनिशरहेषूस्पाल ॥ भासूंभासूंमूषकहे ॥ तेणों  
परतकमांडीपाल ॥ ८५ ॥ ताकारणाकगमोकरे ॥ लरेफरेपरदेश ॥ तरेनकोईतारिस  
के ॥ तेणोफोकटलीक्षेवेस ॥ ८६ ॥ जीश्याइंद्रीवस्यनहे ॥ नरमायांनरनार ॥ आपअव  
स्थाजोगवे ॥ केमकरसेंपरसार ॥ ८७ ॥ दिहूदेशिनटकतभवजया ॥ नगणोंसांजस  
वार ॥ मुखेमारगसमकेनही ॥ तेनरसहागमार ॥ ८८ ॥ गइवस्तसोचेनहे ॥ आगमचंत  
नहोय ॥ वस्त्राविसम्पारहेसदा ॥ तेजगमेंसुगुरुसोये ॥ ८९ ॥ रायरंकतिरधनधनी ॥ सु  
षदुषसमकरहोये ॥ मजकनंदककाचमणी ॥ उंचनीचनहीकोए ॥ ९० ॥ रहेंउदासीरा  
तदिन ॥ दुनियांकारसफीक ॥ रांमजजनऊंउद्यमी ॥ तेतारणातेहतीक ॥ ९१ ॥ सकनमु

झरतनवगणो ॥ जोतकनीमतनलगार ॥ चूरागोलिको नहें ॥ तेसाचा अणुगार  
 ॥ २ ॥ चलेंतदेजगावे नहें ॥ साथनमांनगुमांन ॥ नहेवांचें अणुसूक्तो ॥ तेगुरूजा  
 हाजसमांन ॥ ३ ॥ झंकेहनोकोमूऊनहें ॥ साधसमवानहेंकोये ॥ जधभावेतथ  
 हारहे ॥ साचासदगुरूसोए ॥ ४ ॥ वाजेपहोरभगतकरें ॥ नववारेंकछुवार ॥ जांम  
 तासरेनिंदरा ॥ नवलोपेंजिनकार ॥ ५ ॥ नवकलपीबूकेनहीं ॥ नकरेंपुदगालसा  
 र ॥ ध्यांनमगानमैरहेंसदा ॥ तेबूटेंनिरक्षार ॥ ६ ॥ ज्ञानांतेलमंगांमें ॥ चलेंतदेसवेसा  
 थ ॥ नकरेंआशाकेहनी ॥ तेघालेइशिवबाथ ॥ ७ ॥ विकथापणवांचेंनहीं ॥ करें  
 नसुंगोलगार ॥ करमजीवनिकथाकहे ॥ तेपहेंचेभवयार ॥ ८ ॥ करिंस्वादनच  
 रडको ॥ बचकनकटकोकोइ ॥ नेलादरवनदोथकरें ॥ जगजोगीसरहोये ॥ ९ ॥  
 ऊबकधबकसोनविचले ॥ मेलनमेहलेदूर ॥ अंतरउकालफटकज्यो ॥ तेसांक

जगत्सूर ॥ १४०० ॥ सात उष्ण वरषातणा ॥ सहें परिमाजेह ॥ वैरागी दिठ आसण  
वातपसीतेह ॥ १ ॥ नयजीत्यामटकोनहें ॥ ग्णं नमगननिशदिस ॥ आयसमाणासक  
गणो ॥ तरसोविसवाविस ॥ २ ॥ एककवलजावेदेये ॥ तेहनां सरसें काज ॥ आयनज  
नथानिस्तरें ॥ ग्णं नक्रियामेंवास ॥ ३ ॥ चलेंतरषासाकते ॥ शीयलसारोमणीसार ॥ रा  
गेनरमणीनरषजे ॥ लयेनसरसआहार ॥ ४ ॥ क्रोधलोभमूलेनहीं ॥ नकरेनेंकवि  
वाद ॥ रागदेषजोक्षसबल ॥ जेजातेतेसाध ॥ ५ ॥ रतअरतसेवेनहीं ॥ नकरेंकोयअ  
पाल ॥ इंडीजातेतेजती ॥ एमबोलेंबालगोपाल ॥ ६ ॥ संतोषाकवलेंसदा ॥ समतास  
हितमुजांण ॥ वरुाविसम्पारहेंसदा ॥ तेपह्लेचेनिरवांण ॥ ७ ॥ आगमसांणी  
ओरनबोलेंबोल ॥ दयापरूपेंशतदिन ॥ हिंसायेरहेंअबोल ॥ ८ ॥ एकनगतचूकेन  
हीं ॥ पाछेंजलनोत्याग ॥ आतमहेतजांणोंसही ॥ तेसमजेंजिनमाग ॥ ९ ॥ परनंद्यामू

कर्मवि.

१५१

खनविगमे ॥ हास्यादिनकरंत ॥ संकाकंकाकोयनहे ॥ जात्योतेशिवमत्र ॥ एहक्षेपार  
 गनेचले ॥ तेनरजाणोप्राध ॥ एगधीविजाजेनरा ॥ तेसवजाणोबाध ॥ २४२ ॥ इतिश्रीक  
 षकसूत्रसंपूर्णम् ॥ संवत् १८१४ वर्षे शाके १६९८ पूर्तमाने माघे माघे १५ तथ  
 केनवम्यां नौभवासरे लिखितम् श्रीव्यंजनपुरमध्ये ॥ ॥ श्रीरक्त कल्पितामस  
 श्रीगार्जिश्रीपद्मेवचंदेजिपंकितलक्ष्मीचंदेजीलक्षते ॥ ॥ श्री ॥ ॥ ॥

कर्मविप्रवृत्तं ॥ कुं ॥  
 कर्मदा. १ - २ - ३५ ॥ १४१ ॥ १४२

ने - १३६